

Historia Visigna The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित PUBLISHED BY AUTHORITY

सं॰ 19]

नई विल्ली, शनिवार, मई 9, 1987 (वैशाख 19, 1909)

No. 19]

NEW DELHI, SATURDAY, MAY 9, 1987 (VAISAKHA 19, 1909)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संस्था दी जाती है जिससे कि वह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके (Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

माग III—वण्ड 1

[PART III-SECTION 1]

उच्च म्यायालयों, नियम्ब्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीनस्य कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

[Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India]

संघ लोक सेवा घायोग नई दिल्ली दिनांक 2 मार्च 1987

सं० ए-38013/3/86-प्रणा०-3—राष्ट्रपति, संघ लोक सेवा प्रायोग के कार्यालय में केन्द्रीय मिववालय सेवा संवर्ग के स्थायी सहायक तथा तदर्थ ष्राधार पर स्थानापन्न रूप से प्रनुभाग प्रधिकारी के पद पर कार्यरत श्री ए० एस० वेदी को कार्मिक प्रारं प्रणासनिक सुधार विभाग के श्रादेश सं० 33/12/73-स्था० (क) दिनांक 24-11-73 की शर्तों के प्रनुसार, निवर्त्त श्रायु होने पर 28 फरवरी, 1987 के श्रपराह्न से सरकारी सेवा से निवृत्त होने की सहर्ष श्रम्मित प्रदान करते हैं।

दिनांक 31 मार्च 1987

सं० ए-19014/3/87-प्रमा०-I—राष्ट्रपति, संघ लोक मेवा श्रायोग के कार्यालय में के०स०से० के श्री नरिन्दर सिंह को 27 मार्च, 1987 के पूर्वाह्न मे श्रागामी श्रादेशों तक श्रवर मचिव के पद पर सहर्ष नियक्त करते हैं।

> एम० पी० जैन, श्रवर मचिव (का०प्रशा०) संघ लोक सेवा श्रायोग

गृह मंत्रालय

पुलिस ब्रनुमंधान एवं विकास ब्यूरो नर्ष दिल्ली, दिनांक 15 श्रप्रैल 1987

मं० 3/75/75-प्रशा०-II---श्री श्रो०पी० चान्ना को उनकी निवर्तन श्रायु पूरी हो जाने पर पुलिस श्रनुसंधान एवं विकास ब्यूरो मे केन्द्रीय न्यायिक विज्ञान संस्थान श्रनुभाग के श्रनुभाग श्रधिकारी पद से 31-3-1987 (ग्रपराह्म) मे सेवा-निवृत्ति के फलस्वरूप कार्यमुक्त किया जाता है।

श्चार० एम० महाय, उप निदेशक

समन्वय निदेणालय (पुलिस बेतार) नई दिल्ली: दिनांक 9 अप्रैल 1987

मं० ए-20011/5/68-प्रशासन-II---राष्ट्रपति समन्वय निदेशालय (पुलिस बेतार) के निम्नलिखित प्रतिरिक्त सहायक निदेशकों को समन्वय निदेशालय (पुलिस बेतार) में महायम निदेशकों के पद पर 2200-75-2800-द० रो०-100-4000 ६० के वेतनमान में दिनांक 13 मार्च,

1987 (पर्वाह्म) से ध्रमले भ्रादेणों तह स्थानापन्न रूप में सहर्ष नियुक्त करते हैं।

-).श्री के० मी० ग्र**म्निहो**सी।
- 2.श्री एम० के० शर्मा

बी० के० दुबे, निदेशक, पृक्षिस दुर संचार

महानिदेशालय के०रि०पु० वन नई दिल्ली, दिनांक 13 श्रप्रैल 1987

मं० एफ-2/11/87-स्था०---राष्ट्रपति जी ने डाक्टर के० के० मैनी को केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल में मुख्य चिकित्सा ग्रधिकारी के पद पर दिनांक 4-9-1984 से स्थार्ट करने की सहर्प स्वीकृति दे दी है।

मं० श्रो०दो०-2349/87-म्थापना--राष्ट्रपति जी ने आकटर मुकुल कुमार को श्रम्थाई रूप से श्रागामी श्रादेश जारी होने तक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल में जनरल इयूटी श्राफिसर ग्रेड-II (डो०एस०पी०/कम्पनी कमान्डर) के पद पर 29 मार्च 1987 श्रपराह्म से सहर्ष नियुक्त किया है।

एम० ग्रणोक राज महायक निदेशक (स्थापना)

भारत के महारजिस्ट्रार या कार्यालय नई दिल्ली, दिनांक 14 अप्रैल 1987

मं० 10/11/85-प्रणा०-1--राष्ट्रपति, जनगणना कार्य निदेशक, बिहार के कार्यालय में अनुमंधान ग्रिधिकारी (मानचित्र) के पद पर कार्यरत श्री मोहम्मद श्रव्याम को भारत के महारजिस्ट्रार के कार्यालय नई दिल्ली में तारीख 11-3-87 के पूर्वाह्म में 3 वर्ष की श्रवधि के लिए या अगले श्रादेशों तक, जो भी श्रवधि पहले हो, प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण द्वारा ६० 2200-75-2800-द० रो०-100-4000 के बेजनमान में अनुमंधान श्रिधकारी (ब्राइंग) के पद पर महर्ष नियुक्त करते हैं।

वी०एस० वर्मा, भारत केमहारजिस्ट्रार श्रोर भारत सरकार के संयुक्त सचिव

वित्तः मंद्रालय

राजस्य विभाग

नई दिल्ली, दिनांक 13 मार्च 1987

मुखा नियंत्रक, शासकीय श्रकीम एवम् क्षारोद कारखाने संज्यापना

सं० 11/3/4/स्था/86—-श्री ग्रमर कुमार चक्रवर्ती, प्रणामनिक प्रधिकारी, णासकीय ग्रफीम एवम् क्षारोद कार-खाना, गाजीपुर, प्रधिवार्षिकी की आयू प्राप्त करने पर 31 मार्च 1987 के श्रपराह्म में सरकारी मेवा से निवृत्त हो गए हैं।

> ्ह० श्रपठनीय मुख्य नियंत्रक,

भारतीय लेखा परीक्षा एव लेखा विभाग भारत के नियन्त्रक एवं महालेखा परीक्षक का कार्यालय नई दिल्ली, दिनांक 16 ग्रप्रैल 1987

मं० 12 वा०ले०प० 1/259-69-महायक लेखा परीक्षा वोई एवं पदेन निदेशक वाणिज्यिक लेखा परीक्षा (द्वितीय) कलकत्ता के कार्यालय में कार्यरत श्री बी० के० चक्रवर्ती लेखा परीक्षा ग्रिधकारी (वा०) ग्रपनी ग्रिधिवा- विकता ग्रायु प्राप्त करने पर दिनांक 28-2-87 (ग्रपराह्म) में मेवा निवृत्त हो गये हैं।

ची० एन० ग्रानन्द, महायक निथन्त्रक/महा लेखा परीक्षक (वा०)

कार्यालय निदेशक लेखा परीक्षा, केन्द्रीय राजस्थ नई दिल्ली, दिनांक 16 अपेल 1987

मं० प्रशासन—1/का०ग्रा० संख्या 12——निर्देशक, लेखा परीक्षा केन्द्रीय राजस्व-1, इस कार्यालय के स्थानापन्न लेखा परीक्षा ग्रिधिकारी श्री दर्शन सिंह को 2375—3500 रु० के वेतनमान में दिनाक 1—3—1987 से स्थाई रूप से नियुक्त करने हैं।

मं० प्रशासन-1/का० म्रा० संख्या-13—निदेशक लेखा परीक्षा केन्द्रीय राजस्व-1, इस कार्यालय के श्री कुलदीप सिंह इलामाबादी स्थायी भ्रनुभाग ग्रीधकारी (ग्रव महायक लेखा परीक्षा ग्रीक्षकारी) को स्थानापन्न लेखा परीक्षा ग्रीक्षकारी के वेतनक्षम 2375-3500 के० मे 13 म्रप्रैल 1987 ग्रेपराह्म से ग्रागे ग्रादिण दिये जाने तक नियुक्त करने हैं।

मोहन खुराना, उप निदेशक लेखा परीक्षा, (प्रशासन)

महालेखाकार का कार्यालय, ग्रांध्न प्रदेश हैदरावाद, दिनांक 13 ग्रप्रैल 1987

मं० प्रणा० 1/8-132/87-88/डी०पी० मं० 4--श्रीएम०वी० सुत्रहमण्यिन, लेखा परीक्षा श्रधिकारी, महालेखा-कार (लेखापरीक्षा-1) का कार्यालय, श्रान्ध्र प्रदेश, हैदराबाद31-3-1987 को श्रपराह्म में मेवा में निवृत्त हुए।

दिनांक 14 अप्रैल 1987

मं० प्रणा० J/पदो०/8-132/87-88/104--- निम्न- लिखित सहायक लेखापरीक्षा ग्रधिकारियों को स्थानापन्न लेखा परीक्षा ग्रधिकारियों के रूप में <math>2375-75-3200- ई० बी०-100-3500 रु० वेतनमान में उनके कार्यभार ग्रह्ण करने की तारीख से प्रभावी श्राणे श्रादेशों तक

पदोन्नित दी जाती है। पदोन्नित के लिए दिये गये म्रादेश उनके वरिष्ठों के दावों पर बिना कोई प्रभाव डाले, यदि कोई हो, म्रोर भ्रान्ध्रप्रदेश उच्च न्यायालय/उच्चतम न्यायालय में लंबित रिट याचिकाम्रों के परिणामों के म्राधीन माने जाएंगे।

उन्हें चाहिए कि वें अपना विकल्प भारत सरकार का० ज्ञा० सं० एफ/7/1/80-स्थापना पी०टी०1, दिनांक 26-9-1981 की सर्नों के श्रमुसार पदोन्नित की तारीख से एक महीने के श्रन्दर दें।

पद ग्रहण की तारीखा 1∸4∼1987 (एफ० एन०)	
विजय मुनि महालेखाकार (प्रशासन)	

महालेखाकार (ले० व० ह०) का कार्यालय, केरल तिरुवनन्तपुरम, दिनांक 2 श्रप्रैल 1987

सं० ले० व० ह०/का० स्था० (हक व० रो०)/4/10-3---इस कार्यालय की निम्नलिखित कर्मचारी श्रश्चिवर्षिता के कारण 31-3-1987 श्रपराह्म से सेवा निवृत्त हो गर्भी है।

श्रीमती पी० णार्दा मणि श्रम्माल—--लेखा श्रधिकारी । ह० श्राटनीय ्महालेखाकार

कार्यालय महालेखाकार (लेखा परीक्षा) प्रथम, म०प्र० स्वालियर, दिनांक 13 स्रप्रैल 1987

सं० ऋमांक/प्रशासन 11/ममूह-2/प्रमोशन/25/356--महालेखाकार (लेखापरीक्षा) प्रथम म०प्र० ग्वालियर ने
निम्नलिखित अनुभाग श्रिधिकारियों को स्थानापन्न सहायक
लेखापरीक्षा अधिकारी के पद पर वेतनमान रु० 2000-3200 में उनके नाम के सामने दर्शाये दिनांक से पदोन्नत
किया है:---

क्रमांक नाम	स्थाई/क्रमांक	पद्यो० का
 सर्वश्री		
1. एस०सी० कुलश्रेष्ठ	02/2158	18-11-86
2. जी०डी० ,चांदवानी	2421	18-11-86
3. एन०सी० श्रीवास्तव	2318	19-11-86
4. ग्रार०एस० चौहान(भोपाल)	2406	29-11-86
 एस० एस० शर्मा 	526	9-12-86
 सोनसिंह 	2713	17-12-86
7. वाय० एन० मिन्हा	355	30-12-86
8. भ्रार०मी० सक्सेना	599	24-1-87

1 2		
· · · · · · · · · · · · · · · · · · ·	3	<u>4</u>
सर्व श्री		
9. तेज सिह	1680	22-1-87
10. ए०सी० बनर्जी	830	22-1-87
11. ओ०एस० बाजपेयी	973	27-1-87
12. के०एन० शर्मा	1344	30-1-87
13 ग्रार०मी० वार्ष्णिय	1361	23-1-87
14. वी० के० जैन	1428	24-1-87
15 पी०एन० श्रीवास्तव(भोपाल)	1502	17-2-87
16. एच०पी० द्विवेदी(भोपान)	1526	18-2-87
17 एम०एम० स्रग्रवाल(भोपाल)	1786	19-2-87
18. के०पी०एम० सेंगर	2031	14-2-87
19 एम० के० जैन(भोषाल)	2098	17-2-87
20. पी०एल० साहू (भोपाल)	2103	23-2-87
21 गिरधारी यादव (भोपाल)	2136	17-2-87

महालेखाकार का कार्यालय-!(ए तथा ह) उत्तर प्रदेश हलाहाबाद, दिनांक 15 स्प्रीय 1987

उप-महालेखाकार (प्रशासन)

सं० प्रणा० 1/11/44/ग्रिधि० 2094—महालेखाकार (लेखा एव हकदारी)-प्रथम, उत्तर प्रदेण, इलाहाबाद ने निम्निलिखित ग्रनुभाग ग्रिधिकाियों को उनके नाम के सम्मुख अंकित तिथियों से ग्राथमी ग्रादेण पर्यन्त इस कार्यालय में स्थानापन्न लेखा ग्रिधिकारी के पद ह० 2375—75-द० रो०-100-3500 वेतनमान पर नियुक्ति किया है --

मर्वश्री

1.	राम	कृष्ण रि	मश्र	13-04-87	(पूर्वाह्म)
2.	प्रेम न	ना रायण	खन्ना	13-04-87	(पूर्वाह्न)
3.	विपिन	बिहार	ो श्रीयास्तव	13-04-87	(पूर्वाह्न)
				मीर	नाक्षी चक,
			उप	महालेखाकार	(प्रशासन)

निदेशक लेखापरीक्षा, केन्द्रीय का कार्यालय कलकत्ता, दिनांक 13 प्रप्रैल 1987

सं० प्रशा०-1/सी/470/129-130—निदेशक लेखापरीक्षा, केन्द्रीय, कलकत्ता ने निम्नलिखित सहायक लेखापरीक्षा प्रधिकारियों की रूपय-2375-75-3200 ई० बी०-100-3500 रूपये के वेतनमान पर स्थानापन्न लेखापरीक्षा प्रधिकारी (ग्रुप-म्ब) के पद पर उनके नामों के साथ दिये गये तारीख से अगला आदिण जारी किये जाने तक

निदेशक लेखापरीक्षा, केन्द्रीय नियुक्त किये हैं।	ा के कार्यालय कलकत्ता में
क्र०सं० नाम	कार्यभार ग्रहण करने की
	तारीख
सर्वश्री	CONTRACTOR
1. सुद्रत सेन	26-2-87(पूर्वाह्न से)
2. सुकुमार साहा	28-2-87 ,,
 विभाष कान्ती भट्टाचार्या 	26-2-87 ,,
4. पवित्र कुमार सरकार-II	26-2-87 ,,
	मुनील
उप०	नि० ले० परीक्षा (प्रशा०)
A CONTRACTOR OF THE PARTY OF TH	* To Y I THE WASHINGTON TO THE Y I THE WASHINGTON SOLD TO

श्रम मंत्रालय श्रम विभाग

(श्रम ब्यूरों)

शिमाला-17004, दिनांक 1 मई 1987

सं. 5/1/87-सी.पी.आई.—मार्च, 1987 में आँद्योगिक श्रमिकों का अखिल भारतीय उपभोक्ता मृल्य सूचकांक (आधार वर्ष 1960=100) फरवरी, 1987 के स्तर 686 (छ सौ छमासी) पर स्थिर रहा। मार्च, 1987 माह का सूचकांक आधार वर्ष 1949=100 पर परिवर्तित किए जाने पर 834 (आठ सो चाँतीस) आता है।

बलराम संयक्त निदशक श्रम ब्यूरो

रक्षा लेखा विभाग कार्यालय रक्षा लेखा महानिय्वक नई दिल्ली, दिनांक 10 श्रप्रैल 1987

सं० प्रशा/I[/2606/86—रक्षा लेखा महानियत्रक, नई दिल्ली, श्री कृष्ण कुमार सोबती, लेखा ग्रधिकारी (पी/293) के दिनांक 5-3-87 को हुए निधन को दुःख सहित ग्रधिसूचित करते हैं। तद्नुसार उन्हे इस विभाग के संख्याबल से दिनाक 5-3-87 (ग्रपगह्न) से हटा दिया गया है।

डी० के० चेतसिंह, रक्षा लेखा प्रपर महानियंत्रक

(प्रशासन)

रक्षा मंत्रालय भारतीय ग्रार्डनैन्स फैक्टरियां सेवा ग्रार्डनैन्स फैक्टरी बोर्ड कलकत्ता, दिनाक 7 ग्राप्रैल 1987

सं० 7/जी/87—वार्धक्य प्रायु प्राप्त कर (58 वर्ष) श्री ए० ग्रार० वासु, स्थानापन्न संयुक्त निदेशक (मौलिक एवं स्थायी उप निदेशक) दिनांक 31 मार्च, 1987 ग्रफराह्म से सेवा निवृत हुए।

दिनाक 10 ग्रप्रैल 1987

सं० 8/जी/87--श्री एस०एस० गुह्थाकुरता, स्थानापन्न उपनिदेशक (मौलिक एव स्थायी एस०ए०) दिनांक 31 मार्च, 1987 ग्रपराह्न से स्वेछापूर्वक सेवा निवृत हुए।

> एम० ए० ग्रलहन, संयुक्त निदेशक/जी० इते महानिदेशक, ग्रार्डनैन्स फैक्टरीयां,

श्रायुध निर्माण बोर्ड डी० जी० एफ० सिविल सेवा कलकत्ता, दिनांक 8 ग्रप्रैल 1987

स० $5/87/\sqrt{\xi}$ ० $1(\sqrt{\eta} - \sqrt{\eta})$ —महानिदेशक, स्रायुध निर्माणी महोदय श्री नगेन्द्र नाथ साहा, स्थानापन्न सहायक को कर्मशाला स्थित पद में, दिश्व्दता पर बिना प्रणाम के तारीख 11-3-87 से स्थानापन्न सहायक स्टाफ स्रिधकारी के रूप में स्रागमी श्रादेशक न होने तक प्रोन्नत करते हैं।

2. उपर्युक्त प्रोन्नति माननीय कलकत्ता उच्च न्यायालय में दाखिल की गयी भ्रपील के निर्णयानुसार पालन किया जाएगा।

3ँ श्री साहा ने दिनांक 11-3-87 से सहायक स्टाफ श्रिधिकारी के उच्च पद का कार्यभार संभाल लिया है।

4. उपर्युक्त ग्रधिकारी दिनाक 11-3-87 से दो वर्षों की परखावधि पर रहेगे।

एस० दासगुप्ता, उप महानिदेशक, प्रशासन इते महानिदेशक, स्रायुध निर्माणी

उद्योग मत्नालय

विकास ग्रायुक्त (ल०उ०) का कार्यालय नई दिल्ली दिनाक 3 अप्रैल 1987

सं० ए-31012(44)/85-प्रशा० (राज०)—विकास स्रायुक्त (लघु उद्योग), लघु उद्योग विकास संगठन में निम्नलिखित स्रधिकारियों को उनके नाम के सागे दशियी गई तारीख से सहायक निदेशक, ग्रेड-II (सामान्य प्रशा-सन प्रभाग) के पद पर स्थायी रूप से नियुक्त करते हैं।

क्र०सं० श्रधिकारी का नाम	स्थायी रूप से नियुक्त िये जाने की तारीख
सर्वेश्री	31-12-1985
1. ए० चिदम्बरम	
2. सी० रगनाथन	वही
3. बी०ए० काम्बले	—–वही <u>—</u> –
4. एस० के० बसु	- <i>-</i> वही
5. वी० दोरास्वामी	—–वही – –
 एस० पी० शर्मा 	——वही ——
7. टी० घ्रार० मूर्ति	वही
CONTRACTOR OF THE SECTION AND	S. Carrier and Car

दिनाक 10 स्रप्रैल 1987

सं० ए-19018(117)/73-प्रशा० (राज०)—इलें-क्ट्रोनिकी विभाग, नई दिल्ली, में वज्ञानिक/ग्रिभियंता ("एस०ई०") के रूप में नियुक्ति के परिणामस्वरूप श्री एम० रामकृष्णन ने विकास श्रायुक्त (लघु उद्योग) के कार्यालय में उपनिदेशक (इलैक्ट्रोनिक्स) के पद का भार दिनांक 11 मार्च, 1987 (श्रपराह्न) से छोड़ दिया।

> सी० सी० राय, उपनिदेशक (प्रशासन)

पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय (प्रशासन अनुभाग-6)

नई दिल्ली, दिनांक 22 ग्रक्तूबर 1986

सं० ए-17011/324/86-प्र-6—महानिदेशक पूर्ति तथा निपटान ने, निरीक्षण-निदेशक, बम्बई के कार्यालय में भण्डार परीक्षक (ग्रिभि०) श्री शतुच्न पर्सवानी को दिनांक, 12 सितम्बर, 86 के पूर्वाह्म से ग्रौर ग्रागामी ग्रादेशों तक, उसी कार्यालय में तदर्थ ग्राधार पर सहायक निरीक्षण ग्राधिकारी (ग्रिभि०) के पद पर स्थानापक्ष रूप से नियुक्त किया है।

> म्रार० पी० शाही, उप निदेशक (प्रशासन') कृते महानिदेशक पूर्ति तथा निपटान

नई दिल्ली, दिनांक 22 अक्टूबर 1986

सं० ए-17011/316/86/प्र-6—संघ-लोक सेवा म्रायोग द्वारा ली गई म्राभियांत्रिकी सेवा परीक्षा, 1984 के परिणाम के म्राधार पर राष्ट्रपति श्री मनमोहन दूबे को 29-9-86 के म्रापराह्न से म्रागले श्रादेश दिये जाने तक भारतीय निरीक्षण सेवा ग्रुप "ए" के ग्रेड-III की म्राभियांत्रिकी शाखा में नियुक्त करते हैं।

श्री दूबे ने दि० 29-9-86 के ग्रपराह्न से निरीक्षण निदेशक बम्बई के कार्यालय में सहायक निदेशक निरीक्षण/ निरीक्षण ग्रधिकारी (परीवीक्षाधीन ग्रारक्षित) के पद का कार्य-भार सम्भाल लिया है ग्रौर वे कार्यभार सम्भालने , की तारीख से 2 वर्ष की ग्रविध के लिये परीवीक्षाधीन रहेंगे।

दिनांक 28 ग्रक्तूबर 1986

सं० ए-17011/315/86/ए-6—संघ लोक सेवा ग्रायोग द्वारा ली गई श्रिभयांतिकी सेवा परीक्षा, 1984 के परिणाम के ग्राधार पर राष्ट्रपति श्री के० करूपियाह (ग्रनु० जाति) को 29-9-86 के पूर्वाह्न से ग्रगले ग्रादेश दिये जाने तक भारतीय निरीक्षण सेवा ग्रुप "ए" के ग्रेड- III की ग्रिभयांतिकी शाखा में नियुक्त करते हैं। श्री करूपियाह ने दि० 29-9-86 के पूर्वाह्न से निरीक्षण ग्राधकारी (परीवीक्षाधीन ग्रारक्षित) के पद का कार्य भार संभाल लिया है। ग्रौर वे दिनांक 29-9-86 से 2 वर्ष की ग्रवधि के लिये परीवीक्षाधीन रहेंगे।

श्रार० पी० शाही, उप निदेशक (प्रशासन)

इस्पात ग्रौर खान मंत्रालय

(खान विभाग)

भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण कलकत्ता-700016, दिनांक 10 अप्रैल 1987

सं० 2458बी/ए-19012(3-एस०के०एस०)/ 85-19बी --भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के महानिदेशक, भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के वरिष्ठ तकनीकी सहायक (रसायन) श्री स्वपन कुमार सेनगुष्ता को सहायक रसायनज्ञ के पद पर उसी विभाग में वेतन नियमानुसार 2000-60-2300-द० रो०-75-3200-100-3500 र० के वेतनमान के वेतन में, ग्रस्थायी क्षमता में ग्रागामी ग्रादेश होने तक 25-3-87 के पूर्वाह्म से नियुक्त कर रहे हैं।

श्रमित कुशारी, निदेशक (कार्मिक)

कलकत्ता-700016, दिनांक ग्रप्रैल 1987

सं० 2435बी/ए-32013/1-डी० डी० जी० (भूविज्ञा०) /85-19ए—राष्ट्रपति जी भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के निम्नलिखित ग्रधिकारियों को उप महानिदेशक (भूविज्ञान) के रूप में उसी विभाग में वेतन नियमानुसार पूर्व परिशोधित 2250-125/2-2500 रु० के वेतनमान में (ग्रब परिशोधित 5900-200-6700 रु०) ग्रस्थाई स्थानापन्न क्षमता में ग्रागामी ग्रादेश होने तक, 7 ग्रप्रैल, 1987 के पूर्वाह्न से पदोन्नति पर नियुक्त कर रहे हैं।

- श्री एस० के० गुहा,
 निदेशक (भूविज्ञान), भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षणं
- श्री जी० जे० चांडक, निदेशक (भूविज्ञान), प्रवरण कोटि, भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण,

एन० के० **मृखर्जी,** वरिष्ठ उप महानिदेशक (प्रचालन)

श्राकाशवाणी महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 10 मार्च 1987

सं० 4(53)/75-एस०-एक--श्री बी०ग्रार० भागंव, कार्यक्रम निष्पादक, श्राकाशवाणी (जो इस समय संगीत नाटक श्रकादमी में सहायक सचिव हैं) उन्होंने श्रकादमी में ग्रपने स्थाई तौर पर समावेशन होने के परिणामस्वरूप 14 श्रगस्त, 1984 से सरकारी सेवा से त्याग-पत्न दे दिया है।

> श्राई० एल० भाटिया, प्रशासन उपनिदेशक, कृते महानिदेशक

दिल्ली दुग्ध योजना

नई दिल्ली-8, दिनांक 30 श्रगस्त 1986

सं० 5-9/85-सतर्कता—यतः श्री राम सेवक सिंह, जे० पी० श्री० को इस कार्यालय के दिनांक 21-8-85 के समसंख्यक ज्ञापन द्वारा केन्द्रीय सिविल सेवा (वर्गीकरण, नियंत्रण श्रीर श्रपील) नियम 1965 के नियम 14 के श्रंतर्गत

अधोलिखित श्रारोप के लिए एक श्रारोप-पन्न जारी किया गया था —

"कि कथित श्री राम सेवक सिंह जब दि०दु० योजना
में जें० पी० श्रों० के रूप में काम कर रहा था
तो वह सक्षम प्राधिकारी की पूर्वानुमित श्रीर
स्वीकृति लिए बिना दिनार 16-9-83 में
श्रपनी ड्यूटी में श्रनाधिकृत रूप में गरहाजिर है।
श्रत उस पर सक्षम प्राधिकारी से पूर्वानुमित
श्रीर स्वीकृति लिए बिना दिनाक 16-9-83
से श्रनधिकृत रूप में ड्यूटी से गैरहाजिर रहने
का श्राराप लगाया जाता है जो एक सरकारी
कर्मचारी के लिए बहुत ही श्रनुचित है श्रौर
केन्द्रीय सिविल सेवा (श्राचरण) नियम, 1964
के नियम 3 का उल्लंघन है।"

यत श्री बी०एल० भ्रोबराय का जाच भ्रधिकारी के रूप मे नियुक्त शिया गया था जिन्होंने जाच कार्यवाही करके दिनाक 17-6-86 की अपनी रिपोर्ट म० 115/ इ० भ्रो०/85) (बी) प्रस्तुत कर दी है जिसमे श्री रास सेवरु सिंह के विरुद्ध लगाया गया ग्रारोप सिद्ध हो चुका है। ग्रधाहस्ताक्षरी ने जाच ग्रधिकारी वे निष्मर्प श्रार रिकार्ड में उपलब्ध सब्तों ग्रीर ग्रन्थ दस्तावेजो पर मावधानीपूर्वक विचार किया है ग्रीर जाच ग्रधिकारी के निष्कर्षों से सहमत है। उसे ग्रंपने मामल की पैरवी करने के लिए पर्याप्त मौका दिया गया था परन्तु उसने जानबुझ कर जाच कार्रवाई में भाग लेने में टाल-मटाल की। उसने सक्षम चिकित्सा प्राधिकारी से चिकित्सा प्रमाण-पत्न द्वारा समर्थित छुट्टी का प्रावेदन-पत्न तक भेजने की चिन्ता नही की। उसका दिनाक 16-9-83 से बिना किमी वैद्य कारणो के ड्यूटी से गैर हाजिर रहना भ्रोर श्राज तक भी ड्यूटी पर हाजिर न होना एक गभीर ग्रपराध है। ग्रधोहस्ताक्षरी जाच अधिकारी के इन निष्कर्षों से सहमत है कि गैर-कानूनी तौर पर ड्यूटी से अनुपस्थित रहने का श्रारोप उसके विरुद्ध सिद्ध हो गया है। अत वह उस स्नारोप का दोशी है। अधोहस्ताक्षरी अन्ततोगत्वा इस निष्कर्ष पर पहुचे हैं कि श्री राम सेवक सिंह, जे०पी०ग्रो० सरकारी नौकरी में रखे जाने के लिए योग्य व्यक्ति नही है।

भव श्रत श्रधोहस्ताक्षरी केन्द्रीय सिविल सेवा (वर्गी-करण, नियलण और श्रपील) नियम 1965, के नियम 11 के श्रतगंत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए उचित श्राँर पर्याप्त कारणों के श्राधार पर श्री राम सेवक सिंह, जें पी०श्रो० को श्रव से तत्काल नौकरी से हटा दिए जाने का दक्ष देने हैं।

श्री राम सेवर्गमिह जे० पी० ग्रो० सुपुत्र श्री राम नरायण सिह माव व डा० चाद पुर कोठीया जिला—समस्तीपुर (बिहार)

> हस्ताक्षरित बलदेव चन्द

उप महाप्रबधक (प्रशा०/म्रनुशासनिक प्राधिकारी) स्रमुलग्न जाच रिपार्ट

प्रति ---

1. गोपनीय कक्षा 2. गार्ड फाइल 3. लेखा (स्था०) अनु० 4. समय कार्यालय 5. स्था०-2 अनुभाग 6. सामान्य अनुभाग 7 सुरक्षा प्रधिकारी

> भारतीय मात्स्यिकी सर्वेक्षण बम्बई-1, दिनाक 6 श्रवटूबर 1986

स० एफ 2-54/86-स्थापना-III--निदेशक, विभागप्रध्यक्ष की हैसियत से भारतीय मात्त्विकी सर्वेक्षण वस्वई,
मे कनिष्ठ मात्स्यिकी विज्ञानी के पद पर श्री जी०के०
प्रह्याद को 26-8-86 के श्रपराह्म मे श्रगले श्रादेश होने
तक के लिए ग्रस्थायी तौर पर नियुक्त करते हैं।

डा० डी० सुदर्शन निदेशक,

भारा परमाणु श्रनुसधान केन्द्र कार्मिक प्रभाग

बम्बई-400085, दिनाकं 7 श्रप्रैल 1987

स० पी०ए०-/79 (19)/84-भर्ती-III/780--- नियस्न , भाभा परमाणु अनुस्थान केन्द्र श्री उलगनाथन जवाहर, स्थापी सहायक, परमाणु ऊर्जा विभाग बबई, को इस केन्द्र में दिनाक 27 मार्च, 1987 के पूर्वाह्म से रुपये 2000-60-2300-द० रो०-75-3200 के वेतनमान पर सहायक कार्मिक अधिकारी के स्थानापन्न पद पर नियुक्त करते हैं।

जे० राममूर्ति, उप स्थापना ग्रधिकारी

परमाणु ऊर्जा विभाग ऋय ग्रीर भडार निदेशालय

बम्बई-400085, दिनाक 8 प्रप्रैल 1987

स० कभिन/2/1(29)/83-प्रशा०--परमाणु ऊर्जा विभाग, कय और भड़ार निदेशालय के निदेशक ने स्थाई भड़ारी श्री ग्रार० बौधरी का इसी निदेशालय में दिनाक 1 श्रप्रैल 1987 (पूर्वाह्न) से ग्रगले श्रादेश होने तक 2000-60-2300-द० रो०-75-3200-100-3500 रुपए के वेतनमान में सहायक भंडार ग्रधिकारी के पद पर ग्रस्थाई तार पर स्थानापन रूप से नियुक्त निया है।

बी० जी० कुलकर्णी, प्रशासन अधिकारी

महानिदेशक नागर विगानन का कायलिय

नई दिल्ली, दिनांक 2 श्रप्रैल 1987

स० ए-32013/1/82-ई० एम०--राष्ट्रपति, नागर विमानन विभाग के निम्नलिखित अधिकारियों की उप-निदेशक/नियंक्षक उडनयोग्यता के ग्रेड में की गई तदर्थ नियुक्ति की प्रत्येक के सामने दिखाई गई तारीख से छः माह की श्रवध के लिए या पदों के नियमित श्राधार पर भरे जाने तक, इनमें में जो भी पहले हो जारी रखने की श्रवमित श्रदान करते हैं --

क्रम नाम मं०	नदर्थ नियुक्ति की से	बढ़ाई गई श्रवधि तक
 श्री एम एस० इक्काहिम श्री के० प्रभाकर राव 		15-7-87 10-8-87
	· -	त भट्टाचार्जी, गक प्रशासन

ममाहर्मालय केन्द्रीय उत्पाद गलक

नागपुर, दिनांक 14 ग्राप्रैस 1987

मं० 3/87—प्रशासनिक ग्रधिकारी, के०उ०शु० समृह
"खा" के पद पर पदान्नत होने पर श्री पी०ए० शामदासानी
ने दिनांक 31-3-87 के पूर्वीह्न में प्रशासनिक ग्रिधिकारी,
के०उ०शु० समूह "खा" के पद पर प्रभाग चन्द्रपुर में
कार्यभार ग्रहण किया।

जे० ग्रार० कैत, उप समाहर्ता (कार्मिक ग्रीर स्था०)

निरीक्षण महानिदेशालय

मीमा एवं केन्द्रीय उत्पादन शुल्क

नई दिल्ली, दिनांक 14 श्रप्रैंल 1987

मं० 3/87—श्री एच०एच० खोकर ने जो पहले मीमा णुल्क गृष्ट बम्बई में मूल्य निर्धारक (एपरेजर) ग्रुप "ख" के पद पर तैनात थे, इस महानिदेशालय के दिनांक 23-10-86 के ब्रादेण मी०मं० 1041/47/84-प० प्रादे० यू० के अनुसार निरीक्षण अधिकारी ग्रुप "ख" के पद पर नियुन्ति होने पर दिनांक 2-2-1987 (पूर्वाह्म) से बम्बई स्थित पण्चिमी प्रादेशिक यूनिट, नि०म०नि०सी० ग्रु० एवं के०म०शु० में निरीक्षण अधिकारी ग्रुप "ख" के पद का कार्यभार मंभान लिया है।

्रिप्च० एम० सिंह, निरीक्षण भ्रधिकारी

केन्द्रीय जल श्रायोग

नई दिल्ली-11006₀, दिनाक 14 अप्रैल 1987

गं० ए-19012/1202/86-स्थापना-पांच --प्रध्यक्ष, केन्द्रीय जल ग्रायोग श्री चन्द्र प्रकाण, किनएट ग्रिभिगन्ता को ग्रितिस्त सहायक निदेशक/महायक उंजीनियर (इंजीनियर्रिंग) के ग्रेड में 2000-60-2300-दक्षता रोघ०-75-3200-100-35/00/- रुपये के वेतनमान में 25/8/1986 की पूर्वाह्न में एक वर्ष की ग्रवधि के लिए ग्रथवा पद के नियमित ग्राधार पर भरे जाने नक, जो भी पहले ही, पूर्ण ग्रस्थाई तथा नदर्थ ग्राधार पर स्थानापन्न रूप में नियुक्त करते हैं।

एम० भ्रार० सिंगल, श्रवर सचिव, केन्द्रीय जल श्रायोग

केन्द्रीय भूमिजल बोर्ड

फरीदाबाद, दिनांक 10 ग्रप्रैल 1987

मं० 3-769/86-मुजलभू (स्था०)—श्री राम विश्वन को दिनांक 30-1-87 (पूर्वाह्म) मे स्रगले श्रादेश तक केन्द्रीय भूमिजल बोर्ड पश्चिमी क्षेत्र, जयपुर में सहायक जलभूबैज्ञानिक के पद पर जी०मी०एस० (राजपित्तत) (समूह-ख) मूल वेतन 2000 रु० प्रतिमाह पर परिशोधित वेतनमान 2000-60-2300-द० रो०-75-3200-100-3500 में श्रस्थाई तीर पर नियुक्त किया जाता है। उनका मुख्यालय राज्य एकक कार्यालय, जोधपुर में होगा।

बी०पी०मी० सिन्हा, मुख्य जलभूवैज्ञानिक एवं सदस्य

फरीदाबाद, दिनांक 13 श्रप्रैंल 1987

मं० 3-329/73-स्था० (श्रनु०)--श्री ग्रार० सक्सेना को दिनांक 19-3-87 (पूर्वाह्म) से केन्द्रीय भूमिजल बोर्ड में प्रशासन श्रधिकारी के पद पर जी०सी०एस० समूह "ख" (राजपत्रित) वेननगान क० 2375-75-3200-100-3500/- में ग्रम्थाई तौर पर नियुक्त किया जाता है।

एस० के० दास, मुख्य श्रभियन्ता एवं सदस्य

निर्माण महानिदेशालय नई दिल्ली अर्जं न 1987

मं० 27/60/78-ई०सी० 9--राप्ट्रपति सहर्षे श्री एम० एन० खान्टे वास्तुक द्वारा दिए गए त्यागपत्र को 6-2-87 (श्रपराक्ष) से स्वीकार करते हैं।

> पृथ्वीपाल सिंह, उप-प्रणासन निदेशक

उद्योग तथा कम्पनी कार्य मंद्रालय
(कम्पनी कार्य विभाग)
कम्पनी रजिस्ट्रार का कार्यालय
कम्पनी श्रिधिनियम 1956 के विषय में श्रीर
बेलिएन्ट टानार्म प्राइवेट लिमिटेड कम्पनी श्रिधिन
नियम 1956 की धारा 445(2) के श्रन्तंगत।
हैदराबाद, दिनांक 16 श्रप्रैल 1987
मं० 2353/लिक्विंग/87—उच्च न्यायालय श्रान्ध्र
प्रदेण, हैदराबाद के वर्ष 1985 के कम्पनी पेटीशन कमांक

13/1982 के मामले में 18 बेसम्बर को बेलिएन्ट टानार्स प्राइवेट लिमिटेड के परिसमापन का आदेश दिया गया।

> श्चार० के० भट्टाचार्जी, कम्पनियों का रजिस्ट्रार श्चान्ध्र प्रदेश

प्रकृप बार्ड ही एन एस . -----

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 व (1) के बधीन स्थना

भारत सरकार

कार्याजय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्तण) ग्रर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलुर, दिनांक 10 श्रप्रैल 1987

निदेश सं० सि०म्रार० 62/50232--म्रतः मुझे, म्रार० भारदाज.

नामकर निधनियम, 1961 (1961 का 43) (चिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने का कारण है कि स्थावर सम्पन्ति, जिसका उपित बाजार मुल्य 1,00,000/-रु. से अधिक **ह**ै

और जिसकी सं० 7 हैं, तथा जो एयम रोड रिचमंड टौन बेंगलर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी कार्यालय, शिवाजीनगर में रजिस्दीकरण प्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन दिनांक 12 भ्रगस्त 1986,

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इष्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्यास करने का कारत है कि प्रधापनीक्त सम्पत्ति का उत्पत्त बाधार बस्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का रम्बद्ध प्रतिवात से वाधिक ही और वंतरक (वंतरकों) और वंतरिती (अंगरितियाँ) के बीच ए से अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-क्षेत्र निक्यतिसित उद्वेषयं में उक्त अंतरण निवित में पास्त-रिक क्य ने कथित नहीं किया गया है :---

- (क) बतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त सर्थिनियम के संधीन कर दोने के संख्यक 🕏 दाश्चिल्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा केलिए: और/या
- (स) एेसी किसी आय या किसी ७ न या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, (1922 का 11) या उक्त विभिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ष्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने मं मुविधा के लिए;

(1) श्री एम०एम० टी० मंदालप्प, ग्रलियास रीव मदालप्प, भुगुत्र लेट श्री एम० एम० तिम्मध्या. नं० 47, तोप्पा मुदलियार स्ट्रीट, सिविल स्टेशन, बेंगलूर-560 001।

(ग्रन्तरक)

(2) 1 श्रीमती मह जबीन फातिमा परिन श्री साधत म्रालि खान, (2) श्री लियाकत म्रालि खान भूपत्र श्री साधत भ्रालि खान, 'रेश्मा' नं० 6; एयम रोड (ऋास) बेगल्र-560025 । (ग्रन्तरिती)

को बहु स्थान जारी करके प्वींक्त कम्पीत के वर्षन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की **तारीय से** 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर स्चना की तामील से 30 दिन की अवधि,, जो भी अविध शाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेकिन व्यक्तियाँ में में किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस सचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में डिड-बद्ध किसी अन्य ध्यक्ति द्वारा अशहस्ताक्षरी व पास लिबित में किए वा सकें ने।

स्पष्टीकरण: -- इसमे प्रयक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त विभिनियम के वध्याक 20-क में परिभाषित है, यही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में विका गया है।

अनुसुची

(दम्तावेज सं० 1207/89-87 दिनांक 12-8-86) सब मंपनी जमीन और बिल्डिंग का कारपोरेशन नं० 7(पुराना न० अए), कारपोरेग्रान डिविजन नं० 61, (पुराना न० 60), एयस रोड, रिचमंड टौन, बेगलूर में स्थित है. जिसकी विस्तीर्ण 1182.09 स्कायर मीटरस और जिस संपत्ति कापूरा विवरण सेल एग्रीमेंट तारीख 12-8-86 में दिया गया है।

> श्रार० भारद्वाज मक्षम प्राधिकारी महायक भ्रायक श्रायक (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, बंगलूर

अतः अन, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन . निम्नलिखित व्यक्तियों , अर्थात् :--2-56 GI/87

तारीख 10-4-1987

प्ररूप बाई. टी. एनं. एस.-----

बायकर अधिनियश, 1961 (1961 का 43) कीं धारा 269-च के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, पूना-1 पूना-1, दिनांक 6 श्वप्रैल 1987

निदेश सं० 37-ईई/2224/86-87—म्ब्रतः मुझे श्री अंजनी कुमार,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसक एक्नरत् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ल के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1.,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी संख्या सं० नं० 398ए. गणेश पेठ, पूने-2 हैं तथा जो पूना में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुवत (निरीक्षण) ग्रजैंन रेंज श्रायकर श्रधिनियम 1961 की धारा 269 ए, बी के श्रधीन, नारीख 23 ग्रगस्त 1986

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि वथापुर्वेक्त संपत्ति था अचित बाजार मूल्य, उसके क्रथमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का अन्तर प्रतिकाल के अन्तर प्रतिकाल के अन्तर प्रतिकाल के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकाल, निम्नलिखित ब्रब्दिय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिबक रूप से किंबित हो जिया गया है.——

- (क) एन्तरण से इंद्र िकसी त्राय की बाबत, अवस अधिनियम के अधीन कर दोने के अस्तरक के बायत्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/मा
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 हो 1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अन्तरिती दुवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जार ग्राहिए था कियाने में स्विधा के लिए,

अत: अवा, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :--

(1) श्री मोहनलाल सि॰ लध्धा, कमलप्रभा श्रर्पाटमेंट, प्लीट नं॰ 4 श्राविनाय सो॰ पूने-37।

(भ्रन्तरक)

(2) मै॰ मारुति बिल्डर्स, 776/ए, सदाशिव पेठ, पूने 30।

(भ्रन्सरिती)

को बह सूचनः बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के मर्जन के लिए कार्यग्रहिणं करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस ल्वाना को राजपत्र मों प्रकाशन की तारीक से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मो हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिचित मों किए जा सकोंगे।

स्वाच्याकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों शीर पदों का, जो उक्त अधिनियम, को अध्याय 20-क में विराधित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया वस हैं।

बन्स्ची

जैसा कि रजिस्ट्रीकृत कि 37-ईई/2224/86-87 जो 23 ग्रगस्त 1986 को सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैंन रेंज, पूना के दफ्तर में लिखा गया है।

> अंजनी कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायेकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज, पूना

तारीख: 6-4-1987

प्ररूप नाइं.टी.एन :एत: +------

जायंकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के बभीन सूचना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रजंन रेंज, लखनऊ लखनऊ, दिनांक 6 मप्रैल 1987

निवेश सं० जी० श्राई० श्रार० संख्या 5-415/ए प्यू०----- घतः मुझे, श्रीमती सरोजनी लाल,

नायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया ह"), की भारा 269-ए के बधीन सक्तम प्राधिकारी को यह विख्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000 / - रा. से अधिक है

और जिसकी संख्या बगला मय भूमि है तथा जो प्रारमाडेल, मल्लोताल, नैनीताल में स्थित है (और इससे उपाधद्ध अनुसूची मे और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रिक्षकारी के कार्यालय नैनीताल मे रिजस्ट्रीकरण ग्रिध-नियम, 1908(1908 का 16) के प्रधीन विनांक 16-8-1986

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपित भाषार मूल्य से कम के दश्यमान श्रीतफल के लिए अंतरित की गई है और सुक्ते यह विस्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मृल्य, उसके व्ययमान प्रतिफल से, एसे व्ययमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक ही और अंतरक (अंतरकां) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के सिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) बंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के शायित्व में यामी करने या उससे बचने में सुविभा के लिए, यौर/वा
- (अ) एंसी किसी आय या किसी धन या बन्य बास्तियाँ को जिन्हें भारतीय जायकर अभिनिवम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती दुवारा प्रकट महीं किया गया था या किया जानां पाहिए था, खिपाने में 'सुविधा के सिए'

बतः वय, उन्नतः लिभिनियमं की भारा 269-ग की अनसरण मं, मैं, जक्त अधिनियम की धारा 269-त की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिकित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्रीमती प्रेमवतला शाह।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री एस०पी० नन्दा (कर्ता) एच०यू०एफ० । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सब्ध में कोई भी आक्षेप .----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की साराच से 45 विन की अवधि या तत्सम्बन्धी अ्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, अर्थभी अवधि बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्त स्यक्तियाँ। में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (च) इस सम्बना के राजपत्र में प्रकाशन की तानीस से 45 बिन के भीतर स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी मन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिक्ति में किए जा सकोंगे।

स्पक्तीकरणः ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, यो उक्त अधि-नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, पदी अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अ**नु**सूची

बगला मय जमीन पैमाईसी 4862 वर्ग मी० एक बंगला एक मंजिल 13 कमरे 4 बाथरुम तथा 5 बरामदे हैं (जैसा फार्म 37-जी मे वर्णित है) जिसका विवरण सेलडोड में वर्णित है) और जिसका पजीकरण रजिस्द्रीकर्ता ग्रधिकारी नैनीताल के कार्यालय में दिनांक 16-8-1986 को किया जा चुका है।

> श्रीमती सरोजनी लाल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख : 6-4-1987

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

बायकर क्रिपेनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ध (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, समायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ दिनांक 6 श्रप्रैल 1987

निदेश सं० जी० श्राई० श्रार० संख्या एच-6.4/ए०जी०--मतः मुझे, श्रीमती सरोजनी लाल,

वावकर मिथिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें परचार 'उक्स मिथिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उनित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी संख्या भूमि (बगीचा) है तथा जो लाँगडेल इस्टेट श्रायिगाटा मल्लीताल नैनीताल में स्थित हैं (और इससे उपाबद श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विधित्त हैं), रिजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय नैनीताल में विजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908(1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक 25-8-1986

को प्योंक्त सम्मत्ति के उचित नाकार मूल्य से काम के क्याबान अतिफल के लिए जन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापुर्गेक्त सम्मत्ति का जानित नाकार क्ष्य, उवके द्याबान प्रतिफल से, एसे द्याबान प्रतिफल का प्रतिफल का प्रतिफल का प्रतिफल से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और जत-रिती (जन्तरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गवा प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- .(क) अन्तरण से हाई किसी आय की बाबत, उक्त वर्षिनियम के कभीन कर दोन के कतरक क दायित्व मा कमी करने या उसस बचन में सुविधा के लिए; और/या
- (थ) एखी किसी जाय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त क्रिंगिनयम, या भन-अन्य अभिनियम, '1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती दुत्रारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए.

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मा, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-श की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) श्री महिम चन्द्र भट्ट।

(ग्रन्तरक)

(2) मेसर्स होटल लागंडेल प्रा० लि० ज्याला काटेज ग्रायिपाटा मर्ल्लताल नैनीताल।

(भ्रन्तरिती)

(3) विकेता

(बह व्यक्ति जिसके ग्रिधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना आरी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन की अविधि या तल्लंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, यो भी स्विध बाद में संज्ञाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इत स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवक्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अथोइस्ताक्षरी के शब्द सिवित में किये का क्केंगे।

स्यष्टिकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हीं, वहीं अर्थ होगा, यो उस स्थाय में विधा दश हीं।

अन्स्ची

भूमि (ब्रगीचा) पैमाईसी 2,000/- वर्ग मी० स्थित लांगडेल इस्टेंट श्रार्थापाटा मल्लीताल नैनीताल। जिसका पंजीकरण रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी नैनीताल के कार्यालय में दिनांक 25-8-1986 को किया जा चुका है।

> श्रीमती सरोजनी लाल सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख: 6-4-1987

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च के अधीन सूचना

भारत मरकार

कार्यालय , सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-I, कलकत्ता कलकत्ता दिनांक, 6 श्रप्रेल 1987 निदेश सं० ए० सी०रेंज-I/कल/1987---ग्रतः मुझे ग्राई० कें० गायेन्,

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1.00,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं ० 119, है तथा जो पार्क स्ट्रीट, भलकत्ता में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रानुसूची में ग्रौर पूर्णकप ते विणत है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय ग्रार० ए० कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908(1908 का 16) के ग्रधीन तारीख 20-8-1986

को प्वेंक्स तम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के इत्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विद्यास करने का कारण है कि यथापर्वोक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके इत्यमान प्रतिफल से एसे इत्यमान प्रतफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे यचने में सूविधा के लिए: और/या
- (क) एसि किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मृविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) मेसर्स पार्क चैम्बर्स लिमिटेड ।

(भ्रन्तरक)

(2) भिनीत इलैक्ट्रिकल इन्डस्ट्रीज प्रा० लि०। (म्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की धारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकेत्रण :---इसमें प्रयक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विशा गया है।

अनुसूची

119, पार्क स्ट्रीट, कलकत्ता में श्रवस्थित मकान का एक तल्ला में श्राफिस स्पेस नं 1 ए० जो रजिस्ट्रार श्रव एसुरेन्सेस कलकत्ता के पास डी० नं -110712 के श्रनुसार 20-8-86 में रजिस्ट्री हुआ।

श्राई० के० गायेन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-।, कलकत्ता-16

तारीख: 6-4-1987

प्ररूप आइ. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय , सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रेंज-], कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 6 श्रप्रेल, 1987

निर्देश सं० टी० म्रार० $\sim 248/86-87/$ एए० एल० ~ 1290 माई० ए० सी०/ क्यू०/भार० $^{\rm I}$ कलकत्ता \sim -मुक्के, श्री भाई० के० गायेन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमं इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

1,00,000/- रु. स आधक हैं

ग्रीर जिसकी सं० 71 है तथा जो पार्क स्ट्रीट, कलकत्ता

में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध प्रतुम्च, में ग्रीर पूर्ण
रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यलय

ग्रार० ए० कलकत्ता में रिजप्ट्रीकरण ग्रिधिनयम, 1908

(1908 का 16) के ग्रिधान, तारीख 20-8-1986
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह बिश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके स्थमान प्रतिफल से एसे स्थमान गीतफल का
पन्द्रह प्रतिशत्त से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्विषय से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व मों कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क्ष) एसी किसी आर्य या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हा भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) मेसर्स चित्रकूट प्रापर्टीज लिमिटेड ।

(श्रन्तरक)

(2) मिनी इन्टरनेशनल लिमिटेड ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

जक्त संपरित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षंप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्यक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध िकसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पच्छीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

71 पार्क स्ट्रीट, कलकत्ता में श्रवस्थित मकान का एक तल्ला में स्पेस नं० 1 ए जो रजिस्ट्रार श्रव एसूरेन्सेस् 2 के द्वप्तर में डी॰ ड॰ नं॰ 1 $^{-10713}$ के श्रनुसार 20 $^{-8}$ $^{-8}$ 6 में रजिस्ट्री हुश्रा ।

भाई० के० गायेन सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज--I, कलकला-16

सारीख: 6-4-1987

म ोहरः

प्ररूप नाइं.टी.एन.एस.-----

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज-! कलकत्ता कलकत्ता, दिनांक 6 ग्रप्रैल 1987

निदेश - सं० ए० सी०/रेंज-]/कल/1987-मृतः मुझे, म्राई० के० गायेन,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चाए 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख भें अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रुपयों से अधिक हैं

श्रौर जिस्की सं० 20 ए० है तथा जो ग्रंड स्ट्रीट, कलकत्ता में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय श्रार० ए० कलकत्ता में, रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 20-8-1986 की पूर्वेक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान श्रितफल के लिए अन्तरित की गृहां है और मृझा यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मृत्य, उसके स्थ्यमान प्रतिफल से एसे स्थ्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, विस्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथा नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उत्कत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कामी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; आर/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भाररतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922) का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना शाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम् की धारा 269-ग के अन्मरण, ग-, म-, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नौलीखत व्यक्तियों, अर्थाह् :---

- (1) श्री श्रभिय कुमार मुखर्जी एवं श्रन्यान्य। (श्रन्तरक)
- (2) श्री तपन चक्रवर्ती । (ग्रन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सांपरित में हितबक्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वाररा अधोहस्साक्षरी के पास लिखित में किए जा सकर्गे।

स्पच्छीक रण: ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अन<u>ु</u>स्ची

20 ए०, ब्रांड स्ट्रीट, कलकत्ता में भ्रवस्थित सम्पत्ति जो रजिस्ट्रार भ्रव एसुरेन्मेस, कलकत्ता के पास डीड नं० ।-10671 के भ्रमुसार 20-8-1986 में रजिस्ट्री हुआ।

> श्राई० के० गायेन स्क्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज—^I, कलकत्ता-16

तारीख: 6-4-1987

प्रकार कार्र टी.एन एस ------

आयकर अधिनियम, 1961 (191 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन मृचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयञ्जर आय्क्त (नरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-I, कलकत्ता कलकत्ता, दिनांक 6 ग्रप्रैल 1987

निदेश सं० ए० सी०/रेंज-1/कल/1987---ग्रतः मुझे, श्री ग्राई० के० गायेन,

भायकर भिर्मित्यम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'अक्त विभिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-क के वभीक तक्षम प्राधिकारी को वह विश्वात करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृक्य 1,00,000/-रा. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं ० 15/1, है तथा जो लाउडन स्ट्रीट, कलकत्ता में स्थित है (इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रिधिकारी के कार्यालय में 1एसी, ए० क्यू० ग्रार०—1/कल०/ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख 6—8—1986 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के खिषद बाधार मृत्य से कम के क्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विषयास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके इत्यमान प्रतिफल से, एसे इत्यमान प्रतिफल के क्यमान प्रतिफल से, एसे इत्यमान प्रतिफल के क्यमान प्रतिफल के करवा कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके इत्यमान प्रतिफल से, एसे इत्यमान प्रतिफल के क्यमान प्रतिफल से कार्य है विषया से अधिक है और नंतरक (जितका) वार बंध-रिती (जंतरितियाँ) हो विष एसे बंतरण से तिए तय पावा क्या प्रतिकत किम्निविधित उद्वादेश से सक्त बंतरण निविध में वास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबस, उक्स बिधिनियम के बधीन कर दोने के बन्तरक को दायित्व में कमी कारने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एंस किसी बाब वा किसी धन वा जन्म शास्तिकों कां, जिन्हां भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या अक्त अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) वै प्रयोजनार्थ अन्तरिती इताय प्रकट नहीं किया जया था वा किया जाना चाहिए था. फियाने में मृतिका के लिए।

(1) डा० सोमेन घोष ।

(ग्रन्तरक)

(2) मेससं क्रेनिस पारेख कनसोर्टियम प्राईवेट लिमिटेड ।

(श्रन्तरिती)

को बहु बुचना बारी कर्रुके पुर्योक्त व्यक्ति के वर्षन के विव कार्रनाहियां कुक करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बालेप :-----

- (क) इस बुचवा के रावप्त में प्रकावन की शारीय वें 45 दिन की जनिभ या तत्सम्बन्धि व्यक्तियों पर बुचना की तामील से 30 दिन की जन्भि, को बी अपिथ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस नुवान के एकपन में प्रकावन की तारीय वें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी बन्ध स्थावत द्वार प्रभोहस्ताकरों के वास सिवित में किए वा बकेंगे।

स्वक्रिकरण :---इसमें प्रमुक्त क्षव्यों और पर्यों का, थी उपक अधिनियम के अध्याद 20-क में परिभाषित ही, बहुी अर्थ होगा थो उस अध्याद में दिया नवा है।

अनुसूची

15/1 लाउडन स्ट्रीट, कलकत्ता में प्रवस्थित सम्पत्ति जो सक्षम प्राधिकारी (स० ग्रा० ग्र०नी०) श्रर्जन रेंज-I, कलकत्ता के पास मिरियल नं० मी० ए० 54 के प्रनुसार 6-8-1986 में रजिस्ट्रों हुआ

श्राई० के० गायेन स्क्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-^I, कलकत्ता-16

तत: अव, उक्त विधिनियम की भारा 269-ग की अनुसरण में में, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपधारा (1) में जधीन, निम्नलिक्त स्यक्तियों कथीत :--

तारीख: 6-4-1987

मोहरः

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 6 भ्राप्रैल 1987

निर्देश स० $\frac{CA}{I.A.C/Acq} \cdot \frac{59/86-87/SL-1293}{R-I/Cal}$ —- प्रतः मुझे

श्री भ्राई० के० गायेन,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित

जाजार मूल्य 1,00,000/∼ रा. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं कि 53 ए० है तथा जो मिरजा गालिय म्ट्रीट, कलकत्ता में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रन्भूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय 1ए० मी०, एसीक्यू० ग्रार०—1 कल० में रजिल्ट्री-करण ग्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख 22-8-1986

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के एवममन प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके दश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐमें अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक कप में किथा नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (क्ष) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, धा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27 के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सिवधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (।) अधीन निम्नलिक्ति व्यक्तियों, अर्थात् :---

3-56 GI/87

- (1) मेमर्स एम० एम० के० एन्टरप्राईजेस । (भ्रन्तरक)
- (2) मेमर्स ताणी एग्रो इन्डिस्ट्रिज प्रा० लि०। (श्रम्तरिती)

को यह स्चना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक में 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी क्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमे प्रयूक्त शब्दों और पदों का, ओ उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क मे परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

53 ए०, मिरजा गालिब स्ट्रीट, कलकत्ता में म्रब-स्थित मकान का तिसरा तल्ला में यूनिट नं० 3 ए० जो, सक्षम प्राधिकारी (स० भ्रा० ग्रा० नी०) श्रर्जन रेंज-1 कलकत्ता के पास मिरियल नं० सी० ए० 59 के श्रनुमार 22-8-1986 में रजिस्ट्री हुग्रा ।

> ग्राई० के० गायेन सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजेन रेंज-1, कलकत्ता-16

तारीख: 6-4-1987

प्रकल बाह्य हो हुए हुए हुए स्टब्स्स

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के जभीन सुमना

भारत वरकार

कार्याजय, सहायक जायकर बायुक्त (विराधक)

म्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 3 ग्रप्रैल 1987

निवेश सं० म्राई० ए० सी०/एक्यू० 2/37ईई/8-86/48---भ्रतः मुझे, भ्रशोक कक्कड,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें पण्चात् 'उक्त अधिनियमा कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी नो, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित्र बाजार मूल्य

1,00,000/- रु. से अधिक हैं
श्रीर जिसकी सं० धावाीय मकान प्लाट नं० 535,
ब्लाक बी, न्यू फेन्ड कालोनी है तथा जो नई दिल्ली में
स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूर्चा में श्रीर पूर्ण रूप से
वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, सहायक
धायकर धायुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज-2, नई दिल्ली
में भारतीय श्रायकर श्रधिनियम, 1961 के श्रधीन तारीख
धगस्त, 1986

को पूर्वोक्त सम्मित के उकित बाजार मूल्य से कम से दश्यमान अतिक स के निए जन्तरित की गई है बरि मून वह विश्वनत करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उकित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और वह अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरित (जन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के निए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक हम से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरम संहूर किसी आव की आकत, उसत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूबिधा की किए; और/या
- (ख) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन अधिनियम, बा धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा में बिक्षा

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित क्यांक्कियों, अधीट :--- (1) श्रi जसवंत सिंह 8/25, वेस्ट पटेल नगर, नई दिल्ली।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री एस एन सरीन बी-535, ब्लाक बी, न्यू फेन्ड कालोनी, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्व केत सम्पत्ति के अर्थत है हिंगु कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी आक्रेप ह---

- (क) इस स्थान के राष्यक में प्रकाशन की तारीय से 45 विन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामी से 30 विन को अवधि, जो भी अवधि बाद र समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हुनाए;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्धं किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए जा सकेंगे।

स्यष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्त जिथिनियम, के मध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वह जर्थ होगा, जो उन नध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भ्रवासीय हाउस प्रापर्टी प्लाट नं० 535, ब्लाक बी, न्यू फेड कालोनी, नई दिल्ली 471 वर्ग गज ।

> ग्रशोक कक्कड़ सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज 2, दिल्ली, नई दिल्ली-

तारीख: 3-4-1987

प्रस्थ वार्डा_र ठी_र एन_ः पुत्र_{ःस्थ}

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

बार्ट सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज-2 नई दिल्ली नई दिल्ली दिनांक 3 श्चर्प्रैल 1987

निदेश र्स भाई० ए० 2 एस भार-3-8-86/33—भातः मुझे, श्री श्रशोक कक्कड़,

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मृत्य 1,00,000/-ऊ. से अधिक है

श्रौर जिसकी संख्या है तथा जो 1/4, णेयर प्रापर्टी नं सी-85, तादादी 500 वर्ग गज एन डी ० एस ० ई-2, नई दिल्ली में स्थित है (श्रौर इससे उपाब्द्ध श्रनुसूची में पूर्व रूप से विजत है), रिजस्ट्रीकर्त्ता श्रिधकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्राधीन तारीख जून 1986।

को पूर्वो क्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वो कत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और यंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण संहुई किसी आध की बाबत,, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दासिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; आर/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं. उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) रिव सिंह 43, एनडीएसई-2, नई दिल्ली । (श्रन्तरक)
- (2) श्री जीवन कुमार मेहन, टी-27, ग्रीन पार्क, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

को यह स्वना आरी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां शरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख़ से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचन की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितब्द्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकोंगे।

स्पष्टिकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पटों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुस्ची

1/4 शेयर प्रापर्टी नं० सी-85, तादादी 500 वर्ग गज एन डी एस ई-2, नई दिल्ली।

श्रशोक कक्कड़ सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2 दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख: 3-4-1987

प्ररूप बार्ष. टी. एन. प्रात् अभ्यान्यक्षात्रमान

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन स्चना

नारत तरकार

कार्यालय, सहायक वायकर वायक्त (निरोक्षण)

धर्जन रेंज-11,मद्रास

नई दिल्ली, दिनांक 3 श्रप्रैल 1987

निदेश सं० प्राई० ए० सी०/एक्यू० 2, एम० प्रार० 3-8-86 34—प्रतः मुझे, श्री अशोक कक्कड़,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस ध्समें इसके पश्चात् 'उथत किधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह निश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मित्त, जिसका उचित बाजार भृल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

भौर जिसकी संख्या है तथा जो सी-85, एन डी एस ई-2, नई दिल्ली 500 वर्ग गज में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्त्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908(1908 का 16) के ग्रधीन दिनांक 1987

को धूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के इत्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभ्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाचार मृत्य, असके अस्यमान प्रतिफल से, एसे अस्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिहात से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतोरती (अंतरितियों) के बीच एसे बंदरण के पिए एक पावा च्या प्रतिक क्या गिम्मिशिया स्वादिक के व्यक्त बन्तरम् विक्ति के बन्तरिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी गाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा अवस् अधिनियम, वा धनकर अधिनियम, वा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती धुनाय प्रकट नहीं किया गंग था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विया के किए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के, कन्सरण के, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपधार (1) के अधीन, निम्नतिखित व्यक्तियों, अर्थात्:— (1) श्री रिव सिंह सुपुत्र श्री सुरीन्दर जीत सिंह के-43, एन डी एसई-2, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

(2) राकेण कुमार मेहन सुपुत्र राम देव मेहन टी-27, ग्रीन पार्क, नई दिल्ली।

(ग्रन्तरिती)

का पहु सुन्ता बारी करके पूर्वोक्क कम्हित्व के वर्षन के विशु कार्यवाहियां करता हो।

तक्द सम्पत्ति के मर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधांप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल में 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों केत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (त) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशक की तारीत से 45 दिन के भीतर जयत स्थावर सम्पत्ति में हित बढ़ भ किसी अन्य व्यक्ति इवारा अधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए वा सकर्ण।

स्पन्नीकरण:—इसमें प्रयुक्त सन्तों और पर्यों का, भी उपल अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विधा गया है।

अनुसूची

1/4 शेयर प्रापर्टी नं० सी-85, तादादी 500 वर्ग गज, एन डी एस ई-2, नई दिल्ली।

अशोक कक्कड़ सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख: 3-4-1987

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सुबना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 3 श्रप्रैल, 198,7

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'जन्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० 1/2 प्रापर्टी नं० सी-86, एन० डी० एम० ई-2 है तथा जो दिफली में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूचित मे पूर्ण रूप से बर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, ग्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ली 500 बर्ग गज में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधन तारीख श्रगस्त, 1986

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इत्यमान प्रतिफल के लिए अन्सरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इत्यमान प्रतिफल से ए से इत्यमान प्रतफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ए से अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुर्द्ध किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूत्रिथा के लिए; और/या
- (क्ष) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) श्री सुरेन्द्रजीत सिंह (एच यू एफ) । के-43, एन० डी० एस० ई०-2, नई दिल्ली । (श्रन्तरक)
- (2) श्री राम देव मोहन सुपुत्र स्वर्गीय मंगल मेन मोहन टी-27, ग्रीन पार्क, नई दिल्ली । (ग्रन्नरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपीत्त को अर्जन को संबंध मो कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इरामे प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया। गया है।

अनुसूची

1/2 शेयर प्रापर्टी नं० सी 2-85, ताबादी 500 वर्ग गज एन० डी० एस ई०-2, नई दिल्ली ।

ग्रशोक कक्कड़ सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

तारीख : 3 **भ्रप्रै**ल, 1987

भोहर :

प्ररूप बाई. टी. एन. एस.-----

ज\यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च के अधीन सूचना

भारत सरकार

भःयनिष्, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)
श्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ली
नई दिल्ली, दिनांक 3 अप्रैल, 1987

निदेश सं० धाई० ए० सी० एक्यू०/2 एम० धार०-3/ 8-86/37—अतः मुझे, श्री अशोक कक्कड,

ायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें सिके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-श्व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1.,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० प्लाट न० 41, है तथा जो काटेगरी 3, ग्रुप ए, कालिन्दी कालोनी, नई दिल्ली, मे स्थित है (ग्रीर इसमे उपाबद्ध श्रनुसूच, मे पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ला श्रधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली, मे भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधिन, तारीख श्रगस्त, 1986

को प्वंक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्वयमान प्रतिफल को लिए उन्तरित की गई है और मूसे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित काजार मृत्य, उरूके स्वयमान प्रतिफल से एसे स्वयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकात स अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित रख्देश्य से उक्त बन्तरण जिल्हित में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की वाजत, उक्त नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सूविधा के लिए; जौर/वा
- (w) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को भिन्हें भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अभिनियम, या भनकर अभिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा स्वीकाए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण को. मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्रीमती लक्ष्मी दिवान पत्नी श्री डी० एन० दिवान निवासी काटेज नं०-12, सबीम एपार्टमेंट दिल्ली।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री विश्वा बन्धु अग्रवाल पुत्र श्री आर० के० अग्रवाल निवासी-डी०-1, पन्वर्शाल एन्कलेव, नई दिल्ली, और श्री रमेश चन्द अग्रवाल पुत्र श्री रोकी राम अग्रवाल, निवासी सी०-24, एन० डी० एस० ई०-1, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

को यह स्वना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कीई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थात्रर सम्पत्ति में हितबद्रश्च किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरणः ----इसमें प्रय्क्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियमः, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

प्लाट नं॰ 41, काटेगरी नं॰-3 ग्रुप ए, तादादी 401.34, वर्ग गज, कालिन्दी कालोनी, नई दिल्ली ।

ग्रशोक कक्कड़ सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

तारीख: 3-4-1987

प्रकप् आर्च. ही. एन. एस. -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, मद्राम भद्राम, विनांक 27 मार्च 1987

निर्देश सं० 1 ध्रगस्त 86—प्रतः मुझे, ए०ध्रार० रेड्डी, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचान् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/रा. से अधिक है

भ्रौर जिसकी र्मं० 8, त्रिवेलयन बेमिन रोड, सौकारपेट, मद्राम है, जो मद्राम में स्थित है (भ्रौर इसके श्रनुबंध में भ्रौर पूर्ण रुप से विजित है), रिजस्ट्रीकर्ना श्रिधकारी के कार्यालय, सरकार पेट, दम र्सं० 366/86 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908(1908 का 16) के श्रिधीन श्रीगस्त 1986।

को पूर्वितित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्षे यह विश्वास का रने का कारण है कि यथाए गैंक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में एसे दृश्यमान प्रतिफल में एसे दृश्यमान प्रतिफल में पत्ते दृश्यमान प्रतिफल में पत्ते अन्तरका (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियां) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब नामा गया गितिफल, गिम्निलिसित उद्देष्य से उकत अन्तरण लिसित में बास्तियक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण संहुई किसी आय की बाबत, उक्स आधिनियम के अधीन कर दोगे के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें अधने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में स्पैवधा के लिए.

जतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) श्रीमती तारा बेन दोशि।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री श्ररूपचन्द्र बोदरा श्रौर किरण बाई बोदरा। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करता हुं।

उक्त सम्मत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की बविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर स्वना की तामीज से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अक्षेहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरण:---इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त आधिनयम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हुँ, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भिम ग्रौर मकान-डोर सं० 8, तिवेलयन बेसिन स्ट्रीट, मद्रास-79 (दम॰ सं० 366/86)।

> ए० श्रार० रेड्डी सक्ष**म** प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-I (श्राई/सी), मद्रास-17

तारीख : 27-3-1987

प्रक्य वार्ड . टी . एन . एस . -----

बायकर व्यधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन सुभना

नारत तरकार

कार्यालय, सहायक अध्यक्त आयुक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज-1 मद्रास-17

मद्रास, दिनांक 2 श्रप्रैल 1987

निदेश सं० 3, श्रगस्त 86—श्रनः मुझे, ए० श्रार० रेड्डी,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृज्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० डोर सं० 28, वेणुगोपाल श्रवत्यु, स्परटांक रोड, मद्रास-31 है, जो भद्रास में स्थित है (श्रीर इसके श्रमुबंध में श्रीर पूर्ण रूप वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्त्ता श्रिधिकारी के कार्यालय, पेरियमेंट, दस सं० 815/86 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908(1908 का 16) के श्रीन दिनांक 4 श्रगस्त 1986

को प्रवेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य सं कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए कन्तिरत की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बनजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल सं एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिका (अंतरका) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखत उद्वेद्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (कः) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे दचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्ही भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के जिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनूसरण में,, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपभाग (1) के अधीन, निम्नलिश्चित व्यक्तियों, अर्थात :---

(1) ए० पी० सिवन।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती शानवाज श्राशा।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविध, जो भी अविध के बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 बिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिटबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकींगै।

स्पथ्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जी उस अध्याक में दिया पका है।

बन्स्ची

भूमि श्रौर मकान---डोर सं० 28, वेणुगोपाल स्रवन्यु, स्पर्टांक रोड, मद्राम-31, दस०सं० 815/86।

ए० स्नार० रेड्डी सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज I, मद्रास ४

तारीख: 2-4-19*8*7

प्रस्य बार्ड े दी ु प्रमृह पुरा क्रान्य कार

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म के अधीन सुमना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज-I, मद्रास-17

मद्रास, दिनांक 2 शर्पेल 1987

निदश सं० 5/ग्रगस्त/86—ग्रतः मुझे, ए० ग्रार० रेड्डी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचिता बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. सं अधिक है

श्रीर जिसकी सं० डोर सं० 34 श्रीर 35, स्वामी नाईक्कन स्ट्रीट, गिक्साट्रिपेट है, जो मद्रास-2 में स्थित हैं (श्रीर इसके धनुषंध में श्रीर पूर्ण रूप वर्जात है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रीध-कारी के कार्यालय, धेरियमेंट दस० सं० 848/86 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रीधनियम, [1908 (1908 का 16) के श्रीम श्रगस्त 1986।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के क्यमान ब्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार प्रस्थ, उसके क्यमान प्रतिफल से एसे क्यमान प्रतिफल का बंद्रह प्रतिश्वर से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे बन्तरण के जिए तय पाया गया ब्रितिफल निम्निशिवत अब्बेश्य से उक्त बन्तरण मिनित भे बास्तिक कुए से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबता, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सूविभा के किए; और/या
- (क्ष) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए।

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के यधीन. निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ्र—— 4 ≻56 GI/87

- (1) श्री पी० एस० दयान प्रसाद और 4 धन्यों। (ग्रन्तरक)
- (2) श्री एन० भ्रय्यननादन।

(मन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के कर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्मत्ति के अर्जुन के तम्बन्ध में क्रोड्ड भी आक्षेप 🖫 🗝

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा
- (च) इस स्वाम के राजपन में प्रकाशन की तारीच सं 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यारा अधीहस्ताक्षरी के पास विचित्त में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्स्ची

भूमि ग्रौर मकान डोर सं० 34 ग्रौर 35, स्वान नाईक्कन स्ट्रीट, चिन्ताद्रिपेट, मद्रास-2 (दस० सं०-348/86)

> ए० श्रार० रेड्डी सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुब्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-I , मद्रास-17

तारीख: 2-4-1987

प्रकृष आर्षु हो एम एएस . ----

बायकर निभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के नभीन सुवृता

भारत चरुकार

कार्यालय, सहायक मायकर भायकत (निरीक्रण)

श्रर्जन रेज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 24 मार्च 1987

निदेश स० 6/ग्रगस्त/86---श्रतः मुझे, ए० श्रार०

रेड्डी,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'सकत अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-का के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह जिस्सास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मुख्य

1,00,000/- रत. से अधिक हैं भीर जिसकी सं० 35 है तथा नौ रोजी रोड, चेटपेट, मद्रास-31 है, जो स्थित है (ग्रौर इसके श्रनुबंध में ग्रौर पूर्ण रुप र्वाणत है), रजिस्दीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय, पेरियमेट दस० स० 959/86 में भारतीय रजिस्ट्रीकर अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 29-8-86। को पूर्वेक्श सम्पत्ति के उपित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान लिए बन्तिरत की गइं है क्के यह विष्वास करने क्र कि यथा पूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दरभमान प्रतिफल से, ऐसे द्वयमान प्रतिफल के पन्प्रह प्रतिशत से अधिक ही **जार अंतरक (अतरकों) और अंतरिली (अंतरितियाँ) के** भीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्ननिस्ति डब्बेदेय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक इत्पासे कविथत न्हीं किया गया हैं.;---

- (ला) बन्तरण से हुई किसी आय की बाबछ, उक्त विभिन्नियम के जभीन कर दोने के अन्तरक के दासित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के सिए; और/या
- (च) ऐसी किसी आय गा किसी भग या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाओं अन्ति ति व्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए चा, छिपाने में सुमिधा के सिए;

अतः अवं, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियमं की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तिसयों, अर्थात् :—— (1) श्रीमती मंगलम ग्रनन्थ नारायणन।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती मललीगा जयचन्द्रीन।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां कूरू करता हूं।

उस्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूधना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीखं ते 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि श्राद में समाप्त होती हो , के भीतर पूर्विक्ट स्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में पकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दित- वव्ध किसी अन्य व्यक्ति स्वारा अधाहस्ताक्षरी के शास निवित में किए ना सकेंन।

स्पच्छीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पत्तों का, जो जक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

वनुस्ची

भूमि श्रौर मकान-डोर सं० 35, नरोजी रोड, चेटपट, मद्रास-31 (दस० सं० 959/86)।

> ए० ग्राप्त० रेड्डी सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1,मद्रास

तारीख: 24-3-1987

प्रकथ बार्स् टी.एन.एस.,------

नायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) ना भारा 269-व (1) के अधीन सुवना

भारत सरकार

कार्याक्रम, सञ्चयक नायकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 7 श्रप्रैल 1987

निर्देश सं० 7 ग्रगस्त 86--ग्रतः मुझे, ए० ग्रार०

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रधात् 'उन्त अभिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु से अभिक हैं

भीर जिसकी सं० प्लाट सं० 3549, जे ब्लाक सं० 2 बेच सं० 4 है, जो प्रण्णा नगर, मद्रास-40 में स्थित है (श्रीर इससे श्रनुबंध में श्रीर पूर्ण रुप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिष्ठकारी के कार्यालय, मद्रास चेन्ट्रल-दस0 सं० 1112/86 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रिष्ठनियम, 1908(1908 का 16) के श्रिष्ठीन श्रगस्त 1986।

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्के यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से एसे ध्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) में बीच एसे अन्तरक के सिए तब पाया चवा प्रतिफल, निम्निलिखित उद्वरेय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबता, उक्त जिम्हीनयन के अभीन कर देने के अन्तरक के व्यक्तिया में कभी करने या उससे अपने में सुविधा के जिए; और/वा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को जिन्ह, भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्ध अन्तरिती ब्वाय प्रकट रहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, स्थिपान में सुविधा के निष्;

अतः अव, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग के अन्सर्गण में, मैं, उक्त अधिनियमं की धारा 269- व की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिक्ति व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) डाक्टर पूराणी रामचन्द्रन।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती पार्वती।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मित के अर्जन के खिए कार्यवाहियां मुरू करता हुं।

डक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी जाक्षेप हु--

- (क) इस सूचता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं वे 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पड़ सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हों, के भीतर पूर्वीक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति ग्रां
- (क) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वाया, अभोहस्ताक्षरी के पास निक्षित में किए जा सकींगे।

स्थव्होकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्हा अधिनयम, के अध्याय 20-क में परिभाजित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वस्स्वी

भूमि ग्रौर मकान लाट सं० 3549, जे० ब्लाक सं० 2, बेच सं० 4, भ्रण्णा नगर, भद्रास-40 (बस० सं० 1112/86)।

> ए० आर० रेड्डी सक्षम प्राधिकारी महायक श्राकिर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, मद्रास-17

तारीख: 7-4-1987

प्ररूप आहुर, टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आगृक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 6 घप्रैल 1987

निदेश स० ८/प्रागस्त/८६---- प्रतः मुझे, ए० मार० रेड्डी,

अध्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यहविष्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/रु. से अधिक है

भौर जिसकी सं० 108, भ्रंगप्पा नाईक्कन स्ट्रीट, मब्रास-1 है, जो में स्थित है (भौर इसके भ्रनुबुंध में भौर पूर्ण रूप वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, मद्रास सेन्ट्रल दस० स० 1107/86 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण भ्रधिनियम, 1908(1908 का 16) के श्राधीन श्रगस्त,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे उन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबर, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के गायित्य में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/शा
- (ग) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्ही भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर) अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की भारा 269-ग के अपूसरण भो. मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :--- (1) श्री पी० एस० वीनवयाल।

(भ्रन्तरक)

(2) मेसर्स युटिलिटी बिल्डर्स ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी अन्यक्षे पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी अक्षोप हु-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना को राजपत्र मों प्रकाशन की तारीख से 45 विन को भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति मों हितबद्ध किसी अन्य विकत द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित मों किए जा सकोंगे।

स्पर्वक्रिरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उत्तर अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

भूमि श्रीर मकान-सं० 108, श्रंगप्पा नाईक्कन स्ट्रीट, मद्रास-1 (वस० सं० 1107/86)।

> ए० ग्रार० रेड्डी सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1(श्राईसी), मद्रास-17।

तारीख: 6-4-1987

प्रकृप बाहें. टी. पुन . पस .----

वस्त्रकर वर्षिययम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के बचीन सुचना

भारत सरकार

कार्यातय, बहायक नावकार बावुक्त (विश्रीतक)

ग्रर्जन रेज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 2 श्रश्रैल 1987

निर्देश सं० 9/मगस्त/86-मतः मुझे, ए० आर०

रेड्डी,

बायकर विधितियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त विधित्यम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के वधीन सक्षम प्राधिकारों की यह विस्तास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, विसका, उपित वाषार मृख्य 1,00,000/- रा. ते विधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं ग्रार एस०सं 3141/8 (पार्ट) 314/3 (पार्ट) है, जो सं 11, हार्लेंस रोड, किलपाक, मद्रास में स्थित है (ग्रौर इसके ग्रनुबंध में ग्रौर पूर्ण रूप में विणत है), रिजस्ट्रीकर्ती ग्रधिकारी के कार्यालय, पुटसवास्कम दस सं 1006, 1008 ग्रौर 1010/86 में भारतीय रिजस्ट्रीकरङ्घ ग्रधिनियम, 1908(1908 का 16) के ग्रधीन ग्रगस्त 1986।

को प्रांकित संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के अवसान मित्रका के लिए अंतरित की गई है और मृश्वें वह विकास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत सम्पत्ति का उचित बाजा है क्या कारण है कि यथापूर्वों कत सम्पत्ति का उचित बाजा है क्या का कारण है कि यथापूर्वों कत सम्पत्ति का उचित बाजा है क्या का प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिका (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकात, विकासित वहाँ विकास से उपत क्या क्या कि विकास के कि स्वार्थ कि सिता में वास्त्विक क्या से कि सिता नहीं विकास स्वार्थ क्या क्या से कि

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाम की वाबत , उक्त महिंद्रिक्ष में सभीद कर देवे के मृत्यहक के सादित्य में क्वी करवे वा उच्चे दहने में सुहिशा के शिक्ष मीं /बा
- (ख) एंडी किसी बाब वा किसी धन वा बन्य बास्तिकों को निवह अरतीय बाब-कड विधिनसम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त विधिनसम वा स्वक्र बहिन्सिम, 1957 (1957 का 27) से प्रकृष्ण वार्ष बन्दिरती द्वारा प्रकट नहीं किया वंदा वा वा किया वा किया वा वा किया वा किया वा किया के वा वा किया के विद्या क

कत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री एन० कुमार रटन श्रीमती जयश्री रटन एस० पारित रटन ग्रौर एस० पारवित रटन एस० पी० लक्ष्मीरटन।

(म्रन्तरक)

(2) ग्ररुण राजकुमार फडिसिक।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उपत सन्परित के गर्यन के सन्यन्थ में कोई भी वासीय ह—

(क) इस स्टान के राज्यम में प्रकाशन की तारीचा से 45 दिन की नवींच वा तत्त्वन्त्रन्थी व्यक्तियों पर सूचना की तानीस से 30 दिन की नवींच, को शी व्यक्ति नाम में समाप्त होती हो, के शीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

हैं इस व्यव से राजपन में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सांपत्ति में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति इवारा वशहस्ताक्षरों के शह सिवित में किए या सकेगें।

स्वक्टीकरण :--- इसमें प्रयुक्त कव्यों और परों का, को उक्त अधिनियम, को वश्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ष होगा, को उस वश्याय में दिया गया हैं!!

अनुसूची

भूमि और मकान सं 11, हार्लेस राडे, कीलपाक, मद्रास (इस॰ सं० 1006, 1008 और 1010/86)।

> ए० ग्रार० रेड्डी सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज-1, मद्रास 17

दारीख: 2-4-1987

प्ररूप आइ. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयक्कर आयुक्त (निरीक्षण) भ्रजीन रेंज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 6 भ्रप्रैल 1987

निर्देश सं० 3/सेप्टेम्बर/86—श्रतः मुझे, ए० झार० रेड्डी,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है और जिसकी सं० डोर सं० ए० जी० 3, गांति कालोनी, अरिजट अप्णा नगर है, जो मद्रास-40 में स्थित है (और इसके अनुबंध में और पूर्ण रूप मैं विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अण्णा नगर-दस० सं० 2854/86। में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16)

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के इत्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से एसे इश्यमान प्रतफल का षद्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

के ग्रधीन 27-8-1986।

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त आधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एेसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्स अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण कें, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) कें अधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थातृ:—— (1) श्री डी० सुनद्वारामुलू।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती यु० शांता कुमारी।

(भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 विन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्तियों
- (ख) इस सचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीत सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पार. लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्ठीकरण :---इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होना जो उस अध्याय में विय गया है।

ग्रनुसूची

भूमि और मकान-डोर सं० ए० जी० 3, शांसि-कालानी श्ररिज्ञट श्रण्णा नगर, मद्रास । (दस० सं० 2854/86)

> ए० श्रार० रेड्डी∳ सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, मद्रासे*

तारीख: 6-4-1987

प्ररूप आहु⁴. ट<u>ी. एन . एस</u> . -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सृचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) प्रजीन रेंज-1,बी बम्बई

बंबई, दिनांक 6 श्रप्रैल 1987

नायकर जिथिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा नया हैं), की बारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

म्थ्रौर जिसकी सं0 फ्लेट नं० 1, 3री मजिल, जयबंत भ्रपार्टमेंटस्, ताडदेव रोड, दादरकर कंपाउंड, बम्बई-34 में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची हु श्रौर पूर्ण रूप से विङ्क्षित है धौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधि-नियम, 1901 की धारा 269 के,ख के श्रधीन बबई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 25-8-1986।

का पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिहात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-रिसी (अन्तरितियां) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से किथात नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरण सं हुई किसी आय की बाबता, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व मों कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; बौर/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

भतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की अपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) वि० के० सोलंकी भीर ग्रन्य।

(ग्रन्तरक)

(2) दशरथलाल भ्रो० कचेरीया श्रौर कोकिला डी० कचेरीया।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ख़ाक्षण :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिंस- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति य्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त किंध-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं. वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया मया है।

अमृत्यी

फ्लेट नं० 1, 3री मंजिल, जयवंत श्रपार्टमेंटस्, ताङदेव रोड, दादरकर कंपाउंड, बम्बई-34 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा की करुसंठ श्रई-1बी/37-ईई/10692/ 85-86 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बबंई द्वारा दिनांक 25-8-1986 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> निमार भ्रहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1बी, बंबई,

तारी**ख** : 6-4-1987

प्ररूप आइं.टी.एन.एस.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा) 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायेक आयंकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज 1बी, बंबई बंबई, दिनांक 6 धर्पनैल 1987

निर्देश सं० ग्रई-1बी/37ईई/12477/85-86 श्रई-1बी 86 87--- ग्रतः मुझे, निसार श्रहमद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ं श्रौर जिसकी सं० पलेट नं० 26, 7वीं मंजिल, इमारतं नं० 7बी, नवजीवन को-ग्रांप० हाउसिंग सोसायटी लि०, लंमिंग्टन रोड, बम्बई-8 में स्थित है। (श्रौर इससे उपाबद्ध भनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणत) है श्रौर जिसका करार-नामा श्रायकर श्रधिनियम, 1901 की धारा 269, कल्ख के श्रधीन बम्बई स्थित मक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 25-8-1986।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्यं से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्यं, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूर्विधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रबोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) ठाकरभाई गुलाबभाई देसाई और श्रीमती भानूमती टी० देसाई।

(ग्रन्तरक)

(2) भंवरलाल सी० संधवी भ्रौर उगामेन पारसमल संधवी।

(भ्रन्तरिती)

(3) म्रन्तरको ।

(बह व्यक्ति जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजिपश्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाधन की तारीक सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पासं लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

फ्लेट नं० 26, 7वीं मंजिल, इमारत नं० 7बी, नव-जीवन को-ग्रांप० हार्जीसंग सोसायटी लि०, लीमग्टन रोड, बम्बई-8 में स्थित है।

अनुसूची जैसाकी ऋ०सं० श्रई-1बी-37-ईई/10687/85-85 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बंबई द्वारा दिनांक 25-8-1986 को राजस्टर्ड किया गया है।

निसार श्रह्मद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1वी, बंबई

तारीख: 6-4-1987

प्ररूप आर्ड. टी. एन. एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की की भारा 269 घ (1) के अधीन सचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर नायकत (निरीक्षण)

श्रर्जन रे ग-1बी, बम्बई बम्बई, दिनांक 6 श्रप्रैल 1987

निदेश ऋई-1बी/ 3 ७ईई-ऋई-1बी/ 48/86-87/12469/ 85-86--श्रत म से, निसार श्रहमद,

आयकर अभिनियस, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पक्ष्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा ?69-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका <mark>उचित बाजार म</mark>ुल्य 1,00,000/- रत. से अधिक हैं

श्रीर भिकी स० कार्यालय स० 103, प्रसाद चेबर्स, श्रापेरा हाउस, रॉक्सी सिनेमा के पास, बस्बई-4 में श्थित है (श्रीर इससे उपाबद अनुसूची मे श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है (ग्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम, 1902 की धारा 269 कख के ऋधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिस्ट्री है, दिनांक 25-8-1986,

को पर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के जिए अतरित की गई है और मुफ्ते यह विख्वास करने का कारण है कि ग्रंभापविकत सम्पत्ति का उचित गाजार मुख्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से. एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह ⊭ित्रचात से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकॉ) और अंतरिती /अंतरितियों) के बीच एसे अतरण के लिए तय पाय⊤ गया प्रतिफल, निम्नलिखित उदुदोश्य से उक्त अंतरण निखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) शन्तरण से डाइ किसी आस की वावश. विभिनियम के अधीन कर दोने के बन्तरक के बाबित्व में कभी करने या उससे बचने भें सुविधा को लिए; स्तर । या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का जिन्हें भारतीय नाय-कर अधिनियम, (1922 का 11) या अक्त अधिनियम, या अन-कर विभिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती इमाय प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा केलिए.

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269- व की उपधारा (1) क अधीन जिम्मालिकित व्यक्तियों सर्भात .--

5---56 GI/87

(1) श्री किशनताल जैन ।

(श्रन्तरक)

(2) मेमर्स गिता बारपोरेशन ।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त समात्ति के अर्जन के सबध मा कोई भी आक्षेप .---

- (क) इ.स. स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियो पर सुचनाकी तामील से 30 दिन की बनिध, जो भी क्विभ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वॉक्ट व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवाय;
- (क) इस मुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक है 45 बिन के भीतर जक्त स्थाधर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति दुवारा अभोद्वस्ताक्षरी के पास सिवित में किए वा सकेंगे।

स्वयदीकरण:--इसमें प्रवृक्त शब्दों और पद्यों का, को उक्त मिनियम के अध्याव 20-का में परिशावित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अभ्याय में दिया म्या हु ः

नमृस्ची

कार्यालय स ० 103, प्रमाद चेबर्स, भ्रांपेरा हाउस, रॉक्सी सिनेमा के पास, बम्बई-4 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि क० स० श्रई-1बी/37ईई-10686/ 85-86 भौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनाक 25-8-1986 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> निसार श्रहमद सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर भ्रायकत (निरीक्षण), श्रर्जन रेग-1बी, बम्बई

दिनाक: 6-4-1987

मोहर

शाक्य आईं ृदी . एत . एस . ------

श्रायकर अधिनियस, 1961 (1961 का 43) की भाग 269 व (1) के अधीन सचना

भारत सरकार

कार्यातव, सहारक बायकर नायुक्त (निर्दाक्षण)

ग्नर्जन रेंत्र-ाबी, बम्बर्ड

यम्बर्ड, दिनांक 6 स्रप्रैल 1987 निदेश सं० श्रई-1बी/37ईई/12441/ग्रई-1बी/49/ 86-87--श्रत: मझे, निसार श्रहमद,

भायकर अधिनिषम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धार 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित भाजार मृत्य 1,00,000/- राज्ये अधिक है

स्रौर जिसकी मं० यूनिट मं० 204, दूसरी मंजिल, स्रमीर इंड-स्ट्रियल इस्टेंट, सब मिल कम्पाउण्ड, लोग्रर परेल, बम्बई— 13 में स्थित है) धौर इससे उपाबढ़ स्रनुसूची में श्रौर पूर्ण हथ से बिणत है) धौर जिसका करारनामा धायकर श्रधिनियम, 1901 की धारा 269 कल के अधीन अम्बई स्थित सक्षम प्राधि-कारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, दिनाक 25-8-1986,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मून्य से कम के इश्यमान प्रितिकत को लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकत से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकत का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तर्कों) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकत, निम्नलिखित उव्देश्य से उसत अंतरण सिधित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है ——

- (क) वंतरण ते हुई किती शाय की बाबत, बक्त अधिनियत्र के अधीन कर दोने के अन्तरक करें दावित्य में कभी करने या उत्तरों क्याने में सुविधा के निष्; और/बा
- (च) एंसी किसी बान या किसी घन था अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गंधा गंधा था था किया जाता चाहिए था, लिपान में स्विधा के किए;

अत: जब, उकत अधिनियम की धारा 269-ग के अन्मरण में, मैं, उक्त अधिनियम की की धारा 269-घ की उपधार (1) है : किं, विमनिलिक्ति व्यक्तियों, अर्थात :---

(1) मेसर्म इंडो सायगन एजेंसी ।

(धन्तरक)

(2) भेगर्स अंकृर एतसपोर्ट इण्डरनेणनल

(भ्रन्तरिती)

को यह स्थना जारो करके पूर्वीक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

वक्त बन्धित के वर्षन के धेवीन में कोई भी बाक्षेत्र 🛶

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सैं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अर्थाह्म्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेगे।

स्पष्टोकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्यायं 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

यृतिट गं० 204, दूसरी मंजिल, अभीर हण्डस्ट्रियल इस्टेंट, सब गिल कम्याउण्ड, गोअर परेल, वम्बई-13 में स्थित है ।

अनुसूची जैसा की कर संर अई-1बी/37ईई/10681/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, वस्वई द्वारा दिनांक 25-8-1986 को रिनस्टर्ड किया गया है ।

निसार श्रहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रें से—1वी, बस्बई

विनोक : 6-4-198**7**

प्रस्य बार्षः टीः एवः एवः प्रशासन्तरण्या

वायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की पारा 269-व (1) के मभीन सूचना

नार्व वरकार

कार्यासय, सहायक मायकर वायुक्त (दिरीसक)

स्रजन रेज-ाबी, बम्बई

बग्बई, दिनाक 6 अप्रैल 1987

निदेश म० प्राई-1वी/37र्ड:-12437 प्रार्ट-1वी/50/ 86-87-- ग्रतः म्झे, निसार ग्रहमद,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ल को मधीन राक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि 'शावर सपत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य

1,00,000 /- रुट. से अधिक हैं **ग्रौर** जिसकी सा० फ्लैट सा० 40 \/त्री, गोल्ड काइन प्रिभायगरा को ०-ग्रांप ० सासायटी लि ०, ताडदेव, वम्बई-- 34 में स्थित है (ग्रीर इसमे उपाबद्ध अन्मुची मे ग्रीर पूर्ण रूप मे वर्णित है और जिसका करारनामा प्रायकर ग्रधिनियम, 1901 की धारा 269कख के अधीन बम्बई स्थित गक्षम प्राधिकारी क कार्यालय मे राजिस्ट्री है, दिनाक 25-8-1986,

को पूर्वितत सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य संकम को इष्टयमान प्रतिकल निए बन्तिरत की गष् है वरि मुभक्ते यह करन **निश्वा**स कारण कि सभा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिकल से, एसे स्वयमान प्रतिकल के पन्द्रह प्रतिकत से अधिक है नौर अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अतरितियाँ) को बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्याप्य से उत्तर अन्तरण लिखित में बास्यविक कप से कथित ाही किया गया है :--

- (क) मन्तरम से धार्ष किसी भाग की बाबता, अवन अधिनियम के अधीन कार योगे के अलरक की दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सरियधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां का, विन्हुं भारतीय जावकर अभिनियम, 1922 (1927 का 11) या उथत मधिनियम, बो धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) कं प्रयोजनार्थ सहरिती दवारा प्रकट नहीं किया नया बासाकिया जाना चाहिए था, श्रियाने में सुविधा के लिए:

बन: बड़. उक्त बिधिनियम की भारा 269-व की, बनसरम में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:---

(1) श्रीमती ऋार० वी० साहुकार।

(श्रन्तरक)

(2) श्री क्रमित्र ही । गाना क्रीर मृतीत्र ही । गाना। ('यन्तरिती)

की बहु सूचना भारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के जिए कार्यवाहियां गरू करता हुए।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में काई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के एकएच के प्रकाशन की तारीय 45 दिन की अवधि या तत्संबधी व्यक्तिया पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त हाती हो, के भीतर पूर्वेक्ति ध्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस समना में राजपंत्र में प्रकासन की तारींच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्रवृत्त्व विक्रती अन्य अमित बुवारा अभोहरताक्षरी के शाह सिवित में किए वा सकेंगे।

ल्**क्कीकरणः---इ**त्तर्गप्रयुक्त बच्चों और नकी का, को सकत मीपनिवन, के बभ्याय 20-क ने परिभावित है, बही अर्थ हागा जो उस अध्याय में विधा गया है।

धनुगुनो

पलैट स ० 40 4/बी, गाल्ड काइन प्रिगायनस का ००%।प सामायटी निर्ण, नाइदव, बस्बई-34 म रिका है । ग्रनसूची जैसा कि ऋ० स० यई-1यी/37ईई/10678

85-86 श्रीर जा सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनाम 25-8-1986 की रिनिस्टर्ड किया गया है ।

> नियार अहमव सक्षम प्राधिकारी, सहायक प्राप्तकर स्रायक्त (निरीक्षण), श्रजीन रे !-।बी, धम्बर्ध

दिनांक : 6-4-1987

मोह्नर

प्ररूप आहें. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रें ज-1सी,-बम्बई

बम्बई, दिनाक 6 ग्रप्रैं व 1987

निर्देश सं० ग्रई-1सी/37ईई-12412/ग्रई-1बी/51/86-87--श्रत मुझे, निसार शहमद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा ग्या है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी का, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर िंसकी सं० पलैंट सं० 20, 65ी मंजिल, प्रसन्ना श्राप वहाउसिंग सोसायटी लि०, बेस्बीट रोड, माऊगांव, 7सेंबई-10 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध भनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रध-नियम, 1901 की धारा 269 कख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम श्राधिकारी के कार्यालय में रिस्ट्री है, दिनाक 25-8-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उच्चेश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविभा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) डा॰ ई॰ एफ॰ सिल्वेरीया, 2 डा॰ (श्रीमती) मरीया सिल्वेरिया, श्रौर 3 डा॰ (श्रीमती) अजीना (सिल्नेरिया ।

(भ्रन्तरक)

(2) एल ० जे ० गोम्स श्रीर डी ० पी ० गोम्स । (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां कारता हूं।

उक्त रम्पत्ति के अर्जन के सम्धन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की उविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त विक्ताों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजप्त्र में प्रकाशन की तारील सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थापर सम्पत्ति में हितबस्थ किसी अन्य व्यक्ति इवारा अधाहस्त्यक्षरी के पास लिस्ति में किए जा सक्यो।

स्पाककरणः — इसमे प्रयाका शब्दो और पदों का, जा उपन अधिनियम, के अध्याय 20-क मा परिभाषिश है, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्यार में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट स० 20, 6ठी मंतिल, प्रयक्षा को०-म्राप० हाउसिंग सोसायटी लि०, बेस्बीट रोड, माझगाव, बम्बई--10 में स्थित है ।

अप्तृमुची जैसा कि ऋ० सं० श्रई-1बी/37ईई/10669/85-86और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 25-8-1986 को र्राजस्टर्ड किया गया है ।

निसार श्रहमद सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेज-1बी, बम्बई

दिनां क : 6-4-1987

प्रकृष कार्ष्: टी. एन. एस 🚊 --४----

शायकः (किंपिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-8 (1) के सभीन स्थना

बराइट सरकाउ

क्ष्मभाषा , सहायक गायकार जाम्**नत (पिरीवाण)**

श्चर्जन रें भं-1बी, बम्बई बम्बई, दिनांक 6 श्वर्प्रेन 1987

नियेण मं० अर्ध-।वी/12410/86-87--अतः मुझे, निसार म्रहमद,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

धौर िसकी सं० कायानय प्रिमायरं म सं० 705, प्रसाद चेंबर्स, स्वदेशी मिल कम्पाउण्ड, भ्रापेरा हाउस, बम्बई-4 में स्थित है और इससे उपाबद्ध अनु सूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है और जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम, 1901 की धारा 269 क ख के श्रिधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिक्स्टी है, विनाक 25-8-1986,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के क्रममान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकर्ता विलेख के अनुसार जंतरित की गई हैं और मृभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरिक (अन्तरिक्षों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिखत में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय का किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अवायभार्व अन्यारिती ब्वारा प्रकट नहीं फिया गया था किया राना चाहिए था, कियाने में स्विधा श्री किया;

बत: बब, उक्त ऑफिनियम की धारा 269-न के बनुसरक बों, बों, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) बों बधीन, निम्मिनियत स्पितवीं, अविष् क्र--

- (1) श्री नानालाल लक्ष्मीचन्द ग्रहा । (ग्रन्तरक)
- (2) हर्पद एस० णहा और भरव एस० णहा । (ग्रन्तरिती)
- (3) ग्रन्तरक । (बह व्यक्ति, जिसके ग्रिधिभोग मे सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्थन के सम्बन्ध में कांग्र्ड भी आक्षोप :----

- (क) इस स्वना के राजपण में प्रकाशन की तारीय के 45 दिन की अविधि मा तत्सम्बन्धी अ्योजिसमों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि नाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्स स्थान्य सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताकारी के गंस जिल्ला में किए वा करोंचे।

स्पष्टिकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्स्ची

कार्यालय प्रिमायनेस सं० 705, प्रसाद चेंबर्स, स्वदेशी मिल कम्पाउण्ड, क्रांपेरा हाउस, बम्बई--4 मे स्थित है ।

श्रतुसूची जैंसा कि ऋ० सं० श्रई-1बी/37ईई- 10668 85-86 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, वस्बई द्वारा दिनांक 25-8-1986 को रिजस्टर्ड किया गया है ।

> निसार श्रहमद सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1 बी, बम्बर्ड

विनांक: ८-4-1987

मोहरः

वक्य मार्च की. एत . एक .------

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

नारत सरकार

कार्यस्य, सहायक बायकर जानुक्त (निराक्षण)

ग्रर्जन रेज-1बी, बम्बई बम्बई, दिनाक 6 श्रप्रैल 1987

निर्देण सं० ग्रर्थ-1बी/37ई-12381/ग्रई-1वी/53/86-87---श्रत: मुझे, निसार श्रहमद,

बायकर भौभितियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसफे परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्रीधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

भ्रोर िनसकी स० फ्लैट स० 601, 62ी मिनिल, अलंकार को ०-भ्राप ० हाउसिंग सोमायटी लि ०, 187, बलराम स्ट्रीट, ग्राण्ट रोज, बस्बई-7 में स्थित है (ग्रीर इसने उनाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है) श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर भ्राधिनियम, 1901 की धारा 269कख ग्रधीन बस्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, में रॉजर्स्ट्री है दिनांक 25-8-1986

सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, मे राजिस्ट्री है दिनांक 25-8-1986 को वृदोंकत सम्पत्ति के उचित बाबार मृत्य से कम के अध्यमन प्रतिकत के लिए बंतरित की नई है और मुके यह विश्वास करने करने का कारण है कि यथापूर्वोंकत तंपतित का उचित बाबार कृत्य, उसके अध्यमन प्रतिकत से, एसे अध्यमन प्रतिकत का प्रवित का प्रतिकत विश्व विषय के निर्माति के वीच एसे बंतरण के निर्मात्व विषय विश्व विश्

- (क) बन्तरण वं हुई किसी बाब की बावत, बनक बिवियम की अधीव कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (ख) एंसी किसी आद या किसी धन या अन्य आस्तियों को, विन्हुं भारतीय नाम-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना काहिए था, छिपान में सुविधा के लिए;

वर्तः स्व, उक्त विभिनियम की भारा 269-व की वयुसरण मों, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिकित व्यक्तिमों, आर्थात 1—व्य (1) श्रीमती चन्द्राबाई परमराम जमनानी।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती मज्लाबहेन धिरजलाल तत्राजिया ग्रीर श्री धिरजलाल गुलजीभाई तमलजिया।

(श्रन्तरिती)

(3) ग्रन्तरक ।

(बह् ध्यक्ति, जिसके श्रधिभोग मे सम्पत्ति है)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्तः सम्परित के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

जनत सम्परित के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेत्र :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की वनिष सा उत्तरम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में ते किसी व्यक्ति द्वारा;
- (भ) इस सूचना के राज्यम में प्रकावन की तारीच से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर कम्पत्ति में हिल्बव्य किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहरताक्षरी के पास लिखित में किए जा सक्तेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त विभिन्निक दें बध्याय 20-क में दरिशाविक ही, वहीं नर्ष होगा, को उस बध्याम में दिना गवार ही।

अन्स्ची

फ्लैंट सं० 601, 651 मिता, प्रलकार को ०-म्राप्त हार्जीसम सोसायटी लि ०, 187, बलाराम स्ट्रीट, ग्राण्ट रोड/, बस्बई-7 में स्थित है ।

श्रनुसूची जैसा कि क० स० ग्रर्ट 1वी, 37 ईई-10657/86--87 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 25-8-1986 को रिजस्टई किया गया है।

> निसार ग्रहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1वी,बम्बई

दिनांक: 6-4-1987

प्ररूप आहाँ, टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनिम, 1961 (1961 का 43) की धारा) 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यातय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) स्रजैन रेंज-1बी, बम्बर्ड

बम्बई, दिनांक 6 श्रप्रैल 1987

निदेश मं० श्र $\frac{5}{2}$ —1वी/37ई $\frac{5}{2}$ —12377/श्रर्दे—1वी/54/86—87—श्रत मुझे, निसार श्रहमद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उपन अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के यह विषयम करने का कारण हैं कि रथावर सम्पत्ति, जिसका उचित याजार मृत्य 1,00,000/। रहे. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी यं० समप्ति जो काशी मैयद स्ट्रिट जिसका मी० एस० सं० 330, एफ० पी० सं० 155, माडिवी डिवीजन, बस्बई मे स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची मे श्रौर पूर्ण-रूप से वर्णित है), श्रौर जिसका करारनामा श्रायकर अधिनियम, 1901 की धारा 269 क ख के श्रधित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है। तारीख 25 श्रगस्त 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह रिष्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकां) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एमे उन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्चेश्य से उक्त अन्नरण लिखित बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत, उथत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरण के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मृजिशा के लिए; और/मा
- (ग) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर) अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना भाहिए था, छिलाने में मुविधा के लिए;

अत. अत्र, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्सरण में. मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :——

- (1) श्रीमती भ्राणा योगेणकुमार गाधिया । (भ्रन्तरक)
- (2) मेसर्स करिश्मा कन्स्ट्रकशन एण्ड इन्वेस्टमेट प्रा० लि ० ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में में कि मी व्यक्ति ख्वारा;
- (स) इ.म. गूचना के राजपत्र म. प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिनबक्ध किसी अन्य तिकत द्वारा अधोहस्पाक्षरी के पास लिस्ति में किए जा सकरेंगे।

स्प्रविकरणः — कममें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुधी

मप्पित्ति जो काझी मयद स्ट्रीट, जिसका सी० एस० सं० 330, एफ० पी०स० 155, मांडवी डिबी ∜न, बम्बई में स्थित हैं।

अनुसूची जैसा कि कि० सं० श्रर्ड-1बी/37ईई-10655/ 85-86 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 25-8-1986 को रिजस्टर्ड किया गया है ।

> निसार श्रह्मद सक्षम प्राधिकारी, यहायक ग्रायकर श्रायक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-1वी, बम्बई

दिनांक : 10-4-1987

प्रकार वार्ष्य हो , एक , एक , ------

नायकर मिथिनियम, 1961 (1961 का 43) की 269-न (1) से मधीन स्थना

भारत रहकार

कार्यालय, वहायक बायकर बायुक्त (देनरीक्रण)

भ्रजीन रेज-1बी, बम्बई बम्बई, दिनांक 6 श्रप्रैल 1987 निदेण सं० श्रई-1बी/37ईई-12373/श्रई-1बी/551 86-87-श्रत मझे, निसार श्रहमद,

भाष कर निश्विमम, 1961 (1961 का 43) (चित इत्तर्गे इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के नभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वात करने का कारण हैं कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उचित वाजार मृख्य 1,00 000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर िसकी सं० पर्लंट सं० 103, पहली मिजिल, भायखला इमान को ०-श्राप ० हाउसिंग सोसायटी लि०, 8, डा० (श्रीमती) लिला मे विल मार्ग, बम्बई-8, मे स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप मे विणत है श्रीर जिमका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम, 1902 की धारा 269 कख के श्रिधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, दिनांक 25-8-1986,

को पृथेकित तम्पत्ति के उजित बाजार मृत्य से कम के धरयमांक धितफल के लिए अन्तरित की गई है और मृत्रे यह विक्वास करने का कारण है कि यथापृशेकित सम्मत्ति का उजित बाजार मृत्य, उनके धरयमान प्रतिफल से, ऐसे धरयमान प्रतिफल का वन्द्र प्रतिफल से बिक्त है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरितीं (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तम पाम प्रमाप्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेदिय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) बन्तरण तं हुई किसी बाब की बावत, उक्क विधिववन के अधीन कर वोते के बन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूबिका के देखहु: कीड़/का
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को चिन्हें भारतीय नायकर मिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त मिनियम, या धन-कर मिनियम, या धन-कर मिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

जल: अब, उक्त जिधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निजितिक व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) श्रीमती गिगीबाई वलीमोहम्मद इसा ५टेल । (श्रन्तरक)
- (2) श्री हाजी अञ्चुल लितफ हाजी हमम वाटली वाला। (भ्रत्नरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की कविशे या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविशे जो भी अविशे बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवारा;
- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी कर्ज की दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति क्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिक्ति में किए का सकें ने।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैंट मं० 103, पहली मंजिल, भायखला इमान को० ग्राप० हाउसिंग मोसायटी लि०, 8, डा० (श्रीमती) लिला मेलबिल मार्ग, बम्बई-8 में स्थित है ।

श्रनुसूची जैसा कि क० सं० श्रई-1बी/37ईई-10651/85-86 की श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 25-8-1986 को रितस्टर्ड किया गया है ।

नियार ग्रहमद सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेज-1बी, बम्बई

दिनांक : 6-4-1987

में(हरः

प्रक्य बाह्य हो एक एक वस्ता ल्लान

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) को अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्याजय, सहायक वायकर बाव्यत (नि.र्याक्षण) श्रर्जन रेंज-1बी, बम्बई: बम्बई, दिनांक 8 ग्रप्रैल 1987

निर्देश सं० भ्रई-1बी/37ईई-12336ई-1बी/ 86-87--भ्रत मुझे, निसार भ्रहमद,

बायकर लिथिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'जनत लिथिनियम' कहा गया ही, की भारा 269-स के अभीन सक्षम प्राभिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/-रा सं अभिक ही

और जिसकी स० पलैट सं० 27, इमान्त सं० 14, नवजीवन सोसायटी, 7वीं मंजिल, लिमन्गटन रोड, बम्बई-7 मे स्थित है और इससे उपाबद्ध प्रनुसूची मे और पूर्ण कप से विणित है और जिसका करारनामा श्रायकर अधिनियम , 1901 की धारा 269 कछ के प्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 18-8-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्सि के उचित बाजार मूल्य से कम के क्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित बाजार बृत्य, उसके क्यमान प्रतिक्ष से, एचे क्यमान प्रतिक्ष का पंत्रह प्रतिक्षत से मिथक है और अंतरक (अंतरकों) और बंतरिती (अन्तरितियों) के बीच होने बन्तरण के जिए तय बावा गवा प्रतिक्ष्म निम्नतिक्षित उद्देश्य से उन्त बंतरण निम्मतिक्षत में वास्त्रिक क्या स्वास की स्थान नहीं किया स्वास है है है —

- (क) बन्तरण में हुई किसी बाय की बावत, अच्छ ऑधिजियम के अधीन केर दन के बन्तरक के दायित्व में किमी करने या उससे बचने में सुविधा के जिए; और/मा
- (क) एसी किसी आय या जिल्ली भन या जन्य कास्तियः को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियमः 1922 प्रि922 का 1प) या उनत जिधिनियमः या भनकर अधिनियमः 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्ध अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया जा वा किया जाना जाहिए जा जियाने में स्विधा करित.

अतः मन, उक्त अधिनियम की बारा 269-म को बनुबरण वै, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थत् :---6---56 GI/87 (1) श्री मनोहर एम० बेहरानी ।

(ग्रन्सरक)

(2) श्री महेन्द्र कुमार सोहनलाल जैन और श्रीमती निरू महेन्द्र जैन ।

(श्रन्तरिती)

की वह सूचना बारी करके प्रशिक्त सम्मरित के वर्जन के जिल्ह कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस ते ेर्ज की अवस्थ या तस्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पद स्थान की तामील से 30 दिन की अवस्थि, को और वृष्यि बाद में सभाष्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति दुरारा;
- (थ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सैं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावत स्थावत स्थावत में वित्वक्ष किसी जन्य कवित द्वारा अधोह स्ताक्षरी के पास मिसित में किए जा सकेंगे।

न्यध्वीकरणः ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, ओ उन्ह वीभीनयम के कथ्याय 20-क में प्रिभाविष्ठ ही, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया वहां ही।

अनुसूची

फ्लैंट सं० 27, इसारत नं० 14, नवजीवन सोसायटी, 7वीं मजिल, लॉमग्टन रोड, बम्बई-7 में स्थित है ।

ग्रनुसूची जैसा कि क० सं० ग्रई-1बी/37ईई/10640/85-86और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा विनांक 18-8-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

निसार ग्रहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-1बी, बम्बई

विनांक : 8-4-1987

प्ररूप आइ .टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयवत (निरीक्षण)
श्रर्जन रेज-1भी, बम्बई
बम्बई, दिनांक 8 श्रप्रैल 1987

निर्देश सं० श्रई—1बी/37ईई—12270/ग्रई—1बी/57/86—87—-श्रत: मुझे, निसार श्रहमद,

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इत्तम" इसके प्रथम 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का आएण हैं कि स्थातर स्थासि, निकार पित अपार प्रथम 1,00,000/- का से अधिक हैं

और जिसकी सं० यूनिट सं० 15 और 16, तल माला, ए टांटिया इण्डस्ट्रियल इस्टेंट, प्लाट सं० 7, प्राइवेट स्कीम श्राफ श्री सिताराम मिल्स लि०, सी० एस० स० 72 (अश), लोश्रर परेल ब्रिंडीजन, बम्बई—13 मे स्थित है 'ग्रौर इससे उपाबद्व अनुसूची मे और पूर्ण रूप से विणित है और जिसका करारनामा श्रायकर ग्रिधिनियम 1901 की धारा 269 कख के श्रशीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय मे रजिस्ट्री है, दिनाक 8-8-1986,

को पूर्वेविश सम्मित्ति के उचित बाजार मूल्य म कम क दश्यमान वित्तकत के लिए जन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास अरने का कारण है कि यथापूर्वेक्ति सम्पित का में रत बाबार मूल्य. उगक दश्यमान प्रतिफल में, एक स्वमार प्रतिफल का म्ल्यह प्रतिशत से अधिक मूँ और जन्तरक (अन्यकार) और मन्यति (असरितिमों) में बीच एमें जन्तरण के सिए तक पाया गया गिल फल निम्नलिखित उद्दोष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक का द कार्यम स्मृति किया एमा है हरू

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उभक्ष अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के दाधित्य में कमी करने या उससे बचन में समिधा के लिए; और/या
- (क) प्रसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में स्विधा के नियः

अत. अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुभरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) मेसस मद्राम मरीन प्राइवेट लि॰। (श्रन्तरक)
- (2) मेसर्स मोनशेर इण्टरप्राइजेंस । (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

राक्ता सम्म्यरिष्य को कन्नेन क अञ्चन्ध में **कोर्स भी साम्रोप ---**-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्संबधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा,
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 पिन के भीतर उक्त स्थानर सभात्र में हित. चच्च विसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए आ सकत्र.

स्पट्टोकरण:---इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त क्षेत्र का स्थाय का सारभाषित हाँ, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

यूनिट मं० 15 और 16, तल माला, ए टाटिया इण्डस्ट्रि इस्टेट, प्लाट मं० 7, प्राइवेट स्कीम श्राफ श्री मिता राम मिल्स लि०,सी० एस० सं० 72 (अश), लोग्नरपरेन डिगीजन बन्बई—13 मे स्थित है ।

श्रनुसूची जैसा कि कर सर श्रई-1बी/37ईई/10615/ 85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, अम्बई द्वारा दिनांक 8-8-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> निसार श्रहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेज–1बी, बस्बई

दिनाक : 8-4-1987

मोहर

प्ररूप बाड़े.टी. एन. एस. -------

बायफर वृधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (!) के बभीन सूचना

मारत सरकार

कायोलयः, सहायक काराकर बायक (निरीक्षक)

भ्रजेन रेंज-1, बम्बई बम्बई, दिनांक 8 श्रप्रैल' 1987

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1 00,000/- रह. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लेट नं० 601, 6वी मंजिल, ए-वि और कार पारशी स्पेस नं० 11, जो तल मालेपर. श्रामः पाड़ा राजपूत विला को-श्रांप० हाउसिंग सोसाईटी लि०, मेघराज शेट्टी मार्ग, बम्बई-8 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्व श्रनुसूच। में औं पूर्ण व्यय में ब्रांगित है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम, 1901 की धारा 269 क, ख के श्रयान बम्बई स्थित श्राधिकारी के कार्यालय में विस्ट्री है तारीख 8~8-1986

को पूर्वेक्त संपत्ति के उचित बाजार मूख्य से कम के दृश्यमान शिक्षक के लिए जाति छ भी गई है और मुक्ते यह कियाध करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त कम्पति का खोंबत बाबार मूख्य, अबक्षे क्रियमान प्रिक्षक से दृश्ये क्ष्यमान प्रिक्षक के क्ष्यक्षमा प्रिक्षक के क्ष्यक्ष प्रोतका के क्षित्र के क्ष्यक्षण के क्षित्र के क्षित्र के क्ष्यकार के किए तय पाया गया प्रतिकास निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (अ) अलगरण से हुन्न किन्द्री नाम की बान्ह, उपस् कांधनियम के अभीन कर दाने के सन्तरण को दानेबल्य मी कमी करने मा उससे बचने मी सुविधा क्षाराज्या
- (क) प्रेसी किसी जाय वा किसी भन वा अस्य व्यक्तिकारे को जिन्ही भारतीय आयकर लॉभनियम, 1922 (1922 का 11) या उनस विधिनियम, या वनकार विधिनियम, 1957 (1957 का 27) है प्रयोजभाषी अन्तरिको वृकारा अक्षर नहीं किया पराविध वा वा किया जामा पाष्टिए पर, किया से सराज्यक वे लिए।

अतः अब, उक्त विधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण हों, मैं, उक्त अधिनियम की धररा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निस्तीत्तिकित व्यक्तियों, वर्षीत् क्षे--- (1) एम० के० एम० अञ्दुल मलिक ।

(भ्रन्तरक)

(2) रशिया भ्रब्दुल भ्रजोज ।

(भ्रन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके पूर्वोक्त संस्थित के वर्णन के जिल्ला कार्यका हुया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, को भी अवधि शाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविका व्यक्तियों भें में किसी व्यक्तिया;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितस्व्यूध किसी अन्य व्यक्ति द्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पन्धिकरणः ---- इसमें प्रमुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त मायकर अधिक्षिम के अन्याः कुळ क पारिशाधिक ही, तहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया कुँ।

अनुसूची

पलेट नं० 601, 6वी मंजील, ए—विंग, श्रीर कार पार्कींग स्पेस नं० 11, जो तल मालेपर, श्राग्रीपाड़ा राज-पूत बिला को-श्रॉप० हार्जीसंग सोसाईटी लि०, 17, मेघराज गेट्टी मार्ग, बम्बई—8 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा की ऋ० सं० श्रई-1 बी/37ईई ~10638 - ए/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 8-8-1986 को रजीस्टर्ड किया गया है।

निसार ग्रहमद मक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर ग्रायुक्त (निरिक्षण) भ्रजीन रेंज-1बी, बम्बाई

दिनांक : 8-4-1987

प्रारूप आई. टी. एन. एस.---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना भारत सरकार

व्यवस्थि , सहारक भावकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-1धी, बम्बई बम्बई, दिनांक 8 भ्रप्रैल 1987

निदेश सं० भई-1धी/37ईई-12436/86-87 --- अतः मुक्ते, श्री निसार श्रहमद,

'आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्तं अधिनियम' कहा गया है"), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/-रतपये से अधिक हैं

और जिसकी सं० पलॉट नं 114, विग-ए, विकास फिल्ले टॉर्क्स, परेल टैन्क रोड़, बम्बई-12 में स्थित है (और इससे उपाब द अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है)और जिसका करारनामा ग्रायकर श्रधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के प्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्दी है, दिनांक 25-8-1986

को पुर्वाक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मृत्य से कम को एर्स्समान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके व्ययमान प्रतिफल से, एसे व्ययमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकास से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से मुक्त अन्तरण लिखित बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी अय की बाबत अवत श्राध-नियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के बाधित [े]में कॉमीकरने या उत्सने बचनेमें स्**विधाक**े लिए; और/या
- (क) एरेसी किसी आय या धन या अन्य आस्तियों को, जिन्ह भारतीय वायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 16) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधि-1957 (1957 का 2**7) के प्रयोजनार्थ** अनरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया जाना चाहिए था, **छिपाने में सुविधा को** लिए;

नतः अब, उस्त अधिनियम की धारा 269-ग के नमुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) 🛋 क्रभीन, निम्नलिश्वित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) जे० पी० रिगशिया (हि० ग्र० कु०) (भ्रन्तरक)
- (2) क्लारियन एण्ड रटाइन्हिंग सर्विसेस लि०। (अन्तरिती)

को यह स्वाना जारी करके पूर्वक्ति सम्पत्ति के कर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन की अविधि या सत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जा भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति बुबारा;
- (ख) इ.स. सूचना के राजपक में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर समात्ति में हितबबुध किसी अन्य व्यक्ति ब्रुगरा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा संकर्गे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्यों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क मे ही, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय मे दिया गया है।

नन्सूची

फ्लॉट सं० 114, विंग-ए, विकास फिल्ले टॉवर्स, परेल दैन्क रोड, बम्बई-12 में स्थित है। **ग्रनुसूची जैसा कि क० सं० ग्रई—1बी/37ईई/10677/**

86-87 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई ब्राग विनाक

25-8-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

निसार ग्रहमद सक्षम प्राधिकारी महायक भ्रायकर भायुक्त (निरीक्षण) भ्रर्जन रेंज-1बी, बम्बई

दिनांक : 8-4-1987

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर जायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-1बी, बम्बई

बम्बई, द्रिनांक 23 मार्च 1987

निवेंग सं० ग्रई 1वी/10/37—जी 86--87 श्रतः मुझे, श्रंजनो कुमार,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00.000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० सब खुला जमीन का हिस्सा जो, भाइतो सहित दुकानें जिसको ''दाउद बाग न्यू थाप'' मे पहचाना जाता है। दाउद बाग शाप्म, दाउद बाग होटल, जयरामजभाय प्रापर्टी, जमीन, जिमका विस्तार 470.6 चौरस मिटर्स, 210.6 चौरस मिटर्स, 290.9 चौरस मिटर्स, 989.8 चौ० मिटर्स, 496.5 चौरस मिटर्स और 6,900 चौरस मिटर्स है, जो सुखलाजी स्ट्रीट और जिसका सी० एम० सं० 224, ताडदेव डिबीजन है। चौरस है तथा जो बम्बई में स्थित है (और इमसे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 21–8–1986,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के खर्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई हैं और भूमें यह विश्वास का कारण हैं कि यकापूर्वोक्त सम्पत्ति का अवित बाबार मृज्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे ख्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरित (अन्तरित्तियों) के बीच ए हे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित द्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- क), अन्तर्ण से हुई किसी आय को बाबत उनत शृजिनियम के अधीन कर दोने के असीरक के वासिस्य कें किसी करने या क्ससे घचने में शृतिया के लिए: लिए/धा
- (क) एंसी लिसी जाब वा किसी धन वा वान्य वास्तिनों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा वे निष्ण:

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के लिए, निम्निलिशत व्यक्तियों, अर्थात्।—

(1) हिज हायनेस डा० सिऐदना महमूद बुरुहानुदीन साहेय ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री ग्रमीर ग्रली रशिव जाफर ।

(ग्रन्तरक)

(3) भाड़्त

(वह व्यक्ति, जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)

का बहु सूचना जारी कारक पृत्रोंक्त सम्पर्तित के बर्चन के किए कार्यवाहियां करता हूं।

डक्ट सम्पत्ति की मर्जन के सम्बन्ध में काई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अपिथ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अनिथ, भों भी अविभ बाद में समाप्त होती हों, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति ध्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थाव रसम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा क्योहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया मया है।

अनुस्ची

श्रनुसूची जैसा कि विलेख सं० बाम -1825/86 और जो, उपरजिस्ट्रार, श्रधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 21-8-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

सब खुला जमीन का हिस्सा जो, भाइता के सहित दुकानें जिसको ''दाउद बाग न्यू शाप'' से पहचाना जाता है दाउद बाग शाप्स, दाउद बाग होटल, जयराजभाय प्रापर्टी, जमीन जिसका विस्तार 470.6 चौरिस मिटर, 210.6 चौरस मिटर्स, 290.9 चौरस मिटर, 989.8 चौरस मिटर्स, 496.5 चौरस मिटर्स और 6,900 चौरस मिटर्स है। जो सुखलाजी स्ट्रीट और जिसका सी० एस० सं० 224 ताडदेव डिविजन है ।

. निसार घहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक घायकर धायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1बी, बम्बई

विनांक ³ 10-4-1987

प्ररूप आई. टी. एन. एस.---

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 के 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 9 ग्रप्रैल 1987

निदेश सं० अई-4/37ईई/31166/86-87--श्रतः मुझे, सक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम ,1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य,

1,00,000/- रु. से अधिक हैं और जिसकी सं० ग्रई-4/37-ईई/31166/86--87 में स्थित हैं (और इससे उपाबद श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित हैं)/और जिसका करारनामा ग्रायकर श्रिधिनियम 1961 की धारा 269 कख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री हैं, दिनांक 1-8-1986

को पूर्वोंकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिती की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंकत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच के एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथा गया हैं:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के शायित्य में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (क्ष) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हां भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अयः, उक्त अधिनियम क्री धारा 269-ग के, अनुसरण मः, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ का उपधारा (1) के अधीन, जिम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात्ः—

- (1) श्रीमती वासुमती एच० पटेल और ग्रन्थ । (ग्रन्तरक)
- (2) मेसर्स ठक्कर डेवलोपमेंटस । (भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों क्त संपित्त के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सवधी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों क्त विक्तयों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 बिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होंगा जो उसे अध्याय में दिया गया है।

मम् सूची

खुला जमीन का हिस्सा जो स्ट्रक्चर के साथ, जिसका सिटी सर्वे सं० 563,563(1 और 2) जिसका नया सर्वे सं० 130, हिस्सा सं० 4, बिह्नेज मालाड, भाद्रन नगर रोड, कांदिवली (पिश्चम), जिसका विस्तार 708.10 चौ स मिटर है और जिसका रजिस्ट्रेशन जिला बम्बई शहर और बम्बई उपनगर जिला में है ।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-4, बम्बई

विनांक : 9-4-1987

1984 MH. 21. Q4. Q8.

काशकार विभिन्नियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म् (1) के बधीन स्थना

ब्राह्म संस्कार

भागांत्रक. सहाचक बावकार शावकार (विरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-4, अम्बई

बम्बई, दिनांक 9 भ्रप्रैल 1987

निदेश सं० श्र $\frac{5}{4}$ $\frac{37-\frac{5}{2}}{31106}$ $\frac{86-87-9}{87-9}$ न: मुझे, लक्ष्मण वास,

शायकर अधिभियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें ध्रमके परुचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण हैं। कि स्थायर सम्मित्त, जिस्का उचित बाजार संख्या 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं ग्रई-4/37-ईई/31106/86-87-खुला जमीन का हिस्सा, जो विलेज बहिसर, जिसका सर्वे सं 28, हिस्सा सं 2, सिटी सर्वे सं 1141, तालूका बोरिवली, बी० एस० डी० जिसका विस्तार लगभग 1547 चौरस यार्ड है। याने 1293.6 चौरम मिटर है। जिसका रजिस्ट्रेणन बम्बई शहर जिला और बम्बई उपनगर रिला में स्थित है। (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप में विणित है) और जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के ग्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 1-8-86,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मूस्य से कम के क्ष्यमान प्रीपिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुम्से यह निश्वास करने का कारण है कि यजापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मूस्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितयों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिविक क्ष्य में कथित नहीं किया गया है।---

- (क) बन्धरण से हुन्दे किसी आय की ग्रास्त, तकत अधिनिष्म के बंधीन कार वीने क्ष अंदरक को वामित्य में कभी कारणे या जसके क्षमणे में सुविधा के बिए; बॉर/या
- (ख) एसी किसी जाय या किसी धन या अस्य अस्तियों को, बिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 ता 922 की 11) या अस्य अस्तियम जा प्रमान्त्र विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रमाजनार्थ असीरती ब्लारा प्रसाट नहीं किया गय। भा या किया जाना वालिए था, कियाने में सिक्श की लिए:

नतः नव, सन्त जीभीनयन की भारा 269-ग के जमसरण मे, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा /१) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, जथींत्:—— (1) श्री चन्द्रकांत एन० शहा और ग्रन्य ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री सिताराम बी० शर्मा और श्रन्य । (श्रन्तरिती)

को वह क्षमा झारी करके प्रॉक्त सम्मत्ति के अर्थन के निध् कार्यवाहियां शुरू करता हो।

उद्या तथ्यति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ---

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अधिक्तमों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि कर्यों से समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्त व्यक्ति में से किसी व्यक्ति प्रवान ;
- (ख) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा. तबोहस्साक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त बिधिनियम के अध्योध ता के कार्यकार त इंटें, बहु अर्थ हु। यह के कार्यकार हैं दिया सके हुं।

बन्स्ची

मं० ग्रई-4/37-ईई/31106/86-87-च्खुला जमीन का हिस्सा, जो विलेज दहिसर, जिसका सर्वे सं० 28, हिस्सा सं० 2. मिटी सर्वे सं० 1141, तालूका बोरिवली, बी० एस० डी० जिसका विस्तार लगभग 1547 चौरस यार्ड है। याने 1293. 6 चौरस मिटर है। जिसका रजिस्ट्रेशन बम्बई शहर जिला और बम्बई उपनगर जिला में है। अपनमची जैसा कि अल्मं० अर्ड-4/37-ईडी/31106/

श्रनुसूची जैसा कि अ०सं० श्रई-4/37-ईई/31106/ /86-87 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-8-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकण श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज-4, बम्बई

दिनांक : 9-4-1987

प्ररूप आहें ्रटी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च के अधीन सृचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 9 भ्राप्रैल 1987

निदेश सं० भ्रई-4/37-4/37-4/31283/86-87--भ्रत मुस्से, लक्ष्मण दास,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचिता बाजार मृत्य 1.00,000/- रु ने अधिक है

और जिसकी सं जिसका सर्वे सं 143 से 158, 171, 185 से 193, 212 में 215, 218 में 248, इराणीवाडी, हेमू कुलकर्णी रोड सं 4, कांदिवली (पश्चिम), बम्बर्ड में स्थित है (और इससे उपाबद्व अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है /और जिसका करारनामा आयकर श्रिधिनयम 1961 की की धारा 269 कख के श्रधीन बम्बर्ड स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्टी है, दिनांक 1-8-1986,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्सरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का गंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरित (अंतरका) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी नाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

प्रतः कवा, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भैं, भैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) ≺ अधीन, निम्नलिखित त्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्रीनवाब खान गनी

(भ्रन्तरक)

(2) मेसर्स मुरीया बिल्डर्स एण्ड डेवलोपर्स । (श्रन्तरिती)

कोर यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हो।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप :---

- (क) इस सूचना को राजपत्र मो प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील सं 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद मों समाप्त होता हो, की भीतर पृथींक्त क्यक्तियों मो से किसी क्यक्ति बुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पन्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधे हस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के उध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्स्ची

"जमीन जिसका सर्वे सं० 143 से 158, 171, 185 मे 193, 212 से 215, 218 से 248, इराणीवाडी, हेम कुलकर्णी रोड सं० 4, कांदिवली (पश्चिम), बम्बई में स्थित है ।

भ्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० भ्रई-4/37-ईई/31283/ 86-87 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-8-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

> लक्ष्मण दास मक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेज-4, बम्बई

दिनांक : 9-4-1987

श्कन बाह्य हो . प्र_. एत्_{. अस}------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-4, बम्बई बम्बई, दिनांक 9 ग्रप्नैल 1987

निर्देश सं० ग्रई-4/37-ईई/31072/86-87--- प्रतः मुझे, लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उधित बाजार मृस्य 1,00,000/-रुपये से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० --भव खुला जमीन जिसका सर्वे सं० 106, 106, सं० 5 ग्रीर सर्वे सं० 107, हिस्बमा सं० 5, सी० टी० एम० सं० 1208 श्रीर 1209, सब हक, टायटल क्लेमका फायदा जो एफ० एस० आय का है। जो∤लिंकिंग रोड और डी० पी० रोड को जोडने के लिए जो जमीन भ्रारक्षित की गयी है। भ्रौर रमत गमत भी जमीन घौर म्युनिसिप शाला के लिए ग्रारक्षित की गयी जमीन जो विलेज एक्सार, बोरिवली (पूर्व), बम्बई-400 092 में स्थित है। जिसका रजिस्ट्रोमन जिला श्रीर सब-जिला ग्रीर बम्बई शहर ग्रीर बम्बई उपनगर में है।

(भ्रौर इसमे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), भ्रौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम 1961 की धारा 269कख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 1-8-1986,

को पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इदयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूम्ने यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इत्यमान प्रतिफल से, ऐसे इत्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से मूक्त अन्तरण लिखित यास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाबस उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायिस्य में कभी करने या उससे बचने में सूबिधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या धन ता अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 16) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अनिरती द्वारा प्रकट नहीं किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन. निम्नोलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) मेमर्स दाणी बिल्डर्स ।

(भ्रन्तरक)

(2) मेथर्स रल्हन बिल्डर्स प्राइवेट लिमिटेड । (ग्रन्नरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पक्ति की अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई की आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सवधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्द्व व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (स) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उथत स्थाबर सम्पत्ति में हितबक्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसिन में व्यक्त जा सकरें।

स्पष्टीकरणः—-इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

नगुसुची

सं॰ ग्रई-4/37-ईई/31072/86-87 I

मव खुला जमीन का हिस्सा, जिसका सर्वे सं० 106, हिस्सा सं० 5 श्रौर सर्वे सं० 107, हिस्सा सं० 5, सी० टी० एम० मं० 1208 श्रौर 1209, सब हक, टायटल क्लेमका फायदा जो एफ० एम० श्राय का है। जो लिंकिंग रोड श्रौर डी० पी० रोड को जोड़ने के लिए जो जमीन श्रारक्षित की गयी है। श्रौर रमत गमत की जमीन श्रौर म्युनिसिपल शाला के लिए श्रारक्षित की गयी है। श्रौर रमत गमत की जमीन श्रौर म्युनिसिपल शाला के लिए श्रारक्षित की गयी जमीन जो विलेज एक्सार, बोरिवली (पूर्व), विम्बई—400 092 में स्थित है। जिसका रिजस्ट्रेशन जिला श्रौर सब-जिला श्रौर बम्बई शहर श्रौर बम्बई उपनगर में है।

श्रनुसूची जैसा कि ऋ०सं० श्रई-4/37ईई/31072/ 86-87 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-8-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

> लक्ष्मण दास स्क्षम प्राधिकारी महायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), भ्रर्जन रेंजः4, बम्बई

दिनाक . 9-4-1987

मोहर :

7—56 GI/87

प्रकल नाहाँ, टी. एन. एन.-----

भायजर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) नी भारा 269-भ (1) के अभीन स्पना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-1सी, बम्बई बम्बई, दिनांक 8 श्रर्प्रैल 1987 निदेश सं० श्रई-1सी/37ईई-12374/85--

निदेश सं० ग्रई-1सी/37ईई-12374/85-86--ग्रत. मुझे, ए० के०गुप्ता,

भावकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रश्नात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अभीन तक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कारण हैं कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० फ्लैंट सं० 1, उर्वशी, माहिम, बम्बई-25 में स्थित है ग्रीर इसमें उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है ग्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधनियम की धारा 269 कख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्री है, दिनाक 25-8-1986,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास कर कारण है कि सथापूर्वोक्त सम्मत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, एसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्दरिती (अन्तरितियों) के बीच एते जन्तरण के लिए तम पामा समा प्रतिफल, निम्निसिवत उद्योग्य से उक्त अन्तरण निम्बत में बान्तिक रूप से किचित नहीं किया गया है :---

- (क) बन्चरण सं हुई किसी बाय की शावत, उक्त विभिनियम के बधीन कर दोने के बन्चरक के दायित्व में कमी करने वा उसन वचने में सुविधा के लिए; बार-/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नही किया गया धा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विया के लिए;

बत: ब τ , उसत बिधिनियम की धारा 269-ग कै बन्सरण के, मैं, उस्त बिधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के ह $\frac{1}{2}$ त, भिक्ति सित स्वितकों, क्षांतु हुन्स

(1) डा० गशीकांत ह्वी० वेलींग ग्रौर श्रीमनी शैला एस० वेलींग ।

(ग्रन्तरक)

(2) रीयल इनवेस्टमेंट को० लिमिटेड ।

(ग्रन्तरिती)

को बह स्वना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के वर्षव के विश्व के वर्षव के वर्षव के वर्षव के वर्षव के वर्षव के वर्षव

धक्त सन्परित के अर्थन के सम्पन्ध में कोई वी वाक्षेत्र ह—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी अविकास पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी वनिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तिकों में से किसी व्यक्ति बुवारा,
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी व से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकोंगे।

अन्स्ची

"फ्लैंट सं० 1, जो धमवीं मंजिल, उर्वशी, एफ० पी० मं० 914, टी० पी० एस० 4, माहिम, वम्बई-400025 में स्थित है ।

ग्रनुसूची जैसा कि क० सं० श्रई-1मी/37ईई/10652/ 85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 25-5-86 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

> ए० के० गुप्ता सक्षम प्राधिकारी ग;हायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज−1सी, बम्बई

दिनांक : 8-4-1987

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

भाष्फर विभिनित्म, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के वभीन सुमना

भारत सरकार

वार्यालय, स**हायक जायकर जायुक्त (निरीक्षण)**

ध्वर्जन रेंज-1सी, बम्बई बम्बई, दिनांक धप्रैल8, 1987

आयकर अधिनाम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-रुपये से अधिक है

श्रौर जिपकी सं० प्लैट सं० 3, उर्वणी, माहिम, बम्बई-25 में स्थित है श्रौर दक्षे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है श्रौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनयम की धारा 269 कख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री

है, दिनांक 14-8-1986

को पूर्योक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है द

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बेचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क्ष) एसी किसी आय या धन या अन्य आस्तियों को, जिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधी के लिए;

(1) श्रीमती म्ननुराधा ई० ठाकुर ।

(भ्रन्तरक)

(2) डा० शशीकांत स्त्री० वेलींग ग्रौर श्रा० श्रीमती शैला एस० वेलींग ।

(ग्रन्तरिती)

कौ यह सूचना जारी करके पूर्वीक्स सम्परिस के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हो।

सकत सम्परित के क्षीन के सम्बन्ध में कोई भी बाओंप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त स्थक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पार निवित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः - ्कर्ते प्रमुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषितः है, वहीं अर्थ होता जो जस अध्याय में दिया। गया है।

भनुसूची

"फ्लैंट सं० 3, जो सातवीं मंजिल, उर्वषशी, एफ० पी० सं० 914, टी० पी० एम० 4, माहिम, बम्बई-400025 में स्थित है ।

भ्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० भ्रई-1सी/37ईई/37552/85-86 भौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 14-8-1986 को रजिस्टई किया गया है ।

ए० के० गुप्ता सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज–1सी, बम्बई

दिनांक: 8-4-1987

मोहर:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिश्वित व्यक्तियों, अर्थात् :---

प्ररूप आह*.टी.एन.एस.-----

मायकर मिथिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, तहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) ग्रर्जन रेंज-1सी, बम्बई बम्बई, दिनांक 8 श्रप्रैल 1987 निदेश सं० श्रई-1सी/37ईई-37797/85-86-श्रतः मुक्षे, ए० के० गुप्ता,

नायकर मिषिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विषयास ठरने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/-रापयं ते अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० फ्लैट मं० 131-ए, पुरशोत्तम टावर्स, दादर, बम्बई-28 में स्थित है (ग्रौर इसमें उपाबद्ध श्रनुसूची मे ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) श्रौर जिसका करारनामा श्रीयकर प्रधिनियम की धारा 269 कख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, दिनांक 28-8-1986,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापुर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उस्त बन्तरण लिखित में बास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अंतरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त जिथिनियम के अभीन कर दोने के अंतरक के दायित्य में कभी करने या उससे अचने में सूविधा के लिए; और/मा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विभा के लिए।

अतः अबं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भें, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों. अर्थात् :---

- (1) श्रीमती पदमजा भ्रजित नेरूरकर ग्रौर श्री ग्राष्ठयूत शंकर नाडकर्नी
 - (भ्रन्तरक)
- (2) श्रीमती श्रंजली माथूर और श्रीमती रेखा भंडारे (अन्तरिती)

को यह स्वाभा जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यबाहिया करता हुं।

उक्त संपत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षोप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच ते 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वार;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यव्यक्तिकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाविद हौ, यही अर्थ इगेंगा जो उस अध्याय में विया गया है।

anti-di

"फ्लैट स० 131-ए, जो ए विग, तेरहवी मंजिल, पुरशोस्तम टावर्स, प्लोट सं० 884-885-886, टी०पी० एस० 4, माहिम, गोखले रोड, साउथ, दादर, धम्बई-400028 में स्थित है। श्रनुसूची जैसा कि क० सं० श्रई-1सी/37ईई-37797/85-86 श्रौर जो रक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 28-8-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० के० गुप्ता सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण); ग्रर्जन रेंज—1सी, बम्बई

दिनांक : 8-4-1987

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

बाबबर जीवनियम, 1981 (1981 का 43) की पारा 269-व (1) वे वर्गन सुवना ग्रास्त् प्रस्कार

कार्यावयः, सहाययः वायकार आयुक्तः (शिरीकाण) श्रर्जन रेंज 1 सी अस्यई

बम्बई, दिनांक 8 धप्रैल 1987 सं० ग्रई-1 सी/37ईई/12160/85-86 —— ग्रत: मुझे ए० के० गप्ता,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मूज्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

स्रौर निमकी संख्या फ्लैट नं० 13 स्वस्तिक बडाला, बम्बई 31 मे स्थित है (श्रौर इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण का से विणित है) श्रौर जिसका करारनामा श्रायर श्रधिनियम की धारा 269 के श्रधीन सक्षम प्राविकारी के कार्यालय,

के बम्बर्ड में रिजस्ट्री है तारीख 8-8-1986
को पूर्विक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के सिए अंतरित की गई है और मुओ यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
असके द्रश्यभान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह
प्रतिकृत से अधिक है और अंतरण के सिए तय पाया गया प्रतिफला,
रितियाँ) के बीच ऐसे अंतरण के सिए तय पाया गया प्रतिफला,
निम्नीविधित उद्दोष्य से उक्त अंतरण निधित में बास्तविक
कप वे कांचित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के सिए; बॉर/बा
- (क) ब्रेसी किसी काय या किसी भन या अस्त जारिसधी को, किन्हों भारतीय नायकर विधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त राधिनियम, या धनकर विधिनियम, या धनकर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्ध वन्दरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया थाना वाहिए था, कियाने में सुविधा के निए;

असः अब, जक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नेलिखित व्यक्तियों, अधीन :---

1. श्रीमती ग्रमृतनेन जमनादास

(भ्रन्तरक)

 श्री रोहित पी० मेहता श्रीर श्री कृष्णा श्रार० मेहता

((श्रन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

क्या संपत्ति को मर्जन को संबंध को काई भी नाक्षीय :----

- (व) इस सुवना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीचा को 45 विन की अवधि ना तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीस से 30 विन की अवधि, धो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति। गुनारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवित्त में किए वा सकें में।

स्पछीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

प्रनुसूची

151 तीसरी मंजिल स्वस्तिक, प्लोट नं 151, सीधरी बडालें रोड नं 9, बडाला बम्बई 400031 में स्थित है। श्रनुसूची जैसा कि क स० श्रई-1/सी/37-ईई/10610/ 85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 4-8-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० के० गुप्ता सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर भायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेज-1 सी, सम्बर्ह

दिनांक: 8-4-1987

प्रकृष बाइ ् टी., एन. एस.------

बायकर अधिनियस, 1961 (1961 का 43) की धार्य 269-व (1) के अधीन स्वना

भारत बरकार

कार्यानय, सहायक जायकर बायक्त (निर्दाक्षण) श्रर्जन रेंज 1 सी, बम्बई बम्बई दिनांक 8 ग्रप्रैल 1987

सं० ग्रई-1/सी/37ईई/-12380/85-86:-- ग्रतः मुझे, ए० के० ग्प्ता

षायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पहचात् 'उक्त जिभिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उधित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं। श्रीर जिसकी संख्या प्लाट नं० 798 दादर माटूगाइस्टेट

ग्रीर जिसकी संख्या प्लाट नं ० 798 दादर माटूगाइस्टट बम्बाई में स्थित है (ग्रीर इसमें उपाबद्ध ग्रानुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विश्ति है) ग्रीर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रिधिनयम की धारा 269 क ख के श्राधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रिजिस्ट्री है तारीख 26-8-1986

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे इश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरको) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए स्य पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे वास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरण के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (सं) एसे किसी बाय या किसी धन या अन्य बारिसमी को, विक् भारतीय बाय-कर विधिनयम, 192? (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर विधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के सिए;

अतः वर्ष, उन्नतं विधिनियम, की भारा 269-न की अनुसरक भो, मों, उन्नतं अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के के अधीय निमन्तिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 1. ग्रार० एण्ड ग्रार० एसोसिएटस्।

(भ्रन्तरक)

2. श्री मेमी सल्ला ग्रौर श्रीमती सेमी लल्ला।

(भ्रन्तरिती)

को यह तुमना बारी करके पूर्वोक्त सम्पर्टित के वर्षन वै लिए कार्यवाहियों धुरू करता हुं प्र

उन्त सम्पत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी बाक्षेत्र ह—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की जविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचन। की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी जविधि बाद में समाप्त होती हो, के श्रीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृवारा;
- (थ) इस स्थान के राजपण में प्रकाशन की तारीं है ते 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति ख्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवित्त में किये या सकते।

स्पच्छीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिवा पया हैं।

अमृस्ची

प्लाट न ० × 798 पर प्रीमायसंस जो जमशद रोड, दादर माटुंगा इस्टेट बम्बई में स्थित है।

श्रनुसूची जैमा कि क सं० श्रई-1/मी/37ईई/10656/85-86 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 25-8-1986 को रिजस्टर्ड किया गया है।

ए० के० गुप्ता सक्षम प्राधिकारी सहायक ध्रायकर ध्रायुक्त (निरीक्षण) ध्रर्जन रेंज–1 सी, बम्बई

दिनांक: 8-4-1987

प्ररूप आहूर.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण)

बम्बई, विनांक श्रप्रैल 1987 सं० श्रई—1/सी/37ईई/125501/85—86:—— श्रतः मुझे वि० बि० गप्ता,

भायकर कांभिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह त्रिश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर िसकी संख्या फ्लट नं० 2 बिल्डिंग नं० 5, वर्ली बम्बई में स्थित है (ग्रीर इसमें उपाबद्ध प्रनुसूची से ग्रीर पूर्ण एग से विणित है) ग्रीर िसका करारनामा ग्रायकर ग्रीधिनयम की धारा 269 क ख के ग्राधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यान्य, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 25-8-1986

को प्रवीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कस के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूझे यह विद्यास करने का कारण है कि यथाप्रवीक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य मूल्य, अस दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रातशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तर रिती (क तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल जिम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :----

- (क) अंतरण से हुइ किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचन में स्विधा के लिए, और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तियाँ को, जिन्हाँ भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मूर्विया के लिए।

अस: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनूसरण में, में, उक्त अधिनियम को धारा 269-घ की उपधारा (1) क्र अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अथीर .— । बी० वाई बिल्डर्स प्राइवेट लिमिटेड।

(ग्रन्तरक)

 श्री महमद उर्फ अब्दुल रहमान मिडडे श्रौर श्रीमतो जहानारा उर्फ मिडडे

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीश सं 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य श्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया ग्यया है।

अनुसूची

फ्लैंट सं० 2 जो 12ए मंजील, बिर्लीडग न० 5, मी० एस० नं० 868, 1/868, बर्ली, बम्बई में स्थित है।

प्रानुम्ची जैसा कि क स० ग्राई-1/सी/37ईई/10695/ 85-86 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बस्बई द्वारा दिनाक 25-8-1986 को रजिस्टई किया गया है।

> वि० वि० गुप्ता, मक्षम प्राधिकारी, महायक भ्रायकर श्रायुक्त निरीक्षण), श्रर्जन रंत्र 1-पी, बम्बई

दिनांक: 8-4-1987

बक्त बार'ं दी. एर. एर.

भारत्यर वर्डिपरिवर्ग, 1961 (1961 का 43) की वाद्य 269-व (1) के स्वीत स्वाम बाद्य संस्थान

फार्बनव, ब्रह्मवृक्ष बावकर बाबुक्स (निर्देशका)

श्चर्जन रेज-1 सी, बस्बई

बम्बर्ट, दिनांक 8 श्रप्रैल, 1987

सं ० आई--1/सी/37ईई--12428/85-86--- अप्तः मुझे, वि ० बि ० गुप्ता,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रधात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धाड़ा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का आरण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी संख्या शाप सं ० 10, बिल्डिंग सं ० 20 ए, कोलीवाडा, बम्बई—37 में स्थित है) श्रीर इसमें उपावद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप वर्णित है श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम की धारा 269 क ख के श्रिधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्री है, तारीख 25—8-1986 को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ख्रियमान बिट्मक के सिंच बम्बरित की चर्च है बीर बुओं वह विश्वास अर्दिक के स्वाप् विश्व सम्पत्ति का उचित बाजार पंद्र प्रतिकृत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया बातक का सम्मानिक ख्रुबक्त से बच्त करूरण कि निम्मानिक स्वाप्त कि निम्मानिक ख्रुबक्त से बच्त करूरण कि निम्मानिक स्वाप्त कि निम्मानिक ख्रुबक्त से बच्त करूरण कि निम्मानिक ख्रबक्त करूरण कि निम्मानिक ख्रुबक्त से बच्त करूरण कि निम्मानिक ख्रुबक्त से बच्च करूरण कि निम्मानिक ख्रुबक्त से बच्त करूरण कि निम्मानिक ख्रुबक्त से बच्च करूरण कि निम्मानिक ख्रुबक्त से बच्च कर्म करूरण कि निम्मानिक ख्रुबक्त से बच्च करूरण कि निम्मानिक ख्रुबक्त से बच्च करूरण कि निम्मानिक स्वाप्त कि निम्मानिक ख्रुबक्त से स्वाप्त करूरण कि निम्मानिक स्वाप्त करूरण कि निम्मान करूरण कि निम्मानिक स्वाप्त करूरण कि निम्मानिक स्वाप्त करूरण कि निम्मानिक स्वाप्त करूरण कि निम्मानिक स्वाप्त करूरण करूरण कि निम्मान करूरण कि निम्मान करूरण कि निम्मान करूरण कि निम्मान करूरण करूरण कि निम्मान करूरण करूरण करूरण कि निम्मानिक स्वाप्त करूरण करूर

- (क) शन्तरक वं हुई किसी बाव की बाबत, उक्त वीपीनवन के अभीन कर देने के अन्तरक के कवित्व में कनी करने वा उदये वचने में बृतिभा के लिए; और/या
- (भा) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, चिन्हें भारतीय बायकर अधिनियम 1922 (1922 व्या 1!) या अन्त अधिनियम का अन-कर अधिनियम का अन-कर अधिनियम का अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में निया के सिष्:

अतः अबं उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण मे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः :---

- भवा मिति को आप हाउमिंग सोमायटी धिमिटेड (अन्तरक)
- 2. श्री दिलिय दीय चन्द असनानी

(भ्रन्तरिती)

को वह शूचना चाटी कारके प्योंबत संपृत्ति के अर्थन के जिल् कार्यगाहियां कटता हूं।

क्या प्रमाणि में वर्षन ने सम्बन्ध के बोर्ड में वार्षकान

- [क) इब स्पना के त्रक्षम् वे अकावन् की वार्यक् वं 45 दिन की अवधि या सरवंबंधी व्यक्तियों पर क्ष्मम की तामीस वे 30 दिन की अवधि को भी अव्यक्ति कर में स्वस्थ होती हो, से मीचर प्रावस स्वक्रिया वे दे किया स्वकृति हुन्सकः
- (व) इस सूचन के राज्यन में प्रकाशन की शारीय से 45 दिन के भीतर अवत स्थावर संपत्ति में हिस्तवक्ष कियी बन्द व्यक्ति द्वारा, नभोहस्ताकरी के वास विविध् में किए या स्कीने।

स्थानिकरण : ---इसमें प्रवृक्त कथ्यों जीर पर्यों का, जो उक्त जभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित इं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विका क्या है।

कामधी

णाप नं ० 10, बिल्डिंग नं ० 20 ए, सेवा समिति को ग्नाप० हार्जीसंग सोसायटी त्रिसिटंड, कोिलीवाडा, बम्बर्ड 400037 मे स्थित है।

धनुसूची जैसा कि क स० ध्र\$-1/41/47\$\$/10672/85-86 और जी सक्षम प्राधिकारी बम्ब\$ द्वारा दिलांक 17-8-1986 की रिलस्टर्ड किया गया है।

वि० बि० गुप्ता, सक्षम प्राधिकारी, ग्रायकर श्राय्वन निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज 1 सी, सम्बई

दिनांक: 8-4-1987

ध्वयुत्र ब्राह्मं, बीत्र प्रकृत्यकः -----

भाष्कप्र वाधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन स्वरा

भारत सरकार

कार्यक्षम , सहायक मामध्यर बायुक्त (निरक्षिक्)

भ्रर्जन रेंज 1 सी, बम्बई

बम्बई, दिनाक 8 भ्रत्रैल 1987

निदेश स० ग्रई—1सी/37ईई/12251/86—87--- ग्रतः मुझे, ए० के० गुता,

आयकर अधिनाम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनयम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रूपये से अधिक है

और जिसकी संख्या फ्लेट नं० 33, दादर सील्वर बीच, श्राफ सूर्यवंशी एस० मार्ग, बम्बई 28 में स्थित है (और इससे उपा-बद्ध श्रनुसूची मे और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा ध्रायकर ध्रधिनियम की 1961 धारा 269 क ख के ध्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 14-8-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रियमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रियमान प्रतिफल से, एसे द्रियमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्चदेय से उक्त अन्तरण लिखित बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए:

जतः शबः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के जनुसरण के, के, धक्क अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन, जिस्ति जिस्त व्यक्तियों, अर्थात् :— 1. श्री नवशेरवान नलवाला।

(धन्तरक)

 श्रीमती परमाबेन के० शाह और श्री प्रेमचन्द के० शाह

(मन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए हार्यवाहियां करता हूं।

क्रम्या सम्पत्ति के क्रबंत के शब्द न भी कार्या भी कार्यात :---

- (क) इस सूचना के राज्यभ में प्रकारत की सारील से 45 दिन की अपनि या तत्सम्बन्धी स्वक्तियों पह सूचना की तामीस से 30 दिन की स्वक्ति, को भी क्षमी बाद में समान्त होती हो, के भीतर प्रोंकर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (व) इत सूचना ने राजपत में प्रकाशन की वारीच से 45 दिन के शीतर उनत स्थावर सम्पत्ति में हित-स्वूथ किसी बण्य स्थानत स्थान व्योहस्तालाड़ी हैं पास विवित में किस वा सकेंगे।

ल्क्बोकरण् ---इसमें प्रयूक्त शब्दों और पर्दों का, यो उनके सिवित्यमं, यो नभ्याय 20-क में परिभाषित हैं, कार्य नर्प होता, को उस न कार्य में दिया क्या है।

वनुसूची

फ्लेट नं० 33, जो दादर सील्वर बीम को-भ्राँप हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड, श्रॉफ सूर्यवंशी एस० मार्ग, अम्बई 400028 में स्थित है।

ग्रमुस्ची जैसा कि कि स० ग्रई-1सी/37 ईई/10611/86-87 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनोक 14-8-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० के० गुप्ता, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर श्रायुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज 1 सी, बस्बई

दिनांक: 8-4-1987

मोहर:

8—56 GI/87

प्रकृषं बाह् . टी . एन . एस . ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-1-सी, अम्बर्ध अम्बर्ध, दिनांक 8 श्रप्रैन 1987

निवेश सं० मई-1/सी/37ईई/12122/85-86--- भ्रतः मुझे, ए० के० गुप्ता,

श्रीयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें स्तक परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी संख्या प्लॉट नं० 798, सी० एस० नं० 519/10, दादर माटूंगा, इस्टेट, बम्बई में स्थित है (और इससे उपा-विकास अपुंस्ंची में और पूर्ण रूप से विणत है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रुजिस्ट्री है, तारीख 1-8-1986।

को पूर्वेक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इत्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके इत्यमान प्रतिफल से, ऐसे इत्यमान प्रतिफल का थंवह प्रतिकत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकाँ) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया वृतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्स अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (कें) अन्तरण सें हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायिस्त में कमी करने या उससे अधने में सुविधा के लिए; अधि/धा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयीजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था याँ किया जीना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए:

मतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण म, म, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिकित व्यक्तियों, अर्थात :—— श्री खोरगेंद मनेकशाह पटेल, श्रादेंशीय मनेकशाह पटेल और विलु झरीर कपाडिया

(श्रन्तरक)

2. भ्रार० एण्ड भ्रार० एसोसियेटस।

(भ्रन्तिरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षीप :--

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (क्ष) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्मत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीहस्ताक्षरी के पास निकास में किए जा सकींगै।

स्पब्दिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिवा गया है।

अनुसूची

जमीन का हिस्सा जिसका प्लॉट नं० 798, सी० एस० नं० 519/10, माटूंगा इस्टेंट, बम्बई में है।

श्रनुसूची जैसा कि कि० सं० श्रई-1/4ी/37ईई/1060686-87 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-8-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० के० गुप्ता सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1 सी, बम्बई

दिनांक: 8-4-1987

प्रकप आई. दी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) ग्रजीन रेंज-1 सी, बम्बई बम्बई, विनांक 8 ग्रप्रैल 1987 निदेश सं० ग्रई-1/37ईई/37488/86-87 -- ग्रतः मुझे, वि० वि० गुप्ता,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें

इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा स्या हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका अचित बाजार मूल्य 1,00,000/-छ. से अधिक हैं और जिसकी संख्या फ्लैट नं० 16 ए, प्रवोन श्रपार्टमेंट, माहीम, बम्बई 16 में स्थित है (और इमसे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), और जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्री है, तारीख 14-8-1987 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ब्रथमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ब्रथमान प्रतिफल से एसे द्रयमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरिक (अन्तरिकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच के ऐसे अन्तरण के लिए स्थ

पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्बंध्य से उक्त अन्तरण

लिखित मे बास्तिविक रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुन्दें किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम को अधीन कर दोने को अन्तरक के दायित्व मों कमी करने या उससे बेचने में सुविधा को लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या भन या अन्य आस्तियों को, जिल्हें भारतीय अग्रकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अक्षः अधः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुतरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपभारा (१) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- मुनारी अम्या ध्रयमकेव जेटली, कुमारी कांता धरमदेव जेटली और कुमारी मुक्ता धरमदेव जेटली

(मन्तरक)

2. श्री जयन्त बसम्त सराफ, श्री वसन्त कृष्णा सराफ और श्री सतीश वसन्त सराफ

(मन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूत्रता की तामील से 30 विन की अविध, जो भी बक्रीध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर का किया में से किसी व्यक्ति वृवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख ूसे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्थव्हीकरण:---इसमें प्रयूक्त शब्दों और पवा का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषिक ही, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्वाय में विका गया ही।

अनुसूची

फ्लेट न० 16 ए, जो भ्रबोन भ्रपार्टमेंट, 153, बीर सावरकर मार्ग, माहीम, बम्बई 400016 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि सै प्रई--1सी/37ईई/37488/ 86-87 और जो सक्षम अपिकारी अम्बई द्वारा दिनांक 14-8-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> वि० बि० गुप्ता सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), शर्जन रेंज∽1 सी,वस्बई

दिनांक 8-4-1986

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यात्रव, शहायक भागकर गावृक्त (निर्माक्षक)

श्चर्जन रेंज-1 सी, बम्बई बम्बई, दिनांक 8 श्चर्रील 1987 निदेश सं० श्चर्ड-1सी/37ईई/12429/85-86 -- श्चतः मुझे, बि० बि० गुप्ता,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/-रुपये से अधिक हैं

और जिसकी संख्या शाप नं० 11, बिल्डिंग नं० 20 ए, कोलीवाड़ा, बम्बई—37 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है) और जिसका करारनामा प्रायकर प्रधिनियम 1961 की धारा 269 क ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 25-8-1986

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित वाचार भूस्य से कम को वश्यमान प्रतिकस के लिए जन्तरित की गई है और मुक्ते वह विश्वास करने का कारण है

कि बनापूर्वोक्त सम्परिक का उचित बाचार मूल्य, उसके चन्नमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकत् से क्षित्रक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतिकति (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरक के सिए तम पाम गमा प्रतिफल, निकन-सिरिक्क उन्होंस्य से उसर अंतरण निकित में वास्तिवक रूप है कीचत नहीं किया ग्या है है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त जिन्हें साम भन-कर धन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

बतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अन्सरण औ, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) अदे अभीन, निम्निचित्त व्यक्तियों, अर्थात् ः—

- 1. सेवा समिति को भ्राप हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड (भ्रन्तरक)
- 2. श्री इन्दुर दीपचन्द श्रसनानी

(श्रन्तरिती)

को यह स्पना जारी करके पूर्विक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविधि, जो भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुयारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य ध्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया ग्वया है।

नन्त्रची

शाप नं० 11, जो बिल्डिंग 20 ए, सेत्रा मिति को म्नाप हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड, कोलीबाड़ा, बम्बई-400037 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि क० सं० श्रई-137ई $\frac{1}{6}$ /10673/186/187 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 25-8-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

िष० विः० गुप्ता सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजेन रेज-1 सी, बम्बई

दिनांक: 8-4-1987

प्रकार माई, टी. एव. एव.

भायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के मधीन स्चना

तारुव व्यवस्

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्स (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1 सी, बम्बई अम्बई, दिनांक 8 श्रप्रैल 1987

निदेश सं० ग्रई-1/सी/37ईई/12351/85-86--ग्रतः मुझे, वि० वी:० गप्ता,

कामकार किंपिनसम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पदवात् 'उनत विधिनसम' कहा गया हैं), की धाय 269 च के वधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का फारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी संख्या पलैट नं 1, बिल्डिंग नं 2, वर्ली, बम्नई-23 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणत है) ग्रौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधि- नियम की धारा 269 क, ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 28-8-1986

को पृथोंक्त सम्पत्ति के उचित बाबार मृख्य से कम के क्रयमान प्रोत्फल के लिए अन्तरित की गई और मुभ्दे यह विश्वास

करने का कारण है कि यथापृवांक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का बंग्रह प्रतिकात से विधिक है और वंतरक (वंतरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्बेश्य से उक्स अन्तरण विवित्त में वास्तिविक रूप से किथत नहीं किया गया है :——

- (क) श्राच्या सं हुई किसी वाय की बावत, उक्त व्यक्तिव्य के बुधीय कर दोने के अव्यक्त के व्यक्तिव्य में कवी कर्षने वा उक्क वयने ये स्विधा के लिए; जरि/बा
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की चिन्हों भारतीय काय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं कियः भवा था वा किया थाना थाहिए था, छिपाने में स्विधा के निए;

वतः अन् उन्त विधिनयम् की धारा 269-ण के वनुप्ररण को, भी, उन्त अधिनियम् की धारा 269-च की उपधारकः (१) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 1. कुमारी बेला एन० पारीख

('ग्रन्तरक)

कुमारी बीना एन० पारीख

(ग्रन्तरिती)

को बङ् सूचना बारी करके पूर्वोक्त स्वयत्ति के वर्षन् के नियु कार्यवाहियां सुरू करता हुं।

उन्ह सम्पत्ति के कर्चन के संबंध में कांद्र भी नाक्षेप :----

- (क) इस त्यना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी है दें 45 दिन की नव्धि या तत्स्म्बन्धी स्पक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की मनीभ, जो भी सब्धि नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स स्थितियों में से किसी स्थीक्त बुवारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारिक अं 45 विन के भौत्र उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बक्भ किसी जन्य व्यक्ति व्वारा, अधोहस्ताक्षरां के पास सिवित में किए जा सकोंगे।

श्यक्वीकरण ----इसमें प्रयुक्त कन्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, नहीं अर्थ होंगे। जो उस अध्याय में विश भूषा हैं।

अनुसूची

फ्लैंट नं० 1, जो तीसरी मंजिल, बिल्डिंग नं० 2, सी० एस० नं० 868, 1/868, वर्ली, बम्बई, 400023 में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० ग्रई-1सी/37ईई/12361// 85-86 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा विनांक 28-8-1986 को रजिस्टई किया गया है।

वि० बी० गुप्ता, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज-1 सी, बस्धई

दिनांक: 8-4-1987

प्ररूप आर्च. टी. एन. एस.---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक गायकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज-1 सी, बम्बई बम्बई, दिनांक 8 श्रप्रैल 1987

निदेश सं० ग्रई-1सी/37ईई/12384/85-86--श्रतः मुक्षे, वि० बी० गुप्ता,

आयकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाधर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/⊢ रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी संख्या प्लैट नं० 48, मधुवन ग्रपार्टमेट, प्लाट नं० 60-61, बम्बई-18 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), श्रौर जिसका करार, नामा श्रायकर श्रधिनियम की धारा 269 क, ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 25-8-1986

को पूर्वों कत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापुर्वों कत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच के ऐसे अन्तरण के लिए तय पावा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उच्त अन्तरण निवित्त में शास्त्रविक रूप से कथित नहीं किया गवा है :——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करमे या उससे बचने में सूविधा के सिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-फर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

श्रातः अत्र, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्मीलिशत व्यक्तियों, अर्थात् :---

- श्री मिलींद लिलत कुमार उपाध्याय,
 श्री नकुल लिलत कुमार उपाध्याय,
 श्रीर श्रीमती निर्मेला लिलत कुमार उपाध्याय,
 (धन्तरक)
- श्री सुरेन्द्र कुमार बन्सरधर भगरवाल। (भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्च्ना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविभिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पति में हिंतबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पष्टीकरणः — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ह¹, बही अर्थ होगा जो उस उध्याय में दिया गया है।

प्रमुखी

प्लैट नं० 48, जो सातवी मजिल, मधुबन प्रपार्टमेंट्स, ए विग, प्लाट नं० 60-61, श्रब्दुल गफूर खान रोड, बम्बई-

श्चनुसूची जैसा कि कः मं० श्चर्य-1/मी37र्द्द/10658/8585-86 श्चौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनाक 25-8-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

वि० वि० क्रगुप्ता, सक्षम प्राधिकारी, महायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज-1सी,**बस्बई**

दिनांक: 8-4-1987

प्ररूप आईं.टी.एन.एस.-----

बाय कर आधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायंका आयंकर आयंक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1 सी, बम्बई

बम्बई, दिनांक 8 श्रप्रैल 1987

निदेश सं० म्रई-1/37ईई/12293/85-86—-म्रत. मुझे, वि० की० गुप्ता,

अभियकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-खें के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य

1.00,000/- रा. से अधिक ही

श्रीर जिसकी संख्या फ्लैंट नं० 102, 103, 104, बेस्टल 1, बम्बई-25 में स्थिन है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत हैं), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिन्यम की धारा 269 क, ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्री है, तारीख 8-8-1986 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है—

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए, और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयंजिनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए।

बत: बब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अंजूसरण मं, में, उक्त अधिनियम की धारा 269 व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- स्काल इनवेस्टमेंट लिमिटेड श्रौर दी बोम्बे डाईंग एण्ड मैन्युफैक्चरिंग को०लिमिटेड (ग्रन्तरक)
- 2. भारत ग्रोवरसीस बैंक लिमिटेड

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में कित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों वा, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, यही अर्थ होंगा जो उक्त अध्याय में दिशा गया है।

अनुसूची

फ्लैंट नं 0.02, 0.03, 0.04, नेस्टल 0.00, पांडुरंग बुधकर मार्ग, बम्बई-4.00025 में स्थित है 0.00

ग्रनुसूची जैसा कि कि सं ग्रिक्ट-1सी/37ईई/10626/85-86 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकाी बम्बई द्वारा दिनांक 8-8-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

वि० बी० गुप्ता, सक्षम प्राधिकारो, सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण), स्रर्जन रेंज-1 सी, क्म्बई

दिनाक: 8-4-1987

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1 सी, बम्बई

बम्बई, दिनांक 8 अप्रैल 1987

निदेश सं० म्रई-1सी/37ईई/12278/86-87--म्रतः मुझे, वि० बी० गुप्ता,

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी संख्या फ्लैट नं० 78, कर्मा क्षेत्र, सायन (पू०), बम्बई—37 में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम, की धारा 269 क, ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्री है, तारीख 8-8-1987 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान श्रितफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्के यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) में अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- 1. कल्पतरू (इण्डो सायगांव) कन्स्ट्रक्शन प्राइवेट लिमिटेड (भ्रन्तरक)
- श्री जमना दास नान जी बराई ग्रौर श्री दिपक जमनादास बराई

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारोख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दीं और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गाया है।

वन्स्ची

प्लैट नं० 78, जो सातवीं मंजिल, बी-2, कर्मा क्षेत्र, कोमरेड हरबंस लाल मार्ग, शनमुखानन्द होल के पास, सायन (पु०), बम्बई-400037 में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसा कि कर सं ग्राह्म-1सी/37ईई/10621/85-86 ग्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 8-8-1986 को रजिस्टई किया गया है।

वि० बी० गुप्ता, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुत (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1 सी, बम्बई

दिनांक: 8-4-1987

प्ररूप आई.टी.एन.एस.----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-य (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1 सी, बम्बई बम्बई. दिनांक 8 श्रप्रैल 1987

निर्देश सं० श्रई—1सी/37ईई/12446/86—87——श्रत:, मुझे, वि० वि० ग्प्ता

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उकत जिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

भौर जिसकी संख्या फ्लैट नं० 4, बी व्हाय भ्रापार्टमेंट, वर्ली, बम्बई—18 में स्थित है (भौर इसमे उपाबद्ध भ्रनुसूची में भौर पूर्ण रूप से विणित है) भौर जिसका करारनामा आयकर भ्रधि-नियम की धारा 269 क, ख के भ्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्री है, तारीख 25-8-1986

का पूर्वोक्त स्मारित के उचित वाचार मृत्य से कम के उत्युक्त विकास के निए बन्तरित की मह है जीर मृत्ये से कम के उत्युक्त के तिए बन्तरित की मह है जीर मृत्ये से कम के उत्युक्त करने का कारण है कि वचापूर्वोक्त सम्मित का उचित वाचाप बृत्य, उसके स्वयमान प्रतिकत से, एसे स्थयमान प्रतिकत का पंत्रह प्रतिकत से मिथक है जीर मैतर्क (संतर्कों) भार संतरित (अंतरितियों) के नीच एसे अंतर्ण के लिए तय पामा गया प्रतिकल, निम्नितित उद्देश से उक्त अन्तरण लिचित में पास्तिक कप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तरण से हुन्दें किती जाय की बाबत, डक्स जिमियम के अभीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के किए: बरि/बा
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्ही भारतीय प्रायक्तर अधिनियम, 19?? (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विन्ध के लिए;

मल: अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के बन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) है अभीन, निक्तृतिकित व्यक्तियों, अर्थात् :---

1. श्रीमती लता कांतीलाल पारेख

(भ्रन्तरक)

2. सूरजभान बाबूलाल ग्ररगवाल।

(भ्रन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यकाहियां शुरु करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भीशाक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की नविभ या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वापत की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविभ वाद में समाप्त होती हो, को भीतर पर्शेष्ठ व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थाबर सम्पत्ति में हित-बव्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहम्ताक्षरी के पास निवित में किए जा सकोंगे।

स्पच्छीक रणः ---- इसर्के प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उत्तर मिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, यही अर्थ होगा को तस अध्याय में दिया गया है।

भगत्त्वी

फ्लीट नं० 4, भी बि ब्हाय अपार्टमेंट, इमारत नं० 3, फ्लाट नं० 9, स्कीम नं० 5, वर्ली इस्टेट, बी० जी० खेर मार्ग, वर्ली बम्बई-400018 में स्थित है।

श्रनुमुची जैसा कि कि कि सं $\frac{1}{1} = \frac{1}{1} = \frac{1}{3} = \frac{1}{1} = \frac{1}{3} = \frac{1}{1} = \frac{1}{3} = \frac{1}{$

वि० बो० गुप्ता, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज-1सी, बस्बई

तारी**ख**: 8-4-1987

धक्षप् भाष'. हो । ।त. हस .-----

मायकर व्यक्तियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (।) के सभीन स्थनः

WILE PROCE

कार्यालय, सहायक आधकर आयुवत (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज 1 सी, बम्बई यम्बई, दिनांक 8 श्रर्प्रैल 1987

निदेश मं ० श्रई-- 1सी/ 37ईई/ 12339/86-87---श्रतः, मुझे, ए०बी० गप्ता,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकन अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. ये अधिक हैं

द्यौर िसकी संख्या फ्लैट नं ० जे/3, जे/4 इडन हाल, वर्ली, बम्बई-18 में स्थित है (श्रौर इसमें उपाबद्ध श्रन्भूची में धौर पूर्ण रूप में वर्णित है) श्रौर िसका करारनामा श्रायकर अधिनियम की धारा 269 क, ख के श्रधीन मक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिस्ट्री है, तारीख 18-8-1986

को न्वोंक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मृत्य से कम को रूपमान प्रतिकल को लिए अन्तरित की गई है जौर मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि सथापूर्वा कत संपत्ति का उचित बाजार स्टूर, उसके उपमान प्रतिफल में, एोमें दृश्यमान प्रतिफल का पण्डल प्रशिव्यत से अधिए हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिक (उस्तिक्त से अधिए के बीच एोसे अन्तरण को लिए ता पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित अङ्गयन से स्टूल अन्तरण लिखित में धास्त्रिक क्या से दृश्यत

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उसत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (क) एवी किसी बाब वा किसी धन वा अन्य बास्तिकों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अप-नियम, शा प्रकर अधिनियम, 1357 (1957 का 27) भी प्रयाधनार्थी अभागरती युवारा एकट वहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था िताने में स्विधा के किए।

अत. अब. उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 1. श्रीमती माधवी सोबी।

(ग्रन्थरक)

2 श्री फिलिन लोबो।

(भ्रन्गरिती)

को यह जावना आरों भारके पुतरिक्ष स्वतित की जावन के विष् ार्गकारिकार कारता हुए।

उक्त संपरित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी ध्यक्तियों पर स्थान को तामील रा 30 निक की बन्धि, जो भी अवधि बाद में समाध्य होती हो, के भीतर प्रांक्त प्रिकार में किसी स्थित ववाराः
- (क) इस स्चान के शहरण में प्रकाशन की तारीब है
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितडव्थ
 किसी सम्य न्यांविध द्वारा सभाइस्ताक्षरी के पाइ
 निश्चित में किए जा सकींगे।

चक्किम्म (क्ष्म प्रमुक्त सक्यों जीर पत्रों का, वा सक्त अधिनियम, क चध्याय 20 य में परिभाजित ही, वहीं जर्भ होता, जो उस ४६८ य थे दिशा गका

प्रमुस्ची

फ्लैंट नं० जे०/3, जे०/4, गेरेज के साथ, जो इडम हाल, दसवीं मंजिल, लायल को० आप० हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड, डा० एनी बेसन्ट रोड, वर्ली बम्बई-400018 में स्थित है।

भ्राभूची जैसा कि ऋ० स० श्रर्ध-1सी/37ईई/10641/ 85-86 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 18-8-1986 को रिजस्टई किया गया है।

> ए० के० गुप्ता, सक्षम प्राधिकारी, महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1 मी, बस्बई

दिनांक: 8-4-1987

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 था 43) की धारा 269-ष के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालया, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंग 1 सी, बम्बई बम्बई, दिनांक 8 अप्रैल 1987

निदेश सं ० झई—1सी/37ईई/12498/85~86→~श्रतः, मुझे, वि ० वी ० गुप्ता,

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रुपये से अधिक है

श्रीर िसकी संख्या यूनिट नं ० 1, सर्विस इण्डस्ट्रियल इस्टेट वर्ली, बम्बई में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबद्ध अनुभूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर अधिन्त्रम की धारा 269 क, ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रितर्झी है, तारीख 25-8-1987 को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उधिन भाजार मुख्य स कम के अधामान श्रीतफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास अरन का कारण है कि स्थाप्याक्त सम्पत्ति का उपविध बाजार मृत्य उसक दश्यमान श्रीतफल से, कम कारणमान श्रीतफल के प्रतिकृत में कि स्थाप्याक्त सम्पत्ति का उपविध बाजार मृत्य उसक दश्यमान श्रीतफल से, कम कारणमान श्रीतफल के प्रतिकृत से अधिक ही जार कन्तरक (अतरका) जार बंतरित (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तम प्रमा गया प्रति-फल निम्निसित उद्देश्य से उक्त कन्तरण निकित में वास्तिक क्य से कथित नहीं किया गया है :—-

- हैंबाँ, अन्यप्रभ हैं हिंदी जिसी बाय की बाब्त करत विधिनवम के सभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य वी क्षत्री करने वा उच्च बचने में सुविधा के क्षिए: श्रीर/या
- (का) एची किसी बाय या किसी भग या अन्य कारिहरों का, किसी बाय वा किसी भग या अन्य कारिहरों का, किसी बायकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ऑफिनियम, दे धमकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तर्रारती अवारा प्रकट नहीं किया अप वा वा किया जाना वाहिए था, कियाने ये क्षित्रं के स्विक्तः

अतः अवः, उक्तः अधिनियमं की धारा 269-गं के अनुसंरण में, में, उक्तं अधिनियमं की धारा 269-घं की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— मैसर्स नीजम इस्टेट्स।

(ग्रन्तरक)

2. मैंसर्स सोपारीबाला एक्सपोर्टस।

(मन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करका हु ।

उक्त सम्परित के उर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क्द) इस स्थान के राधपत्र में प्रकाशन की तारीस से कि कि की अविध या तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील स 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में सवास्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त जानित में में किही व्यक्ति ह्वारा;
- (क्ष) ६स स्थान के धनपत्र में प्रकाशन की तारीच छं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताकारी के पास लिखित में किए था सकींगे।

रप्रविकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त बाँचिनियम, के अध्याद 20-क में परिभावित हैं, पहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में विका सना हैं।

अनुसूची

यूनिट नं ० 1, जो तल मंजिल, ए विंग, सर्विस इण्डस्ट्रियल इस्टेट, हिन्द सायकल रोड, एडजोर्निंग गोपाल नगर झोपड़ पट्टी, वर्ली, बम्बई में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कर सं $^{\circ}$ श्रई-1सी/37ईई/10693/85-86 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 25-8-1986 को रिजस्टई किया गया है ।

वि ० बी ० गुप्ता, मक्षम प्राधिकारी, महायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) |श्रर्जन रेंज-1 सी, बम्बई

विनांक: 8-4-1987

अक्य वार्ड . हो . एव . एत . वन------

भागकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) भी अभीन सुचना

भारत सहस्रार

कार्याजन, सहायक नायकर आयुक्त (किरीक्षण)

भर्जन रेंज-1 सी, बम्बई बम्बई, दिनांक 8 श्रप्रैल, 1987

निदश सं **॰ प्र**ई-1 सी/37ईई/12482/85-86---श्रतः मुझे, वि ॰ बी ॰ गुप्ता,

भायकर अभिनिय+', 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-क के अधीन सक्ष्म प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थात्रर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी संख्या यूनिट नं ० 14, वी एन्टरप्राइ अ, प्रभा देवी, बम्बई—25 में स्थित है (ग्रीर इसमें उपाबद्ध अनुसूची में भ्रीर पूर्ण रूप से विणत है) भ्रीर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रिधिनियम की धारा 269 क, ज के ग्रिधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्री है, तारीख 25-8-1986 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके द्रश्यमान प्रतिफल से, एसे द्रश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए सय पाया गया प्रतिफल, निम्मलिखत उद्विध्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्यविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अंतरण से हुन्द किसी जाय की शावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्थ में कमी करने या उससे स्वने में सुविधा के लिए; जौर/या
- (स) एरेसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) था उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, क्रिपाने में सुविधा के सिक्दा

ाट अथं, उक्त अधिनियम स्त्री धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन: जिस्तिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--- 1. मैसर्स दीपक प्रिटर्स

(ग्रन्तरक)

श्री धीरेण पी० शाह और
 श्री पन्ना चन्द सी० शाह

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में काई भी आक्षप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख़ से 45 दिन की अवधि या तत्संबधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (सं) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मों हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति इतारा, अधाहस्ताक्षरी के पास लिसित मों किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमे प्रयक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-व में यथा प^०रमाचित्र है, यही अर्थ होगा जो उक्त प्राया के विद्या गया है।

नगत्त्वी

यूनिट नं ० 14, जो दूसरी मंजिल, दी एन्टरप्राइज को० प्राप० प्रीमायसेस सोसायटी लिमिटेड, 308, वीर सावरकर मार्ग, प्रभादेवी, अम्बई-400025 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क० सं० आई-1 सी/37ईई/10689/85-86 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 25-8-1986 को रिक्टर्ड किया गया है।

वि० बी० गुप्ता, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रर्जन रेंज-1 सी, बम्बई

दिनांक: 8-4-1986

प्ररूप माई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा धारा 269-घ के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज 1 मी, बम्बई

बम्बई, दिनांक 8 अप्रैल 1987

सं० श्रई-1/सी/37ईई/12445/85-86-- श्रतः मुझे, ए० के० गुप्ता,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उच्चित्त बाजार हूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

त्रभीर जिसकी संख्या फ्लट नं० 3, बि व्हाय, ग्रपार्टमंट, वर्ली, बम्बई—18 में स्थित है भीर इसमे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है ग्रीर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रधि—नियम की धारा 269 क ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, वस्बई में रिजिस्ट्री है, तारीख 25—8—1986

को प्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्र्योंक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्दृष्ट प्रिश्चत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच के ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नलिखित में वास्तिविक रूप से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कसी करने या उस्से बचने में सुविधा के लिए, और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, चिन्हुं भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:-— 1. संजय कांतीलाल पारेख

(ग्रन्तरकः)

2 सूरजभान बाबुलाल श्रगरवाल।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्चान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सै 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधेहरताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, भो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, को उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैंट नं० 3, जो, बी व्हाय, ग्रपार्टमेट, इमारत नं० 3 प्लाट नं० 9, स्कीम नं० 5, वर्ली इस्टेट, बी० जी० खैर, मार्ग, वर्ली, बम्बई 400018 में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसा कि सं० ग्रर्ड-1/41/47ईई/10852/85-86 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 25-8-1986 को रिजस्टई किया गया है।

ए० के० गुप्ता, सक्षम प्राधिकारी, महायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज 1 सी,बम्बई

दिनांक: 8-4-1987

प्ररूप आह^र. टी. एन. एस.---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयंकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज 1 सी, बम्बर्ड

बम्बई, ८ भ्रप्नैल 1987

सं० श्रई-1/सी/37ईई/12349/85-86-- श्रतः मुझे, ए० के० गुप्ता,

जायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचार 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है और जिसकी संख्या पलट नं० 9, माधव अपार्टमेंट, वीर सावरकर मार्ग, बम्बई 28 में स्थित है और इससें उपाबद्ध

माबरकर मार्ग, बम्बई 28 में स्थित है और इससें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है और जिसका करार नामा आयकर श्रिधिनियम की धारा 269 के ख के अधीन सक्षम प्राधि जारी के कार्याला, बम्बई में रिजस्ट्री है, तारीख 18-8~1986।

को पूर्वोंकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम को दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विषयास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल को एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती अंतरिती (अंतरितियों) के बीच के एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विलिखत में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आध की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करमें या उससे बचने में सूबिधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- 1. श्रीमती मालती एस विद्यार्थी,

(भ्रन्तरक)

2. श्री ग्रणोक कांतीलाल संधानी

(ग्रन्तरिती)

को भह स्चना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्ना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्स बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होता हो, को भीतर पूर्वित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारों सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थाबर सम्पत्ति में हितथव्थ किसी अन्य व्यक्ति स्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरणः — इसमे प्रय्क्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस उध्याय में दिया गया है।

मन्त्रची

पलैट नं० 9, जो दूसरी मंजिल, माधव ग्रपार्टमेंट, 312, वीर सावरकर मार्ग, बम्बई 400028 में स्थित। ग्रम्सूची जैसा कि क सं० ग्राई-1/सी/37ईई/10646/85-86 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 18-8-1986 को रिजस्ट के किया गया है।

ए० के० गुप्ता, सक्षम प्राधिककारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त निरीक्षण भूजेन रेंज 1 सी, बस्बई

दिनांन: 8-4-1987

प्ररूप आहें . टी. एनं . एस . ------

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रार्जन रेज-1 सी, बम्बई बम्बई, दिनांक 8 ध्राप्रैल 1987

सं. श्रई-1/41/37ईई/12341/85-86— श्रतः मुझे, ए० के० गुप्ता,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारणे हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

ग्राँर जिसकी संख्या फ्लैंट नं० 502, शाती कुंज, दादर (पु), बम्बई 14 में स्थित है (ग्राँर इसमें उपाबद्ध अनुसूची में ग्राँर पूर्ण रूप से विणित है) ग्राँर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रधिनियम की धारा 269 के ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्री है, तारीख 18-8-1986

का पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पद्ध प्रतिफल से अधिक है और (अंतरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आयं की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सृषिधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को., जिन्ह भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सिवधा के लिए;

जतः अबं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ए के अनुसरण में, 2 , उक्त अधिनियम की धारा 269-ए को उपधारा (1) के अधान, निम्निसित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. बोनी एन्टरप्राइसेस।

(अन्तरक)

2 श्रीपती कृष्णा वाई चन्द्रराव कदम श्रार श्रीमती नलीनी हेमन्त कदम

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु ।

उदत सम्पत्ति के अर्जन के सबध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीलें में 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि वाद में समाप्त होता हा, के भीतर पूर्वितत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताकरी के पास लिखित में किए जा सेकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जक्ते अधिनियम, को अध्याय 20-क मे परिभाषित हाँ, बही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया हाँ।

मनुसूची

पलैंट नं० 502, जो पांचवीं मंजिल, गांती कुंज, 87 नापगांव क्रोस रोड, दादर (पु), बम्बई 400014 में स्थित है।

म्रनुसूची जैसा कि क स० म्रई-1/4ी/37ईई/10643/8586 म्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 18-8-1986 को रिजम्टर्ड किया गया है।

> वी० बी० गुप्ता, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज-1सी,बस्बई

दिनांक: 8-4-1987

मोहरः

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज 1 सी, बम्बई बम्बई, दिनांक 8 श्रप्रैल, 1987

सं० भ्रई-1/सी/37ईई/37798/85-86- भ्रतः मुझे, ए० के० गुष्ता,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रांर जिसकी संख्या प्लेट नं० 132 ए, पुरूपोतम टावर्स, साउथ दादर, बस्बई-28 में स्थित है (श्रांर इसमें उपाबद्ध अनुसूची में श्रांर पूर्ण रूप में विणित है) श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम की धारा 269 के ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बस्बई में रिजस्ट्री है, तारीख 28-8-1986

को पूर्वोवत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ख्रमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रष्ट प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंगरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उव्देष्य से उक्त अन्तरण सिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (ल) ऐसी किसी आर्थ या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, वा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- श्री मजीत विष्णू नेहरूकर घौर
 श्री अछ्यू णंकर नाडकर्णी,

(ग्रन्तरक)

2. श्रीमती रेखा भन्डारं:

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए फार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षोप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबत्थ अविध बाद में समाप्त होती हो, के शीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारास सैं 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संस्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पार लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्बों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में विया गया है।

नवस्त्री

पलेट नं० 132 ए, जो ए विंग, तेहरवीं मंजिल, पुरूषोतम टावर्म, टी० पी० एस० 4, माहीम, प्लाट नं० 884-85-86, भ्राफ गोखले रोड, साउथ दादर, वम्बई 400028 में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसा ि क सं० ग्रई-1/41/37ईई/37798/ 85-86 ग्रें(र जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनाक 28-8-1986 को रिजम्टर्ड किया गया है।

ए० के० गुप्ता, मक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज 1 सी, बम्बई

तारीख: 8-4-1987

बरूप बाइ^क. टॉ_ल एन_ल एस त ------

भागक द अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ज (1) के अभीन स्थना

भारत सरकार

कायतिय, सष्टायक भागकर भागकत निरीक्षण)

म्प्रजीन रेंज 1 सी, बम्बई बम्बई, दिनांक 8 म्राप्तल, 1987 सं० मई-3/38ईई/17/86-87-मत: मुझे, बि० बि० गुप्ता,

नायकर निर्मियमं, 1961 (1961 का 43) (चिसं इसमें इसमें प्रश्नात् 'उक्त मिनियमं नहा गया हैं), की भार 269-इस में अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह निर्मास करने का कारण हैं कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मून्य 1,00,000/~ रु. संग्रीधक है

श्रौर जिसकी संख्या न्यू सर्वे० नं० 1/2019, 1/2020, 3/4/2020, सी० एस० नं० 75, दादर डायमण्ड, डिनिजन, बम्बई में स्थित हैं (और इससे उपाबज़ श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं) रिजम्ट्रीकत्ता के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्री करण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 22-8-1986

को पूर्वोंक्स सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के उस्पनान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एमे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और बन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्विषय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुर्द्ध फिसी आय की बाबत उक्त अधि-अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरण के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए, और/या
- (क) एकी लिसी जाय या किसी भन या जन्य जास्तियां को, जिन्हों भारतीय जाय-कर जिभिनियम, 1922 (1922 को 11) या उत्तन अभिनियम, या भनकर अभिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोज-नार्थ जंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा वा किया जाना चाहिए था स्थितने में सुविधा की लिए?

 श्री ग्रहमद सिवन ग्रल्लावा, फजल हमीम श्रल्ताना, कुमारी श्रमिना हिवन श्रल्लाना

(भ्रन्तरक)

2. वी बी ई० एस० टी० वर्कर्स यूनियन

(मन्तरिती)

को यह सुचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के सिष्ट् कार्यमाहियां करता हुं ।

उक्त सम्पत्ति के नर्बन के श्रेवंध में कोई भी वाक्षण ध-

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पत्र सूचना की सामीस से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (थ) इस स्वना के द्वायम में प्रकाशन की दारीय है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिलबब्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए वा सकेंगे।

स्वक्तीकरणः अभिनेत्र प्रकृत शक्यों जीव पर्यों का, जो समझ जिथिनियम को जभ्याय 20-का में परिशावित ह⁵, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गमा है।

अमुसूची

अमीन का हिस्सा जिसका न्यू सर्वे नं० 1/2019, 1/2020, 3/4/2020, सी० एस० न० 75, दादर ्नायगांव डिविजन, बम्बई में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि विलेख स० 149/82 श्रौर जो उप रिजस्ट्रार, बम्बई द्वारा दिनांक 22-8-1986 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> वि० वि० गुप्ता, , सक्षम प्राधिकौरी सहायक श्रायकर भागुक्त निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज 1 सी, बस्बई

विनांक: 8-4-1987.

मोहर :

जतः अवः, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग के अन्सरण जों, मीं, उक्त अधिनियमं की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थातः— प्ररूप बार्ं.टी.एन.एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)
भर्जन रेंज 1 सी, बस्बई
बस्बई, विमांक 8 भन्नल, 1987

सं० धर्६-3/37ईई/जी/18/86-87:- प्रतः मुझे, वि० वी० गन्ता

नायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उमत अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

भौर जिसकी संख्या अपार्टमेंट, नं० 8, (ग्रब नं० 302), पार्वती बिल्डिंग, प्लाट नं० 12, स्कीम नं० 6, रोड नं० 5, सायन (प०), बम्बई—22 में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से बर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अके कार्यालय, बम्बई में र्रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 के अधीन, तारीख 23—10—1986?

को पूर्वो वित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकाल के लिए अन्तरित की कई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि सथापूर्वों कत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकाल से ऐसे दृश्यमान प्रतिकाल का पेट्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरितौ (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया नया प्रतिकाल, निम्नलिखित उद्वेदेय से उक्त अन्तरण लिखित में बास्सिक रूप से किथात नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करचे या उससे अचने में स्विधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922) का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए;

अतः अव उक्त सिभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में. में, उक्त अभिनियम की भारा 269-भ की उपभारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थतु:—— 1. श्री योगीनी भारतकुमार मेहता

(ग्रन्तरक)

 श्री जसवन्ती काती लाल संघवी भौर श्री विजय काती लाल संघवी

(श्रन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके पूर्वीक्स सम्परित के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में संमाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस सूचना को राजपत्र मो प्रकाशन की तारीस से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पर्ति मों हित-बब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्लारा अधोहस्ताक्षरी को पास लिखित मों किए जा सकेंगे।

स्पच्छिकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क मे परिभाषित हैं., वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्स्ची

श्रपार्टमसट नं० 8 (श्रव नं० 302), पार्वसी बिल्डिंग, तीसरी मंजिल, प्लाट नं० 12, स्कीम नं० 6, रोड नं० 5, सायन म्युनिसिपल गार्डन के सामने, सायन बस डिपो केपीछे, सी० एस० नं. 287/6, सायन (प), बम्बई 400022 में स्थित है।

श्रनुसूची जसा कि विलेख नं० 1169/85 श्रीर जो उप रिजस्ट्रार, बम्बई द्वारा दिनांक 23-10-1986 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> वि० बि० गुप्ता, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त निरीक्षण), श्रर्जन रेंज 1, बम्बई

विनांक: 8-4-1987

प्रकृष् वार्यः, द्वीत एन्, व्यव ,-४४५४-४४

नायकर नीधीनवन, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) में बंधीन बुचना

STEP SPECS

कार्यानक, सहायक नायकर नायक (निद्वासन)

भ्रजन रेंज 1, बम्बई बम्बई, विनांक

सं० श्रई--3/37ईई/3923/86--87-- श्रतः मुझे, वि० वी० गुप्ता,

आयकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन संक्षत्र प्राधिकारी को यह विकास करने का द्वारण है कि स्थायर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- हुन. सं विधिक है

श्रीर जिसकी संख्या फायनल प्लाट नं० 382, टी० पी० एस० नं० 3, श्राफ लेडी जमशेषजी रोड, माही, बम्बई में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 1-10-1986

को पूर्वोक्त सम्पर्ति के उपित शक्तर कुक से का वे दश्यकान प्रितिक के लिए जंतरित की गई है और कुक बंद निश्वास करने का कारण है कि वभापुर्वोक्त सम्पर्ति का अधित वाजार बुल्य, उसको दश्यमान प्रतिफल का चंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अंतरित्यों) के बीच एंडे अंतरण के लिए तय पाया प्रया प्रतिफल, जिम्मिकित सहार्थिक के सकत कुन्तरण कि निष्

- (क) नेतरण ते हुई किसी आय की बाबत कवत अधि-नियम के अधील कर बोने के अन्तरक के समित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए वर्डिश्वा
- (च) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों करें, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियस, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियस, या धनकर अधिनियस, या धनकर अधिनियस, या धनकर अधिनियस, 1957 (1957 का 27) खे अध्यक्तिय वन्तिया प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के सिक्षः

जतः अब, उत्तरं अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उत्तरं अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—- 1. एच० एम० एस० लिमिटेड।

(भ्रन्तरक)

2. कल्पतरू हेबिटेट।

(मन्तरिती)

को वह कुष्या बाहरी सहस्ये कुष्यों वह कुष्यारक हो। बाहर को वित्य कार्यवाहियां कुष्य अहाहा हुई ।।

वस्य बन्धीस्य स्ट्रै अर्जन में बंधेश में कोई जी बाखेर अ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि ना सरकारनी व्यक्तियों प्र सूचना की ठायीब है 30 दिन की अविधि, का भी जविष नाव में अवस्था होती हो, के बीसर पूर्वों क्ष व्यक्तियों में से किसी व्यक्तिया;
- (वं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीवर उपस स्थावर सम्मत्ति में हितजबुध विकास अन्य व्यक्ति क्यांच व्यक्ति के पाव विवास में विकास का स्थावन के पाव विवास में विकास का स्थापन के पाव

हराकाँकरण्:— इसमें प्रमुक्त बच्चों नीद प्यों का, को उपस नीयनियम, के स्थान 20-क में परिभाषित हैं, नहीं क्यों होगा की अस संध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

नभीन का हिस्सा, जिसका का नल प्लाट न० 382, टी० पी० एस० 3 श्राफ लेडी जमशेष जी रोड, सी० एस० नं० 756, माहिम, बम्बई हैं

श्रनुसूची जमा कि विलेख नं० 2437/86 श्रीर जी उप रिजस्ट्रार, बम्बई द्वारा दिनाक 1-10-1986 की रिजन्टर्ड किया गया है।

> बि. बि० गुप्ता, सक्षम प्राधिवारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त निरीक्षण), श्रजेंन रेज 1सी, बम्बई

दिनांक: 8-4-1987

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कश्यक्तिन नहायक जानुकर आकृत्व (हिन्सीका)

ग्रजीन रेंज 2, बम्बई बम्बई, दिनांक 9 ग्रप्नैल, 1987 सं० ग्रई-2/37ईई/37184/85-86:-- ग्रतः मुझे, के० सी० शाह,

बाय्कर बीधिनक्य, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके इसके पश्चास् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी संख्या पलेट नं० 52, बान्द्रा, सिब्रेझ ग्रपार्टमेटस को ग्राप हाउ० सोसा० लि०, 50 बुलक रोष्ठ, बान्द्रा में स्थित है (ग्रौर इसमें उपाबद्ध ग्रनुमूची में ग्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है) ग्रीर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रिधिनियम की धारा 269 के ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बस्वई में रजिस्ट्री है, नारीख 1-8-1986

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्चेश्य से उक्त अन्तरण लिखित वास्तियिक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) जन्तरण ने हुई किसी जाब की बाबत, उच्छ नियम के अधीन अन्न दोने के जन्तरक को बायिएक के अभी करने या उससे युवाने में सुविधा के लिए: नौर/या
- (च) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविभा के लिए;

1. श्री सरोग होरमस जी बाटलीवाला।

(भ्रन्तरक)

 श्री जगद्रीण एस० वर्मा ध्रौर श्रीमती दीप जे० वर्मा

(ग्रन्तरिती)

को यह तृष्या था<u>री करने पूर्वीयत सम्परित से वर्ष</u>न के सियु कार्यग्रीहर्या सुरू करता हुं ।

उन्त सम्पत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :----

- (क) इस स्चनक के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (स) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितश्रद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्यव्यक्तिस्त्रः — इसमें प्रमुक्त सम्बों और पदों का, जो उक्त अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभावित है, वहीं कर्ष होंगा को उस अध्याय में दिया गया है।

भनुसुची

फ्लेट नं० 52, बान्द्रा सिन्नेझ स्त्रपार्टमेंट्स को स्त्राप हाउसिंग सोसायटी लि०, 50, बुलक रोड, बेन्डस्टड, बान्द्रा (द०), बम्बई--50 में स्थित है।

अनुसूची जमा कि क सं० धर्म-2/37ईई/37184/86-87 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-8-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

के सी० शाह, मक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त. निरीक्षण) श्रर्जन रेंज 2, बम्बई

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

दिनांक: 9-4-1987

प्ररूप आई. टी. एनं. एस . ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 9 ग्रप्रैल 1987 निदेश सं० भ्रई-2/37ईई-37215/86-87--म्प्रतः

मुझे, कें रसी० शाह.

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी स० दुकान सं० बी/बी, न्यू कमलं को० श्राप० हाऊ० सोसायटी लि०, बांद्रा (प), बम्बई—50 में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है) श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम की धारा 269 कख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिक्स्ट्री है, दिनांक 1—8—1986,

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रियमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके द्रियमान प्रतिफल से एसे द्रियमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और (अंतरका) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित बास्तिविक रूप से किथत नहीं निकया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयं की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अत: अर्ध, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिक्षित व्यक्तियों, अर्थात :-- (1) स्विटा इण्टरप्रायजेस (मालक-श्रीमती झरीना एस ० मर्चेट)

(भ्रन्सरक)

(2) श्री एच० के० गोसर श्रौर श्री एच०एस० गोसर। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्तं सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीलं से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य ध्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा संकोंगे।

स्मष्टिकिश्ण : --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, यही अर्थ होगा जो उसे अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

"दुकान मं० वी/बी, तल माला, न्यू कमल को०-श्राप० हार्जीमग सोसायटी लि॰, 248, लिकिंग रोड, बांब्रा (प), बम्बई-50 में स्थित है।

भ्रत्सूची जैसा कि० सं० भ्रई-2/37ईई/37215/86-87भ्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-8-1986 को रिजस्टर्ड किया गया है ।

> के० सी० णाह सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंग-2, बस्बई

दिनांक : 9-4-1987

इक्य कार्यं, ट्री... पुन्,; पुत्रः,; क ± ल क्रमा

नायकर निधनियन, 1961 (1961 का 43) की धाडा 269-प (1) में नधीन स्वाना

BIGG TETAL

कार्यासय, सहायक नायकर नायुक्त (निद्रीक्षण)

म्रर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, विनांक 9 म्रप्रेल 1987

निदेश सं० मई-2/37ईई-37244/86-87-- मत:

मुझे, के०सी० शाह,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्परित, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० फ्लैंट सं० 302, मेफेग्नर इमारत, प्लाट सं० 197, काणे रोड, बांब्रा, बम्बई—50 में स्थित है (ग्रीर इसमें उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप में विजत है) ग्रीर जिसका करारनामा ग्रायकर श्रधिनियम की धारा 269 क ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्री है, विनांक 4—8—1986,

को पृथेक्ति संपत्ति के उणित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गद्द है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उजित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण निस्स के बास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण संहुद्दं किशीं बाय की वावतः, दक्क अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में अभी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय साथ-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, दा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तिरती ब्वाच प्रकट नहीं किया गया का या किया वाना वाहिए था, किया के सुविधा के लिए;

बतः। अव, उक्त किषिनियम की भारा 269-ग की अनुसरण कों, भीं, उक्त विधिनियस की भारा 269-च की उपभारा (1) को अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—— (1) श्री निहालचन्द एच० चावला

(भन्सरक)

(2) श्री उस्मान ए० दरवेश श्रीर श्रीमती श्रायेशा उस्मान दरवेश ।

(भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के सिर् कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

अवस क्रमित के अवीन के संबंध में कोई भी भारते ⊪~

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या सत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिसबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए था सकी।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

"फ्लैट सं० 302, मेफेग्नर इमारत, प्लाट स० 197, काणे रोड, बैन्डस्टैण्ड, बांद्रा, बम्बई में स्थित है । श्रन् सूची जैसा कि ऋ० सं० श्रई-2/37ईई/37244/ 86-87 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 4-8-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

> कै० सी० लाह सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), भ्रजीन रेंग-2, बम्बई

दिनांक : 9-4-1987

प्ररूप आई.टी.एनं.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अभीन सचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 9 श्रप्रेल 1987

निदेश सं ॰ प्रई-2/37ईई-37289/86-87--भ्रतः मुझे, के ॰ सी ॰ शाह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारणे है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० पलैट सं० 77-ए, सेंट जान बाप्टीस्ट रोड, बांद्रा (प), बम्बई-50 में स्थित है भौर इसमें उपाबद्ध अनुसूची में भौर पूर्ण रूप से विणत है भौर जिसका करारनामा भ्रायकर अधिनियम की धारा 269 कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्री है, दिनांक 8-8-1986, को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के खर्यमान भित्तफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके छर्यमान प्रतिफल से एसे छर्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और (अंतरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गबा प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वर्षय से उक्त अन्तरण लिखित बास्तियक रूप से कथित नहीं विक्या गया है:---

- (क) अन्तरण से हुर्इ किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, यो धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

अतः अवं, उक्त अभिनियम, की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अभिनियम की भारा 269-भ की उपभारा (1) के अभीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, अभिद्किः—

- (1) श्री एन ० जी ० गोराडिया (हि ० श्र० कु०) (ग्रन्तरक)
- (2) रिलायन्स केमोटेक्स इण्डस्ट्रिज लिमिटेड । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्सं सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख चैं 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य अपिक्त द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सेकोंगे।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उसे अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

"फ्लैंट सं० 77-ए, मोना लिसा (पिष्चम) को ०--भ्रॉप ० हाउसिंग सोसायटी लि ०, सेंट जान बाप्टीस्ट रोड, बोद्रा (प), बम्बई-- 50 में स्थित है ।

श्रनुसूची औसा कि ऋ० सं० श्रई-2/37ईई/37289/86-87 भौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 8-8-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

> के० सी० गाह सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज–2, बम्बई

दिमांक : 9-4-1987

प्रकृत बार्ष छ टो । एन पुष्ट व्यवस्थान

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की **गारा 269-म (1) हे वर्षीय वृष्**रा

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रेंज-2, बस्बई
बम्बई, दिनांक 9 श्रप्रैल 1987

निदेश सं. श्रई-2/37ईई-37301/86-87--- श्रतः मुझे, के० सी० शाह,

भावकर विभिन्निन, 1961 (1961 का 43) (हिंबुडे इसकें इसकें प्रचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह निरवास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उधित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

भ्रौर जिसकी सं० पलैंट जो 4थी मंजिल पर, बिब्बाना भ्रनेक्स, सर्वे सं० 257, एच० सं० 4, दांडा, पाली हिल रोड, बांबा, बम्बई, कार पार्किंग स्पेस श्रौर टेरेस के साथ में स्थित है श्रौर इसमें उपाबद्ध अनुमूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है श्रौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम की धारा 269 कख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय , बम्बई में रिजस्ट्री है, दिनांक 8-8-1986,

को पूर्वोक्त तस्परित के उचित बाबार मून्य से कन में क्रमबाद प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मृतित का कावत बाबाद मून्य, उत्तर्वे क्रमबान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिश्रत से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उत्तरिय से उक्त अन्तरण

लिखित में नास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुद्द किसी जाम की वायख, उनका जिथिनियम के जधीन कर देने के जन्तरका को दायित्व में कमी करने सा उक्क बचने में सुविभा को सिष्ट्; अर्रि/वा
- (वा) एसी किसी जाय या किसी अन या बन्य जास्तियों को जिन्हें भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उपत अधिनियम, मा वन-कार विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अन्तरिती वृवारा प्रकट नहीं किया क्या या किया वाना आहिए वा क्याने में सुविधा के विद्यार

जतः अव, उक्त अधिनियम, की भारा 269-ज के अनुसरण कों, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ज की उपधारा (1) के अधीन, निम्निजिबत व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री एन० एन० भोजवानी ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती कुसूमरानी मारवाह श्रौर श्रीः संजीवकुमार मारवाह ।

(भ्रन्तरिती)

(3) निब्बाना को ०-म्राप० हार्जीसग सोसायटी लि०। (बह व्यक्ति जिसके श्रीधभोग में सम्पत्ति है)

क्षा वह सूचना चाड़ी करनी पूर्वोक्त सन्पत्ति के नर्बन के निष् कार्यनाहियां करता

उनत संपरित के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बासोप ह----

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन की संवीध ना रास्त्रवन्धी व्यक्तियाँ पढ़ स्थान की संवीध से 30 दिन की संवीध, को भी संवीध नाद में संगाध्य होती हो, के भीतर पूर्वीक्य व्यक्तियाँ में से किसी स्थानत द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित विद्या किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिक्ति में किए आ स्कीने।

स्यष्टीकरणः ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया

मनुसूची

फ्लैंट जो 4थी मंजिल पर, निब्बाना श्रनेक्स, प्लाट जिसका एस ० मं ० 257, हिस्सा सं ० 4, दोडा, पाली हिल रोड, बोबा, जो कार पार्किंग स्पेम श्रौर टेरेस के साथ, बम्बई में स्थित हैं।

श्रनुसूची जैसा कि करु सं २ अर्ध-2/37ईई/37301/86-87 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 8-8-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

के० सी० णाह मक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज→2, बम्बई

दिसांक : 9-4-1987

प्ररूप आहर्र. टी. एम. एसं.-----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ के अभीन सुचना

भारत सरकार

कायणिय, सहायक आयकार बाय्क्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, विनाक 9 अप्रैल 1987

निवेश सं० ग्रई-2/37ईई-37314/86-87--मतः मुझे के० सी० शाह,

क्रामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इ.सके परचात् 'उत्कल अधिनियम' कहा ग्या है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विष्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रत. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट सं० 1, 6ठी मंजिल ले०-पे०-पेयान माउण्ट मेरी रोड, बांद्रा बम्बई-50 में स्थित है और इसमे उपाबद्व प्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है और जिसका करारनामा प्रायकर प्रधिनियम की धारा 269 कख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई मे रजिस्ट्री है दिनांक 8-8-1986

को पूर्वीक्त रम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफाल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफाल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अनरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफाल निम्नलिखित उद्विष्य से उक्त अन्तरण लिखित मे बासविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उपक्त नियम के अधीन कार दीने के अंतरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हा भारतीय वायकार विधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती वृजारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने से सुविधा को लिए:

- (1) मेसर्स चपालाल के० वर्धन एण्ड कम्पनी । (मन्तरक)
- (2) श्री सुनील कान लखानी । (भ्रन्तरिती)

को यह सुचना जारी कारके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध मे कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविभियातत्सम्बन्धीव्यक्तियौ पर संचना की तामील से 30 दिन की अविधि, आप भी श्वीध याद में समाप्त होता हो, के भीतर पर्शेक्त विक्ताों में से किसी व्यक्ति देवारा.
- (स) इस सूचना के राजप्त्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थापर सम्पन्ति में हिहाबद्ध किसी अन्य ध्यक्ति ब्वारा अधोहम्माक्षरी के पास लिख्ति में किए जा सर्कांगे।

स्पद्धतीकरणः --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जांउक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क म परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिवा गया है।

भनुसूची

फ्लैट सं० 1, 6ठी मंजिल ले-पे-पेयान माउण्ट मरी रोड, बांद्रा, बम्बई-50 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० श्राई-2/37ईई/37314/ 86-87 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 8-8-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> के० सी० शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर भाय्कत (निरीक्षण) प्रर्जन रेंज-2 बम्बई

अतः अब, उक्त अभिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उथत अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

दिनांक : 9-4-1987

मोहर:

11 -- 56 GI/87

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2 बम्बई

बम्बई, दिनांक 9 प्रप्रैल 1987

निदेश सं० ग्रई-2/37ईई-37331/86-87-ग्रत मुझे के० सी० शाह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/-

और जिसकी सें० पलैट सं० 9 हरी भवन, लाट मं० 263 बांबा (प) बम्बई -50 (और इसमें उपाबब प्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विजित है) और जिसका करारनामा प्रायकर प्रधिनियम की धारा 269 कख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रिजस्ट्री है दिनांक 8-8-1986 क्ये पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इस्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इस्यमान प्रतिफल से एसे इस्यमान प्रतिफल के पन्तर प्रायमान प्रतिफल से एसे इस्यमान प्रतिफल के पन्तर प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच के एसे अन्तरण के लिए सय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उन्देश्य से उकत अन्तरण लिखित में वास्तीवक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसते बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (च) एसी किसी आय या धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण को, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) श्री ग्रजिंक्त के० सेठी ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री भंबरलाल ए० मुंध्रा ।

(म्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजेपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि टाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ध्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्बव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिश्राणिस हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैंट सं० 9 हरीश भवन 30वां रोष्ट, लाट सं० 263, टी॰ पी॰ एस॰ 3, पहली मंजिल, , बांद्रा (प), बम्बई-50 में \cdot स्थित है

श्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० श्रई-2/37ईई/37331/86-87 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक <math>8-8-1986 को रिजस्टर्ङ किया गया है ।

के० सी० भाह सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक: 9-4-1987

हरूप बार्ष हरी हु युग . युस . •••••

नाधकार निर्मागवस, 1961 (1961 का 43) की पाँडा 269-च (1) के नधीन स्थान

BILL HATELS

कार्यांस्य . सञ्चायक मायकार नागुक्त (निद्धांकान्द्र)

श्चर्जन रेज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 9 अप्रैल 1987 निदेश मं० ग्रई-2/37ईई-37438/86-87--अतः मुझे, के० सी० शाह,

हारकार विभिनियन, 1961 (1961 का 43) (जिल्ले इसके इसके परवात, 'उक्त वृधिनियन' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन स्थान प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थानर सम्मत्ति जिसका उचित बाबार मूक्त 1,00000/-स. से अधिक हैं

और जिसकी सं० फ्लैट सं० 13, 13वी मंजिल, क्लिफ टावर माउण्ट मेरी रोड और काणे रोड का जंक्यन, बांद्रा बम्बई— 50 में स्थित है और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा श्रीयकर श्रिधिनियम की की धारा 269 कख के श्रिधीन मक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, दिनांक 14-8-1986,

को पूर्वेक्ट संपत्ति के उचित बाबार मूल्य से कम के दन्यमान प्रतिफल के लिए सतरित की गुड्ड

हैं और मुझे मह विश्वास करने का कारण हैं कि यथाप्वेंक्त सम्मति का उचित माणार मृत्य, उसके रूपमान प्रतिफल से एसे रूपमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंत-रूक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के भीच एसे अंत-रूण को सिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्य से सकत जंतरण लिखित में वास्तविक रूप ते कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, चिन्हुं भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उत्तर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, डिजान में सुविधा व विद्या

अतः अबं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, मं, उदत अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के क्षीना, निम्निलिखत व्यक्तितों, अर्थास् स—— (1) श्रीमती नूरजहांन बी० काझी।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीजी० ग्रार० परेगा।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना सारी करने पूर्वोन्त सम्पत्ति के वर्षन के निर्

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेत्र :----

- (क) इस सूचना को राजपत्र मों प्रकाशन की तारीब खें 45 दिन की अवधि वा तरसम्बन्धी भ्यक्तियों पर सूचना की तामीस से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में सजाप्त हाती हों, के भीतर पूर्वांकन स्ववित्तायों में से किसी स्ववित्त बुवारा;
- (ज) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील हैं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पति में हितनकथ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्साक्षरी के पास सिविश्व में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क मा परिभाषित इ⁴, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया क्या हैं.

अन्स्ची

पलैट सं० 13, 13वी मंजिल, क्लिफ टावर, माउंट मेरी रोड और काणे रोड का जक्शन, बाद्रा, बम्बई-50 में स्थित है ।

श्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० श्रई-2/37ईई/37438/86-87 और को सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 14-8-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

के० सी० शाह सक्षम प्राधिकारी स**हायक श्रायक**र श्रायुक्त (निरीक्षण) **धर्जन** रेंज–2, बम्बई

विनांक : 9-4-1987

हक्य बार्ट . हर्रे . एवं , एक् , :-------

आवकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ण (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक मायकर जाव्यतः (निरीक्षण)

ग्नर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 9 ग्रप्रैल 1987 निदेश सं० ग्रई-2/37ईई-37448/86-87**--**ग्रतः **मुझे** के० सी० शाह

कावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उस्त अधिनियम' कहा नया हैं, की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्यास करने का कारण है कि स्थावर सन्पत्ति, जिसका उचित बाजार भूज्य 1,90,000/- एउ. से स्थिक हैं

और जिसकी सं० दि० जे० डी० अल्वेजप्रिमायसेस को०-आप० हाउसिंग सोसा० लि० हिल रोड, बांद्रा, बम्बई-50 में स्थित हैं और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित हैं) और जिसका करारनामा आयकर श्रिधिनियम की धारा 269 कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई मे रजिस्ट्री है, दिनांक 14-8-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उपित बाजार मृत्य से कम के इक्त्रजान शितकल को लिए अन्तरित की गई है और मुन्ने यह विक्ताक करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित बाजार बूक्ब, उसके दक्त्यमान प्रतिफल से एसे दक्ष्यमान प्रतिफल का बन्द्य प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अन्तर्कों) और अन्तरिति (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब पाया नवा प्रतिफल, निस्नीतीयत उद्योग्य से अक्त अन्तरण जिल्लित में वास्तविक रूप से कांधत नहीं किया गया है क—

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की वावतं, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एंती किसी जाव या किसी थन या वन्य आसितानी की, जिल्ही आरतीय जाव-कर जीधीनवस, 1922 (1922 का 11) या उक्त जीधीनयस, या भन-कर अधिनियस, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गवा था या किया जाना चाहिए था, जिला में सृतिधा के लिए;

अत: अभ, उनत अभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण मं, मं, उनत अभिनियम की भारा 269-ग की उपभारा (1) के अभीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात्;— (1) श्रीमती मरीया ए० ई० बोकारो ।

(ग्रन्तरक)

(2) 1. नोरंगलाल मुंधा और 2. गायतीदेवी मुंधा । (श्रन्तरिती)

को यह सूचना चारी करको पूर्वोक्स संपृत्ति को जर्चन को जिल्ल कार्यवाहियां सूक करता हुं ।

उन्द सम्पत्ति के वर्षन के तस्वत्थ में कोई भी बाक्षेप 🕶

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी अ्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अधिभ बाद में स्माप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्थावित यों में से किसी स्थावित द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए वा सकों थे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जनत अधिनियम, के सध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ द्वीया को उस सध्याय में दिसा गया है।

वन्त्र्यी

"दि जे० डी॰ प्रत्वेसिप्रमायसेस को०-प्राप० हार्र्डा स्म सोसायटी लि॰, (लाट सं० 27(अंश), टी॰ पी॰ एस॰ -4,60 ए/बी, हिल रोड, बांद्रा, बम्बई-50 में स्थित है ।

श्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० श्रई-2/37ईई/37448/86-87 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा विचांक 14-8-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

के० सी० माह सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रंजन रेंज-2, बम्बई

विनांक : 9-4-1987

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

भ्रजीन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 9 श्रप्रैल 1987 निदेश सं० श्रई-2/37ईई-37516/86~87—श्रतः मुझे, के० सी० शाह,

कायकर जिथिनियम, 1961 ी1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विरवास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/-रा. से अधिक है

श्रीर जिनकी सं० पलैट सं० 12, सिल्वर राक को०-श्राप० हार्जिन सोनायटी लि०, बांदा (प), बम्बई-50 मे स्थित है (ग्रीर इसमे उपाबद्ध श्रनुसूची मे ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है, श्रीर जिन्का करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम की धारी 269 कख के श्रिधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई मे रिजस्ट्री है, दिनांक 14-8-1986,

मारे पूर्विक्त सम्पर्ति में उचित बाबार मून्य से मार में स्वयमान प्रतिकास के निए अंतरित की पर्द हैं और मुक्के यह विश्वास स्वरूप का कारण है कि स्थाप्याधित सम्पर्ति का उचित साम्रास्य उसके रहसमान प्रतिकाल से, एसे रहसमान प्रतिकाल का पनद्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तर्भ को कए तथ बामा समा भवा प्रतिकाल निम्मीनिष्ठ सहस्य से उसते सवरण विविद्ध में पास्क्रीयक रूप से अधिक रहीं विश्वा सम्बार्ध के

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्स अधिनियम को अभीन कर दोने के अन्तरक के दायिस्थ में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; आरि/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अत, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मे, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियाँ, अर्थात :—- (1) श्री माधव कृष्णासोमण ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती पुष्पा एस० बदीयानी ।

(ग्रन्तरिती)

(3) एम० कें० सोमण धौर परिवार । (वह व्यक्ति, जिसके ध्रधिभोग मे सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति है अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुई।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के हाचवन में प्रकावन की दारीय वें
 45 दिन की जनिथ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पव
 सूचना की दामील से 30 दिन की अनिथ, को भी
 जनिथ बाद में समाप्त होती हो, के भीता पूर्वीका
 व्यक्तियों में से किसी स्पादित द्वारा
- (क्) श्रष्ट ब्यमा के रायपम में अकामन की तारीय के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्बव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास मिवित में किए या विकेच ।

स्वच्यां कर्याः — इसमें प्रमुक्त क्यां बीट पदी का, की उच्च श्रीभित्तम के जभ्याय 20-क में परिभावित हाँ, मही क्यां होणा को उस कभ्यान में दिवा नवा हैं।

अनुसूची

फ्लैट सं० 12, 6ठी मंजिल, मिल्वर राक को०-म्राप० हाउसिंग सोक्षायटी लि०, 59-59ए, टर्नर रोड, बांद्रा (प), बम्बई-50 में स्थित हैं ।

श्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० श्रई-2/37ईई/37516/ 86-87 श्रौर जो सक्षम प्राधिकाी बम्बई द्वारा दिनांक 14-8-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> के० सी० शाह यक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजेन रेंज-2, बम्बई

दिनांक: 9-4-1987

प्रारूप आहूर. टी. एन. एस. -----

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-स (1) के बधीन स्कना

भाग्यम् हारकाह

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रेंज-2, बम्बई
सम्बर्ध, दिनांक 9 श्रप्रैल 19.87

निदेश सं० ग्रई-2/37ईई-37546/86-87—-श्रतः मझे, के० सी० शाह,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चत् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भार 269 क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

स्रौर जिसकी सं० फ्लैट सं० 1, मा पाबायेल, सी० टी० एस० सं० 496, बांदा (प), बम्बई-50 में स्थित है स्रौर इपमे उपाबक श्रनसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है स्रौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम की धारा 269 कख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, दिनाक 14-8-1986,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एस दृश्यमान प्रतिफल के पद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में सास्तिक रूप से किया गया है:---

- (क) श्रारण ने हुए किसी बाग का धामत. करूर भीषियम के बचीच कर दोने से धंतरक के र्रायस में कमी करने दा तससे बचन में सुनिधा के लिए: भीर/का
- (ख) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों कां. जिन्हें भारतीय बायकार बीधनियम. 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम. वा धन-कर विधिनियम. 1957 (1957 का 27) के प्रयोदनार्थ अन्सिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

असः अब, उक्त आधिनियम कौ धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :— (1) मेसर्स परेरा कन्स्ट्रक्शन कम्पनी ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती श्रायरेन नायर ।

(भ्रन्तरिती)

(3) भ्रन्तरिती ।

(वह व्यक्ति जिसके स्रधिभोग मे सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उन्त मंपरित के अर्थन के सम्बन्ध में कोड़ भी बाक्रोप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्सवंधी व्यक्तियों पर स्थान की हामीज से 30 दिन की बविध को थी। विद्यास में सभापत होती हो के भीतर कुर्वोक्त व्यक्तिया से से किया व्यक्तित नगरा;
- (स) इस भूचना कं राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्यों का, जो जक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाष्टि हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

फ्लैट सं० 1, 5वीं मंजिल, निर्माण धीन इसारत, मासाबा-येल, मी० टी० एस० सं० 496, मैन्युग्रल गोन्पाल्वीज रोड श्रौर सेंट एन्योनी रोड का जंक्णन, बांद्रा (प), बम्बई--50 में स्थित है ।

ग्रनुसूची जैंश कि ऋ० सं० ग्र $\hat{\xi}$ -2/37 $\hat{\xi}$ $\hat{\xi}$ /37546/86-87 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्ब $\hat{\xi}$ द्वारा दिनांक 24-8-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

कें० सीं० णाह सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रामुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक: 9-4-1987

AND CONTROL OF A 1990 CONTROL OF CONTROL OF

प्रक्ष भाइ . टा . एन . एत . -----

काषकर क्रिपेनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के जधीन स्चना

मारत सरकार

कार्यासय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रर्जन रेंज**~**2, बम्बई

बम्बर्ड, दिनांक 9 भ्राप्रैल 1987

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें सिके परचात 'उपत अधिनियम' कहा गया है), का धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विख्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रेंठ. से अधिक है

भीर जिसकी सं० फ्लैट सं० 3, 8वीं मंजिल, सी० काफ्ट, शेलीं माला रोड, बांदा, बम्बई—50 में स्थित हैं (और इपमें उपाबद्ध श्रनसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं) भीर जिसका करारनामा श्रायंकर श्रधिनियम की धारा 269 कख के अधीन संक्षम प्राधिकारी के कार्यालय; बम्बई में रजिस्ट्री हैं, दिनांक 18—8—1986,

की प्रविचत सम्पत्ति की उचित बाजार ज्या से कम के एश्यभाग प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विद्वाय करने का कारण है कि यथाप्योंक्त सम्पत्ति का उचित अलार म्स्य, उसके क्ष्यमान प्रतिफल सं, एसे क्ष्यमान प्रतिफल का गन्द्रह् प्रतिशत स अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निसित उच्चेश्य से उच्च अन्तरण लिक्कित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) बन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत उक्त आधि-नियम को अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- किरी करी नाम ना किसी भन या नाम भारितमाँ करे, जिन्हें भारतीय नामकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) ना उन्त विधिनियम, या धन-कर विधिन्नमम्, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, कियाने में मित्रिया के किए।

अतः अस, उनत अधि धारा 269-ग के अनुसरण मो, भी, उनत अधिनियम की धारा 269-व का उपधाना (1) के अधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, इथित् :--- (1) श्रीमती पूनम हिरानन्द बजाज, श्रीमती वन्दना श्रीचन्द बजाज ग्रौर श्रीमती काजल लख्मीचन्द बजाज ।

(अन्तरक)

(2) श्री सुरेन्द्र सेठ श्रीर श्री राजेन्द्र सेठ । (ग्रन्तरिती)

को सह सूचना जारी करके पूर्वेक्स सम्पत्ति के वर्जन के सिए कार्यवाहियां शुरू करता हो।

डक्त सपित को बजन को संबंध मां काही भी भाक्षांप .---

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारांच छं 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वान की तामील में 30 बिन की अवधि, जा भी अवधि बाद में समाप्त होती हों, के भीतर प्वंक्ति व्यक्तियों से स किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस स्थन। के राजपत्र में प्रकाशन की हारीब है 45 दिन के भीतर उपत स्थावर सम्पतित में कित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभीक्रमाक्षरों के पास लिस्ता भे किए जा सकारो।

स्यकाकरण:---ध्समं प्रयुक्त धन्ना और गर्व का; जो उक्त अधिनियम के अध्यास १९०-क में परिशाधित है, वहीं बर्ध होगा जो तस कथ्यास में दिया यस हैं

-

फ्लैट सं० 3, 8वीं मंजिल, मनिश सि कोफ्ट, शेर्ली माला रोड, बांदा, बम्बई-50 में स्थित है ।

श्रनसूची जैसा कि कि॰ सं॰ श्रई-2/37ईई/37591/86-87 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बस्बई द्वारा दिनांक 18-8-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> के० सी० शाह सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक: 9-4-1987

प्ररूप आहे. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

शारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 9 ग्रप्रैल 1987

मझे, के० सी० शाह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-रुपये से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० फ्लैट सं० 1, 65ी मंजिल, मां मां बेयल, एमं० गोन्तालंबी रोड श्रीर सेंट श्रन्थोंनी रोड का जंक्शन, बांब्रा (प), बम्बई – 50 में स्थित है श्रीर इस रे उपाबद्ध श्रनस्ची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है (ग्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम की धारा 269 कख के श्रिधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्री है, दिनांक 14–8–1986, को पूर्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के ख्रियमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके द्रियमान प्रतिफल से, एसे द्रियमान प्रतिफल का पन्ग्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरित (अन्दरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्योध्य से मुक्त अन्तरण लिखित वास्विक कप से किथत नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरणं से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व मों कामी करने या उत्तसे अधने में सूबिधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या धत या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 16) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधि-नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अमेरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

अब: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण को, की, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपधारा (1) के अधीन, निम्मिलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:---

- (1) मेपर्स परेरा कन्स्ट्रक्शन कस्पनी । (ग्रन्तरक)
- (2) श्री ए० पी० कारडोझ । (भ्रन्तरिती)
- (3) श्रन्तरिती । (वह व्यक्ति जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में को है भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तरहें बंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 बिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उच्त स्थावर सम्पत्ति में हितनबुध किसी जन्य व्यक्ति स्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकरी।

स्पष्टीक रण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उकत अधिनियम को अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

जगुत्तु या

पलैट सं० 1, 65ी मंजिल, निर्मानाधीन इमारत, मासा-बायेल, सी० टी० एस० सं० 496, मैन्युल गोन्साल्बीज रोड श्रीर सेंट एन्थोनी रोड का जंक्शन, इयांदा (प), बम्बई-50 में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि कि० सं० प्रई-2/37ईई/37547/86-87 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई ब्रारा दिनांक 14-8-1986 को रिजस्टर्ड किया गया है।

के० सी० शाह मक्षम प्राधिकारी महायक द्यायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बुम्बई

दिनांक : 9-4-87

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की 269-म (1) के अभीन सुमना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

ध्रर्जन रेंज-2 बम्बई बम्बई, विनांक 9 धर्पेल 1987

निवेश सं० भ्रई-2/37ईई-37641/86-87--भ्रतः मुझे, के० सी० शाह

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पक्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका टिचत बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. में अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट सं० 502 गाड्स गिफ्ट प्रोफेसर ग्रल्मेडा रोड बांद्रा (प) अम्बई-50 में स्थित है और इसमें उपाब ह अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है और जिसका करारनामा ग्रायकर प्रधिनियम की धारा 269 कख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, दिनांक 21-8-1986, का पूर्वोंक्त सम्मत्ति के उचित बाजार मृस्य में कम के इरगान विकास के लिए अम्बरित की गई हैं और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्मत्ति का उचित बाजार मृस्य, उसके इरगान प्रतिफल से, एसे इरगमान प्रतिफल का पन्तर प्रतिकात से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती प्रतिफल निम्नलिसित उद्वेश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उसने बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (का) एसी किसी आय या धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूबिशा के लिए;

- (1) मेसर्स भलंकार ईण्डरप्राईसीस । (भन्तरक)
- (2) श्री एस० सी० अग्रवाल और ग्रन्य । (धन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के कर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कार्द भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य ध्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पात लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्त अधिनियम को अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विधा ग्या है।

अनुसूची

प्लौट सं० 502, गाड्स गिपट, प्रोफेसर ग्रल्मेडा रोड, बांद्रा (प), बम्बई में स्थित है ।

श्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० ग्राई-2/37ईई/37641/86-87 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 21-8-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

> के० सी० शाह् सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्णन रेंज∼2, बस्बई

विनांक 9-4-1987 मोहर: प्रकथ बार्च . दी . एव . एस : -----

बायकर किंपिनयम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन मुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्नर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 9 ग्रप्रैल 1987

निदेश सं० ऋई-2/37ईई-37688/86-87--- ग्रत मुझे, ० सी० शाह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० दि बांद्रा ओसिएन व्हयू को०-ग्रॉप० हाउसिंग सोसायटी लि०, 19, हिल रोड, बांद्रा, बम्बई-50 में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध ग्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा श्रायकर श्रधियिनम की धारा 269 कृख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, दिनांक 22-8-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार श्रूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गईं है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है

कि यथा पूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल सं, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिश्वत से अधिक हैं और अंतरिक (अंतरितियों) के भीच एमें अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में अम्निविक रूप में किशत महा किया गया गया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त बार्धनियम के अधीन कर दीर के अन्तरक द दायित्व मों कमी करने या उससे बचने मों स्विधा के लिए; और/या
- (भ) एसी किसी आय या किसी वन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय टायकर अधिनियस, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियस, या भनकर अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती दवारा प्रवट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में र्रावधा के सिए;

(1) श्रीमती मुक्ता चन्द्रशेखर राव ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री मोहमदग्रली हुसैन बाग्दानवाला और ग्रन्य । (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करको पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोदत्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर प्रमास्त में हित- बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—दनमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा को उस अध्याय में दिया गया है।

अनसची

फ्लैट सं० 19, ासल गड, बाद्रा, बम्बइ-50 में स्थित है ।

श्रनुसूची जैसा कि कर संर ग्रई-2/37ईई/37688/86-87 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 22-8-1986 को र्जिस्टर्ड किया गया है।

के० सी० शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

अन अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

दिनाक: 9-4-87

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) को अधीन सूचना

भारत सरकार

भार्यालय, संहायक आयंकर आयुक्त (निरीक्षणं)

भ्रजीन रेंज-2, बम्बई वेम्बई, दिनांक 9 भ्रप्रैल 1987

निदेश सं० ऋई-2/37ईई-37704/86-87—ऋत मुझे, के० सी० शाह,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० पलैट ूसं० 3, तल माला, फ़ेंडशिप बांद्रा को०-श्राप० हाउ० सोसा० लि०. 23वां रास्ता, बांद्रा, बम्बई-50 में स्थित है और इसमें उपाबद्व श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है और जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधनियम की धारा 269 कख के श्रिधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रुजिस्ट्री है, दिनांक 9-4-1986.

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उजिल बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल के ऐसे दश्यमान प्रतिफल का गंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरकों) और अंतरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया इतिफल, निम्नलिचित उद्देश है उच्च बन्दरण लिखित बारतिक क्ष सं कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अंतरण स' हुइ' किसी जाय की यावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के बंतरक को दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, बा धन-कर अधिनियम, बा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्सरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

नतः नव, उक्त निमित्यन, की धारा 269-ग नै नन्तरक में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपभाग (1) को अधीन, निम्नसिसित व्यक्तियों, अर्थात :--- (1) श्री जेकब मधाई ।

(भन्तरक)

(2) श्री श्रायवन सरत ओलिवेरा फर्नांडीस और श्रीमती श्रार० एम० फर्नांडीस ।

(भ्रन्तरिती)

(3) अन्तरितियों

(वह व्यक्ति जिसके <mark>प्रधिभोग में सम्पत्ति</mark> केऽ

₹)

(4)

(बहु व्यक्ति जिसके बारे में प्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि बहु सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सुकता जारी करके पूर्वित संपत्ति के अर्जन के निष् कार्यवाहियां करता हूं।

उक्स सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूजना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूजना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि शद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति ग
- (च) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबबुध किसी अन्य व्यक्ति वृवारा अधोहस्ताक्षरी की पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पब्होकरण: — इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हों, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिशा गया है।

नमुसुची

फ्लैट सं० 3, तल माला, फ़ेंडिशिप बांद्रा को०--स्राप० हाउसिंग सोसायटी लि०, प्लाट सं० 54-ए, 23वां रास्ता, टी० पी० एस०--3, बांद्रा, बम्बई--50 में स्थित है ।

ग्रनुसूची जैसा कि कम सं० ग्राई-2/37ईई/37704/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 22-8-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

के० सी० **माह** सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज-2, **बम्ब**ई

दिनांक 9-4-1987 मोहर

were and a state of the particular

वास्थार विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के नधीन स्थना

SING TENNE

कार्यासन, बहासक नावकर नावुन्छ (रिनर्स्कर्म)

ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 9 ग्रंप्रैल 1987

निदेश सं० म्राई--2/37ईई-37716/86-87---म्रतः भुक्षे, के० सी० शाह,

भायकर मिम्नियम, 1961 (1961 का 43) (मिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त मिमियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित नाजार मृत्य 1,00,000/- रूपमें से अभिक ही

और जिसकी सं० पलैट नं० 203, ग्रीन स्टार,रिजबी काम्यलेक्स, शेलीं, बांबा, बम्बई-50 में स्थित है (और इसमें उपाब इ मनुसूचीसे में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा ग्रायकर प्रधिनियम की धारा 269 कख के प्रधीन सक्षम प्रधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, दिनांक 22-8-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृस्य से कम के क्ष्यमान अतिफल के तिए अन्तरित की गई हैं और मूझे यह विकास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपर्ति का उचित बाजार मृस्य, उसके क्ष्यमान प्रतिफल के, एोडे क्ष्यमान प्रतिकल का पन्त्रह् प्रतिकत से अभिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एोडे बन्तरुण के निए तम बाया जया प्रतिकन, निम्नीलिक्ति उच्चक्य से उक्त अन्तरुण सिचित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है है---

- (क) वंतरण से हुई किसी नाय की वाबत, उक्त अधिनियन के अधीन कर दोने के बन्तरक के दायित्थ में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या
- (क) एंसी किसी आव या किसी धन वा अन्य बास्तियों को जिन्हें भारतीय जायकर अधिनियम, 192? (1922 का 11) वा उक्त अधिनियम, या धन-कटु अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा वा किया जाना चाहिए था, खिपाने में सबिधा भी किस्स

अतः अवं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित स्थिक्तयों अर्थात्:---

- (1) साकीन कन्स्ट्रवशन कम्पनी ।
- (भन्तरक)
- (2) श्रीमती मेरी लिसबोग्र ।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों क्स सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां एक करता हुं।

उक्त कम्परित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी वालंप र---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अवधि, जो भी अवधि नाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृवाराः
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए जा सकरें।

स्पद्धीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो जक्त जिभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषिट है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

जनसूची

फ्लैट सं० 203, ग्रीन स्टार, रिजवी काम्पलेक्स, गेर्ली, बांबा, बम्बई-50 में स्थित हैं ।

भ्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० भ्रई-2/37ईई/37716/86-87 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा विनांक 22-8-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

के० सी० शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बस्बई

विनांक: 9-4-1987

मोहरः

वक्य बार्ड . दी धन एस

भाषकर अधिनियस, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) भे अधीन स्पना

मारत तरकार

कार्यासय, सहारक भागकर भाग्क्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज~2, बम्बई

बम्बई, विनांक 9 प्रप्रैल 1987

निदेश सं० ग्रई-2/37ईई-37730/86-87--श्रत. मुझे, के० सी० शाह,

नाभकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके पदचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावंर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं प्लॉट सं 51, मेंट सबस्टिन होम्स केरिक श्राँप सोसायटीज, प्लाट सं 1, 1, रिबेलो रोड, बांद्रा, बम्बई—50, में स्थित है) श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची मे श्रौर पूर्ण रूप से विणित है श्रौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम की धारा 269 कख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्री है, दिनांक 24-8-1986

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूपयान प्रतिफल के लिए अन्सरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रूपयान प्रतिफल से ऐसे रूपयान प्रतिफल का पढ़ेह प्रतिशत स अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण संहुदं किसी बाय की वायत, उक्त आधिनियम के अधीन कर दोन के अन्तरक के खिराय में केनी करने या उससे क्याने में सुविधा के लिए; और/शा
- (च) एसी किसी नाय या किसी धन या जन्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय बायकर बिधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तिरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, छिपाने में त्विथा जी सिन्।

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसित न्यक्तियों, अधीत्:—

- (1) श्री जी० ग्रार० परेरा ग्रीर 3 ग्रन्य । (ग्रन्तरक)
- (2) मैं सर्स पटेल कन्स्ट्रक्शन कम्पनी । (भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृथांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 विन की सर्वीच या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 विन की संविध्य भो भी जनिभ नाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्थितनारों में से फिली का किस दलारा
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन भी तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सपस्ति में हितबक्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधांहरूताक्षरी के पास निवित में किस् आ सकें।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्क विधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में विमा गया है।

अनुसूची

प्लॉट सं० 51, सबस्टिन होम्स को०—श्रांप० सोसायटी प्लान सं० 1, 1, रिबेली रोड, बांद्रा, बम्बई-50 में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि कि नं ग्रई--2/37ईई/37730/86-87 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 24-8-1986 को रजिस्टई किया गया है।

कें० सी० **भाह** सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक : 9-4-1987

भायकर अधिनियम., 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्स (निरीक्षण)

म्रर्जन रेज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 9 म्रप्रैल 1987

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-च के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा से अधिक है

श्रौर जिसकी स० फ्लैट स० 8, श्रोसिए 7 व्ह्यू, 19, हिल रोड, बाद्रा, बम्बई-50 में स्थित है श्रौर (इससे उपावद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है) श्रौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधित्यम की धारा 269 कख के श्रिधी। सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्री है, दिनाक 22-8-1986 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृज्य से कम के दश्यमान श्रीत्वल के लिए अन्तरित की गई और मृष्टों यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृज्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एस वश्यमान प्रतिफल का पन्तर प्रतिफल से वश्यमान प्रतिफल का पन्तर प्रतिफल से बार अन्तरका (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितयाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए स्थ श्राया गया प्रतिफल, निम्नलिसित उद्देश्य स उवत अन्तरण मिस्रित में बास्सविक रूप से किंगत नहीं क्या गया है है

(क) बन्तरक छे हुई किसी नाय की बावत , उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के जन्तरक के बायित्व के कमी करने या उससे बचने के सुविधा क लिए; आर्/र/वा

एसी किसी जाय या किसी भन या बन्य बास्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, का भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती इंदारा प्रकट नहीं किया गया जा या किया जाना भाहिए था, जिपाने में सुविधा से बिद्

अत. अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम को धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तिक्यों कर्धास् :---

- (1) श्री रमजानग्रली मोहनभाई दरेडिया । (भ्रन्तरक)
- (2) श्री टी० बदुरुद्दीन जे० बवानी श्रौर जिवाभा एस० बवानी ।

(ग्रन्तरिती)

(3) श्रन्तरितियो । (वह व्यक्ति, जिसके श्रिधिमोग मे सम्पत्ति है)

को वह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के कि कार्यवाहिया गुरू करना हुं।

उन्त राम्पत्ति को जर्बन को संबंध में कोई भी आओप क्ष-

- (क) इस सूचना के रायपत्र में प्रकाशन की तारीस 45 दिन की संवीध या तत्सम्बन्धी स्थानतयाँ सूचना की तामील से 30 दिन की संवीध, जो अविध बाद में समाप्त होती हो, से भीतर प्रव्यक्तियों में से किसी स्थानित स्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तार्राध 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिन्द बद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा, अधाहस्ताक्षरी पास लिखित में किए जा सर्वोग।

स्पष्टीकरणः ----इसमें प्रमुक्त सब्दों और पदों का, जो उ अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाक्ति है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिर गया है।

अनुसूची

प्लैट स 8, श्रोसिएन व्हयू, 19, हिल राड, बादा, बम्बर्ड-50 में स्थित है।

स्रनुसूची जैसा कि कर मरु स्रई-2/37ईई/37733/86-87 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनाक 22-8-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

> कें० सी० **शाह** मक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त 'निरीक्षण) श्रर्जन रेज–2, **बम्बेई**

विनाक 9-4-1987 मोहर प्रकृप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय , सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

यार्जन रेंज-2, वस्याई बम्बई, दिनाकः 9 प्राप्रैन 1987

निदेश सं० ग्रई-2/37-जी/3907/ग्रगस्त 1986---ग्रतः मुझे, के० मी० शाह,

ायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें सके पश्चान् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 69-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का गरण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य ,00,000/- रु. से अधिक हैं

त्रीर जिसकी सं० जमीन का हिस्सा, जो, बंसारा हिल रोड, विंदा, जिसका सिटी सर्वे सं० ए/640, स्युनिसियल अण्डर सं० 24/76, बम्बई में स्थित है (श्रीर इससे उपाव अनुसूची में भ्रीर पूर्ण रूप से विणित है), श्रीर जिसका करारनामा आयकर श्रिधित्यम की धारा 269 क ख के आधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, में रजीस्ट्री है दिनांक 21-8-1986

तो पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान तिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास उरने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार ल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल का पूर्व ध्रुयमान प्रतिफल का पूर्व ध्रुयमान प्रतिफल का पूर्व प्रतिशत से अधिक है और (अंतरकों) और अन्तरिती अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया तिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित सितियां स्थाप के किए स्थाप निष्ति सितियां स्थाप के किए स्थाप स्थाप निष्ति सितियां स्थाप से किथा नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयं की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का., जिन्ह भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिगाने में मिनिशा के लिए;

(1) 1. कुमारी मिठू दादी वाक्सटर, 2, कुमारी सिकल वादी बाक्सटर 3 कुमारी रोशन दादी बाक्सटर, 4 कुमारी हिल्लू दादी बक्सटर श्रीर 5. कुमारी स्वी दादी बाक्सटर।

(म्रन्सरक)

(2) श्री तिखिल ईण्यरलाल खान्डवाला । (ग्रन्नरित)

को यह सूचना जारी करके पर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस सैं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामीलं से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्विक्तः व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा संकींगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 क मे परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उसे अध्याय में विया गया है।

अम्स्ची

श्रनुसूची जैसा कि विलेख स० 1996/86 श्रौर जो, उपरजिस्ट्रार, श्रधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 21-8-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

> के० सी० शाह् सक्षम प्राधिकारी महायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) फ्रर्जन रेज-2, बम्बई

अतः अर्ब, उक्त अधिनियम, क्षीधारा 269-ग के अनूसरण , मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1)

अधीन, निम्नजिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

दिनांक : 9-4-1987

प्रकप आई'.डी.एम.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की की धारः 269 ष (1) के अधीन सूचना

BIEG MENS

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (विरीक्षण)

ग्रान रेज—3, बम्बई बम्बई, दिनांक 10 मार्च 1987 निदेश र्स० ग्रई—3/37—ईई/41344/8—87—म्झः मुझे, ए० प्रसाद,

आग्रकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इ.स.में इसके पश्थात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मन्य 1,00,000/- रह. से अधिक हैं

स्रौर जिसकी सं० गाला सं० एच स्रौर स्राई०, कांजूर को०-स्रॉप० इण्डस्ट्रियल इस्टेट लि०, क्वारी रोड, भांडुप, बम्बई-400 078 में स्थित है (श्रौर इसमे उपाब अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणत है), श्रौर जिसका करारतामा श्रायकर श्रधिनियम 1961 की धारा 269 कख के स्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय मैं रजिस्ट्री ई, विनांक 1-8-1986

की पूर्वोक्त संपर्ति के उचित बाबार मूख्य से कम कै दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापूर्वोक्त संपर्ति का उचित बाजार मूल्य, तसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पच्छह इतिसत से बाधक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम वासा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्चेष्य से उक्त अन्तरण निचित्त में बास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई फिसी आय की बाबस, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या
- (क) एसी किसी नाय वा किसी भन वा कन्य नार्टिस्तवों की, जिन्हों भारतीय आय-कर किशिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम विकास अधिन कर करा करा वाचा चाहिए था. कियाने में स्विधा विकास करा

बतः बतः, उक्त अधिनिषम की भारा 269-व के बन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्मलिखिस व्यक्तियों, अर्थात्:—— (1) श्री बाय० पी० सेठी ।

(ब्रन्तरक)

(2) मैंसर्स मिडास स्टील प्रोसेस प्राइवेट लि० । (श्रन्तरिती) *

को यह सम्मना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षोप :---

- (क) इस स्था के राजपत्र में प्रकावन की तारीच हैं 45 विन की मन्धि या तत्संदंधी व्यक्तियों प्रश्नु स्था को तामील से 30 दिन की अविधि जो भी नविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रॉक्ट म्युक्त्यों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (सं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी कें... पास विचित्र में किए का सकेंगे।

स्पष्टिकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में परिशाणित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया संग्रा हैं।

भनुसूची

गाला सं० एच० श्रौर श्राई०, कांजूर को०-श्रॉप० इण्ड-स्ट्रियल इस्टेट लि०, क्वारी रोड, भाडुप, बम्बई-400 078 में स्थित है ।

ग्रनुसूची जैसा कि कर संरु ग्रई-3/37-ईई/41344/86-87 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-8-1986 को रजिस्टई किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक: 10-3-1987

प्ररूप बार्ड. टी. एन., एस. ------

आयक्षर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यातय, सहायक आमक्तर नामुक्त (निर्दाक्षण)

ग्रर्जन रेंज-3, बम्बई बम्बई, दिनांक 10 मार्च 1987

निवेश सं० श्रई-3/37-ईई/41359/86-87---- श्रतः मृत्ते, ए० प्रसाद,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसकें पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित वाचार मृक्य 1,00,000/- रह. से अधिक हैं

और जिसकी सं० फ्लैट्स जो निर्माणाधीन नियोजित इमारत में, बोर्ला, गटीला विलेंज, चेंम्बूर, बम्बई—71 में स्थित है और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत ही), और जिसका करारनामा आयकर श्रधिनियम 1961 की धारा 269 कख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, दिनांक 1—8—1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति क उचित बाजार मूल्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार भूक्य, अब्बे अवसान प्रतिफल है, एवं अवसान प्रविक्त का गई प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) जार अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्विषय से उक्त अन्तरण लिखित में बाहतिक रूप से किथा नहीं किया गया है:——

- (क) अकरण वं हुई जिल्ली बाय की बाव्हें, उपत् भौजीवन के अपीन कर वर्ष के अन्तरक के वाजित्व में क्यों कार्य या उचके वृत्त्यों में बृत्या के जिए; बहुंद्रभा
- (च) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य जास्तियों की, चिन्हों भारतीय अध्यक्तर जीधीन्यम, 1922 (1922 का 11) या उस्त अधिनियम राज्यकर अधिनियम राज्यकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रज्ञोचनार्थ अंतरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया यथा का वा किया जाना का किया में न्या को सिए,

जतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण कें, मैं, उक्त अधिगयम की धारा 269-ग की रूपभारा (1) के अधीन निम्निसित व्यक्तियों, बचीत है— 13—56GI/87

(1) भैसर्स नीलकण्ठ कारपोरेणन ।

(श्रन्तरक)

(2) सल्फर रिफायनरी प्राइवेट लि०।

(भ्रन्तरित़ी)

की यह स्वता कारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति से वर्षन से किस कार्यवाहियां करता हु।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (का) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारींस से 45 जिन की नवींथ या तस्थम्बन्धी व्यक्तियों पद स्थान की तामील से 30 दिन की संवींथ, जो भी संवींथ नाथ में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्ट स्थानस्यों में से किसी. व्यक्ति स्वारा;
- हिंगी हम ब्रम्भ में प्राम्पन में म्यायन की वारीक से 48 विन में मींगर बक्त स्थान्त कमारित में दितवस्थ दिस्ती क्ष्म न्यूनिय स्थाप म्योद्दासका में राख विक्रित में जिल्ह का ब्योप क्ष

त्वच्यक्तिरच :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्धें का, वो उक्त विध् तिवस को सध्याय 20-क में परिभाित हैं, है, वही अर्थ होगा को उस अध्याय में ेदया नमा है क्षे

वनुसूची

पसैट्स जो निर्माणाधीन नियोजित इमारत में, बोर्ली, गटीला विलेज, चेंम्बूर, बम्बई-71 में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० ग्रई−3/37-ईई/41359/ 6-87 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-8-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

> प्र० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज-3, बम्बई

दिनांक : 10-3-1987

प्ररूप आई. टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयक्त आय्क्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 मार्च 1987

निदेश र्सं० भ्रई-3/37–ईई/41362/86–87–भ्रतः मुझे,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें धसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षमं प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उधित बाजार मृल्य 1,00,000/। रु. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० राईटस, टायटल श्रौर इण्टरेस्ट आफ वेंजर्स श्रज लिजिस, सम्पत्ति जो बोर्ला, गाटला विहेंगज, चेंस्बूर, बस्बई— 400 071 में स्थित है ।

रिविशन सं०	सब प्लाट स०	प्रेसेंट मं०	हिस्सा सं०
83		10	·
88	3		1
88	4		0
88	4	2	0
88	4	4	0
88	4	6	0
89	9	0	0

में स्थित है (श्रौर इसमें उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणत है) श्रौर जिसका करार तमा श्रायकर श्रिधितयम 1961 की धारा 269 कल के श्रधीत बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, दिनांक 1-8-1986,

का प्रोंकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से काम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास कारने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एथे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरफ (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे उन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्वेष्य से उक्त भन्तरण लिखित वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुए किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अपरण के किया में कमी करने या उससे बचने ने सुविधन के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य अस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर) मिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सिविधा के लिए:

जत: अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में. मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिखित व्यक्तिकों. अर्थात :---

(1) सल्फर रिफाइनरी प्राइवेट लिमिटेड

ग्रन्तरक

(2) गेमर्स िलकण्ठ कारपोरेशन ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त, सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सै 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (स) इस राजना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध कि सी अन्य विक्त द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिख्ति में किए जा सकरि।

स्प्ति। हिरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उनत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुखी

राइट्स, टायटल ग्रौर इन्टरेस्ट श्राफ वेडर्स ग्रज लिजिस, सम्पत्ति जो बोर्ला, गांटला विलेज, चेंम्बूर, बम्बई-400 071 में स्थित है।

रिविशन मं०	सब प्लाट सं०	प्रेसेंट सं०	हिस्सा सै०
83		10	
88	3		1
88	4		0
88	4	2	0
88	4	4	0
88	4	6	0
89	9	0	0

ग्रनुसूची जैसा कि फ० सं० ग्रई-3/37-ईई/41362/~ 86-87 भीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-8-1986 को रजिस्टई किया गया है ।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक त्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जेस रेजि–3, बम्बई

दिनांक : 10-3-1987

प्रकृप बाइ . टी. एत. र्व . ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्याक्षय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) प्रार्जन रेंज-3, बम्बई बम्बई, दिनांकः 10 मार्च 1987 निदेश मं \circ प्रई-3/37-ईई/41415/86-87-प्रतः मुक्षे, ए \circ प्रसाद,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इममें इसके पश्चात् 'उक्स अधिनियम' कहा गया हैं'), की धारा 269-स के जधीन सक्षम प्राधिकारों कां, यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक ही

श्रौर जिसकी सं० कार्यालय सं० 9, दूसरी मैजिल, वर्सन विहार, कर्माशयल सेटर, बर्सत टाकीज के पास, चेंम्बूर, बम्बई मे स्थित है) श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है)/श्रौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम 1961 की धारा 269 कख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 1-8-1986,

को प्राेक्त संपत्ति के बिचत बाबार श्रूच्य से कम के दश्यमान प्रांतफल को लिए अन्तरित ही गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा प्राेक्त सस्पति का उधिस बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रांतिफल में, एसे इस्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकाँ) बार अन्तरिती (अन्तरितयाँ) के नीच एसे अन्तरण को लिए तय पाया प्रतिफल निम्नितिशत उद्देश्य से उसत अन्तरण लिखिल में वास्तिक स्प से क्षिण स्वां प्रांतिफल स्प से क्षिण स्वां प्रांतिफल स्व

- (क) जन्तरण से हुइ किसी जाम की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के जन्तरक के बामित्व में कमी करने या उससे स्थन में सुधिशा के सिष्; और/बा
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, भा भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, छिपाने में स्थित की किए:

अतः अब, उबत अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण मॅं, में, उबत अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के बधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) बर्सत विकास देवलोपर्स ।

(ग्रन्तरक)

(2) भिपीशन द्रेडर्स प्राइवेट लि०।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

रक्त रामांत के अपने के मबस की साई भी **मार्श**प :----

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्चना की जामील से 30 दिन की बचिभ, वो भी अविभ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर स्वोंकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवारा;
- (क) इस स्थान के राजपन में प्रकाशन की तारोध से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवबुध किसी जन्म स्थावत द्वारा, जभोहत्ताक्षरी के पास निविश्त में किस का सकेंगे।

मार्कारकार करणी विकृति शब्दी और पर्यो का, श्री उनक अभिनेत्रम के अध्याय 20-क मा परिभाषित ही, 121 वर्ष होना को उन अध्याम मी विश्वा या, ही।

नन्सूची

कार्यालय सं० 9, दूसरी मेंजिल, वर्सत विहार कर्माशयल संटर, बर्मत टाकीज के पास, चेम्बूर, बम्बई में स्थित है। श्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० श्रई—3/37—ईई/411415/ 86--87 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-8-1986 को रजिस्टई किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जृन रेज-3, बम्ब**ई**

विनांक : 10-3-1987

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा) 269-भ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय , सहायंक आयंकर आयंक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-3, अम्बर्ध बम्बर्ध, दिनांक 10 मार्च 1987 निदेश सं० ग्रई-3/37-ईई/41437/86-87---ग्रतः मुझे; १० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षमं प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है भीर जिसकी सं० जमीन जिसका सी० टी० एस० सं० 6927,

मौर जिसकी सं जमीन जिसका सी टी एसं सं 6927, 6928, 6929, 6930, 5579ए, 5579बी, 5580, 5581 और 5582, कोले कल्याण, सी एस टी रोड, सांताकुज, बम्बई में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है) शौर जिसका करारनामाम्रायकर श्रधिनियम 1961 की धारा 269 कख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, दिनांक 1-8-1986, को पूर्वोक्त सम्पत्ति के जार्यालय में रिजस्ट्री है, दिनांक 1-8-1986, को पूर्वोक्त सम्पत्ति के जार्यालय में रिजस्ट्री है और मुझे यह विष्यास अरत्भिक के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विष्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे ध्रथमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिक्ति उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिक्तित बास्तिकल, निम्नलिक्ति उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिक्तित बास्तिकल रूप से किथत नहीं निकया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूर्विधा के लिए; और/या
- (क) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों कां, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिकित व्यक्तियों, अधीन, निम्नलिकित व्यक्तियों, अधीन,

- (1) श्री रमेश वरदास चेनसुख अग्रवाल ग्रीर ग्रन्थ। (अन्तरक)
- (2) डायमण्ड बिल्डर्स ।

(धन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजंपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम को बध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन जिसका सी०टी० एस० सं० 6927, 6928, 6929, 6930, 5579ए, 5579बी, 5580, 5581 ^१ श्रीर 5582, कोले कल्याण, सी० एस० टी० रोड, बम्बई में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि कि सं० अई-3/37-ईई/41437/ 86-87 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-8-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण); भ्रजन रेंज-3, बम्बई

दिनांक : 10-3-1987

मोहरः

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

भाधकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की पाडर 269-म (1) के मधीन शुक्रवा

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयक्रर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 मार्च 1987 निदेश सं० म्रई-3/37ईई/41542/86-87---म्रतः मुझे, मुझे ए० प्रसाद,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसके पश्चात् 'उयत अधिनियम' कहा गया हैं), की भाषा 269-स के जभीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का करण हैं कि स्थानर सम्मित्त, विसका उपस्थ बाजार मून्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० श्रौद्योगिक यूनिट सं० 1, तल माला, विरवानी इण्डस्ट्रियल प्रिमायमेम को०-श्राप० सोसायटी लि०, मोरेगांव (पूर्व), बम्बई-63 में स्थित है (ग्रौर इमसे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) श्रौर जिसका करारनामा श्रीयकर श्रिधिनियम 1961 की धारा 269 कख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 1-8-1986.

स्ने पृत्रीयत संस्पत्ति को उचित बाजार मृत्य है कर के क्रयमान गिरफल को निष्य अग्तरित की गई है और यह, विवयास करने का कारण है कि स्थापूर्वीयत सम्पत्ति का उचित बाजार नृत्य, ज्यक रूपमान प्रतिफल से, एसे रूपमान प्रतिफल का क्रयह प्रविचय से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और मत्तरिती (अग्तरितिया) के योच एसे अन्तरण से निए तम पात्रा यहा प्रतिक्य, विश्वविचय उहने स्मां से अभव धन्तरण हैनियत में जासनीयक क्ष्य से कांग्रित वहाँ विकास क्या है

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-रिवय के अधीन कर दर्भ के अध्यक्त के बायित्व के कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, चिन्हों भारतीय आम-कर अधिनियम, 1922 विश्व की पिनयम, 1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या प्रक्रिक्त अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनाथ अन्तरिती स्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्थित के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुपरण में, भें, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) मेसर्स एम० एम० इण्टरप्राइजेस । (ग्रन्तरक)
- (2) मिसर्स एम० एम० एस० इंजीनियर्स । (भ्रन्तरिती)

भा यह सुचना जारी करके पूर्वांक्ति सम्पत्ति के अर्जन के लिए जान महिला आएए। हों।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन की सम्बन्ध में कोई भी आक्रोप :---

- (क) इस स्थान के राज्यत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की जनिधि या तत्संबंधी व्यक्तिमाँ पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स क्यां क्यां की के बीतर पूर्वोक्स क्यां क्यां में से किसी व्यक्ति हुनारा;
- (ख) इस स्थना को राजपत्र में प्रकाशन की ताराध को 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति को दिव-क्ष्म किसी अन्य व्यापत द्वारा अभोहस्ताक्षरों के पात विधित में किए जा सकांगे।

मनुस्ची

"यूतिट सं० 1, तल माना, विरवानी इण्डस्ट्रियल प्रिमायमेस को०--म्राप० सोसायटी लि०, गोरेगांव (पूर्व), बम्बई-63 में स्थित है ।

श्रनुसूची जैसा कि कि न सं० श्रई-3/37-ई $\frac{1}{5}/41542/86$ -87 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिलांक 1-8-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), श्रजैन रेंज~3, बम्ब**ई**

दिनांक: 10-3-1987

मुझे, ए०

प्ररूप बाहाँ ही. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण)

ग्रर्जन रेज--3, बम्बई बम्बई, दिनाक 10 मार्च 1987 निदेश सं० ग्रई-3/37-ईई/41656/86-87---श्रत.

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचिता बाजार मृस्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० जमीत का हिस्सा जिसका विस्तार लगभग 4581.15 चौरस मिटर है। जो, चेम्बूर बम्बई में स्थित है। श्रीर इससे उपायद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण स्व से विश्वत है)/श्रीर जिसका करारतामा आयकर अधितियम 1961 की धारा 269 कव के अधीत बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिशाक 1-8-1986,

को पूर्वोक्स सम्पति के उचित बाजार मल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए इन्तिरित की गई हैं और मझे यह त्रिष्वास कारने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एोगे दृश्यमान प्रतिफल का पृष्ट प्रतिफल के दृश्यमान प्रतिफल का पृष्ट प्रतिकास से क्षा है और अत्यक (अत्रका) और अत्रिती (जन्तिरितियों) के की एसे उन्तरण के लिए सय पाया गया प्रतिफल निम्नितिवित उद्योध से उच्या अन्तरण निम्नितिवित अधिक नदी किया गया है :---

- (क) बन्तरण से हुई किसी आम की बाबत, जनस नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; बीर/या
- (थ) एसी किसी आय गा किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोखनार्थ अन्तरिसी द्वारा एकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) अ अधीन निम्निस्थित स्पितिस्थां, अभीत जन्म

- (1) मेरी लैण्ड कन्स्ट्रक्शन कम्पनी (प्रा०) लि०। (ग्रन्तरक)
- (2) मेसर्स गुडविल कन्स्ट्रवशन्स । (श्चन्तरिती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पात के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाशांप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन की अविध मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्य क्यां कित स्वां में से बिश्ती व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस सूचना को राजपत्र मों प्रकाशन की तारीक के 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मों हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास तिस्ति मों किए जा सकोंगे।

स्पष्टोकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दो और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्स्की

जमीन का हिस्सा, जिसका विस्तार लगभग 4581.15 चौरम मिटर है। जो चेबूर बम्बई मे स्थित है। अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अई-3/37-ईई/41656/86-87 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनाक 1-8-1986 को रजिस्टई किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजीन रेज-3, बम्बाई

दिनांक 10-3-1987

प्रारूप आई. टी. एन. एस.....

काय्तर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) औं धधीन सुचार

भारत बुरकार

कार्यालय, सहायक भायकार आधक्त (िरोक्षण)

ग्रर्जन रेंज-3, बम्बई बम्बई, दिनाक 10 मार्च 1987 निदेश सं० श्रई-3/37-ईई/41690/86-87---ग्रनः मुझे ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-रुपये से अधिक हैं

प्रौर जिसकी सं जमीन जिसका सर्वे सं 9, हिस्सा सं 2, सर्वे सं 10, हिस्सा सं -- प्रौर मर्ने सं 7, हिस्सा सं 2, सी टी० एस० सं 346, विलेज पहाडी, गोरेगाव, बम्बई में स्थित है (प्रौर इससे उपाबद्ध प्रमुस्ची में प्रौर पूर्ण रूप से विणित है) /प्रौर जिसका करारनामा प्रायकर प्रधिन्यम 1961 की धारा 269 केखं के प्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 1-8-1986,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचितं बाजार ग्ल्य से कम केंद्र श्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्यास करने जा कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मन्या,, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरिक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीं) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किथा नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उन्नत अधिनियम के अधीन कर दोने को अन्तरक की दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बार/का
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हा भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम गा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था किया सीविधा को लिए;

अतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1) कें अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् —

- (1) श्री मोपाली धर्म वारली ग्रौर ग्रन्य । (ग्रन्तरक)
- (2) भेसर्स जयन्तीताल इन्त्रस्टर्श्टस । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए रार्ववादिक कर वक्टा हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि याद में समाप्त होती हो, के भीतर पर्वोक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा,
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी बन्य अपरित द्वारा अधिहम्सः अर्थ के गर्ध स्मिक्ष को किस के किस के स्थाप

स्पष्टिकरण — इसमें प्रयुक्त शन्दों और पदो का, जो उक्त समितियम, के अध्याय 20-क में परिश्यापित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया

वन्सूची

"अमीन जिसका सर्वे सं० 9, हिस्सा सं० 2, सर्वे सं० 10, हिस्सा सं० — ग्रौर सर्वे सं० 7, हिस्सा सं० 2, सी० टी० एस० सं० 346, विलेज पहाडी, गोरेगांव, बम्बई में स्थित है। श्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० श्रई—3/37—ईई/41690/86~87 ग्रौर जो सलम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनाक 01—08-86 को रजिस्टई हिया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (िरीक्षण) ग्रर्भन रेज-3, बस्बर्ड

दिनांक : 10-3-1987

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यलय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जंग रेंज-3, बम्बई बम्बई, दिनांक 10 मार्च 1987 निदेश सं० श्रई-3/37-ईई/41691/86-87---श्रतः मुझे, ए० प्रसाद,

अगयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

1,00,000/- रह. से आधिक हैं
और जिसकी सं० इमारत सं० 3ए और ए-4, प्लाट जिसका
सर्वे सं० 132, 133, हिस्सा सं० 1 (ग्रंग), 134 हिस्सा
सं० 1 और सर्वे सं० 135 हिस्सा सं० 111 (ग्रंग), णास्ती
तगर, एल० बी० एस० मार्ग, घाटकोपर (प), बम्बई-86
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण क्प
से बणित है) /और जिनका करारतामा ग्रायकर ग्रिधित्यम
1961 की धारा 269 के के ग्रायीन बम्बई स्थित सक्षम
प्राधिकारी के कार्यात्य मे रिजस्ट्री है, दिनांक 1-8-1986,
को पूर्वे के सम्पत्ति के उधित बाधार भूत्य से कम के क्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास
करने का कारण है कि यथाप्वेक्ति संपत्ति का उधित बाजार
मूल्य, उसके ख्यमान प्रतिफल से एसे द्रयमान प्रतिफल का
वन्त्रह प्रतिधत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और
अन्तरिती (प्रकारितार्यो) के बीच एसे अन्तरक कि स्था
पाग गया प्रतिफल, निमनिविषत उद्वरेय से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हर्ष्ट किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में किसी करने या उससे बचने में स्विधा र उत्तर, अधि/या
- (क) ध्रेसी किमी बाय मा किसी भन या बश्च शास्त्रियों की द्विन्हें भारतीय बायकर विभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रीभिनियम, मा भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अधिनियम, विभाग पकट नहीं किया गया या सा किया जाना जाहिए ना, रिकारी में ग्रीबंधा

जतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, गैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखिस व्यक्तियों, अर्थात् [:---

- (1) रेथानन्द लधाराम रामचन्दानी ।
 - (भ्रन्तरक)
- (2) प्रिया कन्स्ट्रक्शन प्राइवेट लिमिटेड । (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

जक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्थान के राजपन में प्रकाशन की तारीस है 45 विन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 विन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी ध्यक्ति द्वारा;
- (को ५स मुखना के राजपत्र मा पकाशन की मारीज सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मो हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित मों किए जा संकोंगे।

स्थण्डोकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवों का, जो उक्त अधिनियम को अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

मन्त्रची

इमारत सं० 3ए श्रौर ए-4, प्लाट जिसका सर्वे सं० 132 133, हिस्सा सं० 1 (श्रंग), 134, हिस्सा सं० 1 (श्रंग) श्रौर 135, हिस्सा सं० 111 (श्रंग), श्राफ एल० बी० एस० मार्ग, शास्त्री नगर, घाटकोपर (प), बम्बई-86 में स्थित है। श्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० श्रई-3/37-ईई/41691/ 86-87 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-8-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद मक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर म्रायूक्त (निरीक्षण), म्रर्जन रेंज–3, कम्बई

दिनांक : 10-3-1987

्वाहुत तुरुक्त्व भ<u>र्धा</u>तव, सहायक वायकर वायकत (निरक्तिक)

ग्रर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 मार्च 1987

निर्देश सं० म्रई-3/37-ईई/41742/86-87—म्रतः मुझे ए० प्रसाद

अवकर किमिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रथमान 'उक्त अधिनियम' कहा गया हुँ),, की भारा 269-एं के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० खुला जमीन का हिस्सा जो बंगला टेनामेंट और स्टब्चर्स के साथ प्लाट स० 9 प्राइवेट स्कीम शास्त्री नगर ड्रिमलैण्ड सोसायटी मुसुंड (प) जिसका पहला सं० 5 बी० भाई० 145 (अंग) और श्रम सिरीम्रल सं० ए2 सिटी सर्वे सं० 260(अंग) और टिक्का सं० 40 मुलड (प) बम्बई में स्थित है (और इससे उपाबद्व श्रनुसूची मे और पूर्ण रूप नेवर्णित है) और जिसकाकरारनामाध्रायकर प्रधि-नियम 1961 की धारा 269 क, ख के ग्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है विनाक 1-8-1986 को,पूर्वोचल सम्पत्ति के उपित वाकार मुल्य से कम और इस्प्रमान **प्रतिफल कें लिए बन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वा**स कश्ने का कारण है कि वंधापृत्रॉक्त संपत्ति का उचित वाजार मू.स्य., उसके ध्रम्यभान प्रतिफल से, एसे ध्रम्यमान प्रतिफल के रंध्ह प्रोतकत से अधिक है बीड बंतरक (बंतरकों) बीर बंतरिती (यन्ति रितियों) के बीच एसे अन्तरण के निए तम पाया गया प्रति-फ.स., निम्नजिति उद्देश्य हे इक्त अस्तरण जिल्लित में बास्त-विकस्य में कथित न**हीं किया बबाहै :---**

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त शीर्णियम के सभीय कर दोने के अन्तरक के विधित्य में किमी करने या उससे बचने में सुविधा अ निष्; स्पूर/का
- (थ) प्रिप्त किसी काय या किसी अन या करवा आस्तियों अने , जिन्हों कारतीयां जाव-कर अभिनित्तम, 1922 (1922 का ,11) जा च्या अभिनित्तम, शा अन-कर अधिनित्तम, शा अन-कर अधिनित्तम, ,1957 (1957 का 27) अने प्रयोजनार्थ अभिनित्तम, ,1957 (1957 का 27) अने प्रयोजनार्थ अभित्तम व्याप्त कार्या का

्रअ्तः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, भैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसित व्यक्तियों, अर्थात् :——
14—56 GI/87

- (1) श्री घरमपाल बी० चौघरी और म्रन्य । (म्रन्तरक)
- (2) श्री जितेन्द्र पी० सोमैया और ग्रन्थ । (ग्रन्तरिती)

को यक् स्था वारी करके पृशांचस सम्परित के वर्षन के किए कार्यवाहियां करता हा।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख ते 45 दिन की जविध वा तत्संबंधी व्यक्तियों वृध स्थान की तामीस से 30 दिन की व्यक्ति, कों भी व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस अक्ना के राजपत्र के प्रकासन की तारीख डी 45 दिन के भीतर उकत स्थावर संपत्ति में हितवक्ष किसी अन्य स्युक्ति व्वारा अभोहस्ताक्षरी के पांच लिखित में किए का सकोंने।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभौषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में ,विसा गया है।

बन्सूची

खुला जमीन का हिस्सा जो बंगला टेनामेट्स और स्ट्रक्चर्स के साथ प्लाट स० 9 प्राइवेट स्कीम पहला जिसका सं० 5बी ग्राई 145 (अश) और ग्रव सिरीग्रल सं० 146/ए2 और सिटी सर्वे स० 260(अश) और टिक्का स० 40 शास्त्री नगर ड्रिमलैण्ड सोसायटी मुक्ड (प) वस्बई में स्थित है ।

ग्रनुसूची जैसा कि कि नं ग्रई-3/37-ईई/41742/ 86/87 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारो दिनांक 1-8-1986 को रजिस्टई किया गया है ।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक ध्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक: 10-3-1987

प्रकृषा बार्षे .टी .एन .एन . =======

अध्यकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 व (1) के अभीन सूचना

मारतं चतुःचार

प्र'र्जालय, सहायक आयकर आयुक्स (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3, बम्बई अम्बई, दिनांक 10 मार्च 1987

निदेण सं० ग्राई-3/37-ईई/41799/86-87--धन: भूझ ए० प्रसाद

साय कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें हमके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया ह"), की धारा 269-८ के अपीत सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार बृल्य 1 को साम)/-रु. सं अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट सं० जी, सर्वे सं० 329 हिस्सा सं० 8 और सी० टी० एस० सं० 433 जिसका म्युनिसिपल वार्ड मं० पी० 6911 और पी 6912 प्रानन्दीलाल पोदार रोड, मालाड (पूर्व), बम्बई-64 मे स्थित है (और इससे तपाबद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है) और जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनयम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 1-8~1986

का वृत्रोक्षत सम्पत्ति के जियत भाषार मूल्य से कम के दश्यकान श्रीपणत के निए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वात करने का कारण है कि यथापूर्वोच्त सम्पत्ति का जिनत जाजार मूल्य, उसके ख्रयमान प्रतिफल से, एस द्रयमान प्रतिफल के श्रीह प्रीतेश्वीय से अधिक हैं लीर अन्तरक (अन्तरकार) औड़ श्रीविश्वीय से अधिक हैं लीर अन्तरक के लिए सब पाया बर्ग प्रतिफल, निम्नतिथित उद्देश्य से प्रकेष अन्तरण सिविद्त् गुरुर्ग क्ष से क्षित नहीं किया यदा है ----

- ानको सन्तरम्भ को ह्नार्ट भिन्ती एउ को चावता, राज्यत गाँधिताल्य **में समी**य कार पान ही अस्तरका स्थ शांधित्य **में समी** कारने था उपन्य राधन से काथन र संगिक्त में समी
- (स) एसी किसी आय या किसी ध्न या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

भरा नाम, उक्त सिमिनियम की धारा 269-न के सनुसरण भ , मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, शिमिलिसिस व्यक्तियों, अर्थात :---- (1) वि लेट वैद्य पंडित हरी प्रपन्ना श्रायुर्वेदिक चेरीटेबल ट्रस्ट ।

(ग्रन्तरक)

(2) मेसर्स खंडेलवाल कन्स्ट्रक्शन कम्पनी । (भ्रन्तरिनो)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप :---

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन की अवधि या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की रामील से 30 दिन की अवधि, जो भी व्यक्ति बाद में समाप्त होती हो, के जीतर पर्वेक्त व्यक्तियाँ में रिसी व्यक्ति होता,
- (क) इस स्वा के शायपत्र में प्रकाशन की तारीब दें 45 दिन के भीशर उक्त स्थानर सम्परित में हितवब्ध किसी अन्य कार्यक व्यास अधिक्रम्नाक्षरी के पास जिल्हा में का का मुकीया

क्ष्यव्यीकरणः -- इसमें श्यवत शब्दों और पदों का, जो उपत वीषिनिषध के बध्याद 20-क में परिभाषित हैं मही वर्ष होगा वो उस बध्याद में विशे पदा है।

अन्सुची

प्लाट सं० जी, सर्वे सं० 329 हिस्सा नं० 8 और सी० टी० एस० सं० 433 जिसका म्युनिसिपल वार्ड सं० पी० 6911 और पी० 5912 म्रानन्दीलाल पोदार रोड मालाड (पूर्व) बम्बई-64 में स्थित है ।

भ्रनुसूची जैसा कि क० सं० ग्रई-3/37-ईई/41799/ 86-87 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा विनांक 1-8-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ृंए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर त्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज–3, बम्बई

विनांक: 10-3-1987

प्रकृष बार्ष . ट्री . एत . एत . -स------

आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन सुपना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3, बम्बई

धम्बई, दिनांक 31 मार्च 1987

निवेश सं० अई-3/37-ईई/41850/86-87--- प्रतः मुझे, ए० प्रसाद

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहलात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थानर सम्परित, जिसका उचित बाबार ब्रूट्स 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं० फ्लैट सं० 4912 इमारत सं० 178 पंत नगर, बेस्ट फेंड्स को०-आप० हाउसिंग सोसायटी लि० घाट-कोपर बम्बई में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, विनांक 1-9-1986

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के पश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उर्वित बाजार मूल्य, क्ष्म, उसके पश्यमान प्रतिफल से, एसे पश्यमान प्रतिफल का कन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे बन्तरण के निए तय नामा गया प्रतिफल, निम्नसिचित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण विश्वस्था से उक्त अन्तरण

- (क) अन्तरक से हुइ किसी आव की, बावत, उक्त अभिनियम को अधीन कर देने के बस्तरक को बायित्व के कमी करने वा उससे अवने में सुविधा के लिए; और/वा
- (ख) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को चिन्हें भारतीय आवकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या छक्तं अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने रंग सुविधा के सिए;

कतः आतः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिकत व्यक्तियों, अर्थातः— (1) श्री म्रार० के० लाडसारीया।

(ग्रन्त गक)

(2) श्री मुकेश सी० कामदार और ग्रन्य ।

(ग्रन्तिन्ती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां सूक्ष फरता हुं।

उपत सम्मत्ति के अर्धन के सम्बन्ध में काहि भी आसाप

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की सामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीवत व्यक्तियों में फिसी व्यक्ति स्वार;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिरियत में किए का सकर्ण।

स्पंध्यीकरण:--इसगें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिशतियम इं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में विद्युत यम हैं:

कन्स्ची

"पलैट सं० 4912 इमारत स० ए-178 पंत नगर वेस्ट फड्स को०-धाप० हाउमिंग सोसायटी लि० घाटकोपर बम्बई-75 में स्थित है ।

धनुसूची जैसा कि क० सं० ध्रई-3/37—ईई/41850/86—87 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वा/1 दिनांक 1-8—1986 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्राधुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज–3, बम्बई

विनांक : 31-3-1987

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ष (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 मार्च 1987

निदेश सं० म्रई-3/37-ईई/41613/86-87---म्रतः

मुझे, ए० प्रसाद आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 26 कि के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने का कारण है, कि स्थावर सम्पद्धि, जिसका उचित बाजार मृल्य

1.00,000/-रा , से विभक्त हैं

और जिसकी सं उकान सं 3] तल माला, माधव प्रपार्टमेंट्स जबाहर रोड घाटकोपर (पूर्व), बम्बई-77 में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है) और जिसका करारनामा श्रायकर ग्रिधिनयम 1961 की धारा 269 क, ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनांक 1-8-1986

को पूर्विक्त सम्परित के उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्परित का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितीं (अंतरितियां) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लि। बत में बास्तिबळ क्या से कियत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दावित्व में अभी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए;
- (क) ऐसी किसी ,आय या भूक या जन्य आस्तियों को , जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (१922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए; और/या

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नसिकित व्यक्तियों, अर्थात् ;---

- (1) मेससं जी० निकायम एण्ड नम्पनी । (ग्रन्तरक)
- (2) श्री टी० भास्कर शेट्टी और ग्रन्य । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (खं) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवों का, जी उक्त अधिनियम के अध्याय 20-कं में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जी उस अध्याय में दिया ग्रथम है।

अनुसूची

दुकान सं० 3 तल माला माधव श्रपार्टमेंट, जवाहर रोड, घाटकोपर (पूर्व), बम्बई-77 में स्थित है । श्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० श्रई-3/37-ईई/41613/86-87 और जो सक्षम प्राधिकारी वस्बई द्वारा दिनांक 1-8-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक : 10-3-1987

सघ लोक सेवा श्रायोग

नोटिस

सम्मिलित रक्षा सेवा परीक्षा, श्रृत्यूदर, 1987

नई दिल्ली, दिनाक 9 मई 1987

स० एफ० 8/2/87प-I (ख)—सघ लोक मेवा श्रायोग द्वारा निस्नाबित कोसो मे प्रवेश हेनु 18 श्रक्तूबर, 1987 से एक किमिलत रक्षा सेवा परीक्षा श्रायोजित की जाएगी—कोर्स का नाम तथा रिक्रिया की सभावित स०

- (1) भारतीय सैन्य श्रकादमी, देहरादून, जुंलाई 1988 मे प्रारभ होने वाला 85वा कोर्स) एन० सी० सो० (सेना स्कन्ध) ''सी'' प्रमाणपत्र प्राप्त उम्मीदवारो के लिये ग्रारक्षित 32 रिक्तिया सम्मिलित है।
- (2) नौ सेना श्राकादमी, गोवा जुलाई 1988 में प्रारभ होने वाला कोर्स) 43*
 - (क) समान्य सेवा

(एन० सी० नौ सेना स्कन्ध सी" प्रमाणपत्न-धारिया क लिए 6 ग्रारक्षित रिक्निया सम्मिलित हैं)। [32*

- (ख) नौ सेना विमानन
- (3) वार्युं मेना ए० एफ० स्टेशन बेगमपेट, निकन्दराबाद जुलाई, 1988 में प्रारंभ होने वाले उद्यान पूर्व प्रशिक्षण कोर्स श्रार्थात् न० 144 एफ० (पी०) (कोर्स)
- (4) श्रिधिकारी प्रशिक्षण शाला, मद्रास [श्रक्तूबर, 1988 मे प्रारम होने वाला 48वा एस० एस० सी० (एन० टी०) कोर्स)।] 262*@ *उपर्युक्त सख्या में परिवर्तन किया जा सकता है। इसमे प्रशिक्षण क्षति सम्मिलित है।

म्यान दे (1) (क)—-उम्मीदवार से यह प्रपेक्षा की जाती है कि वह आवदन पत्न के कालम 9 में यह स्पष्ट उल्लेख करे कि वह सेवाओं के अपने वरीयता कम से किस किस पर विचार किए जाने का इच्छुक है। उन्हें यह भी परामर्श दिया जाता है कि वह नीचे पैरा (ख) में बताई गयी शर्नों के प्रनुसार जितनी वरीयताओं के इच्छुक ही उन सभी का उल्लेख करें, ताकि योग्यताक्रम में उनके रैंक को देखते हुए नियुंक्ति करते समय उनकी वरीयताओं पर यथोचित विचार किया जाए।

- ् (ख) यदि दो प्रथमा प्रधिक कोर्सो/सेवाग्रो का विकल्प दिया जा रहा है तो अतिम विकल्प अ़ प्र. शा० होगा। भ्रा० प्र० शा प्रथम वरीयता, तभी हो सकती है, जबकि यही एक मान्न विकल्प है।
- (ग) उम्मीदव.रो को यह ध्यान रखना चाहिए कि
 नीचे ध्यान वे (II) मे बताई गयी परिस्थितियो के म्रतिरिक्त

उन्हें केवल उन कामो पर नियुंक्ति के लिए विचार किया जाएगा जिसके लिए उन्होंने भ्रपनी बरीयता लिखी होगी भौर भन्य किसी कोर्स (कोर्सी) के लिए नहीं।

(घ) किसी उम्मीदवार को प्रपने प्रावेदन पत्न मे पहले से निर्विष्ट वरीयताग्रो को बढ़ाने परिवर्तन करने के बारे में कोई ग्रन्रोध श्रायोग द्वारा स्वीकार नहीं किया जाएगा।

विश्रेष ध्यान (II) स्थायी कमीशन प्रदान करने के लिए भा० सैन्य प्रकादमी/नौ सेना प्रकादमी/वायु सेना ग्रकादमी कोर्स के इस परीक्षा से बचे हुए उम्मीदबार यदि बाद में प्रन्पकालीन सेवा कमीशन (गैंग तकनीकी) कोर्स कें लिए विचार किए जाने के इच्छुक हैं तो निम्नलिखित शर्तों के प्रधीन प्रस्पकालीन सेवा कमीशन (गैंग तकनीकी) प्रदान करने के लिए विचार योग्य हो सकने हैं। चाहे उन्होंने ग्राने श्रावेदनपत्रों में इस कार्स के लिए श्रयनी प्रस्ट नहीं बताई है।

- (1) यदि ग्रत्यकालीन सेवा कमीशन (गैर तकनीकी) कोर्स के लिए प्रतियोगी मभी उम्मीदवारों का लेने के बाद भी कमी है, श्रौर
- (n) जो उम्मीदवार प्रत्पकालीन सेवा कामीणन (गैर तकनीकी) हेतु वरी-यता व्यक्त न करने पर भी प्रशिक्षण के लिये भेजे जाते हैं, उन्हे योग्यता सूची के कम मे उस ग्रतिम उम्मीद-वार के बाद रखा जायेगा जिन्होने इस कोर्स के लिए विकल्प सूचित किया है, क्योंकि ये उम्मीदवार उस कोर्स में प्रवेश पा जाएंगे जिसके लिए वे व्यक्त वरीयता के ध्रनुसार हक-दार नहीं हैं।

टिप्पणी :

एन्० सी० सी० (सेना स्कन्ध)/वायु सेना स्कन्ध (वरिष्ठ प्रमाग)/(नौसेना स्कन्ध) के "सी" प्रमाणपत्र प्राप्त उम्मीदवार प्रारंपकालिक सेवा कमीग । (गैर तकनीकी) को सो की रिक्तियों के लिए भी प्रतियोगिता में बैठ सकते हैं चूकि श्रभी तक उनके लिए इंस कोर्स में कोई ग्रारक्षण नहीं है, श्रन ं इंप कोर्स में रिक्तियों को भरने के लिए उन्हें सामान्य उम्मीदवारों की तरह समझा जाएगा । जिन उम्मीदवारों को तरह समझा जाएगा । जिन उम्मीदवारों को श्रभी एन० सी० सो० में "सी" प्रमाणपत्र (मेना स्कंध) वायु सेना स्कन्ध का (वरिष्ठ प्रभाग) (नौ सेना स्कन्ध) की परीक्षा उत्तीर्ण करनी है, किन्तु श्रन्थथा वे श्रारक्षित रिक्तियों के लिए प्रतियोगिता में बैठने के पात्र हो, ता वे भी

भावेदन कर सकते हैं किन्तु उन्हें एन० सी० "सी" प्रमाणपत्न (सेना स्कन्ध)/ वाय् सेना स्कन्ध)/(नौ सेना स्कन्ध) का वरिष्ठ प्रभाग की परीक्षा उत्तीर्ण करने का प्रमाण प्रस्तुत करना होगा जो कि म्राई० एम० ए०/ एस० एस० सी० (एन० टी०) प्रथम विकल्प वाले उम्मीदवारों के मामले में से 11 मुख्या-लय भर्ती 6 (एस० पी०) (ई०) नई दिल्ली-110022 तथा नौसेना के प्रथम विकल्प वाते उम्मीदवारों के मामले में नौ मुख्यालय श्रार०, एण्ड श्रार०, सेना भवन, नई दिल्ली-110011 को भौर वाय सेना के प्रथम विकल्प वाले उम्मीदवारों के मामले में पी० ग्रो० 3 (ए०)वाय सेना मुख्यालय, विंग 7, प्रथम तल, बेस्ट ब्लाक नं० 6, रामकृष्णपुरम्, नई दिल्ली-110066 30 जन. 1988 तक पहुंच जाए।

मारक्षित रिक्तियों के लिए प्रतियोगिता की पान्नता हेतु उम्मीदवारों ने राष्ट्रीय कैंडेट कोर में जो सेवा की हो वह सीनियर डिवीजन सेना स्कंध में 2 गैंक्षणिक वर्षों से कम न हो श्रौर सीनियर डिवीजन वायु सेना/नौ सेना स्कंध में 3 गैंक्षणिक वर्षों से कम न हो श्रौर श्रायोग के कार्यालयों में श्रावेदनों की प्राप्ति की श्रन्तिम तारीख को उसे राष्ट्रीय कैंडेट कोर से मुक्त हुए भारतीय सैन्य प्रकादमी/नौ सेना भकादमी/वायु सेना श्रकादमी कोर्स के लिए 24 मास से मिक्क न हुए हो।

हिष्पणी II भारतीय सेना ग्रकादमी कोर्स/वायु सेना ग्रकादमी कोर्स/नौ मेना ग्रकादमी कोर्स में एन० सी० सी० (सेना स्कंध/सीनियर डिवी-जान वायु सेना स्कन्ध/ नौ सेना स्कन्ध) के "सी" प्रमाणपत्र घारी उम्मीदवारों के लिए ग्रारक्षित रिक्तियों को भरने के लिए परीक्षण परिणाम के ग्राधार पर ग्रहीता प्राप्त इन उम्मीदवारों के पर्याप्त सख्या में न मिलने के कारण न भरी गई ग्रारक्षित रिक्तियों को ग्रनारक्षित समझा जाएगा ग्रीर उन्हें सामान्य उम्मीदवारों से भरा जाएगा।

म्रायोग द्वारा म्रायोजित होने वाली लिखित परीक्षा तथा उसके बाद नेवा चयन बोर्ड द्वारा लिखित परीक्षा बोर्ड में योग्यताप्राप्त उम्मीदवारों के लिए म्रायोजित बौद्धिक भौर व्यक्तित्व परीक्षण के परिणाम के म्राधार पर उपर्युक्त कोर्सो में प्रवेश दिया जाएगा।

(क) परीक्षण की योजना स्तर श्रौर पाठ्यचर्या, (ख) श्रकादमी/शाला में प्रवेश हेतु शारीरिक क्षमता स्तर तथा (ग) भारतीय सेना श्रकादमी नौ/सेना श्रकादमी श्रिष्ठकारी श्रिष्ठकारी श्रिष्ठकाणशाला श्रौर वायु सेना श्रकादमी में प्रवेश पाने वाले उम्मीदवारों की सेवा श्रादि की संक्षिप्त सूचना के सम्बन्ध में

भौर (घ) भावेदनपत्न भरने के लिए मार्गदर्शन संकेत भावि कमशः परिशिष्ट I, II, III. श्रौर में विस्तार से समझाये गये हैं।

2. परीक्षा के केन्द्र : श्रगरतला, श्रहमदाबाद, ऐजल, इलाहाबाद, बंगलीर, भोपाल, बम्बई, कलकता, चण्डोगढ़, कोचीन, कटक, दिल्ली, दिसपुर(गोहाटी), हैंदराबाद, इम्फाल, ईटानगर, जयपुर, जम्मू, जोरहाट, कोहिमा, लखनऊ, मद्रास, नागपुर, पणजी (गोवा), पटना, पोर्ट ब्लेयर, रायपुर, शिनाग, णिमजा, श्रोनगर, तिह्यति, त्रिवेत्द्रम, उदयपुर और विशाखापत्तनम ।

मायोग यदि चाहे तो उक्त परीक्षा के उनयंक्त केन्द्रों · तथा तारीखों में परिवर्तन कर सकता है। यद्यपि उम्मीदवारों को उक्त परीक्षा के लिए उनको पसन्य के केन्द्र देने के सभी प्रयास किये जायेंगे, तो भी ग्रायोग परिस्थितिवश किसी उम्मीदवार को भ्रापनी विवक्षा पर भ्रालग केन्द्र वे सकता है। जिन उम्मीदवारों को उक्त परीक्षा में प्रवेश दे दिया जाता है उन्हें समय-सारणी तथा परीक्षा स्थल (स्थलों) जानकारी दे दी जाएगी [नीच पैरा i8 (ii) देखिए]। उम्मीदवार को ध्यान रख़ा। चाहिए कि केन्द्र में परिवर्तन से सम्बद्ध प्रनुरोध को सामान्यतया स्वीकार नहीं किया जाएगा । किन्तु जब कोई उम्मोदवार श्रयन उस केन्द्र में परि-वर्तन चाहता है जो उसने उक्त परीक्षा हेत् प्रपने भाववन में निर्दिष्ट किया था तो उसे सचिव, संघ लोक सेवा भायोग को इस बात का पूरा भौचित्य बताते हुए एक पत्न रजिस्टर्ड डाक से प्रवश्य भेजना चाहिए कि वह केन्द्र में परिवर्तन क्यों चाहना है । ऐसे अनुरोधों पर गुणवता के भ्राधार पर विचार किया जाएगा किन्त 18 सितम्बर 1987 के बाद प्राप्त ग्रनुरोधों को किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं किया जाएगा।

3. पाझाला की शर्ले:

(क) राष्ट्रिकता :

उम्मीदवार यातो---

- (1) भारत का नागरिक हो, या
- (2) भूटान की प्रजा हो, या
- (3) नेपाल की प्रजा हो, या
- (4) जिन्नती गरगार्थी, जो स्थायी रूप से भारत में रहने के इरादे से 1 जनवरी, 1962 से पहले आ गया हो, या
- (5) नारतीर म्ल का व्यक्ति हो जो भारत में स्थायी रूप से रहने के उद्देश्य से पाकिस्तान, वर्मा, श्रीलंका श्रीर पूर्वी ग्रमीकी देश जैसे कीनिया, उगांडा तथा तंजानिया का संयुक्त गणराज्य (भूतपूर्व टांगानिका ग्रीर जंजीबार) जास्विया, मालावी, जैसे श्रीर इथोपिया ग्रीर वियतनाम से प्रक्रजन कर श्राया हो।

परन्तु उपयुंक्त वर्ग (2), (3) (4) श्रौर (5) के श्रन्त-गंत श्राने वाला उम्मीदवार ऐसा व्यक्ति हो जिसको भारत सरकार ने पालता प्रमाणपत्न प्रदान किया हो। लेकिन नेपाल के गोरखा उम्मीदवारों के लिए यह पालता प्रमाणपत्न भावश्यक नहीं होगा।

जिस उम्मीदवार के लिए पान्नता प्रमाणपत्र श्रावश्यक है उसे उक्त परीक्षा में इस मर्त पर श्रानन्तिम रूप से प्रवेश दिया जा सकता है कि सरकार द्वारा उसे भ्रावश्यक प्रमाण-पत्न संघ लोक सेवा श्रायोग द्वारा परिणाम की घोषणा से पहले दे दिया जाए।

(ख) म्रायु सीमाएं, लिंग म्रौर वैवाहिक स्थिति:

- (1) भारतीय सैन्य प्रकादमी के लिए : केवल ऐसे अविवाहित पुरुष जम्मीदवार पाल है जिनका जन्म जुलाई 1964 के पहले वा तथा 1 जुलाई 1969 के बाद का नही।
- (2) नौ सेना और वायु सेना श्रकादमी के लिए: केवल श्रविवाहित पुरुष उम्मीदवार पान्न है जिनका जन्म 2 जुलाई, 1966 के पहले श्रौर 1 जुलाई, 1969 के बाद न हुआ हो।
- (3) ग्रधिकारी प्रशिक्षणशाला के लिए : केवल वही पुरुष उम्मीदवार (विवाहित या श्रविवाहित) पात हैं जिनका जन्म 2 जुलाई 1963 के पहले ग्रीर 1 जुलाई 1969 के बाद न हुग्ना हो।

भायोग जन्म की वह तारीख स्वीकार करता है जो मैट्रिकुलेशन या माध्यमिक विद्यालय छोड़ने के प्रमाणपन्न या
किसी भारतीय विश्वविद्यालय द्वारा मैट्रिकुलेशन के समकक्ष
माने गए प्रमाणपन्न या किसी विश्वविद्यालय द्वारा भनुरक्षित
मैट्रिकुलेटों के रिजस्टरों में वर्ज की गई हो श्रीर यह
उद्धरण विश्वविद्यालय के समुचित प्राधिकारी द्वारा प्रमाणित हो । विश्वविद्यालय या हायर सेकेंडरी या समकक्ष
परीक्षा प्रमाणपन्न परीक्षा के लिए लिखित भाग के परिणाम
धोषित हो जाने के बाद ही प्रस्तुत किए जाने भ्रपक्षित
है।

भ्रायु के सम्बन्ध में कोई भ्रन्य दस्तायेज जैसे जन्म कुण्डली, शपथ पत्न, नगर निगम के सेवा श्रभिलेख से प्राप्त जन्म संबंधी उद्धरण तथा श्रन्य ऐसे ही प्रमाणपत्न स्वीकार नहीं किए जाएंगे।

श्चनुदेशों के इस भाग में श्राए हुए "मैट्रिकुलेशन, उच्चतर निर्देशिक परोक्षा प्रमाणप**त" वा**क्षांण के श्चन्तर्गन उपर्युक्त बेक्कांल्पक प्रमाणपत्न सम्मिलित हैं।

कभी-कभी मद्रिकुलंशन उच्चतर माध्यमिक परीक्षा प्रमाण पत्र में जन्म की तारीख नहीं होती या श्रायु के केवल पूरे वर्ग या वर्ष श्रौर महीने ही होते हैं । ऐसे मामलों में उम्मीदवारों को मैद्रिकुलेशन उच्चतर माध्यमिक परीक्षा प्रमाणपत्न की श्रनुप्रमाणित प्रमाणित/प्रतिलिपि के श्रतिरिक्त उस संस्थान के हेड मास्टर/प्रिमिपल से लिए भ्रए प्रमाणपक्ष की श्रनुप्रमाणित,/प्रमाणित प्रतिलिपि भेजनी चाहिए ज उसने मेट्रिकुलेशन, उच्चतर माध्यमिक परीक्षा उत्तीर्ण की हो । इस प्रमाणपत्न मे उस संस्था के वाखिले रजिस्टर में दर्ज की गई उसकी जन्म की तारीख या वसास्तविक भ्रायु लिखी होनी चाहिए।

- टिप्पणी (1) उम्मीदवार यह ध्यान रखे कि आयोग
 उम्मीदवार की जन्म की उसी नारीख को
 स्वीकार करेगा जो कि आवेदनपत्न प्रस्तु
 करने की नारीख को मैट्रिकुलेशन/उच्चतर
 माध्यमिक परीक्षा प्रमाणपत्न या समकक्ष
 के प्रमाणपत्न म दर्ज है और इसके बाद उसमें
 परिवर्तन के किसी अनुरोध पर न तो
 विचार किया जाएगा और न उसे स्वीकार
 किया जाएगा।
- हिप्पणी (2) उम्मीदवार यह भी नोट कर लें कि उनके द्वारा किसी परीक्षा में प्रवेश के लिए जनम को तारीख एक बार घोषित कर लेने श्रौर आयोग द्वारा उसे श्रपने श्रभिलेख में दर्ज कर लेने के बाद उसमें परिवर्तन या किसी परीक्षा में परिवर्तन करने की श्रनुमित नहीं दी जाएगी।

(ग) शैक्षिक योग्यताएं:

- (1) भारतीय सेना श्राहिमी, श्रीर अधिकारी प्रशिक्षण-शाला के लिए किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय की डिग्री या समकक्ष योग्यता:
- (2) नौ सेना श्रकादमी के लिए : भोतिकी एवं गणित विषयों के साथ बी० एम० मी० **डिग्री श्रथवा** इंजीनियरी स्नातक ।
- (3) बायु सेना भ्रकादमी के लिए : किसी मान्यता-प्राप्त विश्वविद्यालय से भं≀तिक मीर/या गणित विषय के साथ डिग्री या समकक्ष । जिन उम्मीदवारों ने श्रपनी डिग्री परोक्षा भौतिकी **भ्रौर/या गणित के भ्रलावा भ्रन्य विषय**े उसीर्ण की है वे भी पाझ हैं, किन्तु शर्त यह है कि उन्होंने हायर सेकेन्ड्री परीक्षा (पुराना पैटर्न) या स्कूली शिक्षा 10+2 पैटर्न के ग्रंतर्गत 11/ 12वें स्तर की परीक्षा या कोई समकक्ष परीक्षा गणित र्थार भौतिकी विषयौं के साथ उत्तीर्ण की हो।

नौ सेना/वायु सेना की पहली पसन्द वाले स्नातकों को ग्रेजुएशन के प्रमाण के रूप में प्रोविजनल सर्टिफिकेट सेवा चायन बोर्ड द्वारा परीक्षण पूरा होन के दो सप्ताहों के ग्रन्दर कमशः सेना मुख्यालय (रिकूटिंग) नौ 6 एस० पी०) (६०) सेना मुख्यालय (ग्रार० एण्ड ग्रार सेक्शन)/वाय सेना मुख्यालय पी० श्रो० ३ (ए) को प्रस्तुत करना है।

जो उम्मीदवार अभी कियी परीक्षा में उत्तीर्ण होने बाले हैं, वे भी आवेदन कर सकते हैं परन्तु उनकी डिग्नी प्ररीक्षा में उत्तीर्ण होने का प्रमाण आई० एस० ए०/एस० एस०, सी० (एन० दी०) प्रथम विकल्प वाले उम्मीदवारों के मामले में मेना मुख्यालय भर्सी 6 (एस० पी०) (ई०) नई दिल्ली-110022 तथा नौ सेना के प्रथम विकल्प वाले उम्मीदवार के मामले में नौ सेना मुख्यालय/आर० एण्ड आर० सेना भवन, नई दिल्ली-110011 को और वायु सेना के प्रथम विकल्प वाले उम्मीदवारों के मामले में पी० ओ० 3 (ए०) वायु सेना मुख्यालय, विग 7, प्रथम नल, वेस्ट ब्लाक नं० 6 रामकृष्णपुरम, नई दिल्ली, 110066 को निम्नलिखिल तारीख तक पहुंच जाए जिसके न पहुंचने पर उनकी उम्मीदवारों रह हो जाएगी।

- (1) भा० से० धकादमी, नैं। सेना तथा वायु सेना श्रकादमी में प्रवेश के लिए 30 जून, 1988 तक या उससे पहले।
- (2) अधिकारी प्रशिक्षणशाला, मदाझ में प्रवेश के लिए 15 शितम्बर, 1988 या उससे पहले जिन उम्मीदवारों के पास व्यावसायिक और तकनीकी योग्यताएं हों जो सरकार द्वारा व्यावसायिक और तकनीकी डिग्री के समकक्ष मान्यता-प्राप्त हों वे भी परीक्षा के लिए पाल होंगे अपवाद की परिस्थितियों में श्रायोग किसी ऐसे उम्मीदवार को इस नियम में निर्धारित योग्यताग्रों में से किसी मे युक्त न होने पर भी, शैक्षिक रूप मे योग्य मान सकता है जिसके पास ऐसी योग्यताएं हों जिनका स्तर श्रायोग के विचार में, इस परीक्षा में प्रवेश पाने योग्य हो,
- टिप्पणी 1: ऐसे उम्मीदवार जिन्हें डिग्री परीक्षा में ग्रभी ग्रहेता प्राप्त करनी है ग्रौर जिनको संघ लोक सेवा ग्रायोग की परीक्षा में बैठने की भनुमति दे ही है, उन्हें नोट कर लेना चाहिए कि उनको दी गई यह विशेष छूट है, उन्हें डिग्री उत्तीर्ण करने का प्रमाण निर्धारित तारीख तक प्रस्पुत करना है ग्रौर बुनियादी ग्रहेक विश्वविद्यालय परीक्षा के देर से ग्रायोजित किए जाने, परिणाम की घोषणा में विलम्ब या ग्रन्य किसी कारण से इस तारीख को ग्रौर ग्राग बढ़ाने से सम्बद्ध किसी भी ग्रनुरोध को स्वीकार नहीं किया जाएगा।
- टिप्पणी 2: जो उम्मीदवार रक्षा मंद्रालय द्वारा रक्षा सेवाग्रों में किसी प्रकार के कमीणन से श्रप-वर्जित हैं, वे इस परीक्षा में प्रवेण के पान नहीं होंगे, श्रगर प्रवेण दिया गया तो जुनकी उम्मीदवारी रद्द की जाएगी।
- टिप्पणी 3 विशेष सेवा नाविकों को छोड़कर,बाकी नाविक (जिनमें किशोर,श्रौर कारीगर प्रशिक्ष सम्मिलिस हैं), जिनको अपने नियत कार्य पूरा करने में

छह महीने से कम समय बाकी है। इस परीक्षा में बैठने के पाल नहीं होंगे, जिन विशेष मैवा नाविकों की श्रपने नियत कार्य पूरे करने में छह महीने से कम समय बाकी है, उनके श्रावेदनपल तभी लिए जाएंगे जब वे उनके कमांडिंग अफसरों के द्वारा निर्धारित रूप में प्रनणंभित हों।

4. शुल्क

परीक्षा में प्रवेश चाहने वाले उम्मीदवारों को श्रायोग को इ० 28.00 (श्रट्ठाईन हपये) के शुल्क का भुगत न करना होगा जो केन्द्रीय भर्ती शुल्क टिकटों या कि सचिव, संघ लोक सेवा श्रायोग को नई दिल्ली की स्टेट बैंक श्राफ इण्डिया की मुख्य शाखा पर देय स्टेट बैंक श्राफ इंडिया की किसी भी शाखा से जारी किये गये रेखांकित बैंक श्राफ्ट या सचिव, संघ लोक सेवा श्रायोग को नई दिल्ली के प्रधान डाकघर पर देय रेखांकित भारतीय पोस्टल श्राईर के कप में हो।

टिप्पणी 1: केन्बीय भर्ती शुल्क टिकटें (डाक टिकटें नहीं)
डाकघर से प्राप्त करें और श्रावेदन पत्न के पहले
पृष्ठ पर इपके लिए निर्धारित स्थान पर चिपका
दें। जारी करने वाले डाकघर से उस डाकघर
की तारीख की मुहर सहित उन टिकटों को इस
तरीके से रद्द किया जाए कि रद्द करने की
मुहर को छाप भांशिक रूप से आवेदन पत्न पर
भी अपने श्राप श्रा जाए। रद्द किए गए टिकट
की छाप स्पष्ट होनी चाहिए ताकि तारीख
तथा जारी करने वाले डाकघर की पहचान
स्पष्ट रूप से हो सकें। "केन्दीय भर्ती गुल्क टिकटों
के स्थान पर किसो भी हालन में डाक दिकटें
स्वीकार नहीं की जाएंगी।

टिप्पणी 2; (i) उम्मीदवारों को अपने आवेदन्पत्र प्रस्तुत करते समय बैंक ड्राफ्ट की पिछली म्रोर ऊपर के सिरे पर अपना नाम तथा पता लिखना चाहिए, पोस्टल भार्डर के मामले में उम्मीदवार पोस्ट्ल **ग्राड**ेर के पिछली श्रीर इस प्रयोजन के लिए निर्धारित स्थान पर ग्रपना नाम तथा पता लिखें, विदेश में रहने वाले उम्मीदवारों को निर्धारित **गुल्क भारत के उच्च आयुक्त, राजदूत या विदेश** स्थित प्रतिनिधि के कार्यालय में, जैसी भी स्थिति हो इत अनुरोध के साथ जमा करना होगा ताकि वह "051-लोक सेवा भ्रायोग परीक्षा-शुल्क" के लेखा शीर्ष में जमा है। जाए भ्रौर श्रावेदन-पत्न के साथ उसकी रसीद लगा कर भेजनी चाहिए, जिन आवेदन-प्रपत्नों मे इस भ्रपेक्षा की पूर्ति नही होगी उन्हें एकदम ग्रर्स्वाकार कर दिया जायेगा। यह उन उम्मीदवारी पर लागू नहीं होगा जो नीचे के पैरा के आधार पर निधारित शुल्क की छूट की मांग करते हैं। प्रनुसूचित जाति/प्रनु-

सूचित जन जाति के उम्मीदवारो को शुल्क नहीं देना होगा।

- भ्रायोग, यदि चाहे तो निर्धारित श्लक से छुट (11)दे मकता है जब उमको इस बात का श्राष्ट्रासन हो कि ग्रावेदक भृतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान (श्रव बगला देश) से वस्तृत विस्थापित व्यक्ति है जो 1--1-1964 फ्रीर 25-3-1971 के बीच की भ्रवधि मे भारत मे प्रक्रजन कर श्राया थाया भृत-पुर्व पश्चिमी पाकिस्ता । का वास्तविक विस्थापित ध्यक्ति है तथा पहली जनवरी, 1971 श्रौर 31 मार्च, 1973 के बीच की श्रवधि के दौरात. भारत प्रद्रजन कर द्याचुका थायावह बर्मासे वस्तुन प्रत्यावर्तित भारतीय मूल का व्यक्ति है जो 1-6-1963 को या उसके बाद भारत मे प्रवजन कर ग्राया थाया वह श्रीलका मे वस्तृत प्रत्यार्वातत मुलत भारतीय व्यक्ति है जो भ्रक्तूबर, 1964 के भारत, श्रीलका समझौत के अन्तर्गत 1 नवस्वर, 1964 की या उसके बाद भारत मे धाया था या स्नाने वाला है सौर निर्धा-रित गुरुक देने की स्थिति में लही है।
 - (iii) जिस उम्मीदवार ने िर्धारित णुल्क दे दिया है पर जिसको श्रायोग ने परीक्षा मे बैंडने नहीं दिया, उसको रु 15 00 (पन्द्रह रुपये) वापस कर दिया जाएगा। परन्तु श्रगर कोई आवेदन यह सूचना प्राप्त करने पर श्रम्बीकार कर दिया गया हो कि उम्मीदवार डिग्री या समकक्ष परीक्षा मे श्रनुसीण हुआ या डिग्री या समकक्ष परीक्षा मे उत्तीण होने का प्रमाण निर्धारित तारीख तक प्रस्तुत नहीं कर पाएगा नो उसके लिए णुह्क की बापसी मजूर नहीं की जाएगी।
 - (10) जो उम्मीदवार श्रेक्तूबर, 1986 श्रथवा मई, 1987 मे आयोजित सम्मिलित रक्षा सेवा परीक्षा मे बैठा हो और इन परीक्षाओं के परि-णाम के श्राधार पर किसी कोर्स के लिए उसका नाम अनुशसित हुआ हो ता उनके भामले मे रु० 28 00 (श्रट्ठाईस रुपये) का शृल्क वापस किया जा सकता है पर वह जलरी है कि श्रक्तूबर 1987 की सम्मिलित रक्षा सेवा परीक्षा के के लिए श्रपनी उम्मीदवारी रद् कराने श्रौर शृल्क वापस पाने के लिए उस उम्मीदवार का श्रन्रोध श्रायोग के कार्यालय मे पहली श्रप्रैल, 1988 या उसमें पहले पहुच जाए!

उपर्युक्त उपविच्यात व्यवस्था को छोडकर प्रत्य किसी भी स्थिति में प्रायोग को भुगता किये गये शुक्क की वापसी के किसी दावे पर ततो विचार किया जाएगा भीर तंही शुक्क को किसी भ्रन्य पैरीक्षा या चयन के लिए भ्रारक्षित रखा जासकेगा।

5 आवेदन कैंसे करें ·

परीक्षा मे प्रवेश चाहने वाले उम्मीदवारो को साथ मे प्रकाणित ग्रावेदन प्रपत्न पर मचिव, सघ लोक सेवा श्रायोग, धौलपुर हाउस, नई दिल्ली-110011 को भ्रावेदन करना चाहिए। उम्भीदवार समाचारपत्नो या ''रोजगार समचार'' मे प्रकाशित स्रावेदन प्रपत्न का मूल रूप मे उपयोग कर सकते **हैं फ्रौर** उसके कालम भ्रपने हाथ से बाल पेन से भर सकते हैं। वे सफेद कागज (फलस्केप साइज) पर केवल एक नरफ सफाई के साथ इचल स्पेस पर टिकिन आवेदन प्रपत्न और उपस्थिति पत्नक को भी प्रयोग मे ला सकते हैं। उम्मीदवार प्राइवेट एजे-सियों से उपलब्ध छपे हुए भ्रावेदन प्रपन्न तथा उपस्थिति-पत्नको को प्रयोग में ला सकते हैं, बणर्ने कि इस विज्ञापन के साथ मे प्रकाशित नमने के अनुरूप हो, उम्मीदवार इस बात का ध्यान रखे कि पिछले वर्ष की परीक्षा के लिए निर्धारित नमुना ग्रावेदन प्रपन्न से ग्रावेदन करने पर स्वीकार्य होगा, उम्मीदवार यह ध्यान रखें कि वे सम्मिलित रक्षा सेवा परीक्षा के सभी प्रधन-पत्नो के लिए एक ही प्रवेश प्रमाणपत्न ग्रौर ग्रनुक्रमाक से परीक्षा दे चाहे उन्हे भ्रायोग से एक से श्रधिक प्रवेश प्रमाणपत्र क्यो न प्राप्त हुए हो,

जिस लिफाफे मे ग्रावेदापत्र भेजा जाए, उस पर मोटे ग्रक्षरों मे "सम्मिलित रक्षा सेवा परीक्षा, ग्रक्तूबर, 1987" लिखा जाए।

- (क) उम्मीदवार को भ्रपने भ्रावेदन प्रपत्न के साथ निम्त-लिखित प्रपत्न भेजने चाहिए।
- (i) निर्धारित णुल्क के लिए रेखांकित बैंक ड्राफ्ट/
 भारतीय पोस्टल ख्राईर/केन्द्रीय भर्ती णुल्क टिकटे
 या भारतीय मिशन की रसीद (जुल्क माफी हेतु
 दावे के मामलो को छोडकर) (ii) फुलस्केप
 साइज पेपर पर विधिवत भरा हुआ उपस्थित पत्रक
 (साथ में प्रकाशित नमूने के अनुसार), (iii)
 उम्मीदवार के हाल ही के पामपोर्ट श्राकार (लगभग
 5 में । भी । ४ 7 से । भी । के फोटो को दो एक
 जैसी प्रतिया एक आवेदन प्रपत्र पर तथा दूसरी
 उपस्थित पत्रक में विधीरित स्था । पर लगी हो,
 (IV)एक पोस्टकाई श्रपने पत्र के साथ (V) 11.5
 से । भी । 27 5 से । भी । श्राकार के बिना टिकट
 तगे हुए ती । तिका के स्राने पत्र के साथ।
- (ख) उम्मीदवार ध्याः रखे कि प्रावेदः प्रपत्न भरते समय भारतीय अको के केवल स्रतर्ग्डीय रूप का प्रयोग करा है, चाहे माध्यमिक स्कृल छोडते के प्रमाणपत्न या समकक्ष प्रमाणपत्न मे जन्म की तारीख हिदी स्रको म दर्ज है, तो भी उम्मीदवार यह मुनिण्चित कर ले कि जो स्रावेद । प्रपत्न वह प्रयोग म लाना है उसमें जन्म की तारीख भारतीय

"भ्रंकों के भ्रन्तर्राष्ट्रीय रूप मे लिखी हो, वे इस बारे में विशेष मावधानी बरनें कि भ्रावेदन प्रपन्न में की गयी प्रविष्टियां स्पष्ट भ्रौर सुपाठ्य हों, यदि वे प्रविष्टियां पढ़ी नहीं जा सकती है या भ्रामक हैं तो उनके निर्वचन में होने वाली भ्रान्ति या संदिग्धना के लिए उम्मीदवार ही जिम्मेदार होंगे।

(ग) सभी उम्मीदवारों को अपने आवेदन—प्रपत्न आयोग को सीधे भेजने चाहिये। भ्रगर किसी उम्मीदवार ने अपना आवेदनप्रपत्न अपने नियोक्ता के द्वारा भेजा हो और वह संघ लोक सेवा आयोग में देर से पहुंचा हो तो आवेदन-प्रपत्न पर विचार नहीं किया जाएगा। भलें ही वह नियोक्ता को आखिरी तारीख के पहले प्रस्तुत किया गया हो।

जो व्यक्ति लोक उद्यमों में सेवारत है उनको वह परिवचन (मण्डरटेकिंग) प्रस्तुत करना होगा कि उन्होंने लिखित रूप से ग्रपने कार्यालय/विभाग के ग्रध्यक्ष को सूचित कर दिया है कि उन्होंने इस परीक्षा के लिए ग्रावेदन किया है। उम्मीद-वारों को ध्यान रखना चाहिए कि यदि भायोग को उनके नियोक्ता से उनके उक्त परीक्षा के लिए ग्रावेदन करने/परीक्षा में बैठने में मम्बद्ध भनुमति रोकते हुए कोई पन्न मिलता है तो उनका ग्रावेदनपन्न ग्रम्बीकृत कर दिया जाएगा/उम्मीदवारी रह कर दी जाएगी।

जो उम्मीदवार मशस्त्र मेना में सेवारत है उन्हें श्रपने ग्रावेदन पत्र श्रपने कर्माडिंग श्रधिकारियों के माध्यम से प्रस्तुत करने चाहिए, जिन्हें वह श्रायोग की ग्रग्नेपित करेंगे।

टिप्पणी:—जित ग्रावेदतपत्रों के साथ निर्धारित णुल्क संलग्त नहीं होगा (उपर्युक्त पैरा 4 के ग्रंतर्गत णुल्क माफी के दावे को छोड़कर) या जो ग्रधूरे या गलत भरे हुए हों, उनको एकदम ग्रस्वीकृत कर दिया जायेगा श्रीर किसी भी ग्रवस्था में ग्रस्वीकृति के संबंध में ग्रभ्यावेदन या पत्र-व्यवहार को स्वीकार नहीं किया जाएगा।

उम्मीदवार को प्रपंत प्रावेदनप्रपत्नों के साथ प्राय, तथा गैकिक योग्यता, प्रमुस्चित जाित प्रार प्रमुस्चित जनजाित प्रार णुल्क में छूट ग्रादि का प्रमाणपत्न प्रस्तुत नहीं करना होगा, इसलिए वे इस बात को सुनिण्चित कर लें कि वे परीक्षा में प्रवेश के लिए पातना की सभी शाों को पूरी करते हैं या नहीं। श्रतः परीक्षा में उनका प्रवेश भी पूर्णतः श्रनित्तम होगा। यदि किसी बाद की तारीख को सत्यापन करने समय यह पता चलता है कि वे पातना की सभी शां पूरी नहीं करते हैं तो उनकी उम्मीदवारी रद्द हो जाएगी। उम्मीदवारों को सलाह दी जाती है कि वे परीक्षा के लिखित भाग के परिणाम घोषित हो जाने के शीझ बाद जिसकी जनवरी, 1988 माह में घोषित किए जाने की संभावना है, सेना मुखालय/नों सेना मुख्यालय/वाय् सेना मुख्यालय, जैसा

मामला हो, को प्रस्तुत करने के लिए निम्नलिखित मूल प्रमाण-पत्नों को उनकी मन्यापित प्रतियों सिंहत तैयार रखे:

- (1) जन्म की तारीख दर्णाते हुए मैदिक/उच्चतर माध्य-मिक विद्यालय प्रमाण-पक्ष ध्रथवा इसके समकक्ष ।
- (2) डिग्री/म्रनंतिम डिग्री प्रमाण पक्ष/ग्रंक सूची जिसमें स्पष्ट रूप से यह दर्शाया गया हो कि डिग्री परीक्षा उत्तीर्ण कर ली है ग्रौर डिग्री पाने के पास है।

सर्वप्रथम' से० च० बो० के सीक्षात्कार हेतु सभी पात्र ध्रहेंता प्राप्त उम्मीदवारों को सेवा चयन केन्द्रों को जाते हुए ध्रपने मैट्रिक/उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के प्रमाण-पत्न मूल रूप में से च० बो० के साक्षारकार के लिए ध्रपने साथ लाना होगा ध्रन्यथा उन्हें से० च० बो० के साक्षारकार में प्रवेश होने की ध्रनुमित नहीं दी जाएगी चयन केन्द्र में मूल मैट्रिक/उच्चतर माध्यमिक विद्यालय प्रमाण-पत्न प्रस्तुत करने के मंबंध में कोई छूट की ग्रनुमित नहीं है।

5. परीक्षा के लिखित भाग के परिणाम के घोषित हो जाने के तुरन्त बाद सेना मुख्यालय द्वारा सफलता प्राप्त उम्मीदवारों से कुछ ग्रांतिरक्त मूचना को भेजने के लिए कहा जाएगा, उपर्युक्त प्रमाणपत्नों की सत्यापित प्रतियां सेना मुख्यालय, ए० जी० बांच ग्रार० टी० जी०, 6 (एस० पी०) (ई) पश्चिम ब्लाक 3, विंग 1, रामकृष्णपुरम्, नई दिल्ली—110022 को उस समय तत्काल भेजने होंगे, जो उम्मीदवार सेवा चयन बोर्ड के साक्षात्कार में ग्राह्तता प्राप्त कर लेंगे उन्हें साक्षात्कार के तुरन्त बाद मूल प्रमाणपत्नों को प्रस्तुत करना होगा।

यदि उनका कोई भी दावा ग्रमन्य पाया जाता है तो उनके विरुद्ध ग्रायोग द्वारा पैरा 6 के ग्रनुसार ग्रनुशासनात्मक कार्यवार्दकी जासकती है।

6. जो उम्मीदवार भ्रायोग द्वारा निम्नांकित कदाचार का दोनी घोषित होता है या हो चुका है :---

- (1) किसी प्रकार से अपनी उम्मीदवारी का समर्थन प्राप्त करना, या
- (2) किमी ब्यक्ति के स्थान पर स्वयं प्रस्तुत होना, या
- (3) अपने स्थान पर िन्मी दूसरे को प्रस्तुत करना,या
- (4) जाली प्रतेख या फेर-बदल किए गए प्रलेख प्रस्तुप करना, या
- (5) श्रमुद्ध या श्रमत्य वक्तव्य देना या महत्वपूर्ण सूचना को छिपा कर रखना, या
- (6) परीक्षा के लिए अपनी उम्मीदवारी के संबंध में किसी भ्रतिः मित या श्रनुचित लाभ उठाने का प्रयास करना, या
- (7) परीक्षा के समय अनुचित तरीके अपनाना, या

- (8) उत्तर पुस्तिकाम्रों पर भ्रमंगत बाते लिखना जो भ्रम्लील भाषा या ग्रभद्र भ्रामय की हों, या
- (9) परीक्षा भवन में और किसी प्रकार का दुर्व्यवहार करना, या
- (10) परीक्षा चलाने के लिए द्यायोग द्वारा नियुक्त कर्मचारियों को परेशान करना या ग्रन्थ प्रकार की शारीरिक क्षति पहुंचाना, या
- (11) उम्मीदवारों को परीक्षा देने की अनुमति देते हुए प्रेषित प्रवेश प्रमाणपत्न के साथ जारी किसी श्रनुदेश का उल्लंघन करना, या
- (12) ऊपर खंडों मे ज़िल्लिखित सभी या किसी कदा-चार को करने की कोशिश करना या करने के लिए उकसाना,

तो उन पर श्रपराधिक स्रभियोग (क्रिमिनल प्रॉसीक्यूशन) चलामा जा सकता है श्रौर उसके साथ ही उसे :---

- (क) भ्रायोग द्वारा उस परीक्षा से जिसका वह उम्मीद-वार है बैठने के लिए भ्रयोग्य ठहराया जा सकता है, भ्रथवा
- (खा) उसे फ्रस्थायी रूप से अध्यवा एक विशेष ग्रवधि केलिए :
 - (i) श्रायोग द्वारा ली जाने वाली किसी भी परीक्षा श्रयवा चयन के लिए
 - (ii) केन्द्रीय सरकारद्वारा उसके प्रधीन किसी भी नौकरी से वारित किया जा सकता है क्योंर
- (ग) यदि वह सरकार के ग्रधीन पहले से ही सेवा में है, तो उसके विरुद्ध उपयुक्त नियमों के ग्रधीन ग्रमुशासनिक कार्यवाही की जा सकती है।

किंतु शर्त यह है कि इस नियम के श्रधीन कोई शास्ति तब तक नहीं] दी जाएगी जब तक—

- (1) उम्मीदवार को इस संबंध में लिखित ग्रभ्यावेदन,
 जो वह देना चाहे प्रस्तुत करने का ग्रवसर न दिया गया हो; ग्रीर
- (2) उम्मीदवार द्वारा अनुसत समय में प्रस्तुत अभ्या-वेदन पर, यदि कोई विचार न कर लिया गया हो।

उम्मीधवारों को ध्यान देना चाहिए कि वे स्रावेदनपन्न, नियमावली, पाठ्यक्रम स्राधि के लिये संघ लोक सेवा स्रायोग को न लिखें। ऊपर समझाए सनुसार इस विशापन के साथ, छापे गये सावेदनपन्न का प्रयोग किया जाय।

7. आबेवन प्रपन्न लेने की अंतिम तारीखः

भरा हुम्रा ग्रावेदनपत्न ग्रावश्यक प्रलेखो के साथ सचिव, संघ लोक सेवा ग्रायोग, धौलपुर हाउस, नई दिल्ली-110011 को 22 जून, 1987 (22 जून, 1987 से पहले की किसी तारीख से ग्रमम, मेथालय, ग्रहणाचल प्रदेश, मिजो-रम, मणिपुर, नागालैंड, स्निपुरा, सिक्किम, जम्मू ग्रौर कश्मीर राज्य वे लहाख प्रभाग, हिमाचल प्रदेश के लाहौल ग्रौर स्पीति जिले तथा घम्बा जिले के पांगी उपमंडल, ग्रण्डमान ग्रौर निकोबार द्वीपसमूह या लक्षद्वीप श्रौर विदेशों में रहने वाले उम्मीदवारों के ग्रौर जिनके ग्रावेदन उपर्युक्त में से किसी एक क्षेत्र में डाक द्वारा प्राप्त होते हैं, उनके मामले में 6 जुलाई, 1987) तक या उसमें पहले डाक द्वारा प्राप्त्य भिजवा दिया जाय, या स्वयं ग्रायोग के काउण्टर पर ग्राकर जमा करा दिया जाय।

असम, मेघालय, अरुणाचल प्रवेश, मिजोरम, मणिपुर, नागालैण्ड तिपुरा, सिक्किम, जम्मू तथा कश्मीर राज्य के लहाख प्रभाग, हिमाचल प्रदेश के लाहौल और स्पीति जिले तथा चम्बा जिले के पांगी उपमंडल, अण्डमान और निकोबार द्वीपसमूह या लक्षद्वीप और विवेशों में रहने वाले उम्मीदवारों से आयोग यदि चाहे तो इस बात का लिखित प्रमाण प्रस्तुत करने के लिये कह सकता है कि वह 22 जून, 1987 से पहले की किसी तारीख में असम, मेघालय, अरुणाचल प्रदेश, मिजोरम, मणिपुर, नागालैण्ड, तिपुरा, लिक्किम, जम्मू और कश्मीर राज्य के लहाख प्रभाग, हिमाचल प्रदेश के लाहौल और स्पीति जिले तथा चम्बा जिले के पांगी उपमंडल अप्रकान और निकोबार द्वीप समूह या लक्षद्वीप और विवेशों में रह रहा था।

- टिप्पणी (I): जो उम्मीदबार ऐसे क्षेत्रों के हैं जहां के रहने वाले श्रावेदन को प्रस्तुति हेतु प्रतिरिक्त समय के हकदार हैं, उन्हें श्रावेदन पक्ष के संगत कालम में श्रपने पतों में श्राविदिन समय के हकदार इलाके या क्षेत्र का नाम (ग्रर्थात् ग्रमम, मेघालय, जम्मू तथा कश्मीर राज्य का लद्दाख प्रभाग) स्पष्ट रूप से निर्दिष्ट करना चाहिए श्रन्यथा हो सकता है कि उन्हें श्रातिरिक्त समय का लाभ न मिले।
 - (II) उम्मीदक्षारों को सलाह दी जाती है कि वे प्राप्ते प्रावेधनपत्न संघ लोक सेवा प्रायोग के काउण्टर पर स्वयं जमा कराएं या रिजस्टर्ड डाक द्वारा भेजें। श्रायोग के किसी कर्मचारी को दिये गये प्रावेदनपत्न के लिये श्रायोग जिम्मेदार नहीं होगा। निर्धारित तारीख के बाद प्राप्त होने वाले किसी भी श्रावेदन पत्न विशार नहीं किया जाएगा।
- 8. श्रायोग/सता/नौसेना/वायुमेना मुख्यालय के साथ पक्ष-व्यवहार : निम्नलिखित मामलों को छोड़कर श्रायोग श्रन्य किसी भी मामले में उम्मीदवार के माथ पत्र व्यवहार नहीं करेगा :
 - (i) त्रागोग कं कार्यालय में प्राप्त प्रत्येक ग्रावेदनपत्त।
 जिसमें देर से प्राप्त भ्रावेदनपत्त भी सम्मिलित हैं,

की पायती दी जाती है तथा झावेदनपत्न की प्राप्ति के प्रतीक के रूप में उम्मीदवार को झावेदन पंजी-करण संख्या जारी की जाती है इस तथ्य का कि उम्मीदवार को झावेदन पंजीकरण संख्या जारी कर दा गयी है, झपने झाप यह मतलब नही है कि झावेदन-पत्न सभा प्रकार पूर्ण है और झायोग द्वारा स्वीकार कर लिया गया है।

यदि परीक्षा से संबंधित श्रावेदनप्रपत्नो की प्राप्ति की श्राखिरी तारीख से एक महीने के भीतर उम्मीदवार को श्रपने ब्रावेदनपत्न की पावती न मिले तो उसे पावती प्राप्त करने के लिये श्रायोग से तत्काल मंपर्क करना चाहिए।

- (ii) इस परीक्षा के प्रत्येक उम्मीदवार को उसके फ्रांवे-दनपत्न के परिणाम की सूचना यथाशीझ दे दी जाएगी, किन्तु यह नहीं कहा जा सकता है कि ग्रावेदनपत्न का परिणाम कब सूचित किया जाएगा। यदि परीक्षा के शुरू होने की तारीख से एक महीने के पहले तक उम्मीदवार को श्रपने ग्रावेदनपत्न के परिणाम के बारे में संघ लोक सेवा ग्रायोग से कोई सूचना न मिले तो परिणाम की जान-कारी के लिये उसे ग्रायोग से तत्काल संपर्क स्थापित करना चाहिए। यदि उम्मीदवार ने ऐसा नहीं किया तो वह ग्रपने मामले में विचार किये जाने के दाये में बंचित हो जायेगा।
- (ni) जिन उम्मीदिवारों को परीक्षा में प्रवेश दे दिया जाता है उनको प्रमुकमाक निर्दिष्ट करते हुए प्रवेश प्रमाणपत्न जारी कर दिया जाएगा और उनमें निर्दिष्ट-श्रमुकमांक वही होगा जो उम्मीद-वारों को पावती कार्ड द्वारा पहले सूचित श्रावेदन पंजीकरण संख्या है। किसी भी उम्मीदियार को उक्त परीक्षा में प्रवेश तब तक नही दिया जाएगा जब तक उसके पान उक्त परीक्षा का प्रवेश प्रमाणपत्न नहीं है।

केवल इस तथ्य का कि किसी उम्मीदवार को उक्त परीक्षा के लिये प्रवेश प्रमाणपत्न जारी कर दिया गया है, यह अर्थ नहीं होगा कि आयोग द्वारा उसकी उम्मीदवारी श्रंतिम रूप से ठीक मान ली गई है या कि उम्मीदवार के आवेदनपत्न में की गई प्रविष्टियां आयोग द्वारा सही और ठीक मान ली गई हैं। उम्मीदवार के लिखत परीक्षा के परिणाम के आधार पर व्यक्तित्व परीक्षा हेंनु माक्षात्कार के लिये श्रईताप्राप्त कर लेने के बाद ही उनकी पान्नता की शतीं का मूल प्रलेखों से सत्यापन का मामला उठाता है। आयोग द्वारा औपचारिक रूप से उम्मीदवारी की पृष्टि कर दिये जान तक उम्मीदवारी अनंतिम रहेगी।

- (iv) उम्मीदवार उक्त परीक्षा में प्रवेश का पान्न या नहीं है इन बारे मे प्रायोग का निर्णय प्रतिम होगा।
- (v) उम्मीदवार ध्यान रखे कि प्रवेश प्रमाणपत्न कहीं-कहीं नाम तकनीकी कारणों से संक्षिप्त रूप में लिखे जा सकते हैं।
- (vi) उम्मीदवार को इस बात की व्यवस्था श्रवश्य कर लेनी चाहिए कि उसके श्रावेद्धनपत्न में उल्लि-खित पते पर भेजे गये पत्न श्रादि श्रावश्यक होने पर उसको बद्दले हुए पते पर मिल जाया करें, पते में किसी प्रकार का परिवर्तन होने पर श्रायोग को उनकी सूचना यथाशीझ दी जानी चाहिए। श्रायोग ऐसे परिवर्तनों पर ध्यान देने का पूरा-पूरा प्रयत्न करता है, किन्तु इस विषय मे कोई जिम्मेदारी स्वीकार नहीं कर सकता।

महत्वपूर्णः भ्रावेदन के संबंध में सभी पत्र-व्यवहार सचिव, संघ लोक सेवा श्रायोग, धौलपुर हाउस, नई दिल्ली-110011 के पते पर करना चाहिए श्रीर उनमें निम्नलिखित विवरण भ्रवण्य होना चाहिए:---

- 1. परीक्षा का नाम
- 2. परीक्षा का वर्ष ग्रौर महीना
- 3. श्रावेदन पंजीकरण मंख्या/रोल नंबर या जन्म की तारीख (श्रागर श्रावेदन पंजीकरण सख्या/रोल नबम्र नही मिला हो।)
- 4. उम्मीदवार का नाम (पूरा ग्रौर नाफ लिखा हुन्ना)
- 5. पत्र-व्यवहार का पता, जैसा स्रावेदनपत्र में दिया है। विशेष ध्यान: (1) जिन पत्नों मे ऊपर का ब्योरा नहीं होगा, हो सकता है, उन पर कोई कार्रवाई न हो।
 - (2) यदि किसी परीक्षा की समाप्ति के बाद किसी उम्मीदवार का पत्न/पत्नादि प्राप्त होता है या इनमे उनका पूरा नाम प्रौर धनुकमाक नही दिया गया है तो उप पर ध्यान नहीं दिया जाएगा ध्रौर उन पर कोई कार्रवाई नहीं को जाएगी।
- (3) सेवा चयन बोर्ड से नाक्षात्कार के निये आयोग द्वारा अनुगिनित उम्मीदवारों ने अगर परीक्षा क लिये आवेदन करने के बाद, अपना पता बदल लिया हो तो उनको चाहिए कि परीक्षा के लिखित भाग के परिणाम घोषित हो जाते ही अपना नया पता नत्काल सेना मुख्यालय, ए० जी० आच रिकूटिंग 6 (ए.स० पी०) (ई०) द्वितीय तल, बेस्ट ब्लाक 3, विग-1, रामकृष्णपुरम्, नई दिल्ली-110066 को सूचित कर देना चाहिए। जो उम्मीद्ववार इन अनदेशों का पालन नहीं करेगा वह सेवा चयन बोड के साक्षात्कार

के <mark>लिये सम्मन-पत्न न मिलने पर श्रपने</mark> मामले में विचार कियेजाने के धावे से वंचित हो जाएगा।

जिन उम्मीदवारों के नाम सेवा चयन बोर्ड के माक्षात्कार के लियं अनुशंक्तित हैं उनको अपने साक्षात्कार के संबंध में सभी पूछताछ और अनुरोध सीधे सेना मुख्यालय, ए० जी० आंख, रिकूटिंग 6 (एस० पी०) (ई०) (ij) वेस्ट ब्लाक 3, तृतीय तल, विग-1, रामाकृष्णपुरम्, नई दिल्ली-110066 और वायु सेना उम्मीदवारों के लिये पी० ओ० 3 (ए)/ वायु सेना मुख्यालय, विग-7, प्रथम तल, वेस्ट ब्लाक नं० 6 रामाकृष्णपुरम्, नई दिल्ली-110066 के पते पर लिखने चाहिए।

उम्मीधवारों को माक्षात्कार के लिये भेजे गये गम्मन-पत्न द्वारा सूचित की गई तारीख को सेवा चयन बोर्ड के समक्ष साक्षात्कार हेतु रिपोर्ट करनी है। साक्षात्कार को स्थिगित करने से सम्बद्ध प्रनुरोध पर केवल यथार्थ परिस्थितियों में श्रीर प्रशामनिक सुविधा को ध्यान में रखकर ही विचार किया जाएगा जिलके लिये निर्णायक प्राधिकरण सेवा मुख्यान्त्य/वायु सेना मुख्यालय होगा।

विशेष ध्यान:—यदि किसी उम्मीदवार को भारतीय सैन्य स्नकादमी हेतु स्रप्रैल, 1988 के पहले हुएने तक स्रौर स्रधि-कारी प्रशिक्षणशाला हेतु जुलाई, 1988 के चौथे हफ्ते तक सेवा चयन बोर्ड के साक्षात्कार के लिए साक्षात्कार पत्न प्राप्त नहीं होता है तो उसे सेना मुख्यालय/भर्ती 6 (ए.स० पी०) (ई०), वेस्ट ब्लाक-3, रामकृष्णपुरम्, नई दिल्ली-110066 को साक्षात्कार पत्न न मिलने के बारे में लिखना चाहिए।

बोर्ड के साक्षाल्कार में श्रर्हता प्राप्त करने वाले उम्मीदवारी में के अर्थाई० एम० ए०/एस० एस० सी० (एन० टी०) प्रथम विकल्प वाले उम्मीदवारों के मामले में नेना मुख्यालय/ भर्ती 6 (एस० पी०) (ई०) नई दिल्ली-110022 को तथा नौ क्षेना के प्रथम विकल्प वाले उम्मीदवारो के मामले में नौ सेना मुख्यालय/ग्रार० एण्ड ग्रार० सेना भवन, नई दिल्ली-110011 को या नायु सेवा के प्रथम विकल्प वाले उम्मीदबारों के मामले में पी० भ्रो० 3 (ए०) वायुक्ता मुख्यालय, विंग 7, प्रथम तल, वेस्ट ब्लाक नं ० ६, राम-क्रुष्णपुरम, नई दिल्ली-110066 को श्रपनी शैक्षणिक योग्य-ताश्रों श्रादि के समर्थन में अपने मूल प्रमाण-पत्नों की दो सत्यापित प्रतियों सहित रावा चयन बोर्ड के माक्षात्कार परीक्षण के पूरा होने के दो सप्ताहों के भ्रन्दर ग्रौर [30 जून, 1988 एस० एस० सी० (एन० टी०) के मामलों में 15 सितम्बर, 1988 से पहले प्रस्तुत करने होंगे। उक्त प्रमाण-पत्नो की सत्य ग्रनुप्रमाणित प्रतिलिपियों या फोटोस्टेट प्रतियां किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं की जाएंगी।

जो उम्मीदवार सेवा पयन बोर्ड के माक्षात्कार के निये ऋईना प्राप्त कर नेते हैं उन्हें सेवा चयन बोर्ड के माक्षात्कार के समय श्रपती श्रायु के समर्थन में श्रपने मूल प्रमाण पक्ष प्रस्तुत करने होंगे।

(9) लिखित परीक्षा के परिणाम की घोषणा, योग्यता प्राप्त उम्मीदवार का साक्षात्कार, म्रान्तिम परिणाम की घोषणा और प्रान्तिम रून से योग्य पाये गये उम्मीदवारों का प्रशिक्षण कीर्म में प्रवेग:—
संघ लोक सेवा आयोग श्रपनी विवक्षा से लिखित परीक्षा के लिए निर्धारित न्यूनतम श्रंक प्राप्त करने वाले उम्मीद-वारों की एक सूची तैयार करेगा। वे उम्मीदवार उन सभी प्रविष्टियों के लिये जिनके लिये उन्होंने आईंगा प्राप्त की है बौद्धिक तथा व्यक्तित्व परीक्षाओं के लिये सेवा चयन बोर्ड के सामने हािंगर होंगे।

जो उम्मीदवार श्राई०एम० ए० (डी० ई०)कोसं श्रीर या नौभेना (एस० ई०) कोर्स श्रीर/या वायु मेना अकादमी कोर्स की लिखित परीक्षा में अर्हता प्राप्त करते हैं, चाहे वे एस० एस० सी० (एन० टी०) कोर्स के लिए श्रहेता प्राप्त करते हैं या नहीं उनको मार्च/श्रप्रैल, 1988 में मेवा चयन बोर्ड के परीक्षण के लिये भेजा जाएगा श्रीर जो उम्मीदवार केवल एस० एस० सी० (एन० टी०) कोर्स के लिये श्रहेता प्राप्त करने हैं उनको ज्न/जुलाई, 1988 में मेवा चयन बोर्ड के परीक्षणों के लिये भेजा जायेगा।

उम्मीदवार सेवा चयन बोर्ड के सामने हाजिर होकर ग्रपनी ही जोखिम पर वहा परीक्षणो में शामिल होंगे श्रौर सेवा बोर्ड में उनका जो परीक्षण होता है, उनके दौरान या उसके फलस्वरूप ध्रगर उनकी कोई चोट पहुंचतो है, तो उसके लिए सरकार की श्रोर में कोई क्षतिपूर्ति या महायता पाने के वे हकदार नहीं होगे, वह किसी व्यक्ति की लापरवाही से हो या दूसरे किसी कारण से हो, उम्मीदवारो को स्रावेदन पत्न के साथ संलग्न प्रपत्न मे इस फ्राशय के एक प्रमाण पत्न पर हस्ताक्षर करने होंगे। स्वीक्वति हेतु उम्मीदवारों को (i) लिखित परीक्षा तथा (ii) सेवा चयन बोर्ड के परीक्षणों में ग्रलग-ग्रलग न्य्नतम श्र**हंक** श्रंक प्राप्त करने होंगे जोकि श्रायोग द्वारा निर्णय के ग्रन्सार निश्चित किये जायेंगे। लिखित परीक्षा तथा सै० च० बोर्ड के परीक्षणों में प्राप्त कुल ग्रंको के श्राधार पर उम्मीदवारों को योग्यताऋम सें रखा जायेगा। ग्रनग-म्रलग उम्मीदवारों को परीक्षा के परिणाम किस रूप में किस प्रकार सूचित किये जायें इस बात का निर्णय भ्रायोग भ्रपने म्राप करेगा स्रौर परिणाम के संबंध में उम्मीदवारों से कोई पत्न व्यवहार नहीं करेगा। परीक्षा में सफल होने मात्र के भारतीय सेना अकादसी, नौसेना श्रकादमी, वायु सेना श्रकादमी या श्रधिकारी प्रशिक्षण-शाला में, जैमी स्थिति हो, प्रवेश का कोई ग्रधिकार नहीं मिलेगा ग्रन्तिम चयन शारीरिक क्षमता ग्रीर अन्य सभी बातों में उपयुक्तना के भ्रतिरिक्त उपतब्ध रिक्तियों की संख्या को दृष्टि में रखते हुए योग्यता के ऋम रे किया भेएगा ।

टिप्पणी ——बायु रेगा, नौ भेना विमानन के प्रत्येक उम्मीद-वार को पायलट संबंधी अभिरुचि का परीक्षण केवल एक बार् किया जाता है, ग्रातः पहले परीक्षण में उसने जो ग्रेड प्राप्त किया है। उसको वायु सेना चयन बोर्ड में लिये जाने वाले बाद के प्रत्येक साक्षात्कार में स्वीकार किया जाएगा। जो उम्मीदवार पायलट संबंधी ग्राभिक्षि के पहले परीक्षण में फेल हो जाता है वह भारतीय वायु सेना का (एफ० पी०) गाखा नौसेना विभानन हेतु प्रवेण के लिये ग्रावेदन नहीं कर सकता।

(10) प्रशिक्षण कोर्स में प्रवेश के लिए श्रह्तायें:—जो उम्मीदवार राष्ट्रीय रक्षा श्रकादमी, भारतीय सेना श्रकादमी वायु सेना उड़्यन महाविद्यालय, नौ सेना श्रकादमी, कोचीन श्रौर श्रिधकारी प्रशिक्षणशाला, मद्रास मे पहले प्रवेश पा चुके हैं, पर श्रनुशासनिक श्रीधार पर वहां से निकाल दिये गये है उनको भारतीय सेना अकादमी ने मेना श्रकादमी, वायु सेना अकादमी या थल मेना अकादमी में श्रत्यकालीन सेना कमीशन में प्रदेश देने की बात पर विचार नहीं किया जायेगा। जिन उम्मीदवारों को एक श्रिधकारी से श्रपेक्षित लक्षणों के श्रभाव के कारण पहले भारतीय सेना श्रकादमी में वापस किया गया हो उन्को भारतीय सेना श्रकादमी में प्रवेश नहीं दिया जाएगा।

जिन उम्मीदवारों को स्पेशल एण्ट्री नेवल कडेट्स के रूप में पहले चुन लिया गया हो पर बाद में एक श्रधिकारी में श्रपेक्षित लक्षणों के श्रभाव के कारण राष्ट्रीय रक्षा श्रकादमी या नौसेना प्रतिष्ठानों से वापस किया हो वे भारतीय नासेना में प्रवेश के लिये पात नहीं होंगे।

िजन उम्मीदवारों की एक अधिकारी मे अपेक्षित लक्षणों के अभाव के कारण भारतीय सेना अकावमी, अधिकारी प्रणिक्षण शाला एन० सी० सी तथा स्नातक कोर्स से बापस किया गया है उनके बारे मे थल मेना ने अल्पकालिक सेवा कमीशन देने की बात पर विचार नहीं किया आएगा।

जिन उम्मीदवारों को एक ग्रधिकारी में श्रपेक्षित लक्षणों के प्रभाव के कारण एन० सी० सी० तथा स्नातक कोर्स में पहले वापस किया गया हो, उनको भारतीय सेना श्रकादमी में प्रवेश नहीं दिया जायेगा।

(11) भारतीय सेना श्रकादमी या नौ सेना श्रकादमी या वायु सेना श्रकादमी मे प्राणक्षण के समय विवाह पर प्रतिबन्ध:—भारतीय सेना श्रकादमी श्रौर नौ सेना श्रकादमी या वायु मेना श्रकादमी के कोर्स के उम्मीदवारों को इस बात का परिचय देना है कि जब तक उनका सारा प्रणिक्षण पूरा नहीं होगा तब तक वे णादी नहीं करेंगे। जो उम्मीदवार श्राने श्रावेदन की तारीख के बाद शादी कर लेता है उसको प्रशिक्षण के लिये चुना नहीं जायेगा चाह वह इस परीक्षा में या श्रगली किसी परीक्षा में भले ही सफल हो। जो उम्मीदवार प्रणिक्षण काल में णादी कर लेगा उसे वापस भेजा जाएगा श्रौर उस पर सरकार ने जो पैसा खर्च किया वह उससे वसूल किया जायेगा श्रव्यकालिक

सेवा कमिशन एन टी के पाठकम का कोई उम्मीद-वार:——

- (क) जिसने किसी ऐमें क्यक्ति के साथ शादी की हो या शादी के लिये संविदा कर ली हो जिसकी पहले में कोई जीवित पति/पत्नी है या थी।
- (ख) जिसने पहले ही जीवित पित/पत्नी होते हुए भी किसी ध्यक्ति से शादी की हो या शादी के लिये संविदा कर ली हो।

अधिकारी प्रशिक्षणणाला में प्रवेण प्रल्पकालीन नेवा कमीणन की प्राप्ति का पान्न नहीं होगा। परन्तु यदि केन्द्रीय मरकार इस बात से संतुष्ट हो कि इस तरह की शादी ऐसे व्यक्तियों के लिये श्रीर शावी की दूसरी तरफ के व्यक्तियों के लिये लागू व्यक्तिगत कानून के अनुसार अनुमोदनीय है श्रीर ऐसा करने के श्रन्य ठोस कारण है तो किसी व्यक्ति को वह इस नियम के अनुपालन में छट दे सकती है

(12) भारतीय सेना ग्रकावमी या नौ सेना ग्रकावमी या वायु सेना ग्रकावमी में प्रशिक्षण के समय ग्रन्थ प्रतिबन्ध: भारतीय सेना ग्रकावमी, नौ सेना ग्रकावमी या वायु सेना ग्रकावमी में प्रवेश प्रकृत करने के बाद, उम्मीदवार किसी दूसरे कमीशन के लिये विचार योग्य नहीं होंगे। भारतीय सेना ग्रकावमी या नौ सेना ग्रकावमी या वायु सेना ग्रकावमी में प्रशिक्षण के लिये ग्रन्तिम रूप से उनका चयन हो जाने के बाद उनको ग्रौर किमी भी साक्षात्कार या परीक्षा में उपस्थित होने की ग्रनुमति नहीं दी जाएगी। जो उम्मीदवार भारतीय सैन्य ग्रकावमी, नौ सेना ग्रकावमी/वायु सेना ग्रकावमी से त्याग पत्र देते हैं उन्हों उनकी योग्यता के ग्राधार पर ग्रिधकारी प्रशिक्षण शाला में क्षेने हेतु विचार किया जा सकता है बगतें कि उस कोर्स विशेष में स्थान खाली हो।

13. संघ लोक मेवा ग्रायोग ने ''संघ लोक सेवा ग्रायोग की वस्तुपरक परीक्षाम्रों हेतु उम्मीदवार विवरणिका" शीर्षक मे एक समूल्य पुस्तिका छापी है। यह इस उद्देश्य से छापी गई है जिसमें सं० लो० से० आर० की परीक्षामों या चयनों के भावी उम्मीदवारों को सहायता मिल सके। यह पुस्तिका प्रकाशन नियंत्रक, सिविल लाइन्स, देहली-110054 के पास बिक्री के लिए सुलभ है ग्रीर इसे उनसे सीधे मेल ग्रार्डर द्वारा या नकद भुगतान पर प्राप्त किया जा सकता है। इन्हें केवल नकद भुगतान पर (1) किताब महल, रिवोली सिनेमा के सामने, एम्पोरिया बिल्डिंग, "सी" ब्लाक, बाबा खड़ग सिंह मार्ग, नई दिल्ली-110001 और (2) दिस्ली-110001 पर स्थित प्रकाशन शाखा का बिकी काउण्टर ग्रीर (3) गवर्नमेंट श्राफ इण्डिया बुक डिपो, 8 कें० एस० राय रोड,कलकत्ता-700001 से भी लिया जा सकता है। मैनुग्रल भारत सरकार के प्रकाशनों के विभिन्न मुफस्सिल शहरों में स्थित एजेंटों मे भी उपलब्ध है।

14. उम्मीदवार को भ्रपना भ्रावेदनपत्न प्रस्तुत कर देने के बाद उम्मीदवारी वापस लेने से सम्बद्ध उसके किसी भी भ्रागोध को िया भी परिध्यित में स्वीकार नहीं किया जाएगा।

डी० पी० राय उप सचिव संघ लोक सेवा श्रायोग

परिक्षिष्ट----1 (परीक्षा की योजना, स्तरस्रोर पाठ्य-विवरण)

1. परीक्षा की योजनाः

- प्रतियोगिता परीक्षा में निम्निलिखित सम्मिलित होगा:----
- (क) नीचे के पेरा 2 में निर्दिष्ट रीति में लिखित परीक्षा,
- (ख) उन उम्मीदवारों का बुद्धि भ्रौर व्यक्तिगत परी-क्षण (इस परिभिष्ट के भाग ख के भ्रनुसार) के लिये साक्षात्कार जिन्हें किसी भी एक सर्विमेज मेलेक्शन सैंटर में साक्षात्कार के लिये बुलाया "जाये।
- लिखित परीक्षा के विषय, उनके लिये दिया जाने वाला समय और प्रत्येक विषय के लिये नियत भ्रिधिकतम ग्रंक निम्नलिखित होंगे:——

(क) भारतीय सेना श्रकादमी मे प्रवेश के लिये

विषय	श्रवधि	ग्रधिकतम ग्रंक
1. भ्रंग्रेजी	2 घण्टे	100
2. सामान्य ज्ञान	2 घण्टे	100
3. प्रारम्भिक गणित	2 घण्टे	100

(ख) नौं सेना श्रकादमी मे प्रवेश के लिये:

विषय	नियन समय	ग्रधिकतम ग्रंक
	2 घण्टे	100
*2. सामान्यज्ञान	2 घण्टे	100
* 3. प्रारंभिक गणित	2 घण्टे	100

(ग)	स्रधिकारी	प्रशिक्षणशाला	में	प्रवेश	के	लिए :
--------------	-----------	---------------	-----	--------	----	-------

विषय	ग्रवधि	म्रधिकतम भ्रंक
1. श्रंग्रेजी	2 घण्टे	100
2. मामान्य ज्ञान	2 घण्टे	100

(घ) बाय मेना ग्रकादमी में प्रवेश के लिये:

	श्रवधि	ग्रधिकतम ग्रंक
1. श्रंग्रेजी	2 घण्टे	100
2 सामान्य ज्ञान	2 घण्टे	100
3. प्रारंभिक गणित	2 घण्टे	100

लिखित परीक्षा श्रीर साक्षातकार के लिये जो अधिकतम श्रंक नियत किये गये हैं, वे प्रत्येक विषय के लिये समान होंगे अर्थात् भारतीय मेना श्रकादमी, नौसेना श्रकादमी, श्रफ्सर ट्रेनिंग स्कूल श्रीर वायु सेना श्रकादमी में भर्ती के लिए लिखित परीक्षा श्रीर साक्षातकार के लिये नियत श्रीधकनम श्रंक कमशः 300, 300 श्रीर 200 श्रीर 300 होंगे।

सभी विषयों के प्रश्नपत्नों में केवल वस्तुपरक प्रश्न ही होंगे। प्रश्नपत्न (परीक्षण पुस्तिकायों) केवल अंग्रेजी में तैयार किए जाएंगे। उम्मीदवारों को प्रवेश प्रमाणपत्नों के साथ उम्मीदवार सूचना विवरणिका दी जाएंगी जिसमें नमूना प्रश्नपत्नों सहित वस्तुपरक प्रकार के परीक्षण का पूरा ब्योरा शामिल होगा।

- 4. प्रश्नपत्नों में जहां भी ग्रावश्यक होगा केवल तौल ग्रार माप की मीटरी पद्धति में संबंधित प्रश्नों को ही पूछा जाएगा।
- 5. उम्मीदवारों को प्रश्नपत्नों के उत्तर ग्रपने हाथ से लिखने चाहिए। किसी भी दणा में उन्हें प्रश्नों के उत्तर लिखने के लिये लिखने वाले की सहायता सुलभ नहीं की जायेगी।
- परीक्षा के एक या सभी विषयों के ग्रर्हक श्रंकों का निर्धारण श्रायोग की विवक्षा पर है।
- 7 उम्मीदवारों को बस्तुपरक प्रश्नपत्नों (प्रश्न पुस्तिकाश्ची) के उत्तर देने के लिये कैलकुलेटर का प्रयोग करने की भ्रनु-मित नहीं है। भ्रतः वे उसे परीक्षा भवन में न लाएं।
- (ख) परीक्षा का स्तर ग्रीर पाठ्य विवरण स्तर प्रारम्भिक गणित के प्रश्नपत्नों का स्तर मैंद्रिकुलेशन परीक्षा का होगा।

श्रन्य विषयों में प्रश्नपत्नों का स्तर लगभग वही होगा जिसकी किसी भारतीय विण्वविद्यालय के स्तातक से अपेक्षा की जा सकती है।

पाठ्य निवरण

अंग्रेजी (कोड सं० 01)

प्रश्नपत्न इस प्रकार का होगा कि जिससे उम्मीदबार की प्रग्नेजी और अंग्रेजी के शब्दों के बोध की परीक्षा ली जा सकें।

मामान्य ज्ञान (कोड सं० 02)

सामान्य ज्ञान तथा साथ मे समसामयिक घटनान्नों भ्रौर वित-प्रतिदिन देखे भ्रौर ग्रनुभव किये जाने वाले इसी तरह के मामले के वैज्ञानिक पक्ष की जानकारी, जिसकी किसी ऐसे शिक्षित व्यक्ति से श्रपेक्षा की जा सकती है, जिसने किसी वैज्ञानिक विषय का विशेष श्रध्ययन न किया हो।

प्रक्रमपद्ध में भारत के इतिहास ग्रौर भूगोल से संबंधित ऐसे प्रक्त भी होंगे जिनका उत्तर उम्मीदवार को उन विषयों का विशेष ग्रध्ययन किए बिना देना चाहिए।

प्रारंभिक गणित (कोड सं० 03)

ग्रंकगणित

सक्या पद्धतियां:--धनपूर्ण संख्याएं, पूर्णांक, पश्मिय, ग्रीर बास्तविक संक्रियाएं, मूल संक्रियाएं--जोड़, घटाना, गुणन ग्रीर विभाजन, वर्ग मूल, दशमलव भिन्न

एकिक विधि — समय तथा दूरी, समय तथा कार्य प्रति-शतता, साधारण तथा चक्रवृद्धि ब्याज में अनुप्रमेय, लाभ तथा हानि, श्रनपास श्रीर समानपात विवरण।

प्रारंभिक संख्या सिद्धांत: -- विभाजन की कलन विधि प्रभाज्य ग्रौर भाज्य संख्याएं, 2,3,4,5,9 ग्रौर 11 द्वारा विभाज्यता के परीक्षण ग्रपवर्तत्य ग्रौर गुणनखंड/ गुणन खंड प्रमेय/महत्तम समापवर्तक तथा लवुत्तम समापवर्तक, युक्लिड की कल्न विधि।

भ्राधार 10 तक लघुगणक, लघुगणक के नियम, लघु-गण कीय सारणियों का प्रयोग।

बीजगणित

ग्राधारभूत संक्रियाएं: साधारण गुणनखंड 1 क्षेप फल प्रमेय, बहुपदों का महत्तम लमापवर्तक श्रौर लबृतम समाप-पबर्त्य लिद्धांत, द्विघ समीकरणों का हल इाके मूलो श्रौर गुणांकों के बीज संबंध (केवल वास्तविक मूल पर विचार किया जाए) दो श्रक्षात राशियों में युगपत रेखिक समी-करण-विघलेपण श्रौर ग्राफ संबंधी हल दो चरों में युगपत रेखिक श्रसीमिकाएं श्रौर उनके हल प्रायोगिक प्रश्न जिनके दो चरों में दो युगपत, रेखिक समीकरण या श्रिभिकाएं अनती हैं या एक चर में द्विघात, समीकरण तथा उनके हल समुच्चय भाषा तथा अमुच्चय अंकन पद्धति, परिमेय व्यंजक तथा प्रतिबन्धः तत्समक घातांक नियमः।

विकोण मिति

तत्समक

ज्या < कोटिज्या <,स्पर्षरेखा <, जब $0^\circ < \times 90^\circ$ ज्या < कोटिज्या, \times स्पर्शरेखा <, का मान क्योंकि $<=0^\circ$ 30° 45° 60° श्रौर 90° सरस तिकोगमितिय

त्निकोणमितीय सारणियों का प्रयोग ऊंचाइयों भ्रौर दूरियों के संग्ल कोण ज्योमिति

रेखा और कोण, समतल श्रौर समान ग्राहित निम्तिलिखित पर प्रमेथ:——(1) किसी बिन्दु पर कोणो के गुणधर्म, (2) समांतर रेखाएं, (3) किसी ब्रिभुज की भुजाएं श्रौर कोण, (4) ब्रिभज की सर्वगपमता समकोण विभज माध्यकाओं श्रौर शीर्ष लम्बों का सगमत, (7) समान्तर चतुर्भुजों, श्रायात श्रौर वर्ग के कोणों भुजाओं के विकल्पों के गुणधर्म, (8) बृत्त श्रौर उनके गुणधर्म जिन्में स्पर्ण रेखा तथा श्रीभलम्ब भी शामिल हैं, (9) स्थानिक समक विस्तार कलन

वर्गी, श्रायतों, समानान्तर चतुर्भुजों, तिभुजों श्रौर वृत्तों के क्षेत्रफल, उन ग्राकृतियों के क्षेत्रफल जो इन ग्राकृतियों में विभाजित की जा सकती है। (क्षेत्र वहीं) धनामों का पृष्ठीय क्षेत्रफल तथा श्रायतन लम्ब वृत्तीय णंकुग्रों ग्रौर बेलनों का पार्ष्व-ऊठाय तथा ग्रायतन/गोलकों का पृष्ठीय क्षेत्रफल तथा श्रायतन

सांख्यिकी

सांख्यिकी तथ्यों का संग्रह तथा सारणोयन मालेखी निरूपण बारम्बारता बहुभुज म्रायात चित्र भलाका चार्ट, पाई चार्ट म्रादि केन्द्राय प्रवृत्ति के माब रेखाम्रों के बीच कोंण

बुद्धि तथा व्यक्तित्व परीक्षण

उम्मीदवारों की बुनियादी बुद्धि की जांच करने के लिए साक्षात्कार के स्रतिरिक्त मौखिक तथा लिखित बुद्धि परीक्षा ली जाएगी उनके स्रुप परीक्षण भी किए जाएंगे जैमे स्रुप परिचर्या, स्रुप योजना, बहिरंग स्रुप कार्यकलाप तथा उन्हें निर्दिष्ट विषयों पर संक्षिप्त व्याख्यान देने के लिए कहा जायेगा, ये सभी परीक्षा उम्मीदवारों की मेघा शक्ति जांच के लिए हैं। मोटे तौर पर यह परीक्षण वास्तव में न केवल उनके बौद्धिक गुणों की जांच के लिए है अपितु इसमें उनकी सामाजिक विशेषनाओं तथा सामाजिक घटनाओं के प्रति दिलचस्यी का भी पता चलेगा।

परिशिष्ट⊸2

सम्मिलित रक्षा सेवा परीक्षा के लिए उम्मीदवारों के शारी-रिक मानक टिप्पणी : उम्मीदवारों को निर्धारित मानकों के श्रनुसार शारी-रिक रूप से स्वस्थ होना श्रावण्यक है। स्वस्थता मंबंधी मानक नीचे दिये जाते हैं।

बहुत से महंता प्राप्त उम्मीदवार बाद में स्वास्थ्य के म्राधार पर म्रस्वीकृत कर दिये जाते हैं। मृतः उम्मीदवारों को उनके भ्रपने हित में सलाह दी जाती है कि वे म्रंतिम म्रवस्था पर निराणा से बचने के लिए ग्रावेदनपन्न भेजने से पहले भ्रपने स्वास्थ्य की जांच करा ले।

- 1. सेवा चयन बोर्ड द्वारा भ्रनुणंसित उम्मीदवार को सेना के चिकित्सा श्रिधिकारियों के बोर्ड द्वारा स्वास्थ्य परीक्षा करानी होगी। श्रकादमी या प्रशिक्षणालय मे केवल उन्हीं उम्मीदवारों को प्रविण दिया जाएगा जोिक चिकित्सा बोर्ड द्वारा स्वस्थ घोषित कर दिए जाते हैं। चिकित्सा बोर्ड की कार्यवाही गोपनीय होती है जिमे किमी को नहीं दिखाया जायेगा किन्तु भ्रयोग्य, श्रम्थाई रूप से श्रयोग्य घोषित उम्मीदवारों को उनके परिणाम की जानकारी चिकित्सा बोर्ड के श्रध्यक्ष द्वारा वे दी जायेगी तथा उम्मीदवारों को चिकित्सा बोर्ड से श्रपील का श्रनुरांध करने की प्रक्रिया भी बता दी जाएगी। उम्मीदवारों के लिए नीचे संक्षिप्त रूप में दिए गए निर्धारित शारीरिक मानकों के श्रनुसार स्वस्थ होना श्रावश्यक है:—
 - (क) उम्मीदवार का शारीरिक तथा मानसिक स्वास्थ्य ठीक होना चाहिए तथा उन्हें ऐसी बीमारी/प्रशक्तता में मुक्त होना चाहिए जिससे उनके कुशलतापूर्वक कार्य करने में बाधा पड़ सकती हो।
 - (ख) उनमें कमजोर शारीरिक गठन दैहिक दोष की स्थलता नहीं होनी चाहिए।
 - (ग) कद कम से कम 157.5 सेमी० (तौ सेना के लिए 157 से० मी० तथा वायु सेना के लिए 162.5 से० मी०) का हो। गोरखा और भारत के उत्तर पूर्व क्षेत्र के पर्वतीय प्रदेशों, गढ़वाल तथा कुमांऊ के व्यक्तियों का 5 से० सी० कम कद स्वीकार्य होगा। लक्षद्वीप के उम्मीदवारों के मामले से न्यूनतम कद में 2 से० मी० की कमी भी स्वीकार्य की जा सकती हैं। कद ग्रीर वान के मानक नीचे दिए जाते हैं:---

कद धौर वजन के मानक

सेंटीमीटरों में कद	·		किलोग्राम में वजन		
(बि⊣ा जूता)			18 वर्ष	20 वर्ष	 22 वर्ष
1			2	3	4
152		,	45	48	47
155			46	47	4 9
157			47	49	50
160			48	50	51
162	-		50	52	53
165			52	53	5 5

1	. = - -		_ 2	3	$\frac{4}{}$
168		•	53	5 5	57
170			5 5	57	58
173		-	. 57	5 9	60
175			59	61	62
178		•	61	62	63
180			63	64	65
183			65	67	67
185			66	69	70
188			70	71	72
190	•		72	73	74
193			74	76	77
195	•		77	78	79

उपर्युक्त सारणी में दिए गए ग्रौसत वजन का + 10 प्रतिणत (नौ सेना के लिए वजन सामान्य सीमा के श्रन्दर माना जाएगा; किन्तु भारी हिंड्डयों वाले लम्बे चौडे व्यक्तिया तथा पतले पर ग्रन्यथा स्वस्थ व्यक्तियों के मामले में गुणवता के श्राधार पर इसमें कुछ छट दी जा सकती है)

- (घ) छाती भली प्रकार विकसित होती चाहिए तथा पूरा सांस लेने के बाद इसका न्यूनतम फुलाव 5 से० मी० होना चाहिए। माप इस तरह फीता लगा-कर की जाएगी कि इसका निचला किनारा सामने चूचक से लगा रहे घरीर फीते का ऊपरी भागपीछे स्कन्ध फलक (शोल्डर ब्लेड) के निम्न कोण (लोग्नर एन्गिल) को छूने रहेना चाहिए। छाती का एक्स-रे करना जरूरी है इसे यह जानने के लिए किया जाएगा कि छाती का काई रांग तो नहीं है।
- (झ) गरीर में हिड्डयों ग्रौर जोड़ों का कोई रोग नहीं होना चाहिए।
- (च) उम्मीदवार के सम्बन्ध में मानसिक विकृति या दौरा पडने का पूर्ववृत्त नहीं होना चाहिए।
- (छ) उम्मीदवार मामान्य रूप से सुन सके । उम्मीदवार को इस योग्य होता चाहिए कि वह शान कमरे में प्रत्येक कान से 610 से०मी० की दूरी से जोर की काताफूसी सुन सके, कर्ण नासिका कंठ की पिछत्ती या श्रव की बीमारी का कोई प्रमाण नहो।
- (ज) हृदय या रक्त बाहिकाओं के सम्बन्ध में कोई कियात्मक या श्रागिक योग नहीं होना चाहिए रक्त दाब सामान्य हो।
- (झ) उदरपेशियां मुबिकसित हों तथा जिगर या तिल्ली खढ़। हुई न हो उद्दर के स्नातिश्क स्नग का कोई बीमारी होने पर उम्मीदवार स्नस्वीकृत कर दिया जाएगा।

- (ज) यदि किसी उम्मीदवार को हिंग्या है ग्रौर उसकी शस्य चिकित्सा न की गई हो तो वह उम्मीदवार श्रनुपयुक्त होगा यदि हीं त्या की शस्य चिकित्सा हो गई हो तो वह वर्तमान परीक्षा में कम से कम एक वर्ष पहले हुई हो जिसका जख्म पूरी तरह ठीक हो चुका हो।
- (ष्ट) हाइड्रोसील वेरिकोसील या पाइल्स का रोग नहीं होना चाहिए।
- (ठ) मृत्र की परीक्षा की जाएगी और यदि इसमें कोई असमान्यता मिलती है तो इससे उम्मीदवार अस्वीकृत हो जाएगा।
- (ड) चर्म का ऐसा रोग जिससे श्रणक्तता श्रथवा विकृति होने की संभावना है तो उससे भी उम्मीदवारी रह हो जाएगी।
- (ढ़) उम्मीववार को दूर-दृष्टि चार्ट मे प्रत्येक ग्राख में ऐतक महिन या ऐतक बिता (नौ मेना तथा वायु मेना के लिए केवल ऐनक बिना) 6/6 पढ़ने समर्थ होना चाहिए, मायोपिया 3.5 डी तथा हाइपरमेट्रोपिया 3.5 डी (एस्टिंगमेटिज्म) महित से ग्रिधिक नहीं होना चाहिए। यह जानने के लिए कि ग्रांख में कोई रोग तो नहीं हैं ग्रांख की ग्रांतिक परीक्षा ग्रोपथल मोस्काप से की जाएगी। उम्मीववार के दोनों नेन्नों की दृष्टि भ्रच्छी होनी चाहिए। वर्ण दृष्टि का मानक सी० पी०—3 होगा। उम्मीदवार मे लाल व हरे रंगों को पहचानने की क्षमता होनी चाहिए।

नौ सेना हेतु उम्मीदवारों का दृष्ट-म्तर निम्न प्रकारप होना चाहिए :——

दूरदृष्टि . . 6/6, 6/6 तक सुधार योग्य 6/9

निकट दृष्टि . एन-५ प्रत्येक श्रांख

वर्णदृष्टि . एन० एच० वी० द्वारा बी० पी०-1

मायोपिया 0 75 डायोप्ट्रेस से ग्रधिक नही श्रौर हाइपर-मेट्रोपिया ग्रच्छी श्रांख में 1.50 डायोप्ट्रेस से तथा बुरी श्रांख में 2.50 डायोप्ट्रस से ग्रधिक नहीं।

नेन्न-पेशी सतुलन

मेडोक्का टेस्ट के साथ हैट्रोफोरिया से निम्नलिखित से बिल्कुल ग्रिधिक न हो।

- (i) 6 मीटर पर एक्सोफोरिया 8 प्रिज्म डायोप्ट्रेस एसीफोरिया 8 प्रिज्म डायोप्ट्रेस हाइपरफोरिया 1 प्रिज्म डायोप्ट्रेस
- (ii) 30 सेंनी० पर एक्सोफोरिया 16 प्रिज्म डायोप्ट्रेस एसीफोरिया 06 प्रिज्म डायोप्ट्रेस डाइपरफोरिया 1 प्रिज्म डायोप्ट्रेस

- (ड) उम्मीदवार के पर्याप्त संख्या में कुदरती व मजबूत बांत होने चाहिए, सम से सम 14 दांत बिन्दू वाले उम्मीदवार स्वीकार्य हैं। जब 32 दांत होते हैं तक कुल 22 दात बिन्दू होते हैं: उम्मीदवार को तीब्र पायरिया का रोग नहीं होना चाहिए।
- (ण) छाती का एक्स-रे परीक्षा मे ग्रेज पशुका की उप-स्थिति हेतु ग्रंथ मेरुदण्ड के निचले भाग की परीक्षा भी णामित्र होगी सेना चिकित्सा बोर्ड द्वारा जरूरी समझने पर मेरुदण्ड के श्रन्य भागों की एक्स-रे परीक्षा की जाएगी।
- केवल वायु मेना के उम्मीदवारों के लिए उपर्युक्त के साथ निम्नलिखिन चित्तिसा भानक भी लागृ होगे :—
 - (क) वायु मेना के लिए स्वीकार्य मानव देह सम्बन्धी माप निम्न प्रशार है:--

कद 162 5 में० मी०

टांत की लम्बार्ड कम से कम 99 में० मी० श्रार

श्राधिक से श्रीधिक 120 सें० मी०

श्राप्त की लम्बार्ड श्रीधिक से श्रीधिक 64 सें० मी०

बैठ कर ऊंचार्ड कम से कम 81 5 सें० मी० श्रीर
श्रीधिक से श्रीधिक 96 सें० मी०

- (स्त्र) मेरुदण्ड का एक्स-रे कटिकिक दिया जाएगा । एक्सरे में प्रकट निम्नलिखित शर्ते धनर्हक होगी ।
 - (i) मेरुदण्ड का कणिकागुल्मीय रोग।
 - (1i) ग्राथाइटिम/स्पीडिलोसिस
 - (iii) मंद से ग्रपेक्षाकृत ग्रधिक कायफोसिस/ लडोसिस स्कोलियोसिस काल-पद्धति द्वारा 15 से ग्रधिक ग्रस्वीकृति का कारण बनेगा।
 - (iv) स्पं डोलोलिमिस थैसिस/स्पीडीलोलिमिस
 - (v) हर्निएटिड न्यूक्तियम पलपोसम ।
 - (vi) काणेका का सम्पीडन श्रन्थिभंग
 - (vii) एवं यर मेन का रोग
 - (viii) प्रदर्णनीय नंत्रिकीय या परिसंचरणीय ग्रभाव के साथ ग्रेब पणुका।
 - (ix) कोई श्रन्य श्रपसामान्यता जिसे विशेषज्ञ ऐसा ठहराए ।
- (ग) छाती का एक्स-रे कस्टरी है।
- (घ) दृष्टि

दूर की दृष्टि 6/6, 6/6 तक

मुधार योग्य 6/9

पास की दृष्टि प्रत्येक श्रांख की एस-5

णं दृष्टि बी० सी०-1 (एम० म्राई० एच०) मेनीफेंग्ट हाइगरमेंट्रोपिया-2,00 डी० से अधिक न हो। नेत्र पेशी सन्तुलन मडोक्स रोड टेंग्ट के साथ हेटीकोरिया निस्तुलिखित से

मडोक्स रोड टेंग्ड के साथ हेट्रोकोरिया निम्नलिखित से भ्राधिक न हो :----

- (i) 6 मीटर पर एक्वोकोरिया 6 प्रिज्म डायोप्ट्रेस एक्सोफोरिया 6 प्रिज्म डायोप्ट्रेस हाइपरफोरिया 1 प्रिज्म डायोप्ट्रेस
- (ii) 33 सेमी० पर एक्सोफोरिया 16 प्रिज्म डायोप्ट्रेस एक्सोफोरिया 06 प्रिज्यम डायोप्ट्रेस हाइपरफोरिया 1 प्रिज्म बायोप्ट्रेस मायोपिया कुछ नही एस्टिगमेटिज्म 0.75 डी० केवल

द्विनेत्री दृष्टि—-श्रच्छी द्विनेत्री दृष्टि का होना श्रनिवार्य है। प्यूजन तथा स्टरबोसिस तथा साथ में श्रच्छा श्रायाम व गहनता।

- (इ) मानक
- (i) बाक परीक्षत: प्रत्देक कान से 610 से० मी० से कानाफूसी सुनाई दे।
- (ii) श्रव्यतामितिक 250 एच० एस० तथा 4000 एच० जैंड० के बीच की ग्राव-तियों में व्यक्षिमत कमी 10 डी० बी० से ग्रधिक नहों।
- (च) रूटीन ई० मी० जी० तथा ई० ई० जं० मामान्य सी-त में हो।
- 3. नौ सैनिक विमानन शाखा के उम्मीदवार हेतु स्वास्थ्य मानक वही होंगे जो वायु सेना के उड़ान ड्यूटी हेतु उम्मीद-वार के हैं।
- 4. किसी एक सेवा के लिए निर्धारित विशेष परीक्षण किए जाने के दौरान यदि किसी ब्रक्षमता का पता चलता है तो मेडिकल बोर्ड द्वारा अनहैंक-टहराए जान की स्थिति में यह अक्षमता उम्मीदनार को अन्य सेवा (सेवाग्रों) के लिए भी अयोग्य ठहरा सकती है।

परिशिष्ट-3

सेवा श्रादि के संक्षिप्त विवरण नीचे दिए गये हैं: — भारताय सेना श्रकादमी देहरादून में प्रवेश लेने वाले उम्मीदवारों के लिए :—

- भारतीय सेना अकादमी में भर्त्ती करने से पूर्व—
- (क) उसे इस आणाय का प्रमाणपत्न देना होगा कि वह यह समझता है कि किसी प्रशिक्षण के दौरान या उसके परिणामस्वरूप यदि कोई चोट लग जाए ऊपर निर्दिष्ट किसी कारण मे या ग्रन्थण ग्राव-

- स्यक किसी सर्जिकल श्रापरेशन या संवेदनाहरण दवाओं के परिणासस्वरूप उसमें कोई शारीरिक श्राणक्तता आ जाने या उसकी मृत्यु हो जाने पर वह या उसके वैध उत्तराधिकारी को सरकार के विरुद्ध किसी मुश्रावजे या अन्य प्रकार की राहत का दावा करने का हक न होगा।
- (ख) उसके माता-पिता या भरक्षक को इस प्राणय के बन्ध पत्न पर हस्नाक्षर करने होंगे कि यदि किसी ऐसे कारण से जो उसके नियन्त्रण में समझे जाते हैं उस्मीदबार पाठ्यक्रम पूरा होने से पहले बापिस प्राना चाहता है, या कमीणन प्रस्वीकार कर देता है तो उसपर णिक्षा शुल्क, भोजन, बन्स और किए गये ब्यय तथा दिए गये बेतन और भन्ते की कुल राशि या उतनी राशि जो सरकार निण्चित करें उसे वापिस करनी होगी।
- 2. श्रन्तिम रूप से चुने गये उम्मीदवारों को लगभण 18 महीनों का प्रशिक्षण दिया जाएगा । इन उम्मीदवारों के नाम सेना श्रिधिनियम के श्रधीन "जैटलमैंन कैंडेट" के रूप में दर्ज किए जायेगे । "जैंटलमैंन कैंडेट" पर साधारण श्रनुशासनात्मक प्रयोजनों के लिए भारतीय सेना श्रकादमी के नियम श्रीर विनियम लागू होंगे।
- 3 यद्यपि भ्रावास, पुस्तक वर्दी, बोर्डिंग भ्रौर चिकित्सा सिंहत प्रशिक्षण के खर्च का भार सरकार वहन करेगी, लेकिन यह श्राशा की जाती हैं कि उम्मीदवार श्रपता खर्च खुद बदिश्त करेगे। भारतीय मेना श्रकावमी में (उम्मीदवार का न्यूनतम मासिक व्यय 90.00 हु से भ्रिधिक होने की संभावना नहीं हैं) यदि किसी कैंडेट के माता-पिता या संरक्षक इस खर्च को भी पूरा या ग्रांशिक रूप में बदिश्त करने में श्रसमर्थ हो तो सरकार द्वारा उन्हें वित्तीय सहायता दी जाती हैं। लेकिन जिन उम्मीदवारों के माता-पिता या संरक्षक की मासिक श्राय 500.00 हु या इससे श्रधिक हो। वे इस वित्तीय सहायता के पाल नहीं होंगे। वित्तीय सहायता की पालता निर्धारित करने के लिए श्रचल सम्पत्तियों श्रौर सभी साधनों से होने वाली श्राय का भी ध्यान रखा जाएगा।

यदि उम्मीदवार के माता-पिता या संरक्षक किसी प्रकार की वित्तीय सहायता प्राप्त करने के इच्छुक हों तो उन्हें ग्रपने पुत्र/संरक्षित के भारतीय सेना श्रकादमी में प्रशिक्षण के लिए श्रन्तिम रूप से जुने जाने के तुरन्त बाद ग्रपने जिले के जिला मिजिट्रेट के माध्यम से एक ग्रावेदन-पत्न देना चाहिए। जिने जिला मिजिस्ट्रेट ग्रपनी ग्रनुणंमा सहित भारतीय सेना श्रकादमी देहरादून के कमांडेट को श्रग्नेषित कर देगा।

4. भारतीय सेना श्रकादमी में प्रशिक्षण के लिए श्रन्तिम रूप से चुने गए उम्मीदवारों को श्राने पर कमांडेट के पास निमालियिन राशि जमा करानी होगी।

- (क) प्रतिमाम २० 90.00 के हिसाब से 5 महीने का जेब खर्च 450.00
- (ख) वस्त्र तथा उपस्कर की मदों के लिए 1500.00

योग 1950.00

उम्मीदक्षारों को वित्तीय महायता मंजूर हो जाने पर उपयुक्त राणि में से नीचे लिखी राणि वापिस कर दी जाएगी।

90.00 रु० प्रतिमास के हिसाब से पांच महीने का जेब . खर्च 450.00 रु०

- भारतीय से ता अकादमी में निम्तलिखित छात्रवृत्तियां उपलब्ध है :---
 - (1) परणराम भाऊ पटवर्धन छात्रवृत्ति महाराष्ट्र तथा कर्नाटक के कैंडटों को दी जाती है। छात्रवृत्ति की राणि श्रधिक से श्रधिक 500.00 के प्रति वर्ष है जो कैंडटों को भारतीय सेना श्रकादमी में रहने की अवधि के दौरान दी जाती है, बंगर्ने कि उसकी प्रगति संतोषजनक हो, जिन उम्मं दवारों को यह छात्रवृति मिलती है वे किसी अन्य सरकारी वित्तीय सहायता के हकदार न होगे।
 - (2) कर्नल केडल फक मेमोरियल छात्रवृत्ति : इम छात्रवृत्ति की राणि 360/- रुपए प्रति वर्ष है ग्रीर यह किमी ऐसे पात्र मराठा कैडेट को वी जाती है जो किमी भूतपूर्व सैनिक का पुत्र हो। यह छात्रवृत्ति सरकार से प्राप्त होने वाली किसी वित्तीय महायना के ग्रनिरिक्त होती है।
- 6. भारतीय सेना प्रकादमी के प्रत्येक कैंडेट के लिए सामान्य शर्तों के अन्तर्गत समय-समय पर लागू होने वाली दरों के अनुसार परिधान भत्ता श्रगादमी के कमांडेंट को सौंप दिया जाएगा । इस भत्ते को जो रकम खर्च होगी वह ।
 - (क) कैंडेट को कमीशन दें दिए जाने पर दे दी जाएगी।
 - (ख) यदि कैंडेट को कमीशन नहीं दिया गया तो भत्ते की यह रकम राज्य को वापस कर दी जाएगी।

कमीशन प्रदान किए जाने पर इस भत्ते में खरीदे गए वस्न तथा अन्य श्रावश्यक चीजे कैंडेट की व्यक्तिगत सम्पति बन जाएगी । किन्तु यदि प्रशिक्षणाधीन कैंडेट त्यागपत्न वे दे या कमीशन से पूर्व उसे निकाल दिया जाए या वापस बुला लिया जाए तो उपयुक्त वस्तुश्रों को उसमे वापस ले लिया जाएगा । इन वस्तुश्रों का सरकार के सर्वोत्तम हित को दृष्टिगत रखते हुए निपटान कर दिया जाएगा।

7. सामान्यतः किसी उम्मीबार को प्रणिक्षण के दौरान त्यागपत्न देने की श्रनुमति नहीं दी जाएगी । लेकिन प्रणिक्षण के दौरान न्याग-पत्न देने वाले जैटलमैन कैडेट को थल सेना मुख्यालय द्वारा उनका त्यागपत्न स्वीकार होने तक धर जाने

की प्राज्ञा दे दी जानी चाहिए। उनके प्रस्थान से पूर्व उनके प्रशिक्षण भोजन तथा सम्बद्ध सेवाधों पर होंने वाला खर्च उनसे वसूल किया जाएगा। भारतीय सेना ध्रकादमी में उम्मीदवारों को भर्ती किए जाने से पूर्व उनके माता-पिता/ध्रभिभावकों को इस ध्राशय के एक वांड पर हस्ताक्षर करने होंगे। जिसे जैटलमैंन कैंडेट को प्रशिक्षण का सम्पूर्ण कोर्स पूरा करने के योग्य नहीं समझा जाएगा उसे सेना मुख्यालय ध्रनुमित से प्रशिक्षण से हटाया जा सकता है। इन परि-स्थितियों में सैनिक उम्मीदवारों को ध्रपनी रेजिमेंट या कोर में वापिस भेज दिया जाएगा।

- 8. कमीशन प्रशिक्षण को सफलनापूर्वक करने पर ही दिया जाएगा, । कमीशन देने की तारीख प्रशिक्षण को सफलनापूर्वक पूरा करने की तारीख मे अगले दिन से शुरू होगी । यह कमीशन स्थायी होगा।
- 9. कमी शन देने के बाद उन्हें सेना के नियमित प्रफसरों के भमान बेनन श्रीर भत्ते, पेंगन श्रीर छुट्टी दी जाएगी तथा में वा की श्रन्य गर्ने भी बही होंगी जो सेना के नियमिन श्रफसरों पर समय-समय पर लागू होंगी।

(1) प्रशिक्षण

10. भारतीय सेना प्रकादमी में श्रामी कैडेट को "जैटलमैन कैडेट" का नाम दिया जाता है उन्हें 18 मास के लिए कड़ा सैनिक प्रशिक्षण दिया जाता है नािक वे इन्फेंट्री के उपयूतिटों का नेतृत्व करने के योग्य यन सकें, प्रणिक्षण की सफलना-पूर्वक पूरा करने के उपरान्त जैटलमैन कैडेटो को सैकिण्ड लेफिटनेंट के रूप में कमीशन प्रदान किया जाता है बशर्ते कि एस० एच० ए०पी० ई० शारीरिक रूप से स्वस्थ हों।

11 मेवाकी शर्तेः

1. वेतन:

रैंक	वेतनमान
सैकिण्ड लेफिटनेंट	750-790
लेपिटनेंट	830-950
कैप्टन	1100-1550
मेजर	1450-1800
मेजर (वेतन का चयन ग्रेड)	1880-50-1900
लेफ्टिनेट-कर्न ल (चयन द्वारा)	1750-1950
लेफ्टिनेंट कर्नल (चयन ग्रेड वेतन)	2000-50-2100
लेफ्टिनेंट कर्न ल (समय वेतनमान)	1900 नियत
कर्नल	1950-2175
ब्रि गेडियर	2210-2400
मेजर जनरल	2500-125/2-
	2750
लेपिटनेंट जनरल	3000 प्रतिमास
लेफ्टिनेंट जनरल (म्नार्मी कमाण्डर)	3250 प्रतिमास

_	योग्यता,	_	*		
a	ппп		-	313213	•
4.	9119111	974	ઝાર	अगदाग	
	,			5.5	

लेफिटनेंट कर्नल भ्रौर उसमें नीचे के रैंक के कुछ निर्धारित योग्यता रखने वाले भ्रधिकारी भ्रपनी योग्यतास्रों के भ्राधार पर 1600 ए०, 2400 ए०, 4500 ए०, 6000 ए० के एक भुग्त म्रनुदान के हकदार है। उड़ा प्रशिक्षण (वर्ग "ख") रु० 70 की दर पर योग्यता वेतन के प्रधिकारी होंगे ।

3. भत्ते:

वेतन के अतिरिक्त श्रफसरों को इस समय निम्नलिखित भत्ते मिलते हैं :-

- (क) सिविलियन राजपत्नित श्रफसरों पर समय-समय पर लागू दरों श्रौर शर्तों के श्रनुसार इन्हें भी नगर प्रतिकर तथा महंगाई भत्ते दिये जाते हैं।
- (ख) 75 रु० प्रतिमाह की दर से किट अनुरक्षण भत्ता।
- निर्वामन भक्ता भारत से बाहर सेवा करने (ग्) पर ही देय है, इसके भुगतान की दरें उपर्युक्त विदेश भक्तों की संगत एकल दर की 25 प्रतिशत से लेकर 40 प्रतिशत राशि तक भ्रलग–भ्रलग है।
- (घ) वियुक्ति भत्ता जब विवाहित श्रफसरों को ऐसे स्थानों पर नैनात किया जाता है जहां परिवार सहित नही रखा जा सकता है, तब श्रफसर 140/- २० प्रतिमाह की दर से वियुक्ति भत्ता प्राप्त करने के हकदार होते हैं।
- (इ.) सज्जा भत्ता:- प्रारम्भिक सज्जा भत्ता रु० 2100 है। प्रथम कमीशन की तारीख से प्रत्येक सात वर्ष के बाद 1800 रु० नये सज्जा भत्ते का दावा किया जा सकता है।
- (च) थल सेना में क्रिगेडियर के स्तर तक मुप्त राशन दिया जाना है।

4. तैनाती :

थल सेना श्रफसर भारत में या विदेश में कहीं भी तैनात किये जा सकते हैं।

पदोन्नति:

उच्चतर रैंकों पर स्थायी पदोनाति के लिए निम्नलिखित सेवा सीमाएं है।

समय वेतनभान स लेपिटनेट

2 वर्ष कमीशन प्राप्त सेवा

(क) स्थायी पदोन्नति

कैंप्टन	5 वर्ष कमीशन प्राप्त
	सेवा
मेजर	11 वर्ष कमीशन प्राप्त
	सेवा
लेफ्टिमेंट कर्नल (चया इंहारा)	21 वर्ष कमीशन भ्राप्त
	सेवा
ले फिटनेंट कर्न ल	16 वर्ष कमीणन प्राप्त
	सेवा
कर्नल	20 वर्ष कमीशन प्राप्त
	सवा
क्रिगे डि यर	23 वर्ष कमीशन प्राप्त
	सेवा
मेजर जनरल	25 वर्ष कमीणन प्राप्त
	सेवा
लेफ्टिनेट जनरल	28 वर्ष कमीशन प्राप्त
	सेवा
जनरल	कोई प्रतिथन्ध नहीं

(ख) कार्यकारी पदोन्नति

निम्नलिखित न्यूनतम सेवा सीमाएं पूरी करने पर श्रकसर उच्चतर रैंकों पर कार्यकारी पदोन्तति के लिए पान्न होगें मार्ने कि रिकितया उपलब्ध हों:-

कैप्टन	3 वर्ष
मेजर	6 वर्ष
लेफिटनेट कर्नल	6-1/2 वर्ष
कर्नल	8-1/2 वर्ष
क्रि गेडियर	12 वर्ष
मेजर जनरल	20 वर्ष
लेफिटनेट जनरल	25 वर्ष

- (ग) नौ सेना प्रकादमी गोवा में भर्नी होने वाले उम्मीद-वारों के लिए:
- 1. (क) जो उम्मीदवार श्रकादमी में प्रशिक्षण के बिए श्रन्तिम रूप से चुन लिए जाएंगे, उन्हे नौसेना कार्यकारी शाखा से कैंडेटों के रूप में नियुक्त किया जाएगा । उन जम्मीदवारों को नौसेना श्रकादमी, गोवा के प्टन के पास निम्नलि**खित** राशि जमा करवानी होगी।
- (1) जिन उम्मीदवारों ने सरकारी वित्तीय सहायता के लिए श्रावेदन पन्न नही दिया हो:-
 - (1) 100.00 रुपए प्रतिमास की धर से छ: मास के लिए जेब सर्च

600.00 হ৹

(2) कपड़ों घ्रौर सज्जा-सामग्री के लिए 1260.00 € 0

> जोड 1860.00₹∘

- (2) जिन उम्मीदवारों ने सरकारी विक्तःय सहायता के लिए ग्रावेदनपत्र दिया हो:--
 - (1) 100.00 ६० प्रतिमास की दर भेदो मास के लिए जेब खर्च 20.00 ६०
 - (2) कपड़ों भ्रौर मज्जा-सामग्री के लिए 1260.00 हुए

जोड

1460.00 ቹ0

- (ख) (i) चुने हुए उम्मीदवारों को कैंडेटो के रूप मे नियुक्त किया जाएगा तथा उन्हें नौंसेना जहाजो धौर प्रतिष्ठानों मे नीचे । विया गया प्रशिक्षण प्राप्त करना होगा :---
 - (क) कैडेट प्रशिक्षण तथा 6 माम का नौकाएं प्रशिक्षण

1 वर्ष

- (ख) मिडशिपमैन नौकाएं प्रशिक्षण
- 6 मास
- (ग) कार्यकारी सब लेफ्टिनेट तकनीकी कोर्स

12 मास

(घ) सब-लेपिटनेट

उपर्युक्त प्रशिक्षण पूरा होने के बाद, अधिकारियों को नौ-वहन निगरानी संबन्धी पूर्ण प्रमाण पत्न लेने के लिए भारतीय नौसैनिक जहाजों पर नियुक्त किया जाएगा, जिसके लिए कम से कम 6 मास की श्रवधि आवश्यक है।

- (ii) नी सेना प्रकादमी में कैडेटों के लिए शिक्षण। श्रावास ग्रौर संबद्ध सेवाग्रों, पुस्तको, वर्दी, भोजन डाक्टरी इलाज का खर्च सरजार वहन करेगी किन्त् कैंडेटों के माता-पिता भ्रभिभावको को उनका जेब खर्च और निजी खर्च वहन करना होगा। यदि कैंडेट के मातापिता/म्रिभिभावको की मासिक श्राय 500 रुपये से कम हो श्रौर वह कैंडेंट का जेव खर्च पूर्णतया ग्रथवा ग्रांशिक रूप से पूरा 🕆 कर सकते हों तो सरकार कैंडेट के लिए 90 रु० प्रति मास वित्तीय महायता स्वीकार कर सकती है। वित्तिय सहायता लेने का इच्छक उम्मीदवार म्रापने चुने जाने के बाद शीध्र ही म्रापने जिला मजिस्ट्रेट के माध्यम से ग्रावेदन-पत्न दे सकता है जिला मजिस्ट्रेट उस श्रावेदन पत्न को श्रपनी ब्रानुशंसा के साथ निदेशक, मानव समाधन एवं भर्ती, नौसेना मुख्यालय, नई दिल्ली के पास भेज देगा यदि किसी मातापिता/श्रभिभावक के दो श्रथवा उससे श्रधिक पुत्र या श्राश्रित नौ से त जहाजों/प्रतिष्ठानों साथ-साथ प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हों तो उन सभी को साथ साथ प्रशिक्षण प्राप्त करने की अवधि के लिए उपर्युक्त वित्तिय महायता वी जा सकती है बशर्ते कि माज़ापिता/ग्रभिभावक की मासिक श्राय 600 रू० से श्रिधिक न हो।
- (iii) बाद का प्रशिक्षण भारतीय नाँसेना के जहाजों श्रीर स्थापनाश्रों में भी उन्हें सरकारी खर्च पर दिया जाता है श्रकादमी छोडने के बाद उनसे पहले छह मास के प्रशिक्षण के दीरान उन्हें

- उपयुक्त परा (ii) के अनुसार अकादमी में प्रणिक्षण प्राप्त करने वालों को मिलने वालो विक्तिय सहायता के समान सहायता दी जाएगी। भारतीय नींसेना के जहाजों और उनके प्रतिष्टानों में छह मास का प्रणिक्षण प्राप्त कर लेने के बाद जिन कडेटों की पिड शिप मैन के रैंक में पदोन्नित कर दी जाएगी आर वे वेतन प्राप्त करने लगेगे, तय उनके माता-पिता को उनका काई खर्च नहीं देना होगा।
- (iv) कैंडेटो को सरकार से नि:णुल्क वर्दी मिलेगी किन्तु उन्हें इसके म्रालावा कुछ ग्रांर कपड़े भी लेने होगे। इन कपड़ों के सही नसूने उनकी एक इंपला को सुनिष्चित करने के लिए ये कपड़े नीसेना श्रकादमी में तैयार किए जाएंगे तथा उनका खर्च कैंडेटों के माता-पिता/श्रभिभावकों को वहन करना होगा। वित्तीय सहायता के लिये ग्रावेदनपत्न देने वाले कैंडेटों को कुछ कपड़े नि:णुल्क या उधार दिए जा सकते हैं उन्हें कुछ विशेष कपड़े भी खरीदने होंगे।
- (v) प्रशिक्षण के दौरान सर्विम कैंडेटों को श्रपने मूल रैंक के वही वेलन श्रांर वही भत्ते मिलेंगे जो कडेटों के चुने जाने के समय नाविक या सेवक या श्रप्रेंटिस के पद पर काम करते हुए प्राप्त कर रहे होंगे यदि उन्हें उस रैंक में वेतन वृद्धि दी जाती हो तो वे उस वेतन बृद्धि को पाने के भी हरुदार होंगें यदि उनके मूल रैंक का वेतन श्रांर भत्ते सीधे भर्ती होने वाले कैंडेटों को मिलने वाली वित्तांय सहायता से कम हो तथा वह उस सहायता को प्राप्त करने के पाल हों —तो उन्हें उपयुक्त दोंनो राशियों के अन्दर की राशि भी मिलेगी।
- (vi) सामान्थतः किसी कैंडेट को प्रशिक्षण के दौरान त्याग पत्न देने की अनुमिन नहीं दी जायेगी। जिस कैंडेट को भारतीय ना सेना जहाजों और प्रतिष्ठानों में कोर्म पूरा करने के योग्य नहीं समझा हटाया उसे सरकार के अनुमोदन से वापिस बुलाया जा सकता है तथा उसे प्रशिक्षण से हटाया जा सकता है। इन परिस्थितियों में किसी सर्विम कैंडेट को उनकी मूल सर्विम पर वापिस भेज दिया जायगा। जिस कैंटेट को इस प्रकार के प्रशिक्षण से हदाया जायगा। जिस कैंटेट को इस प्रकार के प्रशिक्षण से हदाया जायगा, या मूल सर्विस पर वापिस भेजा जाऐगा वह परवर्ती कोर्म में दुवारा दाखिल होने का पान्न नहीं रहेगा। किन्तु जिन कडेटों को कुछ करुणाजन्य कारणों के श्राधार पर त्याग-पत्न देने की श्रनुमित दी जाती है उनके मामलों पर गुणावगुण के श्राधार पर विचार किया जाता है।
 - 2 किसी उम्मीदवार के भारतीय नीमेना में कैंडेट चुने जाने से पूर्व माला-पिता/ग्रभिभावक को

- (क) इस स्रायप के प्रपाण-पन्न पर प्रयाक्षर करने होंगें कि वह भलीभांति समझता है कि यदि उसके पुत्र या श्राधित को प्रशिक्षण के दौरान या उसके कारण कोई चोट लग जाए या शारीरिक दुर्बेलना हो जाए या उपर्युक्त कारणों या ग्रन्य कारणों से चोट लगने पर किए ग्रापरेशन से या ग्रापरेशन के दौरान मूर्छित करने की ग्रीपिध के प्रयोग के फलस्वरुप मृत्य हो जाये तो उमे या उसके पूत्र या श्राक्षित को सरकार से मश्रावजा मागने के दावे मरकार से अन्य स**हाय**ता का कोई हक नहीं होगा।
- (ख) इन श्राशय के बांड पर हम्मक्षर करने होगें कि किसी ऐसे कारण मे जो उनके नियन्त्रण के श्रधीन हो, यदि उम्मीदबार प्रणिक्षण पुरा होने से पहले वापस जाना चाहे या यदि कमीणन दिए जाने पर स्वीकार न करे तो शिक्षा, णुल्क, भोजन वस्त्र बेतन तथा भन्ने जो कडेट ने प्राप्त किये ह उनका मूल्य या श्रंण जो सरकार निर्णेष कुछे, चुकाने की किमोदारी बह लेता है।

3. वेतन तथा भरो :

3. वतन तथाभक्षः	
(क) वेतन	
	वेतनमान
	सामान्य सेवा
1	2
मि ड शिपमैन	ক্∘ 560 00
ए्बिटंग सब-लेफिटनेंट	হ ০ 750,00
सत-वेफिटनेंट	দ্০ ৪30 00-870.00
लेफ्टिनेंट	क० 1100.00-1450.00
लेफ्टिनेंट कमांडर	ቼ0 1450.00-1800.00
लेफ्टिनेंट कमांडर	ह ₀ 1800,00-1900,00
(चयन ग्रेड वेतन)	
कमांडर (चयन द्वारा)	হি০ 1750, 00-1950, 00
कमांष्टर (समग वेतनगान	रु० 1900. 00 नियन
द्वारा)	
कमांडर (चयन ग्रेड वेतन)	क० 2000.00-2100.00
कैप्टन	চ০ 1950, 00-2400, 00
	(क्रमोडोर वह वेतन लेता है
	जिसका वह कप्टन के रूप में '
	वरिष्ठता के श्रनुसार हकदार
	ਲੈ) ।
रियर एडमिरल	ন্ ০ 2500.00-125.00/2-
	2750.00
वाइम एडमिरल	দ্ও 3000.00
वाइस एडमिरल (वी० सी०	
एन० एस०/एफ० श्रो० सी०	
इन सी०)	চ০ 3250,00
एडमिरल	₹० 4000.00

(ख) भनेः

वेतन के श्रतिरिक्त श्रफमरों को निम्नलिखित भते मिलते हैं:—

- (i) सिविलाशन राजपितत श्रफसरों पर समय समय पर लागू दरों और भत्तों के श्रनुसार इन्हें भी नगर प्रतिकर तथा महंगाई भन्ना और ग्रन्तिरिम सहायता मिलती है।
- (ii) 75/- क० प्रति मास की दर से किट अनुरक्षण भत्ता (फमोडोर रैं ह के तथा उनसे नीचे के रैं क के अफसरों को)।
- (iii) जब प्रफसर भारत के बाहर सेवा कर रहा हो, तब धारित रैक के अनुसार 50/- रुपए से 250/- रुपए तक प्रतिसास प्रवास भत्ता ए
- (iv) 140/- मुश्रितनास के हिमाब मे इन ग्राफसरों को क्षेत्र वियुक्ति भत्ता मिलेगा :--
 - (क) जिन विवाहित श्रफसरों को ऐसे स्थानो पर तैनात किया जाएगा जहां वे परिवार सहित नहीं रह सकते।
 - (ख) जिन विवाहित अफमरों को ग्राई० एन० जहाजों पर नैनात किया जाएगा अथवा जिननी श्रवधि के लिए वे बेम पतनों से दूर जहाजों पर रहेगें।
- (v) (s) परिसङ्जा भनाः प्रारम्भिक सङ्जा भना रूपया $2400\!\!\!/\!\!-$ है।
 - (ख) वास्तविक सेवा के प्रति सात वर्ष वाद, नवीनीकरण परिसज्जा भना कु० 2100/- है।
- (vi) नीसेना में कमोडोर (भारतीय नीसेना) के स्तर तक मुफ्त राणन दिया जाता है।
- (vii) वियुक्ति भत्ता (शांति)

रियर एडमिरल अंत्र उसमे ऊपर के पद के अधिकारियों को जब परिवार श्रावास के उपलब्ध न होने के कारण मेसों में रहने के लिए बाध्य जिया जाता है तो वे परिवार श्रावास के श्राबंदन होने तक नये स्टेणन पर इ्यूटी पर श्राने की तारीख से कुछ 200/- प्रच माठ वियुक्ति भत्ता (शांति) प्राप्त करने के हकदार होगें। यह भता केवल उन्ही क्षेत्रों के लिए देय होगा जहा ऐसे श्रिधकारी क्षेत्र सेवाएं छूट के रूप में निणुट्य राशन पाने के हकदार नहीं है।

टिप्पणी 1.—उपर्यृक्ता के श्रालाबा संकट के समय काम करने की राण्रि पनडुब्बी भत्ता, पनडुब्बी/चेरियट वेतन, फ्लाइंग वेतन सर्वेक्षण, श्रानुतीषिक/ श्रईता वेतन/ग्रानुदान तकनीकी वेतन गोताखोरी वेतन जैसी कुछ विशेष रियायत भी श्रफसरों को दी जा सकती है।

टिप्पणी 2:--ग्रफसर पनडुब्बी तथा विमानन सेवाग्रों के लिये ग्रपनी सेवाएं ग्रपित कर सकते हैं। इन सेवाग्रों में मेवा के लिए चुने गए धफसर बढ़े हुए वेतन तथा भत्तों को पाने के हकदार होने हैं।

4 पदोन्निति

(क) समंय वेतनमान द्वारा मिडणिपमैन से एक्टिंग सब-लेफ्टिनेंट तक

1/2 वर्ष

एक्टिंग सब-लेफ्टिनेंट से

. सब-लेपिटनेंट तक

1 वर्ष

सब-लेफ्टिनेंट से लेफ्टिनेट तक एक्टिंग भौर स्थायी सब-लेफ्टिनेंट (वरिष्ठता के लाभ/समपहरण के श्रधीन,

'रूप में 3 वर्ष

लेफ्टिनेंट से लेफ्टिनेंट कमोडोर लेफ्टिनेट के रूप में 8 वर्ष की तक वरिष्ठता

लेफ्टिनेंट कमोडोर से कमोडोर 24 वर्ष की संभी कमीशन तक प्राप्त सेवा

(यदि चयन द्वारा पदोन्नति न हुई हो)

(ख) चयन द्वारा लेफिटनेंट कमोडोर लेफिटनेंट कमोडोर के रूप में से कमोडोर तक 2-8 वर्ष की वरिष्ठता कमोडोर से कैप्टन नक कमोडोर के रूप में 4 वर्ष की वरिष्ठता

कैप्टन से रियर एडमिरल ग्रीर उनमे उपर तक कोई सेवा प्रतिबन्ध न*ह*ए

5 सैनाती

भ्रफसर भा^रत श्रौर विदेश में कही भी तैनान किए जा सकते है।

- टिप्पणी: यदि किसी ग्रीर सूचना की ग्रावण्यकता हो तो वह निदेशक, कार्मिक सेवा, नौ सेना मुख्यालय, नई दिल्ली-110011 से प्राप्त की जा सकती है।
 - (ग) भ्रफ़सर ट्रेनिंग स्कूल में भर्ती होने वाले उम्मीद-वारों के लिए:--
 - इसमे पूर्व की उम्मीदवार श्रफसर ट्रेनिंग स्कूल मद्राम में भर्ती हो:-
 - (क) उसे इस भ्राशय के प्रमाण पत्न पर हस्ताक्षर करने होगें कि वह भलीभांति समझता है कि उसे या उसके वैध वारिसों को सरकार से मुश्रावजा या भ्रन्य किसी सहायता के दावे का कोई हक नहीं होगा, यदि उसे प्रशिक्षण के दौरान कोई चोट या शारीरिक वुर्बेलता हो जाए या मृत्यु हो जाए या उपर्युक्त कारणों से चोट लगने पर किए गए भ्रापरेशन या भ्रापरेशन के दौरान मूखित करने की भ्रीषधि के प्रयोग के फलस्वरुप ऐसा हो जाए।

- (ख) उपके माता-पिता या ग्रिभिभायक को एक बाण्ड पर हस्ताक्षर करने होंगे कि किसी कारण मे जो उसके नियन्त्रण के ग्रिधीन मान लिया जाए यदि उम्मीदियार कोर्स पूरा करने में पूर्व वापस जाना चाहे या यदि दिए जाने पर कमीणन स्वीकार न करे या ग्रफसर ट्रेनिंग स्कूल में प्रशिक्षण प्राप्त करने हुए शादी कर ले तो शिक्षा, खाना, वस्त्र ग्रौर वेतन तथा भत्ता जो उसने प्राप्त किए हैं, उनकी लागत या उनका वह ग्रंग जो सरकार निर्णय करे, चुकाने के जिम्मेदार होंगे ।
- 2. जो उम्मीदवार ग्रन्तिम रूप से चुने जाएंगे उन्हें श्रफस ट्रेनिंग स्कूल में लगभग 9 महीने का प्रशिक्षण कोर्स पूरा करना होगा। इस उम्मीदवार को सेना श्रिधिनियम के श्रन्तर्गत जैण्टलमैन कैंडेट के रूप में नामांकित किया जायेगा। सामान्य श्रनुशासन की दृष्टि से जैण्टलमैन कैंडेट श्रफपर ट्रेनिंग स्कूल के नियमों तथा विनियमों के श्रन्तगर्त रहेगे।
- 3 प्रशिक्षण की लागत जिसमे श्रावाम, पुस्तकें, वर्दीव भोजन तथा चिकित्सा सुविधा गामिल है सरकार वहन करेगी श्रौर उम्मीदवारों को श्रपना जेब खर्च स्वयं वहन करना होगा । कमीशन पूर्व प्रशिक्षण के दौरान न्यूनतम रु० 90.00 प्रति माम मेग्रधिक खर्च की संभावना नहीं है।किन्तु यदि उम्मीदवार कोई फोटोग्राफी, शिकार खेलना, सैरभ्पाटा इत्यादिका शौक रखता होस्तो उसे ग्रतिरिक्त धन की आवश्यकता होगी। यदि कोई कैंडेट यह न्युनतम व्यय भीपूर्णया भ्राशिक रूप से बहुन नहीं कर पके तो उसे समय-अमय पर परिवर्तनीय दरों पर इस हेनु वित्तीय पहायता दी जा पकती है। बगर्ने 🧗 कि कैंडेट श्रौर उसके माना-पिता/ग्रभिभावक की श्राय रु० 500 प्रतिमास से कम हो। वर्तमान ग्रादेशो के श्रन्सार वित्तीय सहायता की दर 90.00 रुपण प्रतिमास है।जो उम्मीदवार वित्तीय सहायता प्राप्त करने का इच्छ्क है उसे प्रशिक्षण के लिए ग्रन्तिम रूप से चुने जाने के बाद निर्धारित प्रपत्न पर एक श्रावेदन भ्रपने जिले के जिला मजिस्ट्रेट को भेजना होगा जो श्रपनी सत्यापन रिपोर्ट के पाथ ग्रावेदनपत्न को कमांडेंट ग्रफ पर, ट्रेनिंगस्कूल मद्राप को भेज देगा ।
- 4. श्रफमर ट्रेनिंग स्कूल में श्रन्तिम रूप से प्रशिक्षण के लिए खुने गए उम्मीदवारों को वहां पहुंचने पर कमांडेंट के पास निस्नलिखित धन राणि जमा करनी होगी :——
 - (क) रु० 90.00 प्रतिमाशकी दर से दप महीने के लिए जैब खर्च . . 900.00 रु०
 - -(ख) वस्त्र तथा उपकरण के लिए . 500.00 ६०

5. समय-धमय पर जारी किए गए श्रादेशों के भ्रन्तर्गत परिधान भत्ता मिलेगा । कमीशन मिल जाने पर इस भत्ते से खरीदे गए वस्त्र तथा अग्य आवश्यक चीजें कैंडेट की व्यक्तिगत सम्पत्ति बन जायेंगे \ यदि केंडेट प्रशिक्षणाधीन अविधि में त्याग-पत्न दे दे या निकाल दिया जाए या कमीशन से पूर्व वापस बुला लिया जाए तो इन वस्तुओं को उससे वापिस ले लिया जाएगा । इन वस्तुओं का सरकार के सर्वोत्तम हित को दृष्टिगत रखते हुए निपटान कर दिया जाएगा ।

- 6. सामान्यतः किसी उम्मीववार को प्रशिक्षण के दौरान स्याम-पन्न देने की अनुमित नहीं दी जाएगी । लेकिन प्रशिक्षण प्रारम्ण होने के बाद त्यागपत देने वालें जैण्टलमैन कैडेटों को धल सेना मुख्यालय द्वारा उनका त्याग-पन्न स्वीकारकृत होने तक घर जाने की आजा दी जा सकती हैं। प्रस्थान से पूर्व उनसे प्रशिक्षण भोजन तथा सम्बद्ध सेवाओं पर होने वाला खर्च वसूल किया जाएगा। अफसर प्रशिक्षण स्कूल में उम्मीदवारों को भर्ती किए जाने से पूर्व उन्हें तथा उनके माता-पिता/अभिभावकों को इस आशय का एक बांड भरना होगा।
- 7. जिस जैण्टलमैन कैडेट को प्रशिक्षण का संपूर्ण कोर्स करने के योग्य नहीं समझा जायेगा उसे सरकार की अनुमति से प्रशिक्षण से हटाया जा सकता है। इन परिस्थितियों में सैनिक उम्मीषवारों को उनकी रेजिमेंट कोर में बापिस भैज दिया जाएगा ।
- कमीशन प्रंदान कर दिए जाने के बाद वेतन तथा भत्ता,
 वेंक्रन छुट्टी तथा अन्य सेवा शर्ते निम्न प्रकार होंगी:---

9. प्रशिक्षण

1. चुने गए उम्मीदवारों को सेना श्रिष्ठिनियम के झन्तर्गत जैण्टलमैन कैंडेटों के रूप में नामांकित किया जायेगा तथा वे अफसर ट्रेनिंग स्कूल में लगभग 9 मास तक प्रशिक्षण कोर्स पूरा करेंगे, प्रशिक्षण सफलतापूर्वक करने के उपरान्त, औण्टलमैन कैंडेट को प्रशिक्षण के सफलतापूर्वक पूरा करने की तारीख से सेकेण्ड लेफ्टिनेंट के पद पर अल्पकालिक सेवा कमीशन प्रदान किया जाता है ।

10 सेवा की शर्ते :

(क) परिवीक्षा की श्रवधि :

कमीशन प्राप्त करने की तारीख से प्रफसर 6 मास की अविध तक परिवीक्षाधीन रहेगा। यदि उसे परिवीक्षा की अविध के दौरान कमीशन धारण करने के अनपूरक उपयुक्त बताया गया तो उनकी परिवीक्षा अविध के समाप्त होने से पूर्व या उसके बाद किसी भी समय उसका कमीशन समाप्त किया जा सकता है ।

(ख) तैनाती :

भ्रस्पकालिक सेवा कमीशन प्राप्त करने पर उन्हें भारत या विदेश में कहीं भी नौकरी पर सैनात किया जा सकता है । 17—56 GI/87

(ग) नियुं क्ति की भवधि तथा पदोन्नति :

नियमित थल सेना में श्रम्पकालिक सेवा कमीशन पांच वर्षे की श्रविध के लिए प्रदान किया जाएगा जो श्रफसर सेना में पांच वर्षे के श्रत्पकालिक सेवा कमीशन की श्रविध के बाद सेना में सेवा करने के इच्छुक होंगे यदि हर प्रकार से पान्न तथा उक्त सेवा कमीशन के श्रन्तिम वर्ष में उन्को स्थायी कमीशन प्रदान किए जाने पर विचार किया जाएगा जो पांच वर्ष की श्रविध के दौरान स्थायी कमीशन प्रदान किए जाने की श्रहींता प्राप्त नहीं कर पाएंगे उन्हें पांच वर्ष की श्रविध पूरी होने पर निर्मृक्त कर दिया जाएगा ।

(घ) वेतन ग्रीर मते :

अल्पकालिक सेवा कमीशन प्राप्त अफसर वही वेतन भत्ते प्राप्त करेंगे जो सेना के नियमित श्रफसरों को प्राप्त होता है ।

सैकोंड लेपिटनेंट श्रीर लेपिटनेंट के बेतन की दर इस प्रकार हैं :—— सैकोंड लेपिटनेंट रु० 750-790 प्रति मास लेपिटनेंट-रू० 830-950 प्रति मास । तथा श्रम्य भसे जो नियमित श्रफपरों को मिलते हैं।

(अ) छट्टी :

छुट्टी के संबंध में ये ग्रफसर घल्पकालिक सेवा कमीशन ग्रफसरों के लिए लागू नियमों से शासित होंगे जो सेवा ग्रवकाश नियमावली खण्ड—I थल सेना के ग्रध्याय पांच में उल्लिखित है, जो ग्रफसर ट्रेनिंग स्कूल के पासिंग ग्राउट करने पर तथा इयूटी ग्रहण करने से पूर्व नियम 91 में वी गयी व्यवस्था के उम्मीदवार को उनकी रेजिमेंट कोर में वापिस भेज दिया जाएगा।

(च) कमीशन की समाप्ति:

श्रत्यकालिक सेवा कमीशन प्राप्त श्रफसर की पांच वर्ष सेवा करनी होगी किन्तु भारत सरकार निम्नलिखित कारणों से किसी भी समय उसका कमीशन समाप्त कर सकती है:—

- (i) उपचार करने या सन्तोषजनक रूप से सेवा स करने पर; या
- (i^i) स्वास्थ्य की दृष्टि से भ्रयोग्य होने पर;
- (iii) उसकी सेवाश्रों की श्रीर श्रधिक श्रावश्यकता न होने पर; या
- (iv) उसके किसी निर्धारित परीक्षण या कोर्स में महंता प्राप्त करने में, मानकल रहने पर ।

तीन महीने का नोटिस देने पर किसी श्रफसर की करुणाचल का श्रन्थ कारणों के झाधार पर कमीशन से त्याग-पत्न देने की श्रनु-मित दी जा सकती है। किन्तु इसकी पूर्णतः निर्णयक भारत सरकार ही होगी। करुणाचल का जन्य कारणों के झाधार पर कमीशन ने त्याग-पत्न देने की श्रनुमित प्राप्त कर लेने पर कोई से सवांत उपदान पाने का हकदार नहीं होगा।

(छ) पेंशन लाभ :

- (i) ये ग्रभी विचाराधीम है
- (ii) ग्रस्पकालिक सेवा कमीशन श्रफसर 5 वर्ष की सेवा पूरी करने पर 50,0000 का सेवांत उपदान पाने के हुत्दार होंगे।

andrea d'an reconstruction de la cons

(ज) रिजर्व में रहने का दायित्व

5 वर्ष की श्रल्पकालिक सेवा कमीशन, सेवा या बढ़ाई गई कमीशन सेवा पूर्ण करने के बाद से 5 वर्ष की श्रविध के लिए या 40 वर्ष की श्रायु तक, जो ेु भी पहले हो, रिजर्व में रहेंगे।

_(इत) विविधः

सेवा संबंधी भ्रन्य सभी शर्तें जब तक उनका उपयुक्त उप-बन्धों के साथ भेद नहीं होता है वही होगी जो नियमित भ्रफसरों के लिए लागू है।

(ग). वायु सेना प्रकादमी में प्रवेश लेने वाले उम्मीववारों के लिए:

1. चयम :

भारतीय वायु सेना की उड़ान भाखा (पाइलट) में दो प्रकार से भर्ती की जाती है, प्रयत् संघ लोक सेवा प्रायोग के माध्यम से डायरेक्ट एन्ट्री ग्रीर एन० मी० सी० वायु सेना स्कंध वरिष्ठ प्रभाग के माध्यम से।

- (क) डायरेक्ट-एन्ट्री-म्रायोग, लिखित परीक्षा के म्राधार पर चयन करता है, ये परीक्षाएं एक वर्ष में मान्यतः दो बार मई भ्रौर नथम्बर में ली जाती है। सफल उम्मीदवारों को वायु सेना चयन बोर्ड के सामने परीक्षण भ्रौर साक्षात्कार के लिए भेजा जाता है।
- (ख) एन सी० सी० के माध्यम से प्रवेश-राष्ट्रीय
 केश्वेट कोर महानिदेशक द्वारा विभिन्न एन० सी०.
 सी० यूनिटों के माध्यम से एन० सी० सी० उम्मीदवारों से आवेदनपत्नों को ग्रामंद्रित करके उन्हें
 वार्यु सेना मुख्यालय को भन्नसारित कर दिया
 जाता है । पात्र उम्मीदवारो को परीक्षा ग्राँर
 साक्षात्कार के लिए वायु सेना चयन बोर्ड के
 सामने प्रस्तुत होने का निदेश दिया जाता है।

2. प्रशिक्षण पर भेजना:

वायु सेना चयन बोर्ड द्वारा अनुशासित भ्रौर उपायुक्त चिकित्सक प्राधिकरण द्वारा भारीरिक रूप से स्वस्थ पाए जाने वाले उम्मीदवारों को वरीयता तथा उपलब्ध रिक्तियों की संख्या के भाधार पर प्रशिक्षण के लिए भेजा जाता है। डाइरेक्ट एंट्री उम्मीदवारों की वरीयता सूची संघ लोक सेवा भ्रायोग द्वारा तैयार की जाती है भार एन० सी० सी० उम्मीदवारों की वरीयता-सूची भ्रलग से तैयार की जाती है। डाइरेक्ट एंट्री उड़ान (पाइलट) उम्मीदवारों की वरीयता -सूची सं०

लो॰ से॰ ग्रा॰ द्वारा लिखित परीक्षण में उम्मीदवारों के प्राप्तांकों तथा वायु सेना चयन बोर्ड में प्राप्त ग्रंकों को जोड़कर कर तयार की जाती है। राष्ट्रीय कडेट कोर के उम्मीद-वारों की वरीयता-सूची उनके द्वारा वायु सेना चयन बोर्ड में प्राप्त ग्रंकों के श्राधार पर तैयार की जाती है।

3 प्रशिक्षण:

वायु सेना प्रकावमी भे उड़ान शाला (पाइलट) के लिए प्रशिक्षण की श्रवधि लगभग 75 सप्ताह होगी।

उड़ान प्रशिक्षण के दौरान बीमा सुरक्षां/ वायु सेना युप बीमा सोसायटी दुर्घटना की स्थिति में इस फ्लाइट कैंडेट के निकटतम संबंधी को 35,000/- रुपए धनुग्रह राशि के रूप में भ्रदा करेगी जो सिविल क्षेत्र से भ्राया हो भौर उड़ान प्रशिक्षण पा रहा हो कोई फ्लाइट कैंडेट यदि स्वास्थ्य की दृष्टि से श्रक्षम हो जाता है भौर प्रशिक्षण से मुक्त कर दिया जाता है तो उसे शत-प्रतिशत भ्रक्षमता के लिए 25,000/- रुपए श्रनुग्रह राशि के रूप में भ्रदा किए जाएंगे तथा यह राशि इसी भ्रनुपात में घटकर 20 प्रतिशत रह जाती है।

सरकार द्वारा फ्लाइट केडेट को एक बार वेतन तथा भत्ते स्वीकृत कर लिए जाने पर सुरक्षा 50,000 रुपए होगी और शत-प्रतिशत श्रक्षमता के लिए श्रक्षमता सुरक्षा 25,000/ रुपए होगी वायु सेना ग्रुप बीमा सोसायटी द्वारा यह सुरक्षा उड़ान प्रशिक्षण पा रहे प्रत्येक फ्लाइट कैडेट द्वारा 76 रुपए के मासिक श्रप्रतिदेय श्रंशदान का भुगतान करने पर बी जाएगी, जिसके लिए सदस्यता श्रनिवार्य होगी।

वित्तीय सहायता पर लागू होने वाली गर्ते

(1) यद्यपि जगहं, पुस्तक, यद्रीं, ठहराने श्रौर चिकित्सा उपचार महित, प्रशिक्षण का खर्च सरकार द्वारा वहन किया जाएगातो भी उम्मीदवारों से ग्राशा की जाती है कि वे ग्रयना जैब खर्च स्वयं वहन करें। वायु सेना-प्रवास-निक कालिज में प्रति मास कम से कम 90 रुपए से ग्राधिक खर्च होंने की संभावना नहीं है। यदि किसी कडेट के ग्राभ-भावाक या संरक्षक उस खर्चको भी पूर्णरूप या ग्रांशिक रूप मे बहुन करने में प्रसमर्थ है तो उसे सरकार द्वारा वित्तीय सहायता प्रदान की जा सकती है। जिस कैंडेट के श्रिभिभावक या संरक्षक की मासिक आय 500 रुपए या इससे श्रिधिक है वह वित्तीय सहायता प्रदान किए जाने का पान्न नही होगा।वित्तीय सहायताकी पान्नता करने के लिए अचल सम्पत्ति तथा अन्य परिलब्धियां भौर सभी स्रोतों से होने वाली ग्राय को भी ध्यान में रखाजाता है। वित्तीय सहायता प्रदान करने के इच्छुक उम्मीदनार के ग्रभिभावक/संरक्षक को अपने पुत्न/बच्चे के वायु सेना प्रशा-सनिक कालिज में प्रशिक्षण हेतु म्रन्तिम रूप से चुन लिए जाने के तुरन्त बाद भपना मावेदन भपने जिले के जिला-धीश के माध्यम से प्रस्तत कर देना चाहिए। जिलाधीश

उस ग्रावेद	न को १	प्रयनी	प्र नुशंसा	सहित	कमांडेंट,	ं वायु सेना
प्रशासनिक	कालेज,	रेड	फील्ड्स	त, कोय	म्बटूर	को प्रयोषित
कर देगा।						

- (ट) वायु सेना प्रशासनिक कालिज में प्रशिक्षण हेतु श्रंतिम रूप में चुने गये उम्मीदवारों को ग्राने पर निम्नलिखित रकम कमांडेट के पास जमा करनी है :---
 - (क) 90 रुपए प्रति मास की दर से 5 मास के लिए जेब भत्ता 450 रुपए
 - (ख) वस्त्र श्रौर उपस्कर मदों के लिए

525 रुपए

योग्य

975 रुपए

उपर्युक्त रकम में से निम्नलिखित रकम कैंडेट को वित्तीय सहायता प्रदान किए जाने की स्थिति में वापस देय है:

90 रुपए प्रति मास की दर में 5 माम के लिए जेब भत्ता 450 रुपए

4. भविष्य में पदीन्नति की संभावनायें—प्रणिक्षण को सफलतापूर्वक पूरा करने के बाद उम्मीदवार को पाइलेट अफसर का रेंक दिया ाता है। श्रौर वे उसी रैंक, के बेतन तथा भत्ते प्रान्त करने के हकदार हो जाते हैं। वर्तमान दरों के ग्राधार पर, उड़ान शाखा के श्रधिकारियों को लगभग रु० 2450/- प्रतिमाह मिलते है जिसमें उड़ान बेतन रु० 750 प्रतिमाह भी सम्मिलत है। वायु सेना का भविष्य बहुत उपज्यल होता है यद्यपि विभिन्न शाखाओं में इस प्रकार की संभावनाए अलग-स्रजग होती है।

भारतीय वायु सेना में वो प्रकार से पदोन्नति होती है प्रयंति कार्यकारी रैंक प्रदान करके प्रौर स्थायी रैंक प्रदान करके प्रौर स्थायी रैंक प्रदान करके प्रौर स्थायी रैंक प्रदान करके प्रतरिक्त परिलब्धियां निर्धारित हैं। रिक्तियों की संख्या पर प्राधारित हर एक को उच्च कार्यकारी रैंक में पदोन्नति प्राप्त करने के प्रच्छे प्रवसर मिलते हैं। स्ववेड्न प्रौर विग कमांडर के रैंक में समय वेतनमान पदोन्नति उड़ान (पाइलट) शाखा में क्रमणः 11 वर्ष की तथा 14 वर्ष की सफल सेवा पूरी करने के बाद की जाती है। विग कमांडर ग्रौर उससे ऊपर के उच्चतर पदों में पदोन्नति निध्यत गठित पदोन्नति बोर्डो द्वारा चयन के ग्राधार पर की जाती है। उदीयमान ग्रधिकारियों के लिए पदोन्नति के ग्रच्छे ग्रवसर होते हैं।

वेतन तथा भत्ते:---

मूल रैंक	;	उड़ान गा	खा 	
				रुपये
पा इ लट श्रकसर				825-865
फ्लाइंग स्नफसर				910-1030
फ्लाइंग लेफ्टिनेट	•			1150-1550

मूलेरेंक			उडान गाखा
स्क्वेड्रन लीडर		•	1450-1800
विंग कमांडर			1550-1950
ग्रुप कैंप्टन	•		1950-2175
एयर कमोडोर			2200-2400
एयर वाइस मार्गल	•		2550-2750
एयर मार्शल			3000

महंगाई तथा प्रतिकर भत्ते:—-ग्रिधकारियों को ये भत्ते भारत सरकार के सिविकियन कर्मचारियों को लागू होने वाली शतों के श्रन्तर्गत दी गई दरों पर मिलते हैं।

फिट अनुरक्षण भत्ता : 75 प्रतिमाह उड़ान वेतन; उड़ान शाखा के अधिकारी निम्नलिखित दरों पर उड़ान वेतन के हकदार होते हैं:—

विग कमांडर और उसके नीचे रु० 750.00 प्रतिमाह ग्रुप कप्टन श्रौर एयर कमोडोर रु० 666.00 प्रतिमाह एयर वाइस मार्शल श्रौर उसमे रु० 600.00 प्रतिमाह ऊपर

योग्यता बेतन:—कमीशन देवा के दो या दो से अधिक वर्ष पूरा करने वाले विंग कमांडर श्रीर उसके तीचे के रैंक के श्रिषकारियों को विक्षिण्ट योग्यताश्रों के लिए निर्धारित दरों पर योग्यता बेतन/श्रृगृदान प्रदान किया जाता है। योग्यता बेतन की दर रु० 70/, श्रीर रु० 100/- है श्रीर श्रृगुदान रु० 6000/- रु० 4,500/- रु० 2400/- श्रीर रु० 1600/

प्रवास भत्ता :-- हां वायुरेना ग्रधिकारियों को टुकड़ियों के रूप में रखा जाना ग्रपेक्षित होता है उन देशों में नियुक्त एक तृतोय सचित्र, ब्रितोय सचित्र प्रथम सचित्र कन्सूलए को दिये जाने वाले भते का 25 में 40 प्रतिशत तक प्रवास भतें देय होता है वियक्ति भत्ता :---ऐसे विवाहित अभिकारी जिनकी नियुत्ति यूनिट में होती है, गर परिवार स्टेशन स्थित/सरकार द्वारा ग्रधिस्चित ऐसे स्थान जहां ग्रधिकारियों को परिवार को साथ रखने की ग्रनुमित नहीं होती है उन्हें ६० 140/- प्रतिमाह की दर से वियक्ति भत्ता विया जाएगा।

परिधान भत्ताः—वर्दी/उपस्कर जो कि प्रत्येक श्रिधकारी को श्रवश्य रखनी पड़ती है उसके मूल्य के बदले में दिया जाने वाला प्रारम्भिक परिधान भत्ता है 2100/- है (समय-समय पर इसमें संशोधन किया जाता है) नवीकरण के लिए हर 7 साल के बाद का 1800/- दिए जाएंगे, कैम्पिक्ट कमीशन प्रदान करते समय मफ्त दी जाती है।

वायु सेना में एयर कमोडोर के स्तर तक मुफ्त राशन दिया जाता है।

छुट्टी श्रौर श्रवकाश यात्रा रियायत भसा

वार्षिक ग्रवकाण वर्षे म 60 दिन श्राकस्मिक ग्रवकाण वर्षे में 20 दिन : एक बार में 10 दिन से ग्राधिक नहीं कमीशन प्राप्त करने के एक वर्ष बाद ाव भी अधिकारी वार्षिक आकरिमक अवकाश लेंगे वे तथा उनके परिवार के सबस्य मुफ्त सवारी के हकदार होंगे चाहे अवकाश की अबधि कुछ भी क्यों न हो। जनवरी 1971 में प्रारम्भ होने वाले दो वर्षों के ब्लाक में एक बार अधिकारी अपने ड्यूटी स्थाम (यूनिट) से घर तक आने के लिए नि:शहक सवारी बाहन के हकदार होंगे। जिस वर्ष इस रियायत का उपयोग नहीं किया जायेगा तो उस वर्ष उसे पत्नी सहित 1450 कि भी के रास्ते के लिए आने और जाने दोनों तरफ की सुविधा पाने का हक होगा।

इसके अतिरक्त उड़ान भाखा के अधिकारियों को, जो प्राधिकृत स्थापना में रिक्तियों को भरने के लिए नियमित उड़ान इसूटी पर तैनात होते हैं, अवकाश लेने पर वर्ष में एक बार वारंट पर अपने, पत्नी तथा आश्रित बच्चों के बास्ते प्रत्येक भोर से 1450 कि ० मी ० की दूरी को तय करने के लिए रेल द्वारा उपयुक्त क्लास में मुफ्त याद्वा करने की सुविधा होगी।

जो प्रधिकारी छुट्टी लेकर प्रथमे खर्च से याला करने कें इच्छुक है वे कलेण्डर वर्ष में तीन बार पत्नी तथा बच्चों के रेल द्वारा प्रथम श्रेणी के किराये का 60 प्रतिधत भुगतान करके याला करने के हकबार होंगे इसमें एक बार पूरे परि-धार के साथ याला की सुविधा दी जाएगी। परिवार में पत्नी तथा बच्चों के अलावा अधिकारी पर पूर्णतया आश्रोत माता-पिता, बहुन और नाबालिंग भाई शामिल होंगे।

7. पेंशन लाभ:

सेवा निवृत्ति के समय रैंक (स्थाई)	ध्रहंक सेवा की म्यूनतम ध्रवधि	निवृत्ति पेंशन की मानक दर	न्नमासिक पेंशन
1	2	3	4
		रु० प्रतिमाह	रु ० प्रतिमाह
पा यलट अफ़ स'र/			
फ्लाइंग धफसर	20 वर्ष	950:00	100::00
पाइसट लेफ्टिनेंट	20 वर्ष	1200.00	75.00
स्क्वेड्रन लीडर	22 वर्ष	1400.00	
विग कमांडर (समय	26 वर्ष	1525.00	
वेतनमान			
विग कमांडर	24 वर्ष	1576-00	_
(स्लेक्टिव)			
ग्रुप कैप्टन	2 6 वर्ष	1850.00	
एयर कमोडोर	28 वर्ष	2025.00	
एयर बाइस मार्शल	३० वर्ष	2275.00	

1		3	4
एयर मार्शल	 30 वर्ष	2400.00	
एयर मार्गक्ष बी 🦠			
सी०ए०एस०धौर			
ए० भ्रो० एस० सी	,		
इ नसी	30 व र्ष	2500.00	
एयर चीफ मार्शल	30 वर्ष	2825.00	

8. सेवा-निवृत्ति उपदान

राष्ट्रपति की विवक्षा पर सेवा-निवृत्ति उपदान निम्न-लिखित हैं :—

- (क) 10 वर्ष की सेवा के लिए रु० 12,000/- पिछले रैक के डेढ़ महीने वेतन घटांकर
- (ख) प्रत्येक भितिरिक्त वर्ष के लिए रु० 1200/-जिसमें में थिछले रैंक के 1/4 महीने का वेतन घटाकर।

पंशन या उपदान के अतिरिक्त प्रत्येक छः महीने की अवधि की शर्हक सेवा के लिए कुल परिक्रविध्यों के भौभाई के बराबर मृत्यु और सेवा-निवृत्ति उपदान देय है जोकि परिक्रविध्यों का 16-1/2 गुणा होगा भौर ६० 50,000/- से अधिक नहीं होगा।

सेवा में रहते हुए मृत्यु हो जाने पर मृत्यु धौर सेवा-निवति उपदान निम्नलिखित रूप से होंगे:—

- (क) सेवा के पहले वर्ष यदि मृत्यु हो आए तो दो महीने का वेतन :
- (ख) एक वर्ष की सेवा के बाद तथा पांच वर्ष की सेबा से पहले यदि मृत्यु हो जाए छः महीने का वेतन; भीर
- (ग) पाँच वर्ष की सेवाके बाद मृत्यू हो जाये तो कम से कम 12 महीने का बेतन।

विकल्भाता पेंशन ग्रीर बच्चों ग्रीर ग्राश्रितों (माता-पिता, बहुन तथा भाई) की विशेष परिवार पेंशन पुरस्कार भी निर्धारित नियमों के ग्रनुसार देय है।

9. ग्रन्य सुविधाएं ।

ग्रधिकारी तथा उनके परिवार निःशुस्क चिकित्सा सहायता रिवायती दर पर भावास, ग्रुप बीमा योजना, ग्रुप ग्रावास योजना, परिवार सहायता योजना, कैंटीन सुविधाओं ग्रादि के हकदार हैं।

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi-110 011, the 2nd March 1987

No. A. 38013/3/86-Admn. III.—The President is pleased to permit Shri A. S. Bedi a permanent Assistant and officiating Section Officer on ad-hoc basis in the CSS Cadre of the Union Public Service Commission to retire from Government Service, on attaining the age of superannuation with effect from the afternoon of the 28th February, 1987 in terms of Department of Personnel and Administrative Reform O. M. No. 33/12/73-Ests (A) dated the 24th November, 1973.

The 31st March 1987

No. A. 19014/3/87-Admn. I.—The President is pleased to appoint Shri Narinder Singh, CSS as Under Secretary in the Office of the Union Public Service Commission with effect from the forenoon of 27th March, 1987, until further orders.

M. P. JAIN
Under Secy. (Per. Admn.)
Union Public Service Commission

MINISTRY OF HOME AFFAIRS

BUREAU OF POLICE RESEARCH & DEVELOPMENT

New Delhi-110003, the 15th April 1987

No. 3/75/75-Adm. II.—Consequent on his retirement on attaining the age of superannuation, Shri O. P. Channa relinquished the charge of the post of Section Officer, CFIs, Bureau of Police Research and Development, New Delhi w.e.f. 31-3-87 (A.N.)

R. S. SAHAYE Dy. Director

DIRECTORATE OF CO-OPERATION (POLICE WIRELESS)

New Delhi-3, the 9th April 1987

No. A-12011/5/86-Admn. II.—The President is pleased to appoint the following Extra Assistant Directors of Directorate of Co-ordination (Police Wireless) as Assistant Directors in Directorate of Co-ordination in the scale of pay of Rs. 2200-75-2800-EB-100-4000/- in an officiating capacity w.c.f. the forenoon of 13th March' 87 until further orders.

1, Shri K. C. Agnihotri 2. Shri S. K. Sharma

B. K. DUBE Director Police Telecommunication

DIRECTORATE GENERAL, CRP FORCE,

New Delhi-110003, the 13th April 1987

No. A-12011/5/86-Admn.H.—The President is pleased to confirm Dr. K. K. Saini in the grade of Chief Medical Officer in the CRPF with effect from 4-9-84.

No. O. II-2349/87-Estt. I.—The President is pleased to appoint Dr. Mukul Kumar as General Duty Officer Grade-II (Deputy Supdt. of Police/Company Commander) in the CRPF in a temporary capacity with effect from the afternoon of 29th March, 1987.

ASHOK RAJ MAHEEPATHI Assistant Director (Estt.)

OFFICE OF THE REGISTRAR GENERAL, INDIA New Delhi, the 14th April 1987

No. 10/11/85-Ad. I.—The President is pleased to appoint Shri Mohammed Abbas, presently working as Research Officer (Map) in the Director of Census Operations,

Bihar, to the post of Research Officer (Drawing) to the Office of the Registrar General of India, New Delhi with effect from 11-3-1987 (FN) in the pay scale of Rs. 2200-75-2800-EB-100-4000 by transfer on deputation basis for a period of three (3) years or until further orders, whichever is earlier.

V. S. VERMA Registrar General, India and Jt. Secy.

MINISTRY OF FINANCE

DEPARTMENT OF REVENUE

New Delhi, the 13th April 1987

CHIEF CONTROLLER GOVERNMENT OPIUM AND ALKALOID FACTORIES ESTABLISHMENT

No. II/3/4/ET/86/1638.—Shri A. K. Chakravorty, Administrative Officer, Government Opium & Alkaloid Works, Ghazipur retired from Government Service with effect from 31-3-1987 (Afternoon) on attaining the age of superannuation.

(SD./) ILLEGIBLE Chief Controller of Factories

INDIAN AUDIT AND ACCOUNTS DEPARTMENT

OFFICE OF THE COMPTROLLER AND AUDITOR GENERAL OF INDIA

New Delhi-110 002, the 16th April 1987

No. 761 CA.I/259-60.—On his attaining the age of superannuation Shri B. K. Chakraborty, Audit Officer (Commercial) working in Member, Audit Board & Ex-Officio Director of Commercial Audit-II, Calcutta has retired from service with effect from 28-2-1987 AN.

D. N. ANAND Asstt. Comptroller & Auditor General (C).

OFFICE OF THE DIRECTOR OF AUDIT CENTRAL REVENUES-I

New Delhi, the 16th April 1987

No. Admn. I/O. O No. 12.—The Director of Audit, Central Revenues-I, hereby appoints Shri Darshan Singh, an officiating Audit Officer of this office, in a substantive capacity against a permanent post of Audit Officer in the time scale of Rs. 2375-3500 with effect from 1-3-1987 (A.N.).

No. Admn. I/O.O. No. 13.—The Director of Audit, Central Revenues-I, New Delhi hereby appoints Shri Kuldip Singh Illamwadi, a permanent S. O. (now Asstt. Audit Officer) of this office to officiate as an Audit Officer in the scale of Rs. 2375-3500 (Revised Scale) with effect from the afternoon of 13th April, 1987 until further orders.

(Sd./) ILLEGIBLE Dy. Director of Audit (Admn.)

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL ANDHRA PRADESH

Hyderabad, the 13th April 1987

No. Ad.I/8-132/87-88/DP No. 4.—Shri S. V. Subramaniam II, Audit Officer, Office of A.G. (Audit-I), A.P. Hyderabad, retired from service on the Afternoon of 31-3-1987.

The 14th April 1987

No. Admn.I/Prom./8-132/87-88/10.—The Accountant General (Audit). I, Andhra Pradesh, Hyderabad is pleased to promote the following Asstt. Audit Officer to officiate as Audit Officer in the scale of Rs. 2375-75-3200-EB-100-3500

with effect from the date noted against him until further orders.

Name and Date of assumption of charge

1. Shri M. Dakshinamurthy, 1-4-1987 F.N.

The promotion is ordered without prejudice to the claims of his seniors, if any, and is also subject to the result of the writ petition in the A.P. High Court/Supreme Court. he should exercise his option within one month of his date of promotion in terms of Government of India O.M. No. F.7/1/80-Estt. (Pt. I, dt. 26-9-81).

(Sd./) ILLEGIBLE Sr. Dy. Accountant General (Admn.)

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL (A&E) KERALA

Trivandrum, the 2nd April 1987

No. A&E/OE(E&C)/IV/10-3/5.—The following official of this office retired on superannuation from the afternoon of 31-3-1987:—

Smt. P. Saradamony Ammal-Accounts Officer.

Sd./- ILLEGIBLE Accountant General

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL (AUDIT): I MADHYA PRADESH

Gwalior, the 30th April 1987

No. Admn. XI/Gr. II/AAO-SO/Prom./25/356/676—The Accountant General (Audit): I, Madhya Pradesh, Gwallor has been pleased to promote the following Section Officers as Asstt. Audit Officers in the officiating capacity in the Scale of Rs. 2000-3200 with effect from the dates noted against each:—

SI. No.	Name	Permanent No.	Date of Promotion as Assistant Audit Officer
1	2	3	4
	S/Shri	02/	
1.	S. C. Kulshreshtha	2158	18-11-1986
2.	G. D. Chandwani	2421	18-11-1986
3,	N. C. Shrivastava	2318	19-11-1986
4.	R. S. Chouhan (Bhopal) .	2406	29-11-1986
5.	S. S. Sharma	526	9-12-1986
6.	Son Singh	2713	17-12-1986
7.	Y N. Sinha	355	30-12-1986
8.	R. C. Saxena	599	24-1-1987
9.	Tej Singh	1680	22-1-1987
10.	A. C. Banerjec	830	22-1-1987
11.	O, S. Bajpai	973	27-1-1987
12.	K. N. Sharma	1344	30-1-1987
13.	R. C. Varshney	1361	23-1-1987
14.	V. K. Jain	1428	24-1-1987
15.	P. N. Shrivastava (Bhopal)	1502	17-2-1987
16.	H. P. Dwivedi (Bhopal) .	1526	18-2-1987
17.	M. M. Agrawal (Bhopal).	1786	19-2-1987
18.	K. P. S. Sengar	2031	14-2-1987
19.	M. K. Jain (Bhopal) .	20 98	17-2-1987
20.	P. L. Sahu (Bhopal).	2103	23-2-1987
21.	Girdhari Yadav (Bhopal) .	2136	17-2-1987

R. C. GUPTA Dy. Accountant General (Admn)

OFFICE OF THE ACCOUNTANT (A&E) GENERAL I UTTAR PRADESH

Allahabad, the 15th April, 1987

No. Admn. I/11-144/Notification/2098—The Accountant General-I (A & E), U. P. Allahabad has appointed the following Section Officers to officiate as Accounts Officers in this office until further orders, in the pay scale of Rs. 2375-75-3200-EB-100 3500 with effect from the dates noted against each:

S/Shri

	oloimi Maimi			
1.	Ram Krishna Mishra	•	•	13-04-1987 F.N.
2.	Prem Narain Khanna			13-04-1987 F.N.
3.	Vipin Behari Srivastava			13-04-1987 F.N.

MINAKSHI CHAK Dy. Accountant General (Admn)

OFFICE OF THE DIRECTOR OF AUDIT, CENTRAL

Calcutta, the 13th April, 1987

No. Admn. I/C/470/129-130—The Director of Audit, Central-Calcutta has been pleased to appoint the following Assistant Audit Officers to officiate as Audit Officer (Group 'B') in scale of Rs. 2375-75-3200 EB-100-3500/- p.m. from the date noted against each in the office of the Director of Audit Central, Calcutta until further orders.

Sl. No.	Name		Date of assumption of charge
1	2		 3
	S/Shri		
1.	Subrata Sen		26-2-1987 (F.N.)
2.	Sukumar Saha		26-2-1987 (F.N.)
3.	Bikash Kanti Bhattacharyy	а.	26-2-1987 (F.N.)
4.	Prabitra Kr. Sarkar II		26-2-1987 (F.N.)

MINISTRY OF LABOUR LABOUR BUREAU

Shimla-171004, the 1st May 1987

No. 5/1/87-C.P.I.—The All-India Consumer Price Index Number for Industrial Workers on Base: 1960=100 remained stationary at 686 (Six Hundred Eighty Six) for the month of March, 1987. Converted to Base: 1949=100 the index for the month of March, 1987 works out to 834 (Eight Hundred Thirty Four).

BALRAM, Joint Director, Labour Bureau

DEFENCE ACCOUNTS DEPARTMENT New Delhi, the 10th April 1987

No. AN/II/2606/86.—The Controller General of Defence Accounts, New Delhi, regrets to notify the death of Shri KRISHNA KUMAR SOBTI, Accounts Officer (P/293) on 5-3-87. He has accordingly been struck off strength of the Department with effect from 5-3-87 (AN).

D. K. CHET SINGH Addl. C.G.D.A. (AN)

MINISTRY OF DEFENCE

INDIAN ORDNANCF FACTORIES SERVICE ORDNANCE FACTORY BOARD

Calcutta-1, the 7th April 1987

No. 7/G/87.—On attaining the age of superannuation (58 years), Shri A. R. Basu, Offg. It. Director (Subst. & Permt. Dy. Director) retired from service with effect from 31st March, 1987/AN.

The 10th April 1987

No. 8/G/87.—Shrl S. S. Guha Thakurt Director (Subs. & Permt. S.A.) voluntarily Thakurta, Offg. Dy. oluntarily retired from service with effect from 31st March, 1987.

> M. A. ALAHAN It. Director (G) for Director General, Ordnance Factories

Calcutta, the 8th April 1987

No. 5/87/A/E-1(NG).—The DGOF is pleased to promote Shri Nagendra Nath Saha, Offg. Assit. as Offg. Assistant Staff Officer wef 11-3-87 against an existing vacancy without effect on seniority until further orders.

- 2. The above promotion shall abide by the results of the appeal filed in the Hon'ble High Court at Calcutta.
- 3. Shri Saha assumed the higher duties as ASO wef 11-3-87.
- 4. The above Officer will be on probation for two years wef 11-3-87.

S. DASGUPTA DDGOF/Admin. for Director General, Ordnance Factories

MINISTRY OF INDUSTRY

DEPARTMENT OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT OFFICE OF THE DEVELOPMENT COMMISSIONPR (SMALL SCALE INDUSTRIES)

New Delhi, the 3rd April, 1987

No. A-31012(44)/85-Admn. (G).—The Development Commissioner (Small Scale Industries) is pleased to appoint the following officers to the post of Assistant Director (Gr. 11) (General Administrative Division) in the Small Industry Development Organisation in a substantive capacity with effect from the dates indicated against each : ~

SI. No.	Name of th	Date from which appoined in a substantive capacity			
	S/Shri		· · · · · ·	 	
1.	A. Chidambram				31-12-1985
2. 3.	C. Ranganathan	•			31-12-1985
3.	B. A. Kamble	•	•		31-12-1985
4.	S. K. Basu				31-12-1985
5, 6.	V. Doralswamy				31-12-1985
u,	S. P. Sharma				31-12-1985
7.	T. R. Murthy		•		31-12-1985

The 10th April 1987

A-19018(117)/73-Admn.(G).—Consequent on his appointment as Scientist/Engineer, 'SE' in the Department of Electronics, New Delhi, Shri M. Ramakrishnan, relinquished charge of the post of Deputy Director (Electronics) in the office of the Development Commissioner (Small Scale Industries) New Delhi on the afternoon of 11th March, 1987.

> C. C. ROY Deputy Director (Admn.)

DIRECTORATE GENERAL OF SUPPLIES AND DISPOSALS

(ADMINISTRATION SECTION A-6)

New Delhi-110 001, the 22nd October 1986

No. A-17011/124/86/A-6.—The Director General of Supplies and Disposals has appointed Shri Shatrughan Purs wani, Examiner of Stores (Engineering) in the office of Director of Inspection Bombay to officiate as Assistant Inspecting Officer (Engineering) on ad-hoc basis in the same office from the forenoon of 12th September, 1986 and until further orders.

> R. P. SHAHI Dy. Director (Admn) for Director General of Supplies and Disposals

New Delhi-110 001, the 22nd October 1986

No. A-17011/316/86/A-6.—On the results of the Engineering Services Examination, 1984 conducted by the UPSC, the President is pleased to appoint Shri Man Mohan Dubey in Engineering Branch of Grade III of the Indian Inspection Service Group 'A', with effect from the afternoon of 29-9-86 and until further orders.

Shri Dubey assumed charge of the post of Assistant Director of Inspection/Inspecting Officer (Probation Reserve) in the office of the Director of Inspection, Bombay on 29-9-86 (A.N.) and will be on probation for a period of two years from the date.

The 28th October 1986

No. A-17011/315/86-A.6.—On the results of the Engineering Services Examination, 1984 conducted by the UPSC, the President is pleased to appoint Shri R. Karruplah (SC) to the Engineering Branch of Grade III of the Indian Inspection Service, Group 'A' with effect from the forenoon of 29-9-1986 and until further orders.

Shri Karuppiah assumed charge of the post of Inspecting Officer (Engineering) (Probation Reserve) on the forenoon of 29-9-86. He will be on probation for a period of two years from 29-9-86

> R. P. SHAHI Dy. Director (Admn)

ISPAT AUR KHAN MANTRALAYA (KHAN VIBHAG)

GEOLOGICAL SURVEY OF INDIA

Calcutta-700016, the 10th April 1987

2458B/A-19012(3-SKS)/85-19B,-Shri Swapan Kr. Sengupta. STA (Chem), Geological Survey of India is appointed by the D.G., to the post of Assistant Chemist in the same Department on pay according to rules in the scale of pay of Rs. 2000-60-2300-EB-75-3200-100-3500/- in a temporary capacity with effect from the forencon of 25-3-87. until further orders.

> A. KUSHARI Director (Personnel)

Calcutta-16, the 10th April 1987

No 2435B/A-32013/1-DDG(Geol.)/85-19A.—The President is pleased to appoint the following officers of the Geological Survey of India, on promotion as Deputy Director

General (Geology) in the same Department on pay according to rules in the Pre-revised scale of pay of Rs. 2250-125/2-2500/- (since revised at Rs. 5900-200-6700/-) in a temporary officiating capacity with effect from the forenoon of 7th April, 1987, until further orders.

 Shri S. K. Guha, Director (Geology), G.S.I.
 Shri G. J. Chandak, Director (Geology) Sel, Grade. G.S.E.

N. K. MUKHERJEE Sr. Dy. Director General (Oprn.)

DIRECTORATE GENERAL: ALL INDIA RADIO

New Delhi, the 11th March 1987

No. 4(53)/75-SI(Vol. I).—Shri B. R. Bhargava, Programme Executive, All India Radio (now Assistant Secretary, Sangcet Natak Akademi) consequent on his permanent absorption in the Akademy resigned from Government Service with effect from 14th August, 1984.

Dy. Director of Administration for Director General

DELHI MILK SCHEME

Delhi-8, the 30th August 1986

ORDER

No. 5-9/85-Vig.—WHEREAS Shri Ram Sewak Singh, J.P.O. was issued a chargesheet under Rule 14 of CCS (CCA) Rules, 1965 vide this office memo of even No. dated 21-8-85 on the following charges:

That the said Shri Ram Sewak Singh while functioning "That the said shri Ram Sewak Singh while functioning as JPO in DMS has been absenting himself from duty unauthorisedly wef 16-9-83 onwards without prior permission and sanction of the competent authority. He is thus charged with absenting himself from duty unauthorisedly wef 16-9-83 onwards without prior permission and sanction of the Competent Authority which acts being grossly unbecoming of a Government servant and are inviolation of Rule 3 of CCS (Conduct) Rules, 1964." Rule 3 of CCS (Conduct) Rules, 1964.

WHEREAS Shri B. L. Oberoi was appointed as E.O. who has conducted the enquiry proceedings and submitted his report bearing No. 115/EO/85(B) dated 17-6-86 in which the charge framed against Shri Ram Sewak Singh has been proved. The undersigned has carefully examined the findings of enquiry officer and evidence and other documents ings of enquiry officer and evidence and officer documents on records and agrees with the findings of E.O. He was given sufficient opportunity to defend his case but he avoided to participate in the enquiry proceedings deliberately. He has not even bothered to send leave application duly supported with medical certificate from the Competent medical contains. This remaining about from duty sings 16.9.83 authority. His remaining absent from duty since 16-9-83 onwards without any valid reasons nor joining duty even uptil today is a serious offence. The undersigned agrees with the findings of E.O. that the charged levelled against him for remaining unlawful absent from duty is established. He is thus guilty of the charge. The undersigned has finally come to this conclusion that Shri Ram Sewak Singh, JPO is not a fit person to be retained in Government service.

NOW THEREFORE, the undersigned in exercise of the powers conferred under Rule 11 of CCS (CCA) Rules, 1965, for good and sufficient reasons imposes upon the said Shrl Ram Sewak Singh, JPO the penalty of REMOVAL FROM SERVICE with immediate effect.

Encl. Enquiry Report.

BALDEV CHAND Dy. General Manager (Adm.)
Disciplinary Authority

Shri Ram Sewak Singh, J.P.O., Vill. & P.O. Chandpur Kothia, Samastipur, (Bihar). Samasupur, (Bihar).

Copy to :-

- 1. Conf. Cell 2. Guard file
- 3. Accounts (E) Sec. 4. Time Office

- 5. Estt.II Sec.
 6. General Section
 7. Security Officer

FISHERY SURVEY OF INDIA

Bombay-1, the 6th October 1987

No. 2-54/86-Estt.III.—The Director as 'Head of Department' is pleased to appoint Shri G. K. Avhad to the post of Jr. Fisheries Scientist Fishery Survey of India, Bombay wef afternoon of 26-8-1986 in a temporary capacity until further orders.

DR. D. SUDARSHAN

Director

BHABHA ATOMIC RESEARCH CENTRE PERSONNEL DIVISION

Bombay-400 085, the 7th April 1987

No. PA/79(19)/84-R-III '780.—Controller, Bhabha mic Research Centre appoints Shri Ulaganathan Jawahar, permanent Assistant in the Department of Atomic Energy, Bombay to officiate as Assistant Personnel Officer in the scale of pay of Rs. 2000-60-2300-EB-75-3200 in this Research Centre with effect from the forenoon of March 27, 1987.

> J. RAMAMURTHY Dy. Establishment Officer

DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY DIRECTORATE OF PURCHASE & STORES

Bombay-400 085, the 8th April 1987

No. Ref. DPS/2/1(29) /83-Adus.—The Director, Directorate of Purchase and Stores, Department of Atomic Energy appoints Shri R. Chaudhary a permanent Storekeeper to officiate as a Asstt. Stores Officer in the scale of pay of Rs. 2000-60-2300-EB-75-3200-100-3500 in a temporary capacity with effect from the forenoon of April 1, 1987 until further orders in the same Directorate.

> B. G. KULKARNI Administrative Officer

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL AVIATION

New Delhi, the 2nd April, 1987

No. A. 32013/1/82-ES--The President is pleased to continue ad-hoc appointment of the following officers to the grade of Deputy Director/Controller of Airworthiness in the Civil Aviation Department for a period of six months as shown against each or till the posts are filled on regular basis whichever is carlier :-

SI. No.	Name		Extension of period of ad-hoc appointments		
			From	То	
1.	Shri M. S. Ibrahim		16-1-87	15-7-87	
2.	Shri K. Prabhakar Rao		11-2-87	10-8-87	

M. BHATTACHARJEE Dy. Director (Admn.)

CENTRAL EXCISE COLLECTORATE

Nagpur-440 001, the 14th April 1987

No. 3/1987.—Consequent upon his promotion as Administrative Officer, Central Excise Group 'B', Shri P. A.

Shamdasani has assumed his charge as Administrative Officer. Central Excise Group 'B', Central Excise Division, Chandrapur in the forencon of 31-3-1987.

J. R. KAIT Deputy Collector (P&E)

THE REPORT OF THE PARTY OF THE

DIRECTORATE GENERAL OF INSPECTION (CUSTOMS & CENTRAL EXCISE)

New Delhi, the 13th April 1987

No. 3/87.—Shri H H. Khokar, lately posted as Appraiser Group 'B' of Bombay Customs House Bombay on his appointment as Inspecting Officer Group 'B' vide this Directorate General Order C. No. 1041/47/84-WRU dated 23-10-86, assumed charge of the post of Inspecting Officer Group 'B' in the West Regional Unit, Directorate General of Inspection Customs and Central Excise at Bombay with effect from 2-2-1987 (FN).

H. M. SINGH Director General of Inspection

CENTRAL WATER COMMISSION

New Delhi-110066, the 14th April 1987

No. A-19012/1202/86-Estt.V.—Chairman, Central Water Commission hereby appoints Shri Chander Perkash, Junior Engineer to officiate in the grade of Extra Assistant Director/Assistant Fingineer (Engg) on a purely temporary and ad-hoc basis in the scale of may of Rs. 2000-60-EB-2300-75-3200-100-3500/- for a period of one year or till the post is filled on regular basis whichever is earlier with effect from the forenoon of 25-8-86.

M. R. SINGLE Under Secy. Central Water Commission

CENTRAL GROUND WATER BOARD

Faridabad, the 10th April 1987

No 3-769/86-CH(Estt).—Shri Rama Kishna is appointed as Assistent Hydrogeologist G.C.S. (Gazetted) (Group-B) on the basic pay of Rx 2000/- in a revised scale of Rs. 2000-60-2300-EB-75-3200-100-3500/- on temporary basis in the Central Ground Water Board, Western Region, Jaipur with his Headquarters at State Unit Office, Jodhpur w.e.f. 30-1-1987 (FN) till further orders

B. P. C. SINHA Chief Hydrogeologist & Member

Faridabad, the 13th April 1987

No. 3-329/73-Estt (M). -Shi R Saxena is appointed to the post of Administrative Officer, General Central Services Group (B) (Gazetted) in the pay scale of Rs. 2375-75-3200-100-3500/- on temporary basis in the Central Ground Water Board we f. 19-3-87 (FN).

S. K. DAS Chief Engineer & Member

DIRECTORATE GENERAL OF WORKS CENTRAL PUBLIC WORKS DEPARTMENT

New Delhi, the 8th April 1987

No. 27/60/78-EC IX—The President is pleased to accept the resignation tendered by Shii M, N. Khante, Architect attached to Senior Architect (NDZ)-III Unit, C P.W.D., New Delhi with effect from the afternoon of 6th February, 1987.

PRITHVI PAL SINGH Deputy Director of Administration-I

MINISTRY OF INDUSTRY DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS

OFFICE OF THE PEGISTRAR OF COMPANIES

In the matter of Companies Act, 1956 and of M/s. Brilliant Tanners Private Limited.

[Pursuant to Section 445 (2) of the Companies Act, 1956]

Hyderabad, the 16th April 1987

No. 2353/Liq./87—By an order dated 13-12-1985 in Company Petition No 13/82 of the High Court of Judicature Andhra Pladesh, Hyderabad lt has been ordered to be wound up M/s. Brilliant Tanners Private Limited.

R. K. BHATTACHARJEE Registrar of Companies Andhra Pradesh, Hyderabad

PORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE (NCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Shri Mohanlal Sitaram Ladhdha, Kara danabha Apartments, Plot No. 4, Adinath Society, Pune-37.

(Transferor)

(2) M.s. Maint' Builders, 776/A Sadashiv Peth. Punc-30.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BANGALORE-560 001,

ACQUISITION RANGE, PUNE KUMAR ESTATE NEAR DHOBI GHAT,

Pone, the 6th April 1987

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/2224|1986-87.— Whereas, I, ANJANI KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value

property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 - and bearing No. S. No. 398 A, Ganesh Peth, Pune-2.

situated at Pune

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred & registered u/s 269 AB of the said Act in the office of the Competent Authority at I.A.C., Acqn. Range, Pune on 23rd Aug. 1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Art, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immosable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:— The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquieition Range, Pune, under document No. 37FE/2224/1986-87 23rd Aug. 1986).

ANJANI KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Poona

Date: 6-4-1987

FORM ITNS

- (1) Smt. Premawati Sah.
- (Transferor)

- (2) Shi S. P. Nanda, Katta (H. U. F.)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(Transferee) (3) Shri S. P. Nanda. (Person in occupation of the property)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 6th April 1987

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

G. I. R. No. S-415/Acq.—Whereas, 1, SMT. SAROJNI LAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act)', have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Land with bunglow situated at Arendels Mallice States.

situated at Armadale, Mullital, Nainital

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Nainital

on 16-8-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ...

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any inecome arising from the transfer; and /or

THE SCHEDULE

Property consists of 4862 sq. mtrs. of land. One bunglow with kitchen in this land having a covered area of 680 sq. mtrs. and out houses having an area of 184 sq. mtrs. situated at Armadale, Mallital, Nainital (as mentioned in 37 G form).

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

SMT. SAROJNI LAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Lucknow

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I herefore initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, nautily :--

Date: 6-4-1987

Scal:

FORM ITNS-

NGTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

> ACQUISITION RANGE, 57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 6th April 1987

G. 1. R. No. H-64/Acq.—Whereas, I, SMT. SAROINI LAL,

being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'sard Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Plot of land, called garden situated at Longdale Estate, Ayarpata, Mallital, Nainital (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been translerred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nainital on 25-8-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the ereduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any mome or any moneys or others assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferos for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of tre said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the sforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Mahim Chandra Bhatt.

(Transferor)

(2) M/s. Hotel Longdale Pvt. Ltd. Jwala Cottage, Longdale Estate, Mallital, Nainital Through its Managing Director Shri Kailash Sharma

(Transferce)

(3) Seiler.

(Person in occupation of the property)
THE SCHEDULE

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of land called garden measuring 2000 sq. mtrs. situated in Longdale Estate, Ayarpata, Mallital, Nainital (as mentioned in 37 G Form).

SMT. SAROINI LAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Lucknow

Date: 6-4-1987

FORM ITNS---

(1) M/s. Park Chambers Itd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Vincet Electrical Industries Pvt. Ltd. (Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections if any, to the acquisition of the said preparty may be made in writing to the undersigned :-

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I. CALCUTTA

Calcutta, the 6th April 1987

Ref. No. TR-247/86-87/Sl-1289/J.A.C./Acq. R-I/Cal.— Whereas, I,

K. GAYEN,

being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 5.00,000/- and bearing No. 119, situated at Park Street, Calcutta.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Office at R A, Calcutta on 20-8-86

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

BEPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given that Chapter

THE SCHEDULE

All that the Office Space No. 1 A on 1st floor along with car parking space at 119, Park Street, Calcutta. Registered before the Registrar of Assurance, Calcutta vide Deed No. 1 10712 dated 20.8 % I-10712 dated 20-8-86.

> I. K. GAYEN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range I, Calcutta-700 016

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to be following persons, namely :-

Date: 6-4-1987

FORM ITNS-

- (1) M/s. Chitrakoot Properties Ltd.
- (Transferor)
- (2) Viny International Ltd.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-1, CALCUTTA

Calcutta, the 6th April 1987

Ref. No. TR-248/86-87/SI-1290/I.A.C./Acq. R-I/Cal.— Whereas, I, I. K. GAYEN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

property, having a fair market value exceeding Rs. 5,00,000/- and bearing No.

71, situated at Park Street, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16, 6, 1908), in the office of the Resultance of th (16 of 1908) in the office of the Registering at R. A., Calcutta on 20-8-86

for an apparent consideration which is less than the fair man' it value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax 30, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later
- (b) by any other person interested in in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :-- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

All that Office Space No. 1A on 1st floor at 71, Park Street, Calcutta. Registered before the Registrar of Assurances, Calcutta vide Deed No. I-10713 dated 20-8-86.

I. K. GAYEN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Calcutta-700 016

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 6-4-1987

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA

Calcutta, the 6th April 1987

Ref. No. TR-249/86-87/Sl-1291/I.A.C.|Acq. R-I|Cal.--Whereas, I. I. K. GAYEN,

heing the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 5.00.000% and bearing No. 20A, situated at Broad Street, Calcutta, (and more fully described in the Schedule has been transferred under under the Registration Act. 1908

has been transferred under under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering at R. A., Calcutta on 20-8-86

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid properly and I have reason to believe that the fair market value of the aforesaid properly and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not truly stated in the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the said instrument with the said with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (1) Amiya Kumar Mukherji, Ajit Kumar Mukherji, Asok Mukherji & Amit Mukherji, All Trustees to the Trust Estate of Saradindu Mukherji (Deceased). (Transferor)

(2) Tapan Chakraborty.

(Transferce)

(3) Himalaya Ice Ltd.

(Person in occupation)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that premises No. 20 A. Broad Street, Calcutta measuring 16 Cottahs more or less. Registered before the Registrar of Assurances, Calcutta vide I-10671 date 20-8-86.

> I. K. GAYEN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Calcutta-700 016

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings, for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 6-4-87

FORM ITNS----

(1) Dr. Somen Ghosh

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/S. Denis Parckh Consortium Pvt, Ltd. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property

may be made in writing to the undersigned :-

whichever period expires later;

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-1, CALCUTTA

Calcutta, the 6th April 1987

Ref. No. C.A.54/86-87/Sl.-1292 I.A.C./Acq.R-I/Cal,---Whereas, I, I. K. GAYEN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Acv), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 5,00,000/- and bearing

No. 15/1, situated at Loudon Street, Calcutta-700 017 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC, Acq.R-I, Cal. on 6-8-86

at IAC, Acq.R-I, Cal. on 6-8-86 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the such that the said instrument of parties has not been truly sated in the said instrument of transfer with the objec of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for he purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :-- The terms and expressions used ketem as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given that Chapter

THE SCHEDULE

All that Undivided 70% share of land and outhouses (measuring 8 Cottahs 12 Chittacks 18 Sft.) being the demarcated Southern Portion of Premises No. 15/1, Loudon Street, Calcutta-17. Registered before the Competent Authority, I.A.C., Acquisition Range-I, Cal. vide Serial No. C.A. 54 dated 6-8-86,

I. K. GAYEN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Calcutta

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 260D of the said Act to the faller. (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :--

Date: 6-4-87 Seal :

(1) M. S. K. Enterprises

(Transferor)

3815

(2) M/S. Tashi Agio Industries Pvt. Ltd.

may be made is writing to the undersigned :-

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-IV, CALCUTTA

Calcutta, the 6th April 1987

No.C.A,-59/86-87/Sl,-1293 I.A.C /Acq. R-I/Cal,-whereas, I, I. K. GAYEN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing

No. 53A situated at Mirza Galib Street, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908 in the office of Registering office

at IAC, Acq.-R, Calcutta on 22-8-86 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of this said property

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation :- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of this liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of he Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

All that Unit No. 3A on 3rd floor in a building premises No. 53A, Mirza Galib Street, Calcutta.

Registered before the Competent Authority, I.A.C. Acquisition Range-I, Calcutta vide C.A 59 dated 22-8-86. Serial No.

> I. K. GAYEN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV Calcutta

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:— 19-56GI/87

Date : 6-4-87 Scal :

and the lateral property and the second seco FORM ITNS-

(1) Sh. Jaswant Singh, 8 25, West Patel Nagar, New Delhi.

New Delhi.

(Transferor)

NOTIOE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II AGGARWAL HOUSE 4/14-A. ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 3rd April 1987

Ref. No. IAC/Acq.II 37EE/8-86/48 -- Whereas, 1, ASHOK KACKER,

being the Competent Authority under Section 2695 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovto as the 'said Act') have reason to believe that the manner able property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Plot No. 535, Block 'B' New Friends situated at Colony New 3 4

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I. T. Act, 1961 in the office of the registering Officer at I. T. Act 1961 IAC. Range I New Delhi in August, 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforestid attention and I. here access

narket value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such tanafer as agreed to beta part the parties has not been truly stated in the cold instru ween the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the sald Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been on which ought to be disclosed by the transferee tor the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(2) Smt. S. N. Sarcen, B-535, New Friends Colony,

(Transferce) (Person(s) in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Residential House Property on Plot No. 535, Block 'B' New Friends Colony New Delhi. Leasehold GF. 213 Sq. Mts. FF-213 Sq. Mts. BF-40 Sq. Mts.

> ASHOK KACKER Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Aggarwal House 4/14-A, Asaf Ali Road New Delhi

Now, therefor, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 3-4-1987

FORM ITNS ---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-II AGGARWAL HOUSE 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 3rd April 1987

Ref. No. 1AC/Acq.II/SR-III/8-86/33.—Whereas, I, ASHOK KACKER,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing
No. 1/4th share in property No. C-85, N.D.S.E., Part-II situated at New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer at

New Delhi in August, 1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andior:
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Ravi Singh S/o Sh. Surinder Jit Singh K-43, N.D.S.E. Part-II, New Delhi.

(Transferor)

 Jeewan Kumar Mchan S/o Sh. Ram Dev Mehan, R/o L-27, Green Park, New Delhi,

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/4th share in property No. C-85, measuring 500 sq. yds. N.D.S.E. Part-II, New Delhi.

ASHOK KACKER
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Aggarwal House
4/14-A, Asaf Ali Road
New Delhi

Date: 3-4-1987

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-II AGGARWAL HOUSE 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 3rd April 1987

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-III8-86/34.—Whereas, I, ASHOK KACKER,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. 1/4th share in property No. C-85 N.D.S.E., Part-II, situat-

ed at New Delhi

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer at

New Delhi in August, 1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the patters has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Ravi Singh S o Sh. Surinderjit Singh, R/o K-43, N.D.S.E. Part-II, New Delhi.

(Transferor)

(2) Rakesh Kumar Mehan S/o Ram Dev Mehan, R/o T-27, Green Park, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made is writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said HLILOV-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gezetic

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/4th share in property No. C-85, measuring 500 sq. yds. N.D.S.E. Part-II, New Delhi.

ASHOK KACKER Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-Il Aggarwal House 4/14-A, Asaf Ali Road New Delbi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :---

Date: 3-4-1987

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-II AGGARWAL HOUSE 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 3rd April 1987

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-III/8-86/32.—Whereas, I. ASHOK KACKER,

ASHOK KACKER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value Rs. 1,00,000/- and bearing No. 1/2 share in property No. C-85, NDSE Part-III situated to New Delhi

at New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act in the office of the registering Officer at I T. Act 1951 IAC Range I, New Delhi in August, 1986 for an apparent consideration which is less than the fair

market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Surinderjit Singh (HUF), K-43, NDSE Part-II, New Delhi.

(Transferor)

(2) Ram Dev Mehan S/o Late Shri Mangal Sain Mehan, R/o T-27, Green Park, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid ptrsons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which over period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/2 share in property No. C-85, measuring 500 sq. yds. NDSE II, Now Delhi free-hold.

> ASHOK KACKER Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Aggarwal House 4/14-A, Asaf Ali Road New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 3-4-1987

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II AĞGARWAL HOUSE 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 3rd April 1987

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-III/8-86/37.—Whereas, 1. ASHOK KACKER,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the inmovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Plot No. 41, cateory III Group A, mg. 401-34 sq. yds. situated situated at Kalindi Colony, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

1908) in the office of the registering Officer at New Delhi in August, 1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneyes or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or thhe said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Smt. Lakshmi Dewan W/o Sh. D. N. Dewan, R/o Cottage No. 12, Swiss Apartments, Delhi.

(Transferor)

(2) Vishwa Bandhu Agarwal S/o Sh. R. K. Agarwal, R/o D-1, Panchsheel Enclave New Delhi and Ramesh Chandra Agarwal S/o Sh. Rikhi Ram, R/o C-24, NDSE-I New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquision of the said property may be made in the writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning a- given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 41, Category III, Group A, mg. 401-34 eq. yds. Kalindi Colony, New Delbi.

ASHOK KACKER Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Aggarwal House 4/14-A, Asaf Ali Road New Delhi

Date: 3-4-1987

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS

Madras-600 006, the 27th March 1987

Ref. No. 1/August/86.—Whereas, I,
A. R. REDDY
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing No.
8, Trevelyan Basin Road, Sowcarpet, Mudras
situated at Madras

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Sowcarpet (Doc. No. 366/86) in August 1986 situated at Madras

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than infecen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferge for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 11 of 1922) of the said Act, or the wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Mrs. Tara Ben Doshi, W/o Late Sri Naval Chand Doshi, No. 8, Trevelyon Basin Street, Madras-600 079.

(Transferor)

(2) Sarupchand Bothra and Sri Kiran Bai Bothra, No. 15, Veerappan Street, Madras-79.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Building at Door No. 8, Trevelyan Basin Street, Madras-79.

(Doc. No. 366/86).

A. R. REDDY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I(I/C) Madras.

Dated: 27-3-87

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I, MADRAS

Madras-600 006, the 2nd April 1987

Ref. No. 3/August/86.—Whereas, I, A. R. REDDY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Door No. 28, Venugopal Avenue, Spurtank Road, situated at Madras-31. (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been tron faired under the Paristropion Act. 1908, (16, of

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Periamet (Doc. No. 815/86) on 4-8-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Sri A. P. Sivan, S o Appaswamy Mudaliar, No. 28, Venugopal Avenue, Spur Tonk Road, Chetput, Madras-600 031

(Transferor)

(2) Mrs. Shahnawaz Basha, Power of Attorney Holder: Sri K. Ameenur Rahman, Managing Director in Flourind Shoes Ltd., 31, Maddox Road, Madras-600 112.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Building at Door No. 28, Venugopal Avenue, Spur Tank Road, Madras-31, (Doc. No. 815/86),

> A. R. REDDY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I (i/c) Madras

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 2-4-1987

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I, MADRAS

Madras-600 006, the 2nd April 1987

Ref. No. 5/August/86.—Whereas, I, A. R. REDDY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tex Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Door No. 34 and 35, Swami Naicken Street, Chintadripet situated at Madras-2 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Periamet (Doc. No. 848/86) on August 1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per control of such temperature consideration and the second control of the property as a formal control of the property and I have reason to be a formal control of the property as a formal control of the property a than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ;--

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

20-56GI/87

(1) Sri P. S. Dayal Prasad and 4 Others, No. 487, Pantheon Road, Egmore, Madras-8.

(Transferor)

(2) Sri N. Ayyanathan, 103, Jawaharlal Nehru Road, Sivakasi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Land and Building at Door Nos. 34 and 35, Swami Naicken Street, Chintadripet, Madras-2. (Doc. No. 848/86).

> A. R. REDDY Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tex Acquisition Range-I (1/c) Madras

Dateur. 2-4-1987 Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I, MADRAS

Madras-600 006, the 24th March 1987

Ref. No. 6/August/86.—Whereas, I, A. R. REDDY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 35, Nowroji Road, Chetput, Madras-31

situated at Madras

situated at Madras (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Periamet (Doc. No. 959/86) on 29-8-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than diffeen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of: transfer with object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Smt. M. Mangalam Ananthanarayanan, No. 17/3, Mahadevan Street, West Mambalam, Madras-600 033

(2) Smt. Mulliga Jayachandran, R-85, 4th Street, Anna Nagar, Madras-40.

(Transferce)

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter. A - 12 1

THE SCHEDULE

Land and Building at Door No. 25, Nowroji Pond, Chetput, Madras-31, (Doc. No. 959/86).

> A. R. REDDY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I (i/c) Madras

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely ;---

Date: 24-3-1987

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I. MADRAS-600 006

Madias-600 006, the 7th April 1987

Ref. No. 7/August/86.—Whereas, I, A. R. REDDY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act) have reason to believe that the inmovable property begins a fair more typical expension. able property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Plot No. 3549, J. Block, No. 2 aBtch No. 4, Anna Nagar,

Madras-40

situated at Madras

tand more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of nas been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registring Officer at Madras Central Doc. No. 1112/86 on August, 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid executed the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and-that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instru-ment of transfer with the object of :---

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

(1) Dr. Purani Ramachandran, 15, Manikeswari Road, Kilpauk, Madras-10.

(Transferor)

(2) Mrs. Parvathi, 8, Nawab Habibullah Avenuc III Street, Madras-6.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

LXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Building at Plot No. 3549, J Block No. 2, Batch No. 4, Anna Nagar, Madras-40. (Doc. No. 1112/86).

> A. R. REDDY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-1 (i/c) Madras-600 006

Date: 7-4 1987

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 6th April 1987

Ref. No. 8/Augus/86.—Whereas, I.

A. R. REDDY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. 108, Angappa Naicken Street, Madras-1 situated at Madras (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Madras Central (Doc. No. 1107/86) on August, 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Sri P. S. Deenadavalu, No. 51, Shanmugaroyan Street, Madras-600 001.

(Transferor)

(2) M/s. Utility Builders, No. 16, Sunkurama Sfreet, Madras-1.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- a() by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any

Land and Building at Door No. 108, Angappa Naicken Street, George Town, Madras-1. (Doc. No. 1107/86).

A. R. REDDY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I (i/c) Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

Date: 6-4-1987

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 2nd April 1987

Ref. No. 9/August/86.—Whereas, I, A. R. REDDY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovas the same Act, have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing R. S. No. 3141/8 (Part), R. S. No. 3141/3 (Part) No. 11, Harleys Road, Kilpauk, Madras

stuated at Madias (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Purasawalkam Doc. No. Nos. 1006, 1008 and 1010/86 on

August, 1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

- (1) 1. Sri N. Kumar Ratan
 2. Mrs. Jayashree Ratan
 3. Sri S. Parvathy Ratan
 4. Sri S. Parvathy Ratan
 ② S. P. Lakshmi Ratan
 No. 75, Kilpauk Garden Colony, Madras-600 010.

(Transferor)

 Sri Arun Rajkumar Fredrick, No. 12, Harleys Road, Kilpauk, Madras-600 010.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Building at No. 11, Harleys Road, Kilpauk, Madras.

(Doc. Nos. 1006/86, 1008/86 and 1010/86).

A. R. REDDY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I (i/c) Madras-600 006

Date: 2-4-1987

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Sri D. Sundararamulu, 17, Ayyavoo Naidu Street, Madras-30.

(Transferor)

(2) Smt U. Shantha Kumari, W/o U. Shoban Babu, No. 22, Rajaram Mehta Nagar, Madras-600 029.

(Transferec)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras 600 006, the 6th April 1987

Ref. No. 3/September/86.—Whereas, 1, A. R. REDDY,

A. R. REIDTY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Door No. AG 3. Shanti Colony, Arignar Anna Nagar, signated at Madra, 40.

simuated at Madras-40

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Anna Nagar Doc. No. 2854/86 on 27-8-86

Anna Nagar Doc. No. 2854/86 on 2/-8-86 for an apparent consideration which is less than the fait market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to bet ween the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Building at Door No. AG. 3, Shanthi Colony, Arignar Anna Nagar, Madras-40. (Doc. No. 2854/86).

> A. R. REDDY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-J (i/c) Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 2690 of the faid Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 6-4-1987

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-IB, BOMBAY

Bombay, the 6th April 1987

No. AR-IB/37EE/46/86-87.—Whereas, I, NISAR AHMED,

NISAK AHMED, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property baving a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 3rd Floor, Flat No. 1, Jaywant Apartments, Tardeo Road, Dadarkar Compound, Bombay-34.

situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the same is registered under Section

1269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 25-8-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) V. K. Solanki & Others.

(Transferee)

- (Transferor) (2) Dasharathlal Ochhavlal Kacheria & Another.
- (3) N.A.

(Person in occupation of the property)

(4) N.A.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persens within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

3rd Floor, Flat No. 1, Jaywant Apartments, Taideo Road, Dadarkar Compound, Bombay-34.

The agreement has been registered by the Competent Authority Bombay, under S. No. AR-I/37EE/10692/25-8-

NISAR AHMFD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IB, Bombay

Date: 6-4-1987

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACOUISITION RANGE-1B, BOMBAY

Bombay, the 6th April 1987

No. AR-IB/37EE/47/86-87.—Whereas, I, NTSAR AHMED being the Competent Authority under Section 269AB of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the imexceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 26th, 7th Floor, Bldg. No. 7, Navjivan Co-op. Hsg. Socty. Ltd., Lamington Road, Bombay-8. situated at Bombay (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred and the same is registered under section 260AB of the Income tax Act 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 25-8-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe hat the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more and that

than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument

of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 11 of 1922) of the said Act. or the wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (1) Thakarbhai Gulabhai Desai,

(Transferor)

(2) Bhanwarlal Chhogalal Sanghvi.

(Transferee)

(3) Transferor.

(Person in occupation of the property)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meanings as given in that Chapter.

HE SCHEDULE

Flat No. 26, 7th Floor, Bldg, No. 7, Navjivan Co-op. Hsg. Socty., Ltd., Lamington Road, Bombay-8.

The agreement has been registered by the Competent Authority Bombay, under S. No. AR-I/37EE/10687 on 25-8-1986

NISAR AHMED
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IB Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the Moresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Dated: 6-4-1987

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IB, BOMBAY

Bombay, the 6th April 1987

No. AR.-IB/37EE/48/86-87.--Whereas, I, NISAR AHMED

NISAR AHMED being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Office No. 103, Prasad Chamberd, Opera House, Near Roxy Cinema Rombay-400 004.

Bombay-400 004,

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and the same is registered under section 269AB of the Income tax Act 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 25-8-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of each apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, a hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:— 21-56GI/87

(1) Mr. Kishlal Jain.

(Transferor)

(2) M/s Gita Corporation.

LTransferce)

(3) N.A.

(Prson in occupation of the property)

(4) N.A.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said Imable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of this said Act, shall have the same meaning as given in this Chapter.

THE SCHEDULE

Office No. 103, Prasad Chambers, Opera House, Near Roxy Cinema, Bombay-4.

The agreement has been registered by the Competent Authority Bombay, under S. No. AR-I/37EE/10686 on 25-8-1986.

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IB Bombay.

Dated: 6-4-1987

(1) M/s Indo Saigon Agency.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s Ankur Export International.

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IB, BOMBAY

Bombay, the 6th April 1987

No. AR-IB/37EE/49/86-87.—Whereas, I,
NISAR AHMED
being the Competent Authority under Section 269B of the
income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value
exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Unit No. 204, 2nd Floor,
Amir Industrial Estate,
Sun Mill Compound Lower Parel
Bombay-400 013
situated at Bombay
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred and the same is registered under section
269AB of the Income tax Act 1961, in the Office of the
Competent Authority at Bombay on 25-8-1986
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more

than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :— (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evacion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or THE SCHEDULE

Unit No. 204, 2nd Floor, Amir Industrial Estate, Sun Mill Compound, Lower Parel, Bombay-400 013.

The agreement has been registered by the Competent Authority Bombay, under S. No. AR-I/37EE/10681 on 25-8-1986.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or this said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IB Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the jewe of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Dated: 6-4-1987

Mrs. R. B. Sahukar.

(Transferor)

(2) Mr. Anil D. Galal & Another.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (4) OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IB, BOMBAY

Bombay, the 6th April 1987

No. AR-IB/37EE/50/86-87.—Whereas, I, NISAR AHMED

NISAR AHMED being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 404/B, Gold Coin Tardeo, Tardeo Road, Bombay-34. situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under section 269AB of the Income tax Act 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 28-8-1986 for an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any ircome or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

404/B, Gold Coin Tardeo, Bombay-34. The agreement has been registered by the Competent Authority Bombay, under S. No. AR-I/37EE/10678/on 25the Competent 8-1986.

> NISAR AHMI-D Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IB, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following

Dated: 6-4-1987

- (1) Dr. E. F. Silveria & Others.
- (Transferor)
- (2) Lorna J. Gomes & Another,

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IB, BOMBAY

Bombay, the 6th April 1987

No. AR-IB/37EE/51/86-87.—Whereas, I, NISAR AHMED

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, have a fair market value

exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 20, 6th Floor, Prasana Co-op. Hsg. Socty. Ltd.

Nesbit Road, Mazagaon, Bombay-400 010.

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under section 269AB of the Income tax Act 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 25-8-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to the same to the

believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the rate of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :-- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 20, 6th Floor, Prossana, Co-op. Hsg. Socty, Ltd., Nesbit Road, Mazagaon, Bombay-10.

The agreement has been registered by the Competent Authority Bombay, under S. No. AR-I/37EE/10669 on 25-8-1986.

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IB, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Art. I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Dated: 6-4-1987

(1) Nanalal Laxmichand Shah.

(Transferoi)

(2) Partners of M/s H. Sharad & Co.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(3) Transferor.

(Person in occupation of the property)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

(a) b y any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

ACQUISITION RANGE-IB, BOMBAY

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Bombay, the 6th April 1987

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given In that Chapter.

No. AR-IB/37EE/52/86-87.--Whereas, I, NISAR AHMED being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Office Premises No. 705, Prasad
Chambers, Swadeshi Mill Compound Opera House, Bombay-4. situated at Bombay (and more fully described in the Schedule below),

has been transferred and the same is registered under section 269AB of the Income tax Act 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 25-8-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability

of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been as which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

Office No. 705, Prasad Chambers Swadeshi Hill Compound. Opera House, Bombay-4,

The agreement has been registered by the Compe Authority Bombay, under S. No. AR-I/37EE/10668 25-8-1986. Competent

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IB, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Dated: 6-4-1987

(Transferee)

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IB, BOMBAY

Bombay, the 6th April 1987

No. AR-IB/37EE/53/86-87.--Whereas, I,

No. AR-IB/37EE/53/86-87.—Whereas, 1, NISAR AHMED being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 601, 6th Floor, Alankar Co.Op. Hsg. Socty. Ltd., 187, Belarger Street Grant Road

Balaram Street, Grant Road, Bombay-7,

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule below),

has been transferred and the same is registered under section 269AB of the Income tax Act 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 25-8-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealent of any income or any moneyes or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

- (1) Smt. Chandrabai Parasram Jamnaney.
- (Transferor) (2) Smt. Manjulabahen Dhirajlal Talajia & Others.
- (3) Transferor.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in the writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 601, 6th Floor, Grant Road, Alankar Co-op. Hsg. Socty. Ltd., 187, Belaram Street, Grant Road, Bombay-7.

The agreement has been registered by the Competent Authority Bombay, under S. No. AR-I/37EE/10657 on 25-8-1986.

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IB, Bombay.

Dated: 6-4-1987

FORM LT.N.S.-

(1) Smt. Asha Yogeshkumar Gadhiya.

(Transferor)

(2) M/s Karishna Const. & Inv. Pvt. Ltd.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IB, BOMBAY

Bombay, the 10th April 1987

Ref. No. AR-IB/37EE/54/86-87.—Whereas, I,

NISAR AHMED, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Property at Kazi Syed, C.S. No. 330 F.P. No. 155. Mandvi Division situated at Bombay (and more fully described in the Schedule expressed hereto)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under Section 269AB of the Income-tax Act 1961, in the Office of the Competent Authority

at Bombay on 25-8-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazettte.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULB

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which eught to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said

Property at Kazi Syed, C.S. No. 330 F.P. No. 155, Mandvi Division situated at Bombay

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under S. No. AR-1/37EE/10655 on 25-8-1986.

NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IB, Bombay

Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub section (1) of Section 269D of the said Act, to the following

persons, namely :--

Date: 6-4-1987

- (1) Smt. Bibibai Valimode Issa Patel.
- (Transefror)
- (2) Shri Haji Abdul Latif Haji Hasam.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IB, BOMBAY

Bombay, the 6th April 1987

No. AR-IB/37EE/55/86-87.—Whereas, I,

NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

103, Ist Floor, Byculla Imran Co-op. Hsg. Socty. Ltd., 8, Dr. Mr. Lcela Melville Marg situated at Bombay-8.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under section 269AB of the Income-tax Act 1961, in the Office of the Competent Authority

at Bombay on 25-8-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

103, Ist Floor, Byculla Imran Co-op. Hsg. Socty. I.td., 8, Dr. Mrs. Leela Melville Marg. Bombay-8.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under S. No. AR-I/37EE/10657 on 25-8-1986.

NISAR AHMED
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IB, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 6-4-1987

(1) Mr. Manohar M. Behranki.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Mahendrakumar Sohanlal Jain & Other. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-IB, BOMBAY

Bombay, the 8th April 1987

No. AR-IB/37EE/56/86-87.—Whereas, I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 27, Bldg. No. 14, Navjivan Socty., 7th Floor, Lamington Road, situated at Bombay-400 007 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the screen in received under Section

has been transferred and the same is registered under Section 269AB of the Income-tax Act 1961, in the Office of the Competent Authority

at Bombay on 18-8-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than filteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) tacilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer
- (b) facilitating the concealment of any income or any Moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 2690 of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:— 22-56GI/87

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation;—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter X XA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 27, Bldg. No. Navjivan Society, 7th Floor, Lamington Road, Bombay-400 007.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bomay, under S. No. AR-I/37EE/10640 on 18-8-1986.

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IB, Bombay

Date: 8-4-1987

FORM ITNS----

(1) M/s Madras Marine Pvt. Ltd.

(Transferor)

(2) M/s Monsher Enterprises.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IB, BOMBAY

Bombay, the 8th April 1987

Ref. No. AR-IB/37EE/57/86-87.—Whereas, I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable

property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Unit No. 15 & 16, Ground Floor, A Tantia Industrial Estate, Plot No. 7, Pvt. Scheme of Shree Shitaram Mills Ltd, I ower Parel, Division, Bombay-13

Parel Division, Bollody-13
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred and the same is registered under Section
269AB of the Income-tax Act 1961, in the Office of the Competent Authority

at Bombay on 8-8-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not truly stated in the said instrument of transfer with the object of with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any Moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Unit No. 15 & 16, Ground Floor, A Tantia Industrial Estate, Plot No. 7, Pvt. Scheme of Shree Sitaram Mills Ltd., Lower Parel Division, Bombay-13.

The agreement has been registered by the Competent Authority Bombay, under S. No. AR-1/37EE/10615 on 8-8-198**6**.

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IB, Bombay

Now, therefore, in npursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 8-4-1987

(1) M. K. M. Abdul Malik.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Razia Abdul Azis.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IB, BOMBAY

Bombay, the 8th April 1987

No. AR-IB/37EE/60/86-87.—Whereas, I, NISAR AHMED.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value

as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Flat No. 601, 6th Floor, 'A' Wing Agripada Rajput Villa Co-op Hsg. Socty. Ltd., 17, Mchraj, Shetty Marg, Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under Section 269AB of the Income-tax Act 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 8-8-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitate the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Iocme-tax Act 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid person within a eriod of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 601, 6th Floor, 'A' Wing, Agripada Rajput Villa Co-op. Hsg. Socty. 17, Mehraj Shetty Marg. Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority Bombay, under S. No. AR-I/37EE/10638-A on 8-8-1986.

NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IB, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 8-4-1987

Seal

- (1) J. P. Ringshia (H.U.F.).
- (Transferor)
- (2) M/s Clarion Advertising Services Ltd.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IB, BOMBAY

Bombay, the 8th pril 1987

No. AR-IB/37EE/61/86-87.—Whereas, 1, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred so as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 14, Wing-A, Vikas Finaly Towers, Parel Tank Road,

Bombay-12

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under Section 269AB of the Income-tax Act 1961, in the Office of the Competent Authority

at Bombay on 25-8-1986

for an appearent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to parket value of the arrowsers property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration themselve by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been fruly stated in the said instrument of transfer with the object of :— Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: radior

(11 of 1922) or the said Ast, or the Weelth-tax Ast,

1957 (27 of 1997);

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tex Act, 1922

Flat No. 14, Wing-A, Vikas Finaly Towers, Parel Tank Road, Bombay-12

The agreement has been registered by the Competent Authority Bombuy, under S. No. AR-1/37EE/10677 on 25-8-1986.

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-JB, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

Date: 8-4-1987

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IB, BOMBAY

Bombay, the 10th April 1987

Ref. No. AR-IB|20|37-G|10|86-87.—Whereas, I, NISAR AHMED.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

All that piece or parcel of land or ground with the shops standing thereon called Dawood Baug New Shops, Dawood Baug Shops, Dawood Baug Hotel, Jairajbhoy property, situated at Sookhlaji St. and bearing C.S. No. 224 of Tardeo Divn. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred an dthe same is registered under Section 269AB of the Income-tax Act 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 21-8-1987

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income erranymoneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 His Holiness Dr. Syedna Mohan Saheb.

(Transferor)

(2) Amirali Rashid Jaffer.

(Transferee)

(3) Tenants.

(Person in occupation of the property.)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
 45 days from the date of publication of this
 notice in the Official Gazette or a period of 30
 days rfom the service of notice on the respective
 persons, whichever period expires later;
 - (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. Bom, 1825/86 and registered on 21-8-1986 with the Sub-registrar of Bombay.

All that piece or parcel of land or ground of the Foras Tenure with the shops standing thereon called Dawood Baug New Shops, Dawood Baug Shops, Dawood Baug Hotel, Jairajbhoy property, the land admeasuring 470.6 sq. mts. 210.6 sq. metres, 290.9 sq. metres, 989.8 sq. metres, 496.5 sq. metres and 6,900 sq. mctres, situated at Sookhlaji Street and bearing C.S. No. 224 of the Tardeo Division.

NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IB, Bombay

Date: 10-41987

FORM I.T.N.S.-

(1) Mrs. Vasumati H. Patel & Ors.

(2) M/s, Thakkar Developments.

(Transferor)

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 9th April 1987

Ref. No. ARIV/37EE/31166/86-87.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, '1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 10,00,000/- and bearing No.

All that piece or parcel of land or ground together with the structures standing thereon bearing City Survey No. 563, 563 (1 & 2) bearing New Survey No. 130 Hissa No. 4 of Village Malad, Bhadran Nagar Road, Kandivli (W) admeasuring 708.10 sq. mtrs. or thereabouts in the Registration District Bombay City and Bombay Suburban District. and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-8-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whishever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

All that piece or parcel of land or ground together with the structures standing thereon bearing City Survey No. 563, 563 (1 & 2) bearing New Survey No. 130 Hissa No. 4 of Village Malad, Bhadran Nagar Road, Kandivli (W) admeasuring 708,10 sq. mtrs. or thereabouts in the Registration District Bombay City and Bombay Suburban District.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV/31166/86-87 on 1-8-86.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 9-4-1987

- (1) Shri Chandrakant N. Shah & Ors.
- (2) Shri Sitaram B. Sharma and Ors.

(Transferor) (Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMR-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACOUISITION RANGE-IV. BOMBAY

Bombay, the 9th April 1987

Ref. No. ARIV/37EE/31106/86-87.--Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immevable property having a fair market value exceeding

property having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing
All that piece or parcel of land, situated lying and being
at Village Dahisar bearing S. No. 28, H. No. 2, City Survey
No. 1141, Taluka Borivil, B.S.D. Admeasuring 1547 sq.
yurds i.e. 1293.6 sq. mtrs. or thereabouts, in the registration
District Bombay City at Bombay Suburban District,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the same is registered under
Section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the office
of the Competent Authority at
Bombay on 1-8-1986
for an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tex Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sald immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece or parcel of land, situate lying and being at Village Dahisar bearing S. No. 28, H. No. 2, City Survey No. 1141, Taluka Borivli B.S.D. Admeasuring 1547 sq. yards i.e. 1293.6 sq. mirs. or thereabouts, in the registration District Bombay City at Bombay Suburban District.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV/31106/86-87 on 1-8-86.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesa'd property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 9-4-1987

FORM ITNS----

(1) Nawab Khan Gani.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Suria Builders & Developers.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 9th April 1987

Ref. No. ARIV/37EE/31283/86-87.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing
Land bearing Survey Nos. 143 to 158, 171, 185 to 193, 212
to 215, 218 to 248, Iraniwadi, Hemu Kulkarni Road, Bo 4,
Kandivli (West) situated at Bombay
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-8-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Land bearing Survey Nos. 143 to 158, 171, 185 to 193, 212 to 215, 218 to 248, Iraniwadi, Hemu Kulkarni Road No. 4, Kandivli (W), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV/37EE/31283/86-87 on 1-9-1986,

I.AXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 9-4-1987

(1) M/s. Dani Builders.

(Transferor)

(2) M/s. Ralhan Builders Pvt. Ltd.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 9th April 1987

Ref. No. ARIV/37EE/31072/86-87.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

All that piece or parcel of land or ground bearing Survey No. 106, Hissa No. 5 and Survey No. 107, Hissa No. 5. C.T.S. No. 1208 and 1209 respectively together with all rights title claim benefits of F,S.I. in the land reserved for Linking Road of D.P. Road and in the land reserved for Dlay ground and municipal school lying and being in Village Eskar, Borivli (E), Bombay-400092 in Registration District and Sub-District of Bombay City and Bombay Suburban. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tan Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-8-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely 1—23—56GI/87

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said. Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece or parcel of land or ground bearing Survey No. 106, Hissa No. 5 and Survey No. 107, Hissa No. 5, C.T.S. No. 1208 and 1209 respectively together with all rights title claim benefits of F.S.I. in the land reserved for Linking Road of D.P. Road and in the land reserved for play ground and municipal school lying and being in Village Eksar, Borivli (E), Bombay-400092 in Registration District and Sub-District of Bombay City and Bombay Suburban,

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV/31072/86-87 on 1-8-86.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspect,ng Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Bombay

Data: 9-4-1987

Seal

FORM I.T.N.S.—

(1) Dr. Shashikant V. Welling & Ois.

(Transferor)

(2) Real Investment Co. Ltd.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IC ROOM NO. 261A BOMBAY

Bombay, the 8th April 1987

Ref. No. AR.III/37-EE/12374/85-86.—Whereas, I, V. B. GUPTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 1, 10th floor 'URVASHI', T.P.S.-IV, Mahim, Bombay-400 025 situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 25/8/1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to

market value of the aforesaid property and I have reason to market value of the aforesaid property and I have reason to believe hat the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazetta.

Explanation s—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning to given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 1, 10th floor, 'URVASHI', T.P.S.-IV, Mahlm, Bombay-25.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Sr. No. AR.II/37.EE/10652/85-86 dated 25/8/86.

V. B. GUPTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IC, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 8-4-1987

(1) Mrs. Anuradha E. Thakur.

(Transferor)

(2) Dr. Shashikant V. Welling & Ors.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF DIDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-IC ROOM NO. 261A BOMBAY

Bombay, the 8th April 1987

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said B. GUPTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 3, 'URVASHI', Mahim, Bombay-25 situated at

Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 14/8/1986 of the Competent Authority at Bombay on 14/8/1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of: of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

may be made is writing to the undersigned :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULB

Flat No. 3, 'URVASHI', Mahim, Bombay-25.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Sr. No. AR.II/37.EE/37552/85-86 dated 14/8/86.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

V. B. GUPTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IC, Bombay

Date: 8-4-1987

- (1) Mrs. Padmaja Ajit Narukar & Ors.
- (2) Mrs. Anjali Mathur & Ors.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IC ROOM NO. 261A BOMBAY

Bombay, the 8th April 1987

Ref. No. AR.IC|37-EE/37977|85-86,---Whereas, I, A. K. GUPTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing
Flat No. 131-A. 'A' Wing, 13th floor, Purshottam Towers,
Plot Nos. 884-885-886, TPS-IV (Mahim) situated at Bombay
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the agreement is registered under
Section 269AB of the Income-tan Act, 1961 in the Office
of the Competent Authority at Bombay on 28/8/86
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason
to believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of

transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer, to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: andior
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. 131-A, 'A' Wing, 13th floor, Purshottam Tower's, Plot Nos. 884-885-886 of T.P.S.-IV (Mahim) Area OFF: Gokhale Road, South, Dadar, Bombay-400028.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Sr. No. AR.II/37.EE/37797/85-86 dated 28/8/86.

A. K. GUPTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IC,
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 8-4-1987

(1) Smt. Amritben Jamnadas.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Rohit P. Mehta & Ors.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IC BOMBAY

Bombay, the 8th April 1987

Ref. No. AR.III.37.EE/12160/85-86.--Whereas, I, V. B. GUPTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act', have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 13, Swastik, Wadala, Bombay-31 situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

Flat No. 13, Swastik, Wadala, Bombay-31 situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tan Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 4-8-86

of the Competent Authority at Bombay on 4-8-86 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 13, Swastik, Wadala, Bombay-31.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Sr. No. AR.II|37-EE/10160/85-86 dated 4/8/86.

V. B. GUPTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acyquisition Rangell (C),

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 8-4-1987

- (1) R & R. Associates.
- (Transferor)
- (2) Mrs. Sammy Lalla & Ors.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-IC BOMBAY

Bombay, the 8th April 1987

ANo. AR.III|37-EE/12380/85-86.—

Whereas, I, V. B. GUPTA, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No. Flat No. 798, Dadar Matunga Estate, Bombay

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269 AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 25-8-1986

under Registration No. 37EE/Acq. R-III/155 dated 14-7-86 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respoctive persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax moder the said Ast, in respect of any income arising from the transfer and/or

Flat 'No. 798, Dadar Matunga Estate, Bombay,

The agreem ent has been registered by the Competent Authority, Bombay under Sr. No. AR.II/37EE/10866/85-86 dated 25-8-1986.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfer for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

V. B. GUPTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range-I (C) Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

Date: 8-4-1987 Scal:

(1) B. Y. Builders P. Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mohammed Elias Abdul Reheman, Midday & Ors.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IC **BOMBAY**

Bombay, the 8th April 1987

No. AR.III/37EE/12501/85-86.—
Whereas, I, V. B. GUPTA,
being the Competent Authority under
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act') have reason to believe that the im-

to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 2, Floor No. 12 A, Bldg. No. 5, Worli, Bombay situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269 AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Rombay on 25-8-1986

Bombay on 25-8-1986

for an apparent consideration which is less than the fair for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been ruly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immove able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have thesame meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 2, Floor No. 12A, Bldg. No. 5, Worli, Bombay. (Property bearing CS No. 868/1/868). The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Sr. No. AR.II/37EE/10695/85-86 AR.IC/37EE/W-16/86-87 dated 25-8-1986.

> V. B. GUPTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I (C) Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :-

Date: 8-4-1987

(1) Seva Samiti Co-op. Hsg. Society Ltd.

(Transferor)

(2) Dilip Deep Chand Asnani.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-IC BOMBAY

Bombay, the 8th April 1987

No. AR.III/37EE/12428/85-86-

Whereas, I, V. B. GUPTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing No.

Shop No. 10, Bldg. No. 20A, Re-development Scheme of

3854

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269 AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 25-8-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 10, Building No. 20A, Re-Development Scheme

of Socy.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Sr. No. AR.II/37EE10672/85-86 AR.IC/37EE/S-4/86-87 dt. 23-8-1986. dated 23-8-1986.

V. B. GUPTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I (C) Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said set, I hereby initiate preceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 8-4-1987

Scal:

(1) Naoshevan Nalawala

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Pamaben K. Shah & Shri Premehand K. Shah.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-JC **BOMBAY**

Bombay, the 8th April 1987

No. AR.III/37EE/12251/85-86.--

Whereas, I. V. B. GUPTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 33, Dadar Silver Beach Co.op. Hsg. Socy. Bom-

: bay-28

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269 AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 14-8-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealent of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULB

Flat No. 33, Dadar Silver Beach, Co.-op. Hsg. Socy. Off Suravanshi S. Marg, Bombay-28.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under St. No. AR-II/37EE/10611/85-86 dated 14-8-1986.

V. B. GUPTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I (C) Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--- 24--56GI/87

Date: 8-4-1987

(1) Khorched Maneksha Patels & Ors.

(Transferor)

(2) R & R Associates

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONI R OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-IC BOMBAY

Bombay, the 8th April 1987

No. AR.III/37EE/12122/85-86.— Whereas, I, V B. GUPTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that 'he immovable property, having a fair market value exceeding Rs 100,000/- and bearing No Flat No. 798 C.S. No. 519/10, Dadar Matunga Estate, Rombay

Bombay situated at Bombay

(and more fully described in the schedule annixed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269 AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 1-8-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to

between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Aci, in respect of any income arising from the transfer. and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the anoresaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 798, C.S. No. 519/10, Dadar Matunga Estate. Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bomaby under Sr. No. AR.II/37EE/10606/85-86 dated 1-8-1986.

> V. B. GUPTA Competent Au hority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I (C) Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the a quisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 8-4-1987

FORM I.T.N.S.-

(1) Miss Champa D. Jetley & Ors.

(Transferor)

(2) Jayant Vasant Sanaph & Ors.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IC BOMBAY

Bombay, the 8th April 1987

No. AR.III/37EE/37488/85-86.--

Whereas, I, V. B. GUPTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Ircome-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable

property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 16A, Avon Apartments, 153, Veer Savarkar Marg

Bombay-16

situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269 AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afficen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the conceniment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 16A, Avon Apartments, 153, Veer Savarkar

Marg, Mahim, Bombay-16.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Sr. No. AR.H/37EE/3748/85-86 AR.IC/37EE/M.53/86-87 dated

V. B. GUPTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I (C) Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

Date: 8-4-1987

(1) Seva Samiti Co.op. Hsg. Socy. Ltd.

whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

(a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the pub-

lication of this notice in the Official Gazette.

from the service of notice on the respective persons,

Indur Deepchand Asnani.

(Transferor) (Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IC BOMBAY

Bombay, the 8th April 1987

No. AR.III/37EE/12429/85-86.—
Whereas, J., V. B. GUPTA,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act') have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Shop No. 11, Bldg. No. 20A, Rc-development Scheme of

Society

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269 AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at

Bombay on

tor an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:— hxplanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/ar
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Shop No. 11, Bldg. No. 20A, Rc-development Scheme of Socy.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Sr. No. AR.II/37EE/10673/85-86 AR.IC/37EE/5-5/86-87 dated

V. B. GUPTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I (C) Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following prepares ing persons, namely:-

Date: 8-4-1987

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IC BOMBAY

Bombay, the 8th April 1987

No. AR.III/37EE/12351/85-86.—
Whereas, I, V. B. GUPTA,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing
Flat No. 1, 3rd floor, Building No. 2, Plot C.S. No. 868 &
1/868, Wolli Bombay-23

1/868, Worli Bombay-23 situated at Bombay

situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269 AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 28-8-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitate the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Iocme-tax Act 1922 (11 of 1922), or the said act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

- (1) Miss Bela N. Parekh.
- (2) Miss. Bina N. Parekh,

(Transferor)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid person within a criod of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective person that the service of notice on the respective person that the service of notice on the respective person that the service of notice on the respective person that the service of notice on the respective person within a criod of the service of the service of notice on the respective person within a criod of the service of the se sons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immorable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 1, 31d 868, Worli Bombay. floor Bldg No. 2, C.S. No. 868 &

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Sr. No. AR.II/37EE/12351/85-86 dated 28-8-1986.

V. B. GUPTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I (C) Bombay

Date: 8-4-1987

Scal:

(1) Mr. Millind L. Upadhyaya,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Sutendrakumar Bansidhar Agarwal.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IC BOMBAY

Bombay, the 8th April 1987

No. AR.III/37EE/12384/85-86.—

Whereas, I, V. B. GUPTA,

being the Competent Authority, under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding 1.5. 1,00,000/- and recoing No. Flat No. 48, 7th floor, Madhuban Apis., 'A' Wing, Abdul Gaffor Khan Road, Bombay-18

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269 AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 25-8-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. 48, 7th floor, Madhuban Apts. 'A 'Wing, Abdul Gailarkhan Road, Bombay-18.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Sr. No. AR.II/37EE/10658/85-86 AR.IC/37EE/W-12/86-87 dated 26-8-1986.

V. B. GUPTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under su section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 8-4-1987

FORM I.T.N.S .-

- (1) Scal Investments Ltd. & Ors.
- (Transferor)

(2) Bharat Overseas Bank Ltd.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 259D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

> ACQUISITION RANGE-JC BOMBAY

Bombay, the 8th April 1987

Ref. No. AR.1C/37EE/12293/85-86.— Whereas, I, V. B. GUPTA, being the Computent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immov-Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Flat No. 102, 103 & 104 Nestle Bldg. No. I, Pandurang Budhkar Marg, Bombay-25 situated at Bombay

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269 AB of the Income-tax Act. 1961 in the Office of the Competent Authority at

Bombay on for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable propery, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION .—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 102, 103 & 104, NESTLE Bldg. No. 1, Pandurang Budhkar Marg, Bombay-25.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Sr. No. AR.II/37EE/10626/85-86 AR IC /37E1 /P-11/86-87 dated 8-8-1986.

V. B. GUPTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I (C) Bombay

Date: 8-4-1987

Scal:

(1) Kalpataru (Indo Saigon) Constns Pvt. Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- N enthinesed-

(2) Mr. Jamnadas Nanjee Barai.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

ACQUISITION RANGE-IC BOMBAY

(b) by any other person interested in the said immovable property, withn 45 days from the date of the publication of the notice n the Offical Gazette.

Bombay, the 8th April 1987

Explanation:—The terms and expressions used heren as are defined in Chapter XXA of the said

in that Chapter.

Act, shall have the same meaning as given

Ref. No. AR.IC/37EF/12278/85-86.—Whereas, I, V. B GUPTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinaster referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 5,00,000/- and bearing No. 11A situate at Flat No. 78, 7th Floor, B-2, Karha Kshetra, Com. Harbanslat Marg, Neat Shanmukhananda Hall, Sion (E), Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269 AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 18/8/1986. for an apparent consideration which is less than the fair

Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 18/8/1986. for an apparent consideration which is less than the fair marke value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of:—

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

Flat No. 78, 7th Floor, B-2, Karha Kshetra, Com. Harbans-lal Marg, Near Shanmukhananda Hall, Sion (F), Bombay.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Sr. No. AR.IIB/37EE/10621/ARIC/37FE/S-3/86-87 dated 8-8-1986.

V. B. GUPTA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IC, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Dated: 8/4/1987

Scal:

FORM ITNS-

(1) Mrs Lata Kantilal Parckh.

(Transferor)

(2) Mrs. Surajbhan Babulal Agarwal.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE C7 THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IC BOMBAY

Bombay, the 8th April 1987

Ref. No. AR.IC-37EE/12466/85-86.—Whereas, J. W. B. GUPTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing
Flat No. 4 of B. Y. Apartment Building No. 3, B G. Kher

Marg, Forli, Bombay. situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b facilitating the concealment of any income any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said aforesaid property by the issue of this notice under sub-Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the section (1) of Section 269D of the said Act, to the following reasons, namely :-

Objections, if any, so the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned....

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazettz

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter,

THE SCHEDULE

Flat No. 4 of B. Y. Apartment Building No. 3, B. G. Kher Marg, Forli, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombav under Sr. No. AR.II/37EE/10683/85-86 AR.IC/37EE/W-14/86-87 dated 25-8-86.

V. B. GUPTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IC, Bombay.

Dated: 8/4/1987

Soul:

25-56 GI/87

FORM ITNS----

Mrs Madhvi Soni.

(Transferor)

(2) Mr. Philip Lobo.

(Transferec)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IC BOMBAY

Bombay, the 8th April 1987

Ref. No. AR.IC/37EE/12330/85-86.—Whereas, I, V. B GUPTA,

being the Commetent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (horeinaster referred to as the 'said Act') have reason to believe that the im no able property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. J-3, J-4, Eden Hal, Worli, Embay-18.

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedulo annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 18/8/1986. for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:— (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. J-3 & J-4, Eden Hall, Worli, Bombay-400018.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under S. No. AR.II/37EE/10641/85-86 dated 18-8-86.

> V. B. GUPTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IC, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following possons, namely :-

Dated: 8/4/1987

atifile___satistics and the

FORM ITNS---

- (1) M/s. Neelam Estates.
- (Transferor)
- M/s. Ogariwalla Exports.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IC **BOMBAY**

Bombay, the 8th April 1987

Ref. No. AR.IC/37EE/12498/85-86.—Whereas, I, V. B. GUPTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (herealter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value

exceeding Rs. I lukh and bearing No. Unit No. 1, G. Floor, 'A' Wing, Service Industrial Estate, Hind Cycle Road, 'Worli

situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 18/8/1986. for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor, by more than exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as use defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Unit No. 1, Gr. Floor, 'A' Wing, Service Industries Estate, Hind Cycle Rd., Worli.

The agreement has been registered by the Competent Unit No. 1, Gr. Floor, 'A' Wing, Service Industries Estate, been registered by the Competent Hind Cycle Rd., Worli.

Authority, Bombay under Sr. No. AR.II/37EE/10693/85-86/AR-IC/37EE/W-15/86-87 dated 25-8-1986.

V. B. GUPTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IC, Bombav.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Dated: 8/4/1987

(1) M/s. Deepak Printers

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Dhiresh P. Shah & Ors.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IC, BOMBAY

Bombay, the 8th April 1987

No. AR.I/37EE/12482/85-86.—Whereas, I, V. B. GUPTA,

being the Competent Authority, under sec. 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinatter referred to as the Said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs, 1,00,000/- and bearing No.
Unit No. 14. 2nd floor,
The Enterprise Co. op. Premiscs Socy. Ltd.,
408, Veer Savarkar Mang, Prabhadevi,

Bombay.

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is reistered under Section 269AB of the Income-tax Act. 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 18-8-86 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefore by more than of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to beween he paries has not been truly stated in the instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any oneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefor, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of said this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter X XA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Unit No. 14, 2nd floor, The Enterprise Co-op. Premises Socy. Ltd., 408, Veer Savarkar Marg, Prabhadevi, Bombay-

The agreement has been reistered by the Competent Authority, Bombay under Sr. No. AR.II/37EE/P.13/10689/ 85-86 dated 25-8-86.

> V. B. GUPTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Rane-IC, Bombay.

Dated: 8-4-87

(1) Sanjay Kantilal Parekh.

(Transferor)

(2) Mrs. Surajbhan B. Agarwal.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IC, BOMBAY

Bombay, the 8th April 1987

No. AR.II. 37EE/12445/85-86.—Whereas, I,

V. B. GUPTA, V. B. GUPTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 3, B. Y. Apartment Bid. No. 3, Worli, Fstate, B. G. Kher Marg, Worli, Bombay-18

Bombay-18.

situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 18-8-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this in the Official Gazette.

FXPANATION:—The terms and expressions used horein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 3 of B. Y. Apartment Bldg. No. 3, Worl₁ Fstate, B. G. Kher Marg, Worli, Bombay-18.

The agreement has been reistered by the Competent Authority, Bombay under Sr. No. AR.II/37EE/10687 AR.IC 37EE/W.13/86-87 dated 25-8-86.

V. B. GUPTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Rane-IC, Bombay.

Dated: 8-4-87

Scal:

FORM ITNS----

- (1) Mrs. M. S. Vidyarthi.
- (Transferor)
- (2) Mr. Ashok Kantilal Sanghani,

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IC, BOMBAY

Bombay, the 8th April 1987

Ref. No. AR.IC/37EE/12349/85-86.—Whereas, I, V. B. GUPTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 9, Madhav Apartments, 312, Veer Savarkar Marg. Bombay-28.

situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authorgity at Bombay on 18-8-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of uransfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the trans end /or
- b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be dislcosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Guzette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

9, Madhav Apartments, 312, Vecr Savarkar Marg, Bombay-28.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Sr. No. AR.II/37EE/10646/AR.IC 37EF /D.25/85-86 dated 18-8-86.

> V. B. GUPTA Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Rane-IC, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely :-

Dated: 8-4-87

FORM I.T.N.S.—

(1) Bonny Enterprises,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Krishnabai G. Kadam.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IC, BOMBAY

Bombay, the 8th April 1987

No. AR.II/37EE/12341/85-86.--Whereas, I, V. B. GUPTA,

V. B. GUPTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No 502, Santi Kun, Dadar (E), Bombay-14 situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is legistered under

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authorgity at Bombay on 18-8-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

- (a) incilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the sald Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been en which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax, Act, 1957 (27 of 1957):

THE SCHEDULE

Flat No. 502, Shanti Kunj, 87, Naigaon X Road, Dadar (E), Bombay-14.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Sr. No AR.II/37FE/10643/AR IC 37FE/D-24/86-87 dated 18-8-86

> V. B. GUPTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Rane-IC, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Dated: 8-4-87

(1) Mr. Ajit Vishnu Narurkar & Mr. Achyut S. Nadkarni.

(Transferor)

NUTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Rekha Bhandare.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTAN COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-1C BOMBAY

Bombay, the 8th April 1987

Ref No. AR.1/37EE/37798/85-86.—Whereas, I, V. B. GUPTA,

being the Competent Authority under Section 269AB of the the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing Flat No. 132A in 'A' Wing, 13th Floor, Purshottam Towers. Off. Gokhale Road.

South Dadar, Bombay-28, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 28-8-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration. and that the consideration for such transfer as agreed to bet-ween the parties has not been truly stated in the said instru-ment of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetta.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as gives in that Chapter.

- fa) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of tany income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (87 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesuld property by the usue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

THE SCHEDULE

Flat No. 132A in 'A' Wing, 13th Floor, Purshottam Towers, Off: Gokhale Road, South Dadar, Bombay-28.
The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Sr. No. ARIC/37EE/D.27/37798/86-87 dated 28-8-1986.

V. B. GUPTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I (C). Bombay

Dato: 8-4-1987

(1) Mr. Mohammed Habib Allana & Ors.

(Transferor)

(2) The B.E.S.T. Workers Union.

(Transferco)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IC BOMBAY

Bombay, the 8th April 1987

Ref. No. AR.I-C/37G/17/86-87.—Whereas, I, V. B. GUPTA.

V. B. GUPTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Allana Chambers, Bomanji Petit Road, Bombay-36 (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at B ombay on 22-8-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) faciliating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Allanna Chambers Bomanji Petit Road, Bombay-36.

The agreement has been registered with the Sub-Registering Officer at Sr. No. ARIC/37G/1909/82 dt. 22-8-1986.

> V. B. GUPTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I (C) Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under section (1) of Section 269D of said Act & Top Item ing persons, namely :---

26—56 GT/87

nato: 8-4 947 . ig.

(1) Mr. Yogini Bharatkumar Mehta.

(Transferor)

(2) Mrs. Jaswanti Kantilal Sanghvi.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IC BOMBAY

Bombay, the 8th April 1987

Ref. No. AR.IC/37G/18/86-87.—Whereas, I, V. B. GUPTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Apartment No. 8 (Now No. 302) Parvati Building, 3rd Floor, Opp: Son Mun. Garden, Behind Sion Bus Depot, Sion (W), Bombay-22. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 23-10-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Apartment No. 8 (Now No. 302) Parvati Building, 3rd floor, Opp.: Sion Mun. Garden, Behind Sion Bus Depot., Sion (W), Bombay-22.

The agreement has been registered with the Sub-Registering Officer at Sr. No. 1169/85 dated 23-10-1986.

V. B. GUPTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I (C),
Rombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 8-4-1987

(1)H.M.M. Ltd.

(Transferor)

(2) Kalpataru Habitat.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT,1961 (43 OF 1961)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

GOVERNMENT OF INDIA

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

(b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

ACQUISITION RANGE-IC BOMBAY

Bombay, the 8th April 1987

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter X XA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. AR. V. B. GUPTA, AR.IC/37G/3923/86-87.—Whereas, I,

v. B. GUFIA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Plot No. 382, Town Planning Scheme No. III, Mahim Bambay

Mahim Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908) (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 1-10-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

THE SCHEDULE

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Plot No. 382, Town Planning Scheme No. III, Mah'm, Bombay.

The agreement has been registered with the Sub Registering Officer at Sr. No. AR.IC/37G/2437/86 dt. 1-10-86.

> V B. GUPTA Competent Authority Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I (C), Bombay

Now, therefor, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of said this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, numely :--

Date: 8-4-1987

FORM NO. I.T.N.S-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Mr. Sarosh Hormusji Batliwalla

(Transferor)

(2) Mr. Jagdish S. Verma & Mrs. Deep J. Verma

(Transferec)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, CONTRACTOR BUILDING, BALLARD ESTATE, 3RD FLOOR, R. K. MARG, BOMBAY-400 038.

Bombay, the 9th April 1987

No. AR. II/37LE/37184/1986-87.—Whereas, I, K. C. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

roperty having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 52, Bandra Seabreeze Apartments Co. op. Housing Society Ltd., 50 Bullock Road, Bandstand, Bandra (W), Bombay-50, alongwith open garage situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-8-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation.:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and /or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or o'her assets which bave not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Flat No. 52, Bandia Seabreeze Apartments Co-operative Housing Society Ltd., 50 Bullock Road, Bandstand, Bandra (W), Bombay-50, alongwith open garage.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Scrial No. AR. II/37EE/37184/86-87 on 1-8-1986.

K. C. SHAH Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Dated: 9-4-1987

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) M/s. Sweeta Enterprises, Prop. Mrs. Zerina S. Merchant

(Transferor)

(2) Shrì H. K. Gosar & Shrì H. H. Gosar

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, CONTRACTOR BUILDING, BALLARD ESTATE, 3RD FLOOR, R. K. MARG, BOMBAY-400 038.

Bombay, the 9th April 1987

No. AR. II/37EE/37215/1986-87.—Whereas, I, K. C. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Shop No. B/B, New Kamal Co-operative Hsg. Society Ltd., Bandra (W), Bombay-50 situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under Section 269AB of the Income-tax Act 1961, in the office of the Competent Authority at

Bombay on 1-8-1986

for an apparent consideration which is less than the fuir market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publications of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Shop No. B/B on the ground floor of New Kamal Cooperative Housing Society Ltd., 248, Linking Road, Bandra (W), Bombay-400 050.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR, II/37EE/137215/86-87 on 1-8-1986.

K. C. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Dated: 9-4-1987

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, CONTRACTOR BUILDING, BALLARD ESTATE, 3RD FLOOR, R. K. MARG, BOMBAY-400 038.

Bombay, the 9th April 1987

No. A.R.-II/37EE/37244/1986-87.—Whereas, I, K. C. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

and bearing No. Flat No. 302, 'Mayfair' Plot No. 197, of Kane Road, Bandra, Bombay-50 situated at Bombay

has been transferred and agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombuy on 4-8-86

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any Moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in npursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :---

(1) Shri Nihalchand H. Chawla

(Transferor)

(2) Mrs. Usman A. Darvesh & Mrs. Ayesha Usman Darvesh

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter X XA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 302 in the building Mayfair situated at Plot No. 197 of Kane Road, Band Stand, Bandra, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR. II/37EE/37244/86-87 on 4-8-1986.

K. C. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissionir of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Dated: 9-4-1987

FORM ITNS—— -

(1) N. G. Goradia (HUF)

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Reliance Chemotex Industries Ltd.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, CONTRACTOR BUILDING, BALLARD ESTATE, 3RD FLOOR, R. K. MARG, BOMBAY-400 038.

Bombay, the 9th April 1987

No. AR. II/37EE/37289/1986-87.--Whereas, I, K. C. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-

able property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 77-A, St. John Baptist Road, Bandra (W), Bombay-

50 situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and registered U/s 269AB of the said Act in the office of the Competent Authority at

Bombay on 8-8-86

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of cransfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person instead in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Flat No. 77-A, Mona Lisa (Paschim) Co-operative Housing Society Ltd., St. John Baptist Road, Bandra (W), Bombay-50.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR. II/37EE/37244/ Competent 86-87 on 8-8-1986.

> K. C. SHAH Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid preperty by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely ;--

Dated: 9-4-1987

FORM ITNS——

(1) Shri N. N. Bhojwani

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Kusumrani Marwah & Mr. Sanjeevkumar Marwah

(Transferee)

(3) Nibbana Co-op. Housing Soc. Ltd. (Persons in occupation of the property)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II CONTRACTOR BUILDING, BALLARD ESTATE, 3RD FLOOR, R. K. MARG, BOMBAY-400 038 Bombay, the 9th April 1987

No. AR. 11/37EE/37301/1986-87.—Whereas, I, K. C. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat on 4th floor, Nibbana Annexe, S. No. 257, H. No. 4 of Danda, Pali Hill Road, Bandra (with a car park and terrace) situated at Bombav

situated at Bombay

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred and agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 8-8-86

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the sald Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the trunsferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in the writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Flat on the 4th floor facing south in building known Nibbana Annexe situated on plot bearing S. No. 257, Hissa No. 4 of Danda, Pali Hill Road, Bandra with car parking space and terrace).

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II/37EE/37301/86-87 on 8-8-1986.

K. C. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuasce of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Dated: 9-4-1987

(1) M/s. Champalal K, Vardhan & Co.

(Transferor)

(2) Shri Sunil Kan Lakhani

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II CONTRACTOR BUILDING, BALLARD ESTATE 3RD FLOOR, R. K. MARG, BOMBAY-400 038

Bombay, the 9th April 1987

No. AR. II/37EE/37314/1986-87.—Whereas, I,

K. C. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immevable

property, having a fair market value exceeding Rs. 10,00,000/- and bearing No. Flat No. 1, 6th floor, 'Lepapeyon' at Mount Mary Road, Bandra, Bombay-50, situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered u/s 269 AB of the said Act in the office of the Competent Authority at Bombay on 8-8-86

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the sounderation for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1923 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. 1 on 6th floor in 'Le-Papeyon' at Mount Mary Road, Bandra, Bombay-50.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No AR. II/37EE/37314/86-87 on 8-8-1986

> K. C. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the foresaid property by the Issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following nersons, namely :-- 27-56 GI/87

Dated: 9-4-1987

FORM I.T.N.S .---

(1) Ajit K. Sethi

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Bhanwarlal A. Mundhra

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II CONTRACTOR BUILDING, BALLARD ESTATE, 3RD FLOOR, R. K. MARG, BOMBAY-400 038

Bombay, the 9th April 1987

No. AR. II/37EE/37331/1986-87.—Whereas, I, K. C. SHAH,

k. C. SHAH, being the Compe ent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'sald Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 9, Harish Bhawan, Plot No. 263, Bandia (W), Bombay-50, situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed here(o).

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred & registered u/s 269 AB of the said Act in the office of the Competent Authority at

Bombay on 8-8-86

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the aforesaid exceeds the apparent consideration more than fifteen per cent of such apparent and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of: instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or say moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersined :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective person whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 9, 'Harish Bhawan' 30th Road, Plot No. 263 TPS III, 1st floor, Bandra (W), Bombay-50.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II/37EE/37331/86situated at Bombay

> K. C. SHAH Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:----

Dated: 9-4-1987

Scal:

(1) Mrs. Noorjahan B. Kazi

(Transferor)

(2) M1 Gervase Rupert Pereira

may be made in writing to the undersigned :-

whichever period expires later;

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME*TAX

ACQUISITION RANGE-II CONTRACTOR BUILDING, BALLARD ESTATE, 3RD FLOOR, R. K. MARG, BOMBAY-400 038

Bombay, the 9th April 1987

No. AR. II/37EE/37438/1986-87.—Whereas, 1,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000,- and bearing No.
Flat No. 13, 13th floor, Cliff Tower, Jn. of Mount Mary Road & Kane Load, Bandra, Bombay-50 situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 14-8-86

tor an apparent consideration which is less than the four market value of the aforesaid property and I have reason to pelieve that the fair market value of the property as aloresed exceeds the apparent consideration therefor by more hin lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in pespect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons,

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 13, 13th floor, Cliff Tower, Junction of Mount Mary Road & Kane Road, Bandra Bombay-50.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. ARII/37EE/37438/86-87 on 14-8-1986.

> K. C. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Dated: 9-4-1987

Scal:

(1) Mrs. Maria Amelia Elgenia Boccarro

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferor)

(2) 1. Noranglal Mundhra Gayatridevi Mundhra

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

HE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II
TOR BUILDING TOR OFFICE OF THE INSPECTING CONTRACTOR BUILDING, BALLARD ESTATE, 3RD FLOOR, R. K. MARG, BOMBAY-400 038

Bombay, the 9th April 1987

No. AR. II/37EE/37448/1986-87.—Whereas, I,

К. С. SHAH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value

exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.
The J. D. Alvespremises Co.-operative Housing Soc. Ltd.,
Hill Road, Bandra, Bombay-50, situated at Bombay
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)

has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 14-8-86

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The J. D. Alvespremises Co-operative Housing Society Ltd., Plot No. 27 (Part) of TPS IV, 60A/B Hill Road, Bandra, Bombay-400 050.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR. II/37EE/37448/ 86-87 on 14-8-1986.

> K. C. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Dated: 9-4-1987

(1) Mr. Madhav Krishna Soman

(Transferor)

(2) Mrs. Pushpa S. Badiani

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(3) M. K. Soman & Family
(Persons in occupation of the property)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II CONTRACTOR BUILDING, BALLARD ESTATE, 3RD FLOOR, R. K. MARG, BOMBAY-400 038

Bombay, the 9th April 1987

No. AR. II/37EE/37516/1986-87.—Whereas, I, K. C. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Flat No. 12, Silver Rock Co. operative Housing Society Ltd.,

Bandra (West), Bombay-50 situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 14-8-86

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 12, 6th floor, Silver Rock Co-operative housing Society Ltd., 59-59A, Trunoer Road, Bandra (West), 50.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR. $\Pi/37EE/37516/86-87$ on 14-8-1986.

K. C. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Dated: 9-4-1987

Soal:

- (1) M/s. Pereira Construction Co.
- (Transferor)
- (2) Mr. Assis P. Cardoz.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(3) Transferee,

(Persons in occupation of the property)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-11. CONTRACTOR BUILDING, BALLARD ESTATE, 3RD FLOOR, R. K. MARG, BOMBAY-400 038

Bombay-400 038, the 9th April 1987

No. AR.II/37EE.3747/37547/1986-87.—Whereas, I, K. C. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Flat No. 1, 6th floor, 'Massabielle', Junction of Manuel Gonsalves Road & St. Anthony Road, Bandra (W), Bombay-400 050, situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred and agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the of the Competent Authority at Bombay on 14-8-86,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arianig from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made is writing to the undersigned:—

(bi) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 1, 6th floor, in the proposed building, 'Massabielle' CTS No. 496 at Junction of Manuel Gonsalves Road and St. Anthony Rd, Bandra (West), Bombay-400 050.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II/37EE.37547/86-87 on 14-8-1986.

K. C. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acqn. Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the afore-vaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 9-4-1987

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II
CONTRACTOR BUILDING, BALLARD ESTATE, 3RD FLOOR, R. K. MARG, BOMBAY-400 038

Bombay, the 9th April 1987

No. AR. II/37EE/37591/1986-87.—Whereas, I, K. C. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immov-(hereinafter referred

to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding R1. 1,00,000/- and bearing
Flat No. 3, 8th floor of Manish Sea Croft, Shirly Mala Road, Bandia, Bombay-400 050, situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 18-8-86
for an apparent consideration which is less than the fair

Bombay on 18-8-86
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any lnooms arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any mome or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Smt. Poonam Hiranand Bajaj Smt. Vandana Srichand Bajaj Smt, Kajal Lakhmichand Bajaj

(Transferor)

(2) Shri Surendra Seth & Shri Rajendra Seth

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 3, 8th floor of Manish Sea Croft, Shirly Mala Road, Bandra, Bombay-50.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR. II/37EE/37591/86-87 on 18-8-1986.

K. C. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Dated: 9-4-1987

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II CONTRACTOR BUILDING, BALLARD ESTATE, 3RD FLOOR, R. K. MARG, BOMBAY-400 038

Bombay, the 9th April 1987

No. AR. II/37EE/37546/1986-87.—Whereas, I, K. C. SHAH,

K. C. SHAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 1, 'Massabielle' CTS No. 496, Bandra (W), Bombay-50 situated at Bombay (and more fully described in the Schedule below), has been transferred and agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 14-8-86 for an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) M/s. Pereira Construction Co.

(Transferor)

(2) Mrs. Irene Nair

(Transferee)

(3) Transferce

(Persons in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a remod of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said im-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of this said Act, shall have the same meaning as given in this Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 1 on 5th floor in the proposed building 'Massabielle' CTS. No. 496, at Junction of Manuel Consalves Road & St. Anthony Road, Bandra (W), Bombay-400 050.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR. II/37EE/37546/ 86-87 on 14-8-1986.

> K. C. SHAH Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:-

Dated: 9-4-1987

PORM ITNS

(1) M/s. Alankar Enterprises.

(Transferor)

(2) Mr. S. C. Agarwal & Ors.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, CONTRACTOR BUILDING, BALLARD ESTATE, 3RD FLOOR, R. K. MARG, BOMBAY-400 038

Bombay-400 038, the 9th April 1987

No. AR.II/37EE.37641/1986-87.—Whereas, I, K. C. SHAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable Rs. 1,00,000/- and bearing
Flat No. 502, God's Gift at Prof. Almeida Rd., Bandra (West), Bombay-50 situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 2-8-86

tor an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Aut in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned .---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 502, God's Gift at Prof. Almeida Road, Bandra (West), Bombay-50.

The agreement has been registered by the Competent athority, Bombay under Serial No. AR.II/37EE.37641/ Authority, Bombay 86-87 on 21-8-1986.

> K. C. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acqn. Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely ;--- 28--56 GI/87

Date: 9-4-1987

FORM ITNS--

(1) Mrs. Mukta Chandrasekhar Rao.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Mohomedali Hussain Bardanwalla & 2 Ors. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, CONTRACTOR BUILDING, BALLARD ESTATE, 3RD FLOOR, R. K. MARG, BOMBAY-400 038 (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Bombay, the 9th April 1987

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

No. AR.II/37EE.37688/1986-87.—Whereas, I, K. C. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing The Bandra Ocean View CHSL., 19, Hill Road, Bandra, Bombay-50 situated at Bombay

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto). has been transferred and agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 22-8-86

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

Flat No. 19, Hill Road, Bandra, Bombay-50.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/37688/86-87 on 22-8-1986.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957);

> K. C. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acqn. Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Dato: 9-4-1987

(1) Mr. Jacob Mathai.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Ivan Sarat Oliveira Fernandes & Mrs. Resl Marie Fernandes.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, CONTRACTOR BUILDING, BALLARD ESTATE, 3RD FLOOR, R. K. MARG, BOMBAY-400 038

Bombay-400 038, the 9th April 1987

No. AR.11/37EE.37704/1986-87.—Whereas, I, K. C. SHAH.

K. C. SHAH. being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'snid Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 3, Gr. floor, Friendship Bandra Co-op. Hsg. Society Ltd., Plot No. 54-A, 23rd Rd. TPS III, Bandra, Bombay-50, eitheted at Bombay

situated at Bombay (and more fully (and more fully described in the Schedule below), has been transferred and agreement is registered under scction 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 22-8-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and the the consideration of such apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration. and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

Explanation:—The terms and expression used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

Flat No. 3, Gr. floor, 'Friendship' Bandra Co-operative Housing Society Ltd., Plot No. 54-A, 23rd Road, TPS. III, Bandra, Bombay-400 050.

The agreement has been registered by the Competent uthority, Bombay under Serial No. AR.II/37EE.37704/ Authority, Bombay 86-87 on 22-8-1986.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

K. C. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acqn. Range-II, Bombay

Now, therefor, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 9-4-1987

FORM NO. I.T.N.S.----

(1) Saquib Construction Co.

(2) Mrs. Mary Lisboa.

(Transferor)

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOMETAX

ACQUISITION RANGE-II, CONTRACTOR BUILDING, BALLARD ESTATE, 3RD FLOOR, R. K. MARG, BOMBAY-400 038

Bombay-400 038, the 9th April 1987

No. AR.II/37EE/37716/1986-87.—Whereas, I, K. C. SHAH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Rs. 1,00,000/- and bearing Rs. 203 Green Star Rizvi Complex Sherly Road.

Rs. 1,00,000/- and bearing
Flat No. 203, Green Star, Rizvi Complex, Sherly Road,
Bundra, Bombay-400 050 situated at Bombay
(and more fully described in the Scheduled annexed hereto),
has been transferred and agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the
Competent Authority at

at

Bombay on 22-8-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of action on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazatte.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facililitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the surposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. 203, Green Star, Rizvi Complex, Sherly Road, Bandra, Bombay-400 050.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II/37EE/37716/86-87 on 22-8-1986.

K. C. SHAH
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acqn. Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 9-4-1987

Bombay on 24-8-1986

FORM ITNS-

(1) Mr. Gervase Rupert Pereira & 3 Ors.

(Transferor)

(2) M/s. Patel Construction Co.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, CONTRACTOR BUILDING, BALLARD ESTATE, 3RD FLOOR, R. K. MARG, BOMBAY-400 038

Bombay-400 038, the 9th April 1987

No. AR.II/37EE.37730/1986-87.—Whereas, I, K. C. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said 'Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Plot No. 51, St. Sebastian Homes Co-op. Society's Plan No. 1 situate at 1, Rebello Rd., Bandra, Bombay-50, situated at Bombay

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred and agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at

for an apparent co-sideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
 45 days from the date of publication of this notice
 in the Official Gazette or a period of 30 days
 from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used hereis as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning a- given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 51 in the Schastian Homes Co-op. Plan No. 1, situate at 1, Rebello Rd., Bandra, Bombay-50.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II/37EE.37730/86-87 on 24-8-1986.

K. C. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acqn. Range-II, Bombay

Dato: 9-4-1987

FORM I.T.N.S.-

(1) Ramzanali Mohanbhai Daredia.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II CONTRACTOR BUILDING, BALLARD ESTATE, 3RD FLOOR, R. K. MARG, BOMBAY-400 038

Bombay-400 038, the 9th April 1987

No. AR.II/37EE.37733/1986-87.—Whereas, I,

K. C. SHAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 8, Ocean View, 19, Hill Road, Bandra, Bombay-50,

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and agreement is registered under sec-tion 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 22-8-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of he Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(2) T. Badruddin J. Bawani & Jiwabhai S. Bawani.

(Transferee)

(3) Transferee.

(Persons in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of this said property may be made is writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shal lhave the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 8, Ocean View, 19, Hill Road, Bandra, Bombay-400 050,

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/37733/86-87 on 22-8-1986.

K. C. SHAH Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acqn. Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Ast, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sussection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 9-4-1987

FORM ITNS ----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

(1) 1. Miss Mithoo Dady Baxter; 2. Miss Silloo Dady Baxter; 3. Miss Roshan Dady Baxter; 4. Miss Hilloo Dady Baxter & 5. Miss Ruby Dady Baxter. (Transferors)

(2) Shri Nikhil Ishwarlal Khandwala.

('Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

CONTRACTOR BUILDING, BALLARD ESTATE,

Bombay-400 038, the 9th April 1987

Ref. No. AR.II/37G.3907/Aug.86.—Whereas, I, K. C. SHAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. C.S. No. A/640, Municipal No. 24/76 situated at Bombay (and moe fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bombay on 21-8-1986

Bombay on 21-8-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. 1996/86 and registered on 21-8-1986 with the Sub-Registrar, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent (Strike off where not applicable.)

K: C. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acqn. Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Date: 9-4-1987

(1) Mr. Y. P. Sethi

(Transferor)

(2) M/s Midas Steel Process Pvt. Ltd.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 10th March 1987

No. AR.III 37EE/41344/86-87.—Whereas, I. A. PRASAD,

A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Gala Nos. H&T, Kanjur Co-operative Indl. Estate, Ltd., Quarry Road, Bhandup, Bombay-400 078 situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269 AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at

Bombay on 1-8-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I bave reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not truly stated in the said instrument of transfer with the object of :~

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Gala Nos. H & I, Kanjur Co-operative Industrial Estate Ltd., Quarry Road, Bhandup, Bombay-400 078, The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Sr. No. AR.IIIx37EE 41344/86-87 dated 1-8-1986.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Bombay

Date: 10-3-1987

· ----

FORM ITNS-

(1) M/s. Neelakanth Corporation.

- (Transferor)
- (2) Sulphur Refinexely Pyt, Ltd.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-111 BOMBAY

Bombay, the 10th March 1987

No. AR.III/37EE/41359/86-87.—Whereas I.

A. PRASAD. being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 - and bearing No. Flat to be constructed in proposed building on plot of land

situated at Borla, Geula village, Chembur, ombay-71

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269 AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at

Bombay on 1-8-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than flifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Iudian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following per-29—56 GI/87

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of he aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flats to be constructed in proposed building on plot of land situated at Borla, Getila Village, Chembur, Bombay-71.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Sr. No AR.III/37EE/41359/86-87 dated 1-8-1986.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Arrivant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Bombay

Dated: 40-3-1987.

(1) Sulphur Refinery Pvt. Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/9 Neelkanth Corporation.

(Transferec)

...

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISOF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 10th March 1987

No. AR.III/37EE/41362/86-87.—Whereas, I,

A PRASAD

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Revision No.					Sub Plot No.	Present No.	Hissa No. No.
83	•	•	•	•		_10)
88				•	3		1
88	•				4		0
88	•	•		-	4	2	0
88	•	•		-	4	4	0
88					4	6	0
89	•	•			9	0	0

Gatla Village, Chembur, Bombay-71

situated at Bombay

persons, namely:-

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269 AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-8-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from thetransfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, Thereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Rights, Tiltes and interest in the property situate at Borla, Gatla Village, Chembur Bombay-71.

Revision No.		Survey No.		Sub(plot) No.	Present No.	Hissa No.	
83					10		
88				3	-	1	
88			_	4		0	
88				4	2	(
88		-		4	4	C	
88			-	4	6	C	
89				9	0	(

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Sr. No. AR.III/37EE/41362/86-87 dated 1-8-1986.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Bombay

Date: 10-3-1987

Soal:

FORM TINS-

(1) Basant Vikas Developers.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Bhipishan Traders Pvt. Ltd.

may be made in writing to the undersigned :-

whichever period expires later;

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 10th March 1987

No. AR.III/37EE/41415/86-87.—Whereas, I, A. PRASAD,

A. PRASAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value Rs. 1,00,000/- and bearing Office No. 9, 2nd fl., Vasant Vihar, Commercial Centre, Near Basant Talkies, Chembur situated at Bombay

situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269 AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-8-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days

from the service of notice on the respective person-

Objetions, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property, wihm 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Office No. 9, 2nd fl., Vasant Vihar, Commercial Centre, Vasant Vihar, Commercial Centre, Near Basant Talkies,

Chembur, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Sr. No. AR.III/37EE/41415/86-87 dated 1-8-1986.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 10-3-1987

FORM ITNS----

(1) Ramesh Wardas Chainsukh Aggarwal & Ors. (Transfero)

(2) Diamond Builders.

(Transferec)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 10th March 1987

No. AR.III/37E7E/41437/86-87.—Whereas, I, A. PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'sald Act'), have measure to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1.00 000/- and bearing

movable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Land bearing CTS Nos. 6927, 6928, 6929, 6930, 5579A, 5580, 5581 and 5582, at Kole Kalyan C.S.T. Rd., Santacruz, Bombay

situated at Bombay

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269 AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at

Bombay on 1-8-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, wi hin 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) vacilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Land bearing CTS No. 6927, 6928, 6929, 6930, 5579A, 5579B, 5580, 5581 and 5582 at Kole Kalyan, CST Rd., Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Sr. No. AR.III/37EE/41437/86-87 dated 1-8-1986.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 10-3-1987

(1) M/s. M. M. Enterprises.

(Transferor)

(2) M/s. M. S. Engineers.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III **BOMBAY**

Bombay, the 10th March 1987

No. A R.III/37EE/41542/86-87.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the imnovable property having a fair market value
Rs. 1,00,000/- and bearing
Indl. Unit No. J. Gr. Fl., Virwani Indl. Premises Co-op.
Society Ltd., Goregaon (E), Bombay-63

situated at Bombay (and more fully described in the Schedule below), has been transferred and the agreement is registered under Section 269 AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Computent Authority at Bombay on 1-8-1986

under Registration No. I 9972/86 on 1-8-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of this liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of he Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-consideration for such transfer as agreed to between the persons, namely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Unit No. 1, Ground Fl, Virwani Indl, Premises Co-op. Society Ltd. Goregaon (E), Bombay-63.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Sr. No. AR.III/37EE/41542/86-87 dated 1-8-1987.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Bombay

Date: 10-3-1987

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 10th March 1987

Ref. No. AR.111/37EE/41656/86-87.—Whereas, I, A: PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing No.

Land at Chembur adm. to 4581.15 sq. mtr

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-8-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than tifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the sald Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Maryland Construction Co. (P) Ltd.

(Transferor)

(2) M/s. Goodwill Constructions.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

ssets which have not been or disclosed by the transferee for Indian Income-tax Act, 1922 to said Act, or the Wealth-tax 957);

Land adm. 4581.15 sq. mtr. at Chembur, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Sr. No. AR.III/37EE/41656/85-86 dated 1-8-1986.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, Thereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Date: 10-3-1987

(1) Somali Dharma Varli & Ors.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1). OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Jayantilal Investments.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III **BOMBAY**

Bombay, the 10th March 1987

Ref. No. AR.III/37EE/41690/86-87.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the im-

te as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Land bearing S. No. 9, Hissa No. 2, S. No. 10, Hissa No. Nil and S. No. 7, Hissa No. 2, CTS No. 346, Village Pahadi, Goregaon (and more fully described in the Schedule anexured hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-8-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of he Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the servce of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land bearing S. No. 9, Hissa No. 2, S. No. 10, Hissa No. nil and S. No. 7, Hissa No. 2, CTS No. 346, Village Pahadi, Goregaon

The agreement has been registered by the Competent uthority, Bombay under Sr. No. AR.III/37EE/41690/ Competent Authority, Authority, Bombay 86-87 dated 1-8-1986.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 10-3-1987

(1) Rewachand Ladharam Ramchandani.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMPTAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Priya Construction Pvt. Ltd.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 10th March 1987

Ref. No. AR.III/37EE/41691/86-87.—Whereas, I. A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

Bldg. No. 3A and A4, plot bearing S. No. 132, 133, Hissa No. 1 (p), 134, H. No. 1 & S. No. 135 H. No. 111 (p) Shahstri Nagar, L. B. S. Marg, Ghatkopar (W) Bombay-86 (and more fully described in the Schedulc annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-8-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any Moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter X XA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Building No. 3A and A4, plot bearing S. Nos. 132, 133, Hissa No. 1 (p), 134, Hissa No. 1(p) and 135, Hissa No. 111 (p), at Off L.B.S. Shastri Marg, Shashtri Nagar, Ghatkopar (W), Bombay-86.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Sr. No. ARJU/37FE/41691/86-87 dated 1-8-1986.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 10-3-1987

(1) Mr. Dharampal B. Chaudhary & Ore.

(Transferor)

(2) Mr. Jitendra P. Somaiya & Ors.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-IIC,
ROOM NO. 560, 5TH FLOOR,
ACQUISITION RANGE-III
BOMBAY

Bombay, the 10th March 1987

Ref. No. AR.III/37EE/41742/86-87.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value

property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

All piece or parcel of land with bungalow, messuages, tenaments & structures standing thereon at plot No. 9, of Pvt. Scheme, Shastri Nagar, Dremland Sct. Mulund (W), formerly bearing 5 Bi 145 (p) and present Sr. No. 146/A2 City S. No. 260 (p) and Tikka No. 40 Mulund (W), Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-8-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument or transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I bereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:

30---56 GI/87

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) By any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) By any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

Piece or parcel of land or ground together with bungalow, messuages, tenaments and structures standing thereon at plot No. 9, of private scheme and formerly bearing 5 Bi 145 (p) and at present Sr. No. 146/A2, and City Survey No. 260 (p) and Tikka No. 40, Shastri Nagar, Dremland Society, Mulund (West), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Sr. No. AR.III/37EE/41742/86-87 dated 1-8-1986.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Bombav

Date: 10-3-1987

FORM I.T.N.S .-

(1) The Late Vaidyaa Pandit Hariprapanna Ayurvedic Charitable Trust.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) M/s. Khandelwal Const. Co.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOMETAX

ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 10th March 1987

Ref. No. AR.IH/37EE/41799/86-87.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, have a fair market value

property, have a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Plot No. G. S. No. 329, Hissa No. 8, and CTS No. 433, bearing Municipal Ward No. P6911 and P6912, Anandilal Podar Road, Malad (E), Bombay-64

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-8-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aferesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than affects that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration and that the consideration for such apparent consideration and that the parties has not been truly stated in the said lastrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the lightlifty of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 or 1937);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons; whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the stand meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. G. Survey No. 329, Hissa No. 8, and CTS No. 433 bearing Municipal Ward No. P6911 and P5912, Anandilal Podar Road, Malad (E), Bombay-64.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Sr. No. AR.III/37EE/41799/86-87 dated 1-8-1986.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, statutely:—

Date: 10-3-1987

Soal:

(1) Shri R. K. Ladsariya.

(Transferor)

Shri Mukesh C. Kamdar & Ore,

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 10th March 1987

Ref. No. AR.III/37EE/41850/86-87.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act') have reason to believe that the

to as the 'said Act') have reason to believe that the immerable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,90,000/- and bearing Flat No. 4912, Bldg. No. A178, Pant Nagat, Best Friends CHSL Ghatkopar, Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-8-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that than fifteen per cents of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:— Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the afferently persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 4912, Bldg. No. A-178, Pant Nagar, Best Friends Co-op. Hsg. Society Ltd., Ghatkopar, Rombay-75.
The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under St. No. AR.HI/37EE/41850/ 86-87 dated 1-8-1986

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957).

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay the under the said Airt, in respect of any income arising from the transfer;

and /ec

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assts Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection 1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 10-3-1987

(1) M/s. Guruvayurappan Nilayam & Co.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) T. Bhasker Shetty & Ors.

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 10th March 1987

Ref. No. AR.III/37EE/41613/86-87.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Shop No. 3, Gr. Floor Madhav Apartments,

Jawahar Road, Ghatkopar (E), Bombay-77 (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-8-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transfere for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, ichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 3, Gr. Floor, Madhav Apartment Jawahar Road, Ghatkopar (E), Bombay-77.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Sr. No. AR.III/37.EE/41613/86-87 dated 1-8-1986.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Bombay

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 10-3-1987

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Shri M. M. T. Mandalappa alias Ravi Mandalappa, S/o late Sri M. M. Thimmiah, No. 47; Thoppa Mudaliar Street, Civil Station, Bangalore-560 001.

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001.

Bangalore, the 10th April 1987

C. R. No. 62/50232/86-87/ACQ|B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ,

K. BHARDWAJ, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing 7 (Old No. 3 A), situated at Hayes Road, Richmond Town, Bangalore. (and more fully described in the Schedule annexed hereto)

situated at Hayos Road, Richmond Town, Bangalore. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908, (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Shivajinagar on 12-8-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Smt. Mah Jabeen Fathima W/o Sri Sadat Ali Khan,
 Sri Liaquat Ali Khan
 Sro Sri Sadat Ali Khan, 'RESHMA', No. 6, Hayes Road (Cross), Bangalore-560 025.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used heren as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

iRegistered Document No. 1207/86-87 Dated 12-8-86]. All that piece and parcel of land with building and other structures bearing Corporation No. 7 (Old No. 3 A), Corporation Division No. 61 (Old No. 60), Hayes Road, Richmond Town, Bangaloic, admeasuring 1182.09 Sq. mts. and more fully described in the agreement to Sale dated 12-8-86.

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting 2388tt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 10-4-1987

Seal

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

NOTICE

COMBINED DEFENCE SERVICES EXAMINATION, OCTOBER 1987

New Delhi, the 9th May, 1987

F.8/2/87-EI(B).—A Combined Defence Services Examination will be held by the Union Public Service Commission Commencing on 18th October, 1987 for admission to the undermentioned courses:—

Name of the Course and Approximate No. of Vacancies

- 1. Indian Military Academy, Debra Dun (85th Course commencing in July, 1988) [Includes 32* vacancies reserved for NCC 'C' Certificate (Army Wing holders].
- Naval Academy, Goa Course commencing in July, 1988.
 - (a) General Service Including 6 reserved for NCC 'C' Certificate (Naval Wing) holders].
 - (b) Naval-Aviation.

32*

- Air Force Station, Belgumpet, Secunderabad (Pre-Flying Training Course commencing in July, 1988 i.e. No. 144 F(P) Course).
- 4. Officers' Training School, Madras [48th (NT) Course commencing in October, 1988].
- *The above numbers are liable to alteration.
 *@This includes training wastages.
- N.B. (i) (a).—A candidate is required to specify clearly in col. 9 of the Application Form the Services for which he wishes to be considered in the order of his preference. He is also advised to indicate as many preferences as he wishes to, subject to the condition given at para (b) below, so that having regard to his rank in the order of merit due consideration can be given to his preferences when making appointment.
- (b) If two or more courses/services are being opted for then OTS will be the last choice. OTS can be the first preference only if it is the one and only choice.
- (c) Candidates should note that, except as provided in N.B. (ii) below, they will be considered for apointment to those courses only for which they exercise their preference and for no other course(s).
- (d) No request for addition/alteration in the preferences already indicated by a candidate in his application will be entertained by the Commission.
- N.B. (ii).—The left-over candidates of IMA/Naval Academy/Air Force Academy Course for grant of Permanent Commission of this examination may be considered for grant of SSC (NT) even if they have not indicated their choice for this course in their applications, if they are subsequently willing to be considered for this Course, subject to the following conditions:—
 - (i) There is a shortfall after detailing all the candidates who competed for the SSC (NT) Course;
 and
 - (ii) The candidates who are detailed for training even though they have not expressed their preference for SSC (NT) will be placed in the order of Merit List after the last candidate who had opted for this Course, as these candidates will be getting admission to the Course to which they are not entitled according to the preferences expressed by them.
- NOTE 1: NCC 'C' Certificate (Army Wing) / (Senior Division Air Wing)/(Naval Wing) holders may also compete for the vacancies in the Short Service Commission (Non-Technical) Course, but since there is no reservation of vacancies for them in this course, they will be treated as

general candidates for the purpose of filling up vacancies in this Course. Candidates who have yet to pass NCC 'C' Certificate (Army Wing/Senior Division Air Wing/Naval Wing) examination, but are otherwise eligible to compete for the reserved vacancies, may also apply but they will be required to submit the proof of passing the NCC 'C' Certificate (Army Wing/Senior Division Air Wing/Naval Wing) examination to reach the Army HQ/Rtg. 6 (SP) (e), New Delhi-110022 in case of IMA/SSC (NT) first choice candidates and Naval HQ/R&R, Sena Bhawan, New. Delhi-110011, in case of Navy first choice candidates and PO 3(A)/Air Headquarters, Wing 7, 1st Floor, West Block No. 6, Ramakrishna Puram, New Delhi-110066 in case of Air Force first choice candidates by 30th June, 1988.

To be eligible to compete for reserved vacancies the candidates should have served for not less than 2 academic years in the Senior Division Army Wing/3 academic years in the Senior Division Air Wing/Naval Wing of National Cadet Corps and should not have been discharged from the NCC for more than 24 months for IMA/Naval Academy/Air Force Academy Courses on the last date of receipt of applications in the Commission's office.

NOTE II: In the event of sufficient number of qualified NCC 'C' Certificate (Army Wing/Senior Division Air Wing/Naval Wing) holders not becoming available on the results of the examination to fill all the vacancies reserved for them in the Indian Military Academy Course/Air Force Academy Course/Naval Academy Course, the unfilled reserved vacancies shall be treated as unreserved and filled by general candidates.

Admission to the above courses will be made on the results of the written examination to be conducted by the Commission followed by intelligence and personality test by a Services Selection Board of candidates who qualify in the written examination. The details regarding the (a) scheme, standard and syllabus of the examination, (b) physical standards for admission to the Academy/School, and (c) brief particulars of services etc. for candidates joining the Indian Military Academy, Naval Academy, Air Force Academy and Officers' Training School and (d) Guidelines for filling in the application Form are given in Appendices I, II and III and IV respectively.

2. CENTRES OF EXAMINATION.—Agartala, Ahmedabad, Aizawl, Allahabad, Bangalore, Bhopal, Bombay, Calcutta, Chandigarh, Cochin, Cuttack, Delhi, Dispur (Gauhatı), Hyderabad, Imphal, Itanagar, Jaipur, Jammu, Jorhat, Kohima, Lucknow, Madras, Nagpur, Panaji (Goa), Patna, Port Blair, Raipur, Shillong, Shimla, Srinagar, Tirupati, Trivandrum, Udaipur and Vishakhapatnam.

THE CENTRES AND THE DATES OF HOLDING THE EXAMINATION AS MENTIONED ABOVE ARE LIABLE TO BE CHANGED AT THE DISCRETION OF THE COMMISSION. WHILE EVERY EFFORT WILL BE MADE TO ALLOT THE CANDIDATES TO THE CENTRE OF THEIR CHOICE FOR EXAMINATION, THE COMMISSION MAY AT THEIR DISCRETION, ALLOT A DIFFERENT CENTRE TO A CANDIDATE WHEN CIRCUMSTANCES SO WARRANT CANDIDATES ADMITTED TO THE EXAMINATION WILL BE INFORMED OF THE TIME TABLE AND PLACE OR PLACES OF EXAMINATION (See para 8(ii) below).

Candidates should note that no request for change of centre will normally be granted. When a candidate, however, desires a change in centre, from the one, he had indicated in his application form for the Examination, he must send a letter addressed to the Secretary. Union Public Services Commission by registered post, giving full justification as to why he desires a change in centre. Such requests will be considered on merits but requests received after 18th September, 1987 will not be entertained under any circumstances.

3. CONDITIONS OF ELIGIBILITY

- (a) Nationality: A candidate must oither bo :-
 - (i) a citizen of India, or
 - (ii) a subject of Bhutan, or

- (iii) a subject of Nepal, or
- (iv) a Tibetan refugee who came over to India before the 1st January, 1962 with the intention of per-manently settling in India, or
- (v) a person of Indian origin who has migrated from Pakistan, Burma, Sri Lanka and East African countries of Kenya, Uganda, United Republic of Tanzania (formerly Tanganyika and Zanzibar). Zambla, Malawi, Zaire and Ethiopia and Vietnam with the intention of permanently cottling in India. with the intention of permanently settling in India.

that a candidate belonging to categories (ii), (iii), (iv) and (v) above shall be a person in whose favour a certificate of eligibility has been issued by the Government of India.

Certificate of eligibility will, however, not be necessary in the case of candidates who are Gorkha subjects of Nepal,

A candidate in whose case a certificate of eligibility is necessary may be admitted to the examination provisionally subject to the necessary certificate being given to him by the Govt, before declaration of result by UPSC.

- (b) Age limits, Sex and Marital Status :--
 - (i) For IMA—Unmarried male candidates born not earlier than 2nd July 1964 and not later than 1st July, 1969 only are eligible.
 - (ii) For Naval and Air Force Academy—Unmarried male candidaes born not carlier than 2nd July, 1966 and not later than 1st July, 1969 are only eligible.
- (iii) For Officers' Training School—Male candidates (married or unmarried) born not earlier than 2nd July, 1963 and not later than 1st July, 1969 are only cligible.

The date of birth accepted by the Commission is that entered in the Matriculation or Secondary School Leaving Certificate or in a certificate recognised by an Indian University as equivalent to Matriculation or in an extract from a Register of Matriculates maintained by a University, which extract must be certified by the proper authority of the University or in the Higher Secondary or an equivalent Examination Certificates. These Certificates are required to be submitted only after the declaration of the result of the written part of the examination.

No other document relating to age like horoscopes, affidavits, birth extracts from Municipal Corporation, service records and the like will be accepted.

The expression Man sulation/Higher Secondary nation certificate in this part of the instruction includes the alternative certificates mentioned above.

Sometimes the Matriculation/Higher Secondary Examination Certificate does not show the date of birth, or only shows the age by completed years or completed years and months. In such cases, a candidate must send in addition to the attested/certified copy of the Matriculation/ Higher Secondary Examination Certificates, an attested/certified copy of a certificate from the Headmaster/Principal of the Institution from where he passed the Matriculation/Higher Secondary Examination showing the date of his birth or his exact age as recorded in the Admission Register of the Institution.

NOTE 1.—Candidates should note that only the date of birth as recorded in the Matriculation/Higher Secondary Examination Certificate or an equivalent certificate on the date of submission of application will be accepted by the Commission and no subsequent request for its change will be considered or granted,

NOTE 2—Candidates should also note that once a date of birth has been claimed by them and entered in the records of the commission for the purpose of admission to an examination. No change will be allowed subsequently or at a subsequent examination.

- (c) Educational Qualifications :---
 - (i) For I.M.A., and Officers' Training School-Degree of a recognised University or equivalent.
 - (ii) For Naval Academy-B.Sc. with Physics & Mathematics or Bachelor of Engineering,
- (iii) For Air Force Academy-Degree of a recognised University or equivalent with Physics and/or Mathamatics as subjects. Candidates who have passed their degree examination with subjects other passed their degree examination with subjects offer than Physics and/or Mathematics as subjects are also eligible provided they have passed the Higher Secondary Examination (old pattern) or the 11th/ 12th Satindard Examination under the 10 + 2 pattern of school education or an equivalent examination, with Mathematics and Physics as subjects of the Examination.

Graduates with first choice as Navy/Air Force are submit proof of graduation provisional certificates within two weeks of completion of SSB interview to Army HQ [Rtg. 6 SP (e)] NHQ (R&R Section)/Air HQ-PO3A respectively.

Candidates who have yet to pass the degree examination can also apply but they will be required to submit proof of passing the degree examination to reach the Army HQ/Rtg. 6(SP)(e). New Delhi-110 022 in case of IMA/SSC(NT) first choice candidates and Naval HQ/R&R, Sena Bhawan, New Delhi-110 011 in case of Navy first choice candidates and PO3(A)/Air Headquarters, Wing No. 7, 1st Floor, West Block No. 6, Rama Krishna Puram, New Delhi-110 066 in case of Air Force first choice candidates by the following date failing which their candidature didates by the following date failing which their candidature will stand cancelled :-

- (i) For admission to IMA, Naval and Air Force Academy on or before 30th June, 1988.
 (ii) For admission to Officers' Training School, Madras on or before 15th September, 1988.

Candidates possessing professional and technical qualifications which are recognised by Government as equivalent to professional and technical degrees would also be eligible for admission to the examination.

exceptional cases the commission may treat a candidate, who does not possess any of the qualifications prescribed in this rule as educationally qualified provided that he possesses qualifications, the standard of which in the opinion of the Commission, justifies his admission to the examination.

NOTE 1.—Those candidates who have yet to qualify NOTE 1.—Those candidates who have yet to qualify in the Degree Examination and are allowed to appear in the UPSC Examination should note that this is only a special concession given to them. They are required to submit proof of passing the Degree examination by the prescribed date and no request for extending this date will be entertained on the grounds of late conduct of basic qualifying university Examination delay in declaration of results or any other ground whatsoever results or any other ground whatsoever.

NOTE 2.—Candidates who are debarred by the Ministry of Defence from holding any type of Commission in the Defence Services shall not be eligible for admission to the examination and if admitted, their candidature will be cancelled.

4. FEE

(i) Candidates seeking admission to the (1) Candidates seeking admission to the examination must pay to the Commission with the completed application form a fee of Rs. 28.00 (Rupees twenty eight) through Central Recruitment Fee Stamps or crossed Indian Postal Orders payable to the Secretary, Union Public Service Commission at the New Delhi General Post Office or through crossed Bank Draft from any branch of the State Bank of India payable to the Secretary, Union Public Service Commission at the State Bank of India Main Branch vice Commission at the State Bank of India, Main Branch, New Delhi,

NOTE I.—Central Recruitment Fee Stamps (Not Postage Stamps) may be obtained from the Post Office and affixed on the first page of the application form in the space

provided for the purpose. The stamps may be got cancelled from the issuing post office with the date stamp of the post office in such a manner that the impression of the cancellation stamp partially overflows on the application form itself. The impression of the cancellation stamp should be clear and distinct to facilitate identification of date and the post office of issue. Posage Stamps will in No case be acceptable in lieu of 'Central Recruitment Fee Stamps'.

NOTE II.—Candidates should write their name and address on the reverse of the Bank Draft at the top at the time of submission of their applications. In the case of Postal Orders the name and address should be written by the candidates on the reverse of the Postal Orders at the space provided for the purpose. Candidates residing abroad should deposit the prescribed fee in the office of India's High Commissioner, Ambassador or Representative abroad, as the case may be, for credit to the account head "051 Public Service Commission-Examination Fees" and attach the receipt with the application. APPLICATIONS NOT COMPLYING WITH THIS REQUIREMENT WILL BE SUMMARILY REJECTED. THIS DOES NOT APPLY TO THE CANDIDATES WHO ARE SEEKING REMISSION OF THE PRESCRIBED FEE UNDER THE FOLLOWING PARAGRAPH.

CANDIDATES BELONGING TO SCHEDULED CASTES/SCHEDULED TRIBES ARE NOT REQUIRED TO PAY ANY FEE.

- (ii) The Commission may, at their discretion, remit the prescribed fee where they are satisfied that 'he applicant is a bona fide displaced person from erstwhile East Pakistan (now Bangladesh) and had migrated to India during the period between 1-1-1964 and 25-3-1971 or is a bona fide displaced person from erstwhile West Pakistan and had migrated to India during the period between 1st January. 1971 and 31st March, 1973, or is a bona fide repatriate of Indian origin from Burma who migrated to India on or after 1-6-1963 or is a bona fide repatriate of Indian origin from Sri Lanka who migrated to India on or after 1-11-1964 or is a prospective repatriate of Indian origin from Sri Lanka under the Indo-Ceylon Agreement of October, 1964, and is not in a position to pay the prescribed fee.
- (iii) A refund of Rs. 15/- (Rupees Fifteen) will be made to a candidate who had paid the prescribed fee and is not admitted to the examination by the Commission. (If, however, the application is rejected on receipt of information that the candidate has failed in the degree examination or will not be able to submit the proof of passing the degree examination by the prescribed date, he will not be allowed refund of fee.
- (iv) A refund of Rs. 28/- (Rupees Twenty eight) will be allowed in the case of a candidate who took the Combined Defence Services Examination held in October, 1986 or May, 1987 and is recommended for admission to any of the courses on the results of these examinations provided his request for cancellation of candidature for the CDS Examination October, 1987 and refund of fee is received in the office of the Commission on or before 1st April, 1988.

No claim for a refund of the fee paid to the Commission will be entertained except as provided above nor can the fee be held in reserve for any other examination or selection.

5. HOW TO APPLY: A candidate seeking admission to Examination must apply to the Secretary, Union Public Service Commission, Dholpur House, New Deshi-110011. on the application form published in the Employment News/Rozgar Samachar and leading daily Newspapers dated 9th May 1987. The candidates may utilise in original the form published in the Newspapers or in "Employment News" filling up the columns in their own handwriting with ball-point pen. They may also use the application form and the attendance sheet neatly typewritten on white paper (fool-scape size) in double space and typed on only one side of the paper. There is no objection to candidates using printed Application Form and Attendance sheet, if available from private agencies as long as the format is exactly the same as published in the Employment News/Rozgar Samachar and leading daily Newspapers dated 9th May, 1987. Candidates should note that applications filed in on the format used

for the previous examinations will not be considered. Candidates should note that they should appear in the Combined Defence Services Examination for all the papers in the examination on the same admission certificate and with the same Roll Number, even if they may have received more than one admission certificate from the Commission. The envelope containing the application should be superscribed in bold letters as "APPLICATION FOR COMBINED DEFENCE SFRVICES EXAMINATION, October, 1987".

- (a) A candidate must send the following documents with his application:
 - (i) Crossed Bank Draft/Indian Postal Order Central Recruitment Fee Stamps or Indian Mission receipt for the prescribed fee (unless remission of fee is claimed).
 - (ii) Attendance Sheet (Printed alongside) duly filled in on foolscape size paper.
 - (iii) Two identical copies of recent passport size (Cm × 7 cm. approx.) photograph of the candidate—one pasted on the application form and the other on the Attendance Sheet in the space provided therein.
 - (iv) One self-addressed post-card.
 - (v) Three self-addressed unstamped envelopes of 11.5 cms. × 27.5 cms. size.
- (b) Candidates should note that only International form of Indian numerals is to be used while filling up the application form. Even if the date of birth in the SSLC or its equivalent certificate has been recorded in Hindi numerals, the candidate should ensure that while entering it in the Application Form he uses International form of Indian numerals only. They should take special care that the entries made in the application form should be clear and legible. In case there are any illegible or misleading entries, the candidates will be responsible for the confusion and the ambiguity caused in interpreting such entries.
- (c) All candidates, should submit their applications direct to the Commission. If any candidate forwards his application through his employer and it reaches the Union Public Service Commission late, the application, even if submitted to the employer before the closing date will not be considered.

Persons serving under the Public Enterprises are, however, required to submit an undertaking that they have informed in writing their Head of Office/Department that they have applied for this Examination.

Candidates should note that in case a communication is received from their employer by the Commission withholding permission to the candidates applying for appearing at the examination their applications shall be rejected/candidatures shall be cancelled.

Candidates serving in the Armed Forces must submit their applications through their Commanding Officer who will forward it to the Commission.

NOTF: APPLICATION NOT ACCOMPANIED BY THE PRESCRIBED FEE (UNLESS REMISSION OF FEE IS CLAIMED AS IN PARA 4 ABOVE) OR INCOMPLETE OR DEFECTIVE APPLICATIONS SHALL BE SUMMARILY REJECTED. NO REPRESENTATION OR CORRESPONDENCE REGARDING SUCH REJECTION SHALL BE ENTERTAINED UNDER ANY CIRCUMSTANCES. CANDIDATES ARE NOT REQUIRED TO SUBMIT ALONGWITH THEIR APPLICATIONS ANY CERTIFICATE IN SUPPORT OF THEIR CLAIMS REGARDING AGE EDUCATIONAL QUALIFICATIONS, SCHEDULED CASTES AND SCHEDULE TRIBES, AND FEE REMISSION FTC. THEY SHOULD THEREFORE. ENSURE THAT THEY FULFIL ALL THE ELIGIBILITY CONDITIONS FOR ADMISSION TO THE EXAMINATION. THEIR ADMISSION TO THE EXAMINATION. THEIR ADMISSION TO THE EXAMINATION WILL ALSO THEREFORE BE PURELY PROVISIONAL. IF ON VERIFICATION AT ANY LATER DATE IT IS FOUND THAT THEY DO NOT FULFIL ALL ELIGIBILITY CONDITIONS, THEIR CANDIDATURE WILL BE CANCELLED.

Candidates are advised to keep ready the following documents in original atongwith their attested copies soon after the declaration of the result of the Written part of the examination which is likely to be declared in the month of January, 1988 for submission to the Army HQ/Naval HQ/Air HQ as the case may be.

- Matric/Higher Secondary School Certificate or its equivalent showing may be.
- (2) Degree/Provisional degree certificate/marks sheet showing clearly having passed degree examination and eligible for award of degree.

In the first instance all qualified candidates eligible for SSB interview will carry their orginal Matric/Hr. Secondary School Certificate with them while going to the Service Selection Centres for SSB interview as otherwise they shall not be allowed to appear for SSB interview. No relaxation for non-submission of original Matric/Hr. Secondary School Certificate at the Selection Centre is allowed.

If any of their claims is found to be incorrect/false/fraud/fabricated they may render themselves liable to disciplinary action by the Commission in terms of para 6 below:

- 6. A candidate who is or has been declared by the Com-
 - obtaining support for his candidature by any means;
 or
 - (ii) impersonating; or
 - (iii) procuring impersonation by any person; or
 - (iv) submitting fabricated documents or documents which have been tampered with; or
 - (v) making statements which are incorrect or false or suppressing material information; or
 - (vi) resorting to any other irregular or improper means in connection with his candidature for the examination; or
 - (vii) using unfair means during the examination; or
 - (viii) writing, irrelevant matter, including obscene language or pornographic matter, in the script(s); or
 - (iv) musbehaving in any other manner in the examination hall; or
 - (x) harassing, doing bodily harm to the staff employed by the Commission for the conduct of their examination; or
 - (xi) violating any of the instructions issued to candidates alongwith their Admission Certificates permitting them to take the examination; or
 - (xii) attempting to commit or as the case may be abetting the commission of all or any of the acts specified in the foregoing clauses may, in addition to rendering himself liable to criminal prosecution, be liable—
 - (a) to be disqualified by the Commission from the examination for which he is a candidate; or
 - (b) to be defined either permanently or for a specified period :—
 - (i) by the Commission, from any examination or selection held by them; (ii) by the Central Government from any employment under them; and
 - (c) If he is already in service under Government to disciplinary action under the appropriate rules.

Provided that no penalty under this rule shall be imposed except after—

(i) giving the candidate an opportunity of making such representation in writting as he may wish to make in that 31—56 GI/87

behalf, and (ii) taking the representation, if any submitted by the candidate, within the period allowed to him, into consideration.

CANDIDATES MAY NOTE THAT THEY SHOULD NOT APPLY TO THE U.P.S.C. FOR APPLICATION FORM, RULES, SYLLABUS ETC. THE APPLICATION FORM PRINTED ALUNGWITH THIS ADVERTISEMENT SHOULD BE USED AS EXPLAINED ABOVE.

7. LAST DATE FOR RECEIPT OF APPLICATIONS: The completed application form must reach the Secretary, Union rubile Service Commission, Dholpur House, New Delhi-110011 by post or by personal delivery at the counter on or before the 22nd June, 1987 (6th July, 1987 in the case of candidates residing in Assam, Meghalaya, Arunachal Pradesh, Mizoram, Man.pur, Nagaland, Tripura, Sikkim, Ladakh division of J&K State, Lahaul & Spiti district and Pangi Sub Division of Chamba District of Himachal Pradesh Andaman and Nicobar Islands or Lakshadweep and for candidates residing abroad from a date prior to 22nd June, 1987 and whose applications are received by post from one of the areas mentioned above) accompanied by necessary documents. No application received after the prescribed date will be considered.

A candidate residing in Assam, Meghalaya, Arunachal Pradesh, Mizoram, Manipur, Nagaland, Tripura, S.kkim, Ladakh Division of J&K State, Lahaul & Sipiti Dustrict and Pangi Sub-division of Chamba District of Himachal Pradesh, Andaman and Nicobar Islands or Lakshadweep and a candidate residing abroad may at the discretion of the Commission be required to furnish documentary evidence to show that he was residing in Assam, Meghalaya Arunachal Pradesh, Mizoram, Manipur, Nagaland, Tripura, Sukkim, Ladakh Division of J&K State, Lahaul & Spiti District and Pangi Sub-division of Chamba district of Himachal Pradesh, Andaman and Nicobar Islands or Lakshadweep or abroad from a date prior to 22nd June, 1987.

NOTE: (i) Candidates who are from areas entitled to additional time for submission of applications should also clearly indicate in their addresses in the relevant Column of the application the name of the particular area or region entitled to additional time (e.g. Assam, Meghalaya, Ladakh Division of J&K State, etc.) otherwise they may not get the benefit of additional time. (ii) Candidates are advised to deliver their applications by hand at the UPSC counter or send it by Registered Post. The Commission will not be responsible for the application delivered to any other functionary of the Commission.

NO APPLICATION RECEIVED AFTER THE PRESCRIBED DATE WILL BE CONSIDERED

8, CORRESPONDENCE WITH THE COMMISSION/ARMY/NAVAL/AIR HEADQUARTERS.

The Commission will not enter into any correspondence with the candidates about their candidature except in the following cases:—

- (i) Every application including late ones received in the Commission's Office is acknowledged and Application Registration No. is issued to the candidate in token of receipt of application. The fact that the Application Registration No. has been issued to the candidates does not inso-facto mean that the application is complete in all respects and has been accepted by the Commission. If a candidate does not receive an acknowledgement of his application within a month from the last date of receipt of applications for the examination, he should at once contact the Commission for the acknowledgement.
- (ii) Fvery candidate for this examination will be informed at the earliest possible date of the result of his aprlication. It is not, however, possible to say when the result of the application will be communicated. But if a candidate does not receive from the Commission a communication regarding the result of his application one month before the commencement of the examination, he should at once contact the Commission for the result. Failure to comply

with this provision will deprive the candidate of any claim to consideration.

(iii) Admission certificates, indicating the Roll Nos, will be issued to the candidates who are admitted to the examination and the Roll No. indicated therein will be the same as Application Registration already communicated to candidates in their Acknowledgement Cards.

No candidate will be admitted to the Examination unless he holds a certificate of admission to the Examination.

The mere fact that a certificate of admission to the Examination has been issued to a cand date will not imply that his candidature has been finally cleared by the Commission, or that the entries made by the cundidate in his a plication for the Examination have accepted by the Commission as true and correct.

- (iv) The decision of the Commission as to the eligibility or otherwise of a candidate for admission to the Examination shall be final.
- (v) Candidates should note that the name in the Admission Certificate, in some cases, may be abbreviated due to technical reasons.
- (vi) A candidate must see that communication sent to him at the add es; stated in his application are redirected, if necessary Change in address should be communicated to the Commission at the curliest opportunity. Although the Commission makes every effort to take account of such changes, they cannot accept any responsibility in the matter.

IMPORTANT: All communications to the Commission hould invariably contain the following particulars:—

- (1) Name of the Examination.
- (2) Month and Year of Examination.
- (3) Application registration No. Roll No. (or the date of birth of candidate if the ap lication Registration No./Roll Number has not been communicated).
- (4) Name of candidate in full and in Block Letters
- (5) Postal Address as given in the application,
- N.B. (1) Communications not containing the above particulars may not be attended to.

N.B. (ii) If a letter/communication is received from a candidate after an examination has been held and it does not give his full Name and Roll Number, it will be igno ed and no action will be tuken thereon

N.B. (iii) Candidates recommended by the Commission for interview by the Services Selection Board who have changed their addresses subsequent to the submission of their applications of the examination should immediately after announcement of the result of the written part of the examination notify the changed address riso to Army Headquarters A.G.'s Branch Rtg. 6(SP) (e) West Block 3, 2nd Floot, Wing I, Ramakrishnapuram New Delhi-110066 failure to comply with this instruction will deprive the candidate of any claim to consideration in the event of his not receiving the summons letter for interview by the Services Selection Board.

Candidates whose names have been recommended for interview by the Services Selection Board should address enquiries or requests, if any relating to their interview direct to the Army Headquarters, A.G.'s Branch Rtg. 6(SP) (c) (ii) West Block 3, 2nd Floor, Wing 1, Ramakrishnapuram, New Delhi-110066 in case of candidates having IMA or Navy or OTS as their first choice and PO3(A) Air Headquarters, Wing No. 7. Let Floor West Block No. 6. Ramakrishna uram, New Delhi-110066, in the case of candidates having Air Force first choice.

Candidates are required to report for SSB interview on the date intimated to them in the call-up letter for interview, Request for postnoning interview will only be considered in vergenuine circumstances and that too if it is administratively convenient for which Army Headquarters/Air Headquarters will be the sole deciding authority

N.B.—In case a candidate does not get the interview call for SSB interview for IMA by 1st week of April, 1988 and by 4th week of July, 1988 for OTS, he should write to Army Headquarters/Rtg. 6(SP) (e) West Block III, Ramakrishappuram, New Delhi-110066 regarding non-receipt of the call-up letter

- (vii) Original Certificates—Submission of . only those candidates who qualify in the SSB interview will be required to submit their original certificates alongwith attested copies thereof in support of educational qualification at Service Selection Centre before SSB interview or to Army HQ Rtg. 6(SP) (e) New Delhi-110022, in case of IMA/SSC (NT) first choice candidates and Naval HQ/R&R, Sena Bhawan, New Delhi-110011; in case of the Navy first choice candidates und PO 3(A)/Air Headquarters, Wing No. 7, 1st Floor, West Block No. 6, Kamaki ishna uram New Delhi-110066; in case of Air Force first choice candidates within two weeks of completion of SSB interview and not later than 30th June, 1988 15th September, 1988 in case of SSC(NT) only. Certified true copies or photostat copies of the certificates will not be accepted in any case.
- 9. Announcement of the Results of the Written Examination, Interview of qualified candidates. Announcement of final results and admission to the training course of the finally qualified candidates.—The Union Public Service Commission shall prepare a list of candidates who obtain the minimum qualifying marks in the written examination as fixed by the Commission in their discretion. Such candidates shall appear before a Services Selection Board for In elligence and Personality Test simultaneously for all the entries for which they have qualified

Candidates who qualify in the written examination for IMA (D.E.) Course and/or Navy (S.E.) Course and/or Air Force Academy Course irrespective of whether they have all o qualicated for SSC(NT) Course or not will be detailed for S.S.B. tests in March/Arril, 1988 and candidates who qual fy for SSC (NT) Course only will be detailed for SSB tests in June/July, 1988.

Candidates will appear before the Services Selection Board and undergo the test there at their own risk and will not be entitled to claim any compensation or other relief from Government in respect of any injury which they may sustain in the course of or as a result of any of the tests given to thom at the Services Selection Board whether due to the negligence of any person or otherwise. Candidates will be required to sign a certificate to this effect on the form appended to the application.

To be acceptable candidates should secure the minimum qualifying marks separately in (i) written examination and (ii) S.S.B. tests as fixed by the Commission in their discretion. The candidates will be reaced in the order of merit on the basis of the total marks secured by them in the written examination and in the S.S.B. tests. The form and manner of communication of the result of the examination to irdividual candidates shall be decided by the Commission in their discretion and the Commission will not enter into correspondence with them regarding the result.

Success at the examination confers no right of admission to the Indian Military Academy, the Naval Academy, Air Force Academy or the Officers' Training School as the case may be. The final selection will be made in order of merit subject to medical fitness and a biblity in all other respects and number of vacancles available.

NOTF: Every candidate for the Air Force and Naval Aviation is given Pilot Aptitude Test only once. The Grade secured by him at the first test will therefore hold good for every subsequent interview at the Air Force Selection Board. A candidate who fails in the first Pilot Aptitude Test cannot apply for admission for the F(P) Branch of the Indian Air torce and Naval Aviation

10. Di qualification for Admission to the Training Course.—Candidates who were admitted to an earlier course at the National Defence Academy, Indian Military Academy, Air Force Flying College, Naval Academy Cochin. Officers' Training School Madras but were removed therefrom on disciplinary grounds will not be considered for admission to

the Indian Military Academy, Naval Academy, Air Force Academy or for grant of Short Service Commission in the Army.

Candidates who were previously withdrawn from the Indian Military Academy for lack of Officer-like qualities will not be udmitted to the Indian Military Academy.

Candidates who were previously selected as Special Entry Naval Cadets but were withdrawn from the National Defence Academy or from Naval Training Establishments for lack of Officer like qualities will not be eligible for admission to the Indian Navy.

Candidates who were withdrawn from Indian Military Academy, Officers' Training School, N.C.C. and Graduate Course for lack of Officer like quanties will not be considered for grant of Short Service Commission in the Army.

Candidates who were previously withdrawn from the NCC and Graduates' Course for lack of Officer-like qualities will not be admitted to the Indian Military Academy.

11. Restrictions on Marriage during Training in the Indian Military Academy or in the Istatal Academy or in the Air Force Academy.— candidates for the Indian Military Academy Course or Naval Academy Course or Air Force Academy Course must undertake not to marry until they complete their full training. A candidate who marries subsequent to the date of his applicat on though successful at this or any subsequent examination will not be selected for training. A candidate who marries during training shall be discharged and will be liable to refund all expenditure incurred on him by the Government.

No candidate for the Short Service Commission (N.T.) Course—(a) who has entered into or contracted a marriage with a person having a spouse living has entered into or contracted a marriage with any person shall be eligible for admission to the Officer's Training School (grant of Short Service Commission)

Provided that the Central Government may, if satisfied that such marriage is permissible under the personal law applicable to such persons and the other party to the marriage and there are other grounds for so doing exempt any person from the operation of this rule.

- 12. Other restrictions during training in the Indian Military Academy or in the Naval Academy or in the Air Force Academy.—After admission to the Indian Military Academy or the Naval Academy or the Naval Academy or the Naval Academy or the Commission. They will also not be permitted to appear for any interview or examination after they have been finally selected for training in the Indian Military Academy or the Naval Academy or the Air Force Academy. The cindidates who resign from IMA/NA/AFA, may be considered for induction into OTS on their metric provided there is shortfall on that particular course.
- 13. The Union Public Service Commission have brought out a priced publication entitled "Candidates Manual for U.P.S.C. Objective Type Examination". This Publication is designed to be of assistance to prospective candidates of U.P.S.C. Examinations or Selections. The publication is on sale with Controller of Publications, Civil Lines, Delhi-110054 and may be obtained from him direct by Mail Orders or on cash payment. This can also be obtained only against cash payment from (i) the Kitab Mahal, Opposite Rivol' Cinema, Emporia Building, 'C' Block, Baba Kharag Singh Marg, New Delhi-110001, and (ii) Sale counter of the Publications Branch at Udyog Bhawan New Delhi-110011 and (iii) The Government of India Book Depot, 8 K. S. Roy Road, Calcutta-700001. The Manual is also obtainable from the agents for the Government of India Publications at various mo usual towns.
- 14. NO REQUEST FOR WITHDRAWAL OF CANDIDATINE RECEIVED FROM A CANDIDATE AFTER HE HAS SUBMITTED HIS APPLICATION WILL BE ENTERTAINED UNDER ANY CIRCUMSTANCES.

D. P. ROY

Deputy Secretary

Union Public Service Commission

APPENDIX I

(The scheme, standard and syllabus of the examination)

A. SCHEME OF THE EXAMINATION

- 1. The Competitive examination comprises :---
 - (a) Written examination as shown in para 2 below:
 - (b) Interview for intelligence and personality test (vide Part 'B' of this Appendix) of such candidates as may be called for interview at one of the Services Selection Centres.
- 2. The subjects of the written examination the time allowed and the maximum marks allotted to each subject will be as follows:
- (a) For Admission to Indian Military Academy

Subject	Duration	Maximum Marks
1. English · · ·	· 2 Hours	100
2. General Knowledge	· 2 Hours	100
3. Elementary Mathematics	· 2 Hours	100

(b) For Admission to Naval Academy

Subject	Time allowed	Maximum Marks
	,	J
1. English	· 2 Hrs.	100
2. General Knowledge	· 2 Hrs.	100
3. Elementary Mathematics	· 2 Hrs.	100

(c) For Admission to Officers' Training School

Subject				Time allowed	Maximum Marks
		ı			
 English 	•	•	•	2 Hrs.	100
2. General I	Cnowledge	•	•	2 Hrs.	100

(d) For Admission to Air Force Academy

Subject	Duration	Maximum Marks
1. English · · · ·	- ,,,,,,,	100
General Knowledge Elementary Mathematics	2 Hrs. 2 Hrs.	100 100

The maximum marks allotted to the written examination and to the Interviews will be equal for each course i. e. the maximum marks allotted to the written examination and to the interviews will be 300, 300, 200 and 300 each for admission to the Indian Military Academy, Naval Academy, Officers' Training School and Air Force Academy.

- 3. THE PAPERS IN ALL THE SUBJECTS WILL CON-OF OBJECTIVE TYPE QUESTIONS ONLY. THE OUES-TION PAPERS (TEST BOOKLETS) WILL BE SET IN ENGLISH ONLY. THE "CANDIDATES INFORMATION MANUAL" CONTAINING DETAILS PERTAINING TO OBJECTIVE TYPE TESTS INCLUDING SAMPLE QUES-TIONS WILL BE SUPPLIED TO CANDIDATES ALONG WITH THE ADMISSION CERTIFICATE.
- 4. In the question papers, wherever necessary, questions involving the metric system of weights and Measures only will be set.

- 5. Candidates must write the papers in their own hand. In po circumstances will they be allowed the help of a scribe to write answers for them.
- 6. The Commission have discretion to fix qualifying marks in any or all the subjects at the examination.
- 7. The candidates are not permitted to use calculator for answering objective type papers (Test Booklets). They should not, therefore, bring the same inside the examination hall.
- B. STANDARD AND SYLLABUS OF THE EXAMINATION.

STANDARD

The standard of the paper in Elementar! Mathematics will be of Matriculation Examination

The standard of papers in other subjects will approximately be such as may be expected of a graduate of an Indian University.

SYLLABUS

ENGLISH (Code no. 01)

The question paper will be designed to test the candidates understanding of English and workmanlike use of words.

GENERAL KNOWLEDGE (Code no. 02)

General knowledge including knowledge of current events and of such matters of everyday observation and experience in their scientific aspects as may be expected of an educated person who has not made a special study of any scientific subject. The paper will also include questions on History of India and Geography of a nature which candidates should be able to answer without special study.

ELEMFNTARY MATHEMATICS (Code No. 03)

Arithematic

Number System—Natural numbers. Integers. Rational and Real numbers. Fundamental operations—additions, subtraction, multiplication, division, Square roots. Decimal fractions.

Unitary method—time and distance, time and work, percentages—applications to simple and compound interest, profit and loss, Ratio and proportion variation.

Elementary Number Theory—Division algorithm. Prime and composite numbers. Tests of divisibility by 2, 3, 4, 5, 9 and 11 Multiples and factors. Factorisation Theorem. H.C.F. and L.C.M. Euclidean alogrithm.

Logarithms to base 10, laws of logarithms, use of logarithmic tables.

Algebra

Basic Operations, simple factors, Remainder Theorem, H.C.F., L.C.M. Theory of polynomials, Solutions of quadratic equations, relation between its roots and coefficients (Only real roots to be considered). Simultaneous linear equations in two unknowns—analytical and graphical solutions. Simultaneous linear inequations in two variables and their solutions. Practical problems leading to two simultaneous licar equations or inequations in two variables or quadratic equations in one variable and their solutions. Set language and set notation. Rational expressions and conditional identities Laws of Indices.

Trigonometry

Sin \times , Cosine \times , Tangent XX when $0^{\circ} \le \times \le 90^{\circ}$ Values of sin \times , cos \times and tan \times , for $\times = 0^{\circ}$, 30°, 45° 60° and 90°

Simple trigonometric identities.

Use of trigonometric tables.

Simple cases of heights and distances.

Geometry

Lines and angles, Plane and plane figures, Theorems or (i) Properties of angles at a point (i) Parallel lines, (iii) Sides and angles of a triangle, (iv) Congruency of triangles. (v) Similar triangles, (vi) Concurrence of medians and altitudes, (vii) Properties of angles, sides and dlagonals of a parallelogram, rectangle and squares, (vii) Circles and its properties including tangents and normals, (ix) Loci.

Mensuration

Areas of squares rectangles, parallelograms, triangle and circle. Areas of figures which can be split up into the figures (Field Book) Surface area and volume of cuboids, lateral surface and volume of right circular cones and cylinders, Surface area and volume of spheres.

Statistics

Collection and tabulation of statistical data Graphical representation—frequency polygons, histograms bar charts, pie charts etc.

Measures of central tendency.

INTELLIGENCE AND PERSONALITY TEST

In addition to the interview the candidates will be put to Intelligence Tests both verbal and non-verbal, designed to assess their basic intelligence. They will also be put to Group Tests such as group discussions, group planning outdoor group tasks, and asked to give brief lectures on specified subjects. All these tests are intended to judge the mental calibre of a candidate. In broad terms, this is really an assessment of not only his intellectual qualities but also his social traits and interests in current affairs.

APPENDIX II

Physical Standards for Candidates for Combined Defence Services Examination

NOTE—CANDIDATES MUST BE PHYSICALLY FTT ACCORDING TO THE PRESCRIBED PHYSICAL STANDARD. THE STANRARDS OF MEDICAL FITNESS ARE GIVEN BELOW.

A NUMBER OF QUALIFIED CANDIDATES ARE REJECTED SUBSEQUENTLY ON MEDICAL GROUNDS. CANDIDATES ARE THEREFORE ADVISED IN THEIR OWN INTEREST TO GET THEMSELVES MEDICALLY EXAMINED BEFORE SUBMITTING THEIR APPLICATIONS TO AVOID DISAPPOINTMENT AT THE FINAL STAGE.

- 1. A candidate recommended by the Service Selection Board will undergo a medical examination by a Board of Service Medical Officers. Only those candidates will be admitted to the academy or school who are declared fit by the Medical Board. The proceedings of the Medical Board are confidential and will not be divulged to anyone. However, the candidates declared unfit/temporarily unfit will be intimated by the President of the Medical Board and the procedure for request for a Appeal Medical Board will also be intimated to the candidate. The candidates must be physically fit according to the prescribed physical standards which are summarised below:—
 - (a) The candidate must be in good physical and mental health and free from any disease/disability which is likely to interfere with the efficient performance of duties.
 - (b) There should be no evidence weak constitution, bodily defects or over-veight.
 - (c) The minimum acceptable height is 157.5 cms (157 cms for Navy and 162.5 cms for Air Force). For Gorkhas and individuals belonging to hills of North Eastern region of India, Garhwal and Kumaon, the minimum acceptable height will be 5 cms less. In case of candidates from Laccadives, the minimum acceptable height can be

reduced by 2 cms. Height and weight standards are given below ;—

Height and Weight Standards

						Weight in Kgs.			
Height in Cent meters (without shoes)						years	20 yoars	22 years	
 152		,	•	,	•	44	46	۔۔۔۔ ۔ ۔۔ 47	
155		•				46	48	49	
157					٠	47	49	50	
160						48	50	51	
162						50	52	53	
165						52	53	55	
168			•			53	55	57	
170						55	57	58	
173						5 7	59	60	
175						59	61	62	
178						61	62	63	
180						63	64	65	
183						65	67	67	
185		•				67	69	70	
188						70	71	72	
190						72	73	74	
193						74	76	77	
195						7 7	78	78	

A+10% (for Navy) departure from the average weight given in the Table above is to be considered within normal limit. However, in individuals with heavy bones and broad built as well as individuals with thin but otherwise healthy this may be relaxed to some extent on merit.

- (d) Chest should be well developed. The minimum range of expansion after full inspiration should be 5 cms. The measurement will be taken with a tape so adjusted that its lower edge should touch the nipple in front and the upper part of the tape should touch the lower angle of the shoulder blades behind. X-Ray of the chest is compulsory and will be taken to rule out any disease of the
- (e) There should be no disease of bones and joints of the body.
- (f) A candidate should have no past history of mental breakdown or fits.
- (g) The hearing should be normal. A candidate should be able to hear a forced whisper with each ear at a distance of 610 cms. in a quiet room. There should be no evidence of present or past disease of the ear, nose and throat.
- (h) There should be no sign of functional or organic disease of the heart and blood vessel. Blood pressure should be normal.
- (i) The muscles of abdomen should be well developed and there should be no enlargement of liver or spleen. Any evidence of disease of internal organs of the abdomen will be cause for rejection.
- (j) Un-operated hernias will make a candidate unfit.

 If operated, this should have been done at least a year prior to the present examination and heelings is completed.
- (k) There should be no hydrocele, varicocele or piles.
- (1) Urine examination will be done and any abnormality, if detected will be a cause for rejection,

- (m) Any disease of the skin which is likely to cause disability or disfigurement will also be cause for rejection.
- (n) A candidate should be able to read 6,6 in a distant vision chart with each eye with or without glasses (For Navy and Air Force without glasses only). Myopia should not be more than 3.5 D, and hypermetropia not more than 3.5 D including Astigmatism, Internal examination of the eye will be done by means of ophthalmoscope to rule out any disease of the eye. A candidate must have good binocular vision. The colour vision standard will be CP-3. A candidate should be able to recognise red and green colours.

The candidates for Navy should have the following vision standards:-

Distant vision · · · 6/12, 6/12, Correctable to 6/6

Near vision · · · N-5 each eyo

Colour Vision · · · CP-1 by MLT

Myopia is not to exceed 0.75 dioptres and hypermetropia not more than 1.50 dioptres in the better eye and 2.50 dioptres in the worse eye.

Ocular Muscle Balance

Hetrophoria with the Maddox Rod test must not exceed:

(i) At 6 metres · · · Exophoria 8 prism dioptres, Esophoria 8 prism dioptres, Hyperphoria 1 prism dioptres.

(ii) at 30 cm · · · Exophoria 16 prism dioptros, Fsophoria 6 prism dioptros, Hyperphoria 1 prism dioptres.

- (o) The candidate should have sufficient number of natural and sound teeth. A minimum of 14 dental points will be acceptable. When 32 teeth are present, the total dental points are 22. A candidates should not be suffering from severe pyorrhoea.
- (p) X-Ray examination of the chest will include the lower part of cervical spine for presence of cervical ribs. X-Ray examination of other parts of spine will be taken if the SMB considers it necessary.
- 2. In addition to the above, the following medical standards will be applicable in respect of Air-Force candidates only:—
 - (a) Anthropometric measurements acceptable for Air Force are as follows:

Thigh Length:

Sitting · · · · Max. 64 cms.

Height · · · · Min. 81 · 5 cms. & Max. 96 cms.

- (b) X-ray Lumbo-sacral sipine will be carried out. The following conditions detected in the X-ray will be disqualifying:
 - (i) Granulomatous disease of Spine.
 - (ii) Arthritis spondylosis.
 - (iii) More than mild Kyphosis/Lordosis. Scoliosis More than 15 by Cobb's method will be cause for rejection.

- (iv) Spondylolisthesis spondylolysis.
- (v) Herniated Nucluus Pulposis.
- (vi) Compression fracture of Vertebra.
- (vii) Scheuemanns Disease.
- (viii) Cervical Ribs with demonstrable neurological or circulatory deficit.
- (ix) Any other abnormality, if so considered by specialist,
- (c) X-Ray Chest is compulsory.
- (d) Vision

Distant Vision · · · 6/6, 6/9 Correctable to 6/6

Near vision · · · N-5 each eye
Colour Vision · · · CP-1 (MLT)

Maoifest Hypermetropia · Must not exceed 2 00 D.

Ocular Muscle Balance

Hetrophoria with the Maddox Roac test must not exceed:

> Esoplioria 6 prism dioptres Hyperphoria 1 prism Dioptres

(ii) at 33 cm.

 Exophoria 16 prism dioptres' Fsophoria 6 prism dioptres Hyperphoria 1 prism Dioptres Myopia----Nil

Astigmatism + 0.75 D only.

Bionocular Vision—Must possess good binocular vision (fusion and sterwopsis with good amplitude and depth).

(C) Hearing Standards

(i) Speech test · · · Whispered bearing 610 cms each

(ii) Audiometric test · Audiometric loss should not exceed +10 db in frequencies

between 250 Hz and 400 Hz.

- (f) Routine ECG and FFG, should be within normal limits.
- 3. The medical standards for candidates of Naval Aviation Branch will be the same as for flying duties Air Force.
- 4. Detection of any disability in the course of a special test carried out prescribed for one service, may render the candidate unfit for any other service(s), if so considered as disqualifying by Medical Board,

APPFNDIX III

(Brlef Particulars of service etc.)

(A) FOR CANDIDATES JOINING THE INDIAN MILITARY ACADEMY, DEHRA DUN

- 1. Before the Candidate joins the Indian Military Academy-
 - (a) he will be required to sign a certificate to the effect that he fully understands that he or his legal heirs shall not be entitled to claim any compensation or other relief from the Government in respect of any injury which he may sustain in the course of or as a result of the training or

- where bodily infirmity or death results in the course of or as a result of a surgical operation performed upon or anaethesia administered to him for the treatment of any injury received as aforesaid or otherwise.
- (b) his parent or guardian will be required to sign a bond to the effect that it for any reason considered within his control, the candidate wishes to withdraw before the completion of the course or fails to accept a commission if offered he will be liable to refund the whole or such portion of the cost of tuition, food, clothing and pay and allowances, received as may be decided upon by Government.
- 2. Candidates finally selected will undergo a course of training for about 18 months. Candidates will be enrolled under the Army Act as gentlemen cadets. Gentlemen cadets will be dealt with the ordinary disciplinary purposes under the rules and regulations of the Indian Military Academy, Dehia Dun.
- 3. While, the cost of training including accommodations, books, uniforms, boarding and medical treatment will be borne by Government, candidate will be expected to meet their pocket expenses themselves. The minimum expenses at the Indian Military Academy are not likely to exceed Rs. 90.00 per mensem. It a cadet's parent or guardian is unable to meet wholly or partly even this expenditure financial assistance may be granted by the Government. No cadet whose parent or guardian has an income of Rs. 500.00 per mensem or above would be eligible for the grant of the financial assistance. The immovable property and other assets and income from all sources are also taken into account to determining the eligibility for financial assistance.

The parent, guardian of a candidate desirous of having any financial assistance, should immediately after his sonoward has been finally selected for training at the Indian Military Academy submit an application through the District Magistrate of his District who will, with his recommendation forward application to the Commandant, Indian Military Academy, Dehia Dun.

- 4 Candidate finally selected for training at the Indian Military Academy will be required to deposit the following amount with the Commandant of arrival :--
 - (a) Pocket allowance for five months at Rs. 90,00 per month—Rs. 450,00.
 - (b) For items of clothing and equipment—Rs. 1500.00. Total: 1950.00

Out of the amount mentioned above the following amount is refundable to the cadets in the event of financial assistance being sanctioned to them—

Pocket allowance for five months at Rs. 90.00 per month—Rs. 450.00.

- 5. The following scholarships are tenable at the India Military Academy:—
- (1) PARSHURAM BHAU PATWARDHAN scholarship.—This scholarship is awarded to cadets from MAHARASHTRA AND KARNATAKA. The value of one scholarship is up to the maximum of Rs. 500.00 per annum for the duration of a cadet's stay at the Indian Military Academy subject to the cadet's making satisfactory progress. The cadets who are granted this scholarship will not be cattled to any other financial assistance from the Government.
- (2) COLONFL KENDAI FRANK MEMORIAL scholar-ship.—This scholarship is of the value of Rs. 360 00 per annum and is awarded to an eligible Maratha cadet who should be a son of ex-servicemen. The Scholarship is in addition to any financial assistance from the Government,
- 6. An outfit allowance at the rate and under the general conditions applicable at the time for each cadet belonging

to the Indian Military Academy will be placed at the disposal of the Commandant of the Academy. The unexpended portion of the allowance will be—

- (a) handed over to the cadet on his being granted a Commission or
- (b) if he is not granted a commission refunded to the state.

On being granted a commission article of clothing and necessaries purchased from the allowance shall become the personal property of the cadet. Such articles will, however be withdrawn from a cadet who resigns while under transing or who is removed or withdrawn prior to commissioning. The article withdrawn will be disposed of to the best advantage of the State.

- 7. No candidate will normally be permitted to resign whilst under training However, Gentlemen Cadet resignment after the commencement of training may be allowed to proceed home pending acceptance of their resignation by Army HQ. Cost of training, messing and allied services will be recovered from them before their departure. They and other parents guardians will be required to execute a bond to this effect before the candidates are allowed to join Indian Military Academy. A Gentleman Cadet who is not considered suitable to complete the full course of training may, with permission of the Government be discharged. Any Army candidate under these circumstances will be reverted to his Regiment or Corps.
- 8. Commission will be granted only on successful completion of training. The date of commission will be that following the date of successful completion of training. Commission will be permanent.
- 9. Pay and allowances, pensions, leave and other conditions of service after the grant of commission will be identified with those applicable from time to time to regular officers of the army.

Iraining

10 At the Indian Military Academy, Army Cadets are known as Gentlemen Cadets and are given strenuous, Military training for a period of 18 months aimed at turning out officers capable of leading infantry sub-units. On successful completion of training Gentlemen Cadets are granted Permanent Commission in the tank of 2n f Lt. subject to being medically fit in S.H.A.P.E.

11. Lyms and Conditions of Service

(i) Pay

Rank	Pay Scale		Pay Scale
	Rs.	. 1—1 - 17—1— 1— 1	,-,-, R≤.
2nd Lieut · ·	750-790	Lt. Colonel (Time scale)	1900 (ixod
Liout	830-950	Colonel	1950-2175
Captain · ·	1100-1550	Brigadier	2200-2400
Majot	1450-1800	Maj. General	2500-125/ 2-2750
Major (Selection	-		22,00
Grade Pay)	1800-50-190	0	
Lt. Colonel ·		Lt. General	3000 p.m.
(By Selection)	1750-1950		
		Lt. General (Army Comm	3250 p.m anders)
Lt, Colonel	2000-50-210		V · -/

(Selection Grade Pay)

(ii) QUALIFICATION PAY AND GRANT

Officers of the rank of 11. Col. and below nossessing certain prescribed qualifications are entitled to a lump sum grant of Rs. 1600 -, 2400 -, 4500 - or 6000 - based on the qualifications held by them. Flying Instructors (Cat. 'B) are authorised qualifications Pay @ Rs. 70/- p.m.

(iii) ALLOWANCES

In addition to pay an officer at present receives the following allowances—

- (a) Compensatory (City) and Dearness Allowances admissible at the same rates and under the same conditions as are applicable to the civilian Gazetted Officers from time to time.
- (b) A kit maintenance allowance of Rs. 75 p.m.
- (c) Expandation Allowance is admissible when serving lex-India. This varies from 25% to 40% of the corresponding single rate of above foreign allowance.
- (d) Separation allowance: Married officers posted to non-family stations are entitled to receive separation allowance of Rs 140 p.m.
- (e) Outfit Allowance: Initial outfit allowance is Rs. 2100 -.

A fresh outfit allowance (a) Rs. 1800 - is to be claimed after every seven years of the effective service commencing from the date of first commission.

(f) Free rations are provided upto the level of Brigadier in the Army.

(iv) POSTING

Army officers are liable to serve anywhere in India and abroad.

(v) PROMOTION

(a) Substantive promotions

The following are the service limits for the grant of the substantive promotion to higher ranks :--

By time Scale

Lt.	•	•		•	2 years of Commissioned service
Capt,					5 years of Commissione Uservice
Major	•	•	•	•	11 years of Commissioned ser- vice
Lt, Col.	•	•	٠	•	21 years of Commissioned ser- vice
By Select	ion				
Lt. Col.					16 years of Commissioned service
Col.	•	•	٠	•	20 years of Commissioned service
Brigadior	•	•	•	•	23 years of Commissioned service
Major, G	en,	•	٠	•	25 years of Commissioned service
Lt. Gon	Gene	ral	•	٠	28 years of Commissioned service
Generai.	•		•	•	No restrictions

(b) Acting promotion

Officers are eligible for acting promotion to higher ranks on complete of the following minimum Service limits subject to availability of vacancies:—

Captain		•	•	•	•	•	years
Major		•	•		•		o years
Lt. Colonel					•		(i) yoats
Colonel		٠	•				8½ years
Brigadioi	٠			•			12} years
Major Gene	_ગ ુવા	•			•		20 years
Lt, General			•				25 years

(B) FOR CANDIDATE JOINING THE NAVAL

ACADEMY, GOA

1. (a) Candidates, finally selected for training at the Academy will be appointed as cadets in the Executive Branch of the Navy. They will be required to deposit the following amount with the Captain, Naval Academy, Goa.

(1) Condidates not applying for government financial aid:

(i) Pocket allowance for six months @ R ₅ , 100.00 per month	Rs. 600.00
(ii) For items of clothing and equipment	Rs. 1260.00
Total	Rs. 1860.00

- (2) Candidates applying for Government financial aid:
 - for two months
 @ Rs. 100.00 per month

 (ii) For items of clothing and equipment

 Rs. 1260.00

 Total

 Rs. 1460.00
- (b) (1) Selected Candidates will be appointed as cadets and undergo training in Naval Ships and establishment as under:

 - (c) Acting Sub-Lieutenant Technical Course

12 months.

(d) Sub-lieutenants

(i) Pocket allowance

On completion of the above training, the officers will be appointed on board Indian Naval Ships for obtaining full Naval Watch-keeping certificates for which a minimum period of six months is essential.

(ii) The cost of tunning including accommodation and allied services, books, uniform, messing and medical treatment of the cadets at the Naval Academy will be borne by the Government. Parents of guardians of cadets will, however be required to meet their pocket and other frivate expenses while they are cadets. When a cadet's purent or guardian has an income less than Rs. 500 per mensem and is unable to meet wholly or partly the pocket expenses of the cadet, financial assistance upto Rs. 90 per mensem may be granted by the Government. A candidate desirous of securing financial assistance may immediately after his selection, submit an application through the District Magistrate of his District, who will with his recommendations, forward the application to the Director of Manpower Planning & Recruitment, Naval Headquarters, New Delhi-110011.

Provided that in a case where two or more sons or wards of a parent or guardian are simultaneously undergoing training at Naval ships/establishments, financial assistance aratoresaid may be granted to all of them for the period they simultaneously undergo training if the income of the parent or guardian does not exceed Rs. 600 p.m.

- (iii) Subsequent training in ships and establishments of the Indian Navy is also at the expense of the Government. During the first six months of their training after leaving the Academy financial concession similar to those admissible at the Academy vide sub-pita (ii) above will be extended to them. After six months of training in ships and establishment of the Indian Navy. When Cadets are promoted to the rank of Midshipmen they begin to receive pay and parents are not expected to pay for any of their expenses.
- (iv) In addition to the Uniform provided free by the Government cadets should be in possession of some other items of clothing. In order to ensure correct pattern and uniformity these items will be made at Naval Academy and cost

will be met by the parents or guardians of the cadets. Cadets apply for financial assistance may be issued with some of these items of clothing free or on loan. They may only be required to purchase certain items.

- (v) During the period of training. Service Cadets may receive pay and allowances of the substantive rank held by them as a sailor or as an apprentice at the time of selection us cadets. They will also be entitled to receive increments of pay, if any, admissible in that rank. If the pay and allowances of their substantive rank be less than the financial assistance admissible to direct cadets and provided they are eligible for such assistance they will also receive the difference between the two amounts.
- (vi) No cadet will normally be permitted to resign while under training. A cadet who is not considered suitable to complete the full course at the Indian Naval Ships and establishment may, with the approval of the Government be withdrawn from training and discharged. A service cadet under these circumstances may be reverted to his original appointment. A cadet thus discharged or reveited will not be cligible for re-admission to a subsequent course. Cases of cadets who are allowed to resign on compassionate grounds, however, be considered on merits.
- 2. Before a candidate is selected as a cadet in the Indian Navy, his parent or guardian will be required to sign:—
 - (a) A certificate to the effect that he fully understands that he or his son or ward shall not be entitled to claim any compensation or other relief from the Government in respect of any injury which his son or ward may sustain in the course of or as a result of the training or whose bodily infirmity or death results in the course of or as a result of a surgical operation performed upon or anaesthesia administered to him for the treatment of any injury received as aforestid or otherwise.
 - (b) A bond to the effect that if for any reason considered within the control of the candidate he wishes to withdraw from training or fails to accept a commission, if offered, he will be liable to refund the whole or such portion of the cost of the tuition, food, clothing and pay and allowances received as may be decided upon by the Government.

3. PAY AND ALLOWANCES

(a) PAY

Rank	Pay Scale General Service,	-
1	2	_
- ~ 1 1 1		_
Midshipman · ·	· Rs. 560 00	
Ag. Sub-Lieut 🕟 🕟	Rs. 750 (00	
Sub. Lieut · · ·	 Rs. 830 00-4870 00 	
Liout · · ·	· Rs, 1100 00—1450 00	
Lieut Cdr · · ·	· Rs. 1450 ·00 = 1800 00	
Lieut, Cdr, (Selection Gr Pay)	rade · Rs. 1800 ·00 – 1900 00	
Commander (By Solection	on) · Rs. 1750 00 1950 00	
•	cue) Rs. 1900 00 fixed	
· ·	Grade Rs. 2000 00—2100 00	
Captain · · ·	 Rs. 1950 00 -2400 00 (Commodoro receives pay to which ontitled according to seniority as Captain) 	_
Rear Admiral · ·	· Rs. 2500 ·00125 ·00/22750 (0.0
Vice-Admiral	Rs. 3000-00	-
Vice-Admiral (VCNS-		
FOC-IN-C)	Rs. 3250 00	
Admiral	- Rs. 4000 ·00	

(b) ALLOWANCES

In addition to pay, an officer, receives the following allow-

- Compensatory (City) and dearness allowance and interim relicf are admissible at the same rates and under the same conditions as are applicable to the Civilian Gazetted officers from time to time.
- (ii) A kit maintenance allowance of Rs. 75 p.m.
- (iii) When officers are serving outside India expatitation allowances ranging from Rs. 50 to Rs. 250 p.m. depending on rank held; is admissible.
- (iv) a separation allowance filde of Rs. 140 p.m. is admissible to-
 - (a) married officers serving in non-family station; and
 - (b) married officers serving on board IN. Ships for the period during which they remain in ships away from the base ports;
- (v) (a) Outfit Allowance: Initial Outfit Allowance is Rs. 2,400/-
 - (b) Renewal Outfit Allowance is Rs. 2,100/- after every 7 years of effective Service.
- (vi) Free rations are provided upto the level of Commodore (IN) in the Navy.
- (vii) Separation Allowance (Peace) Rear Admiral and above when forced to live in mess due to non-uvailabove when forced to live in mess due to non-tivali-ability of family accommodation are entitled to Separation Allowance (Peace) of Rs. 200/- P.M. w.e.f. the date of assumption of duty at the new Station till allotment of family accommodation. This allowance would be payable only in areas where such officers are not entitled to free ration as part of field services concession,
- NOTE I:—In addition certain special concessions like hardlying money sub-marine allowance, sub-marine chariot pay, Flying Pay survey bounty, qualification pay grant, Technical Pay and diving ray are admissible to officers.
- NOTE II:—Officers can volunteer for Service in Sub-marine o_r Aviation Arms. Officers selected for Service in these arms are entitled to enhanced pay and special allowances.

4. PROMOTION

(a) By time scule

Midshipman to Ag. Sub. Lieut 🔒 year

Ag. Su. Liout, to Sub Licut 1 you

Sub. Lieut, to Lieut. . 3 years as Ag. and Confirmed Sub. Lt, (Subject to gain/

forfeiture of seniority)

Liout to Lieut, Cdr. . Lieut Cdr. to Cdr. (if not promoted by selection)

8 years seniority as Lieut. 24 years (reckonable commissioned service)

(b) By Selection

Licut, Cdr. to Cdr. 2-8 years seniority as Lieut.

Cdr, to Capt, - · 4 years seniority as Cdr. Capt to Rear Admiral and above, No service restriction.

5. POSTING

Officers are liable to serve anywhere in India and abroad.

NOIE:—Further information, if desired, may be obtained from the Director of Manpower Planning & Recruitment Naval Headquarters, New Delhi-110011.

- (C) FOR CANDIDATES JOINING TRAINING SCHOOL MADRAS THE OFFICERS
- 1. Before the candidate joins the Officer's Training School, Madras---
 - (a) he will be required to sign a certificate to the effect that he fully understands that he or his legul heirs shall not be entitled to claim any compensation of other relief from the Government in respect of any injury which he may sustain in the course of or as a result of the training, or where bodily infumity or death results in the course of or as a result of a surgical operation performed upon, or unaesthesia administered to him for the treatment of any injury received as aforesaid or otherwise.
 - (b) his parent or guardian will be required to sign a bond to the effect that, if for any reason considered within his control the candidate wishes to withdraw before the completion of the course or, fails to uccept a commission if offered or marries white under training at the Officers Training School, he will be liable to refund the whole or such portion of the cost of tuition, food, clothing and pay and allowances received as muy be decided upon by the Government.
- 2. Candidates finally selected will undergo a course of training at the Officer's Training School, for an approximate period of 9 months. Candidates will be enrolled under the Army Act as gentlemen cadets. Gentlemen cadets will be dealt with for ordinary disciplinary purposes under the rules and regulations of the Officer's Training School.
- 3. While the cost of training including accommodations books, uniforms, boarding and medical treatment will be borne by Government, candidates will be expected to meet their pocket expenses themselves. The minimum expenses during the pre-Commission training are not likely to exceed Rs. 90 per month but if the cadets pursue any hobbies such as photography, Shikar, hiking etc. they may require additional money. In case, however, the cadet is unable to meet tional money. In case, however, the cadet is unable to meet wholly or partly even the minimum expenditure, financial assistance at rates which are subject to change from time to time, may be given provided the cadet and his parent guardian, have an income below Rs. 500 per month. The rate of assistance under the existing orders is Rs. 90.00 per month. A cundidate desirous of having financial assistance should immediately after being finally selected for training submit an application on the prescribed form through the District Magistrate of his district who will forward the application to the Commandant, Officer's Training School, MADRAS along with his verification report. along with his verification report,
- 4. Candidates finally selected for training at the Officers' Training School will be required to deposit the following amount with the Commandant on arrival:—

(a) Pocket allowance for ten month at Rs. 90.00 per month

Rs. 900.00

(b) For items of clothing and equipment Total

Rs. 500.00 Rs. 1400.00

Out of the amount mentioned above the amount mentioned in (b) above is refundable to the Cudets in the event of financial assistance being sanctioned to them

5. Outfit allowance will be admissible under order as may be issued from time to time.

On being granted a commission articles of clothing and necessaries purchased from this allowance shall become the personal property of the cadet. Such articles, will however be withdrawn from a cadet who resigns while under training or who is removed or withdrawn prior to commissioning. The articles withdrawn will be disposed of to the best advantage of the State.

6. No candidate will normally be permitted to resign whilst undertraining. However, Gentlemen Cadets resigning after the commencement of training may be allowed to proceed home pending acceptance of their resignation by Atmy HQ. Cost of training, messing and allied services will be recovered from them before their departure. They and their parents guardians will be required to execute a bond to this effect before the candidates are allowed to join Officers' Training School.

- 7. A Gentlemen Cadet who is not considered suitable to complete the full course of training may with permission of Government be discharged. An Army candidate under these circumstances will be reverted to his Regiment or Corps.
- 8. Pay and allowances, pension, leave and other conditions of service, after the grant of Commission, are given below.

9. Training

- 1. Selected candidates will be enrolled under the Army Act as Gentlemen Cadets and will undergo a course of training at the Officers Training School for an approximate period of nine months. On successful completion of training Centlemen cadets are granted Short Service Commission in the rank of 2/Lt, from the date of successful completion of training.
 - 10. Terms and conditions of Service
 - (a) Period of probation

An officer will be on probation for a period of 6 months from the date he receives his commission. If he is reported on within the probationary period as unsuitable to retain his commission, it may be terminated any time whether before or after the expiry of the probationary reviod.

(b) Posting

Personnel granted Short Service Commission are liable to serve anywhere in India and abroad.

(c) Tenure of Appointment and Promotion.

Short Service Commission in the Regular Army will be granted for a period of five years. Such officers who are willing to continue to serve in the Army after the period of five years Short Service Commission may if eligible and suitable in all respects, be considered for the grant of perminent Commission in the last year of their Short Service Commission in accordance with the relevant rules. Those who fail to qualify for the grant of Permanent Commission during the tenure of five years, would be released on completion of the tenure of five years.

(d) Pay and allowances

Officers granted Short Service Commission will receive pay and allowances as applicable in the regular officers of the Army.

Rates of ruy of 2/Lt. and Lieut are-

(ii) Second Lieut ... Rs. 750-790 p.m.
(ii) Lieut ... Rs. 830-950 p.m.
plus other allowance as laid down for regular officers

- (e) Leave: For leave, these officers will be governed by rules applicable to Short Service Commission Officers as given in Chapter V of the Leave Rules for the Service Vol. I-Army. They will also be entitled to leave on passing out of the Officers' Training School and before assumption of duties under the provision of the Rule 91 ibid.
- (f) Termination of Commission: An officer granted Short Service Commission will be liable to serve for five years but his Commission may be terminated at any time by the Government of India—
 - (i) for misconduct or if services are found to be unsatisfactory; or
 - (ii) on account of medical unfitness; or
 - (iii) if his services are no longer required; or
 - (iv) if he fails to qualify in any prescribed test or course.

An officer may on giving 3 months notice be permitted to resign his commission on compassionate grounds of which the Government of India will be the sole judge. An officer who is permitted to resign his commission on compassionate grounds will not be eligible for terminal gratuity.

- (g) Pensionary benefits
 - (1) These are under consideration.
 - (ii) SSC officers on expiry of their five years term are clighble for terminal gratinty of Rs. 5,000.00.
- (h) Reserve Liability

On being released on the expiry of five years Short Service Commission of extension thereof they will carry a reserve hability for a period of five years or upto the age of 40 years whichever is carlier

(i) Miscellaneous. All other terms and conditions of Service where not at variance with the above provisions will be the same as for regular officers.

(D) FOR CANDIDATES JOINING THE AIR FORCE ACADEMY

- 1 Selection—Recruitment to the Flying Branch (Pilots) of the IAF is carried out through two sources i.e. Direct entry through UPSC and NCC (Serior Division Air Wing).
 - (a) Direct Entry—Selection is made through a written examination conducted by the Commission twice a year normally in May and November. Successful candidates are then sent to the Air Force Selection Boards for tests and interviews.
 - (b) NCC Entry—Application from NCC candidates are invited by Director General NCC through respective NCC units and forwarded to Air HQ Eligible candidates are directed to report to AFSBs for tests and interviews.
- 2. Detailing for Training.—Candidates recommended by the AISBs and found medically fit by appropriate medical establishment are detailed for training strictly on the basis of ment and availability of vacancies Separate merit lists are prepared for Direct Entry candidates through UPSC and for NCC candidates. The ment list for Direct Entry Flying (Pilot) candidates is based on the combined marks secured by the candidates in the tests conducted by the UPSC and at the AF Selection Boards. The ment list for NCC candidates is prepared on the basis of marks secured by them at AISBs.
- 3. Training.—The appropriate duration of training for Flying Branch (Pilots) at the Air Force Academy will be 75 weeks.

Insurance cover during Flying Training.—Air Force Group insurance Society would pay Rs. 35,000/- as Ex-gratia award to the next-of-kin of a flight cadet drawn from Civil life and undergoing flying training in an unfortunate eventuality. In case flight cadet undergoing flying training is medically invalided and boarded out, he would be paid Rs. 20,000 as Ex-gratia award for 100% disability and this reduces proportionately upto 20%.

Once, flight cadets are granted pay and allowances by Government, the death cover would be Rs. 50,000/- and the disability cover would be Rs. 25,000/- for 100% disability. This cover would be provided by AFGIS on payment of monthly non-refundable contribution of Rs. 76/- by each flight cadet undergoing flying training for which membership would be compulsory.

Conditions governing Financial Assistance

(1) While the cost of training including accommodations, books, uniforms, boarding and medical treatment will be borne by Government candidates will be expected to meet their pocket expenses themselves. The minimum expenses at the Air Force Administrative College are not likely to exceed Rs. 90 00 per mensem. If a cadet's parent or guardian is unable to meet wholly partly even this expenditure, financial assistance may be granted by the Government. No cadet

whose parent or guardian has an income of Rs. 500,00 per mensem or above would be eligible for the grant of the financial assistance. The immovable property and other assets and income from all sources are also taken into account for determining the eligibility for financial assistance. The parent guardian of a candidate desirous of having any financial assistance, should immediately, after his son/ward has been finally selected for training at the Air Force Administrative College, submit an application through the District Magistrate of his district who will, with his recommendations, forward the application to the Commandant Air Force Administrative College, Red Fields, Coimbatore.

- (ii) Candidates finally selected for training at the Air Force Administrative College will be required to deposit the following amount with the commandant on arrival:—
 - (a) Pocket allowance for five months @ Rs. 90.00 per month—Rs. 450.00.
 - (b) For item of clothing and equipment Rs. 525 00 Total: Rs. 975.00.

Out of the amount mentioned above the following amount is refundable to the cadets in the event of financial assistance being sanctioned:—

Pocket allowance for the five months at Rs. 90 00 per month—Rs. 450.00.

4. Career Prospects

After successful completion of training, the candidates pass out in the rank of Pilot Officer and become entitled to the pay and allowances of the rank. At the existing lates, Officers of the Flying Branch get approximately Rs. 2450/- p.m. which includes flying pay of Rs 750/- p.m. Air Force offers good career prospects though it varies from branch to branch.

There are two types of promotions in the IAF i.e. grant of higher Acting rank and Substantive rank. Each higher rank carries with it extra emolument. Depending on the number of vacancies, one has a good number of chances to get promotion to the higher Acting rank. Time-scale promotion to the rank of Squadron Leader and Wing Commander is granted after successful completion of 11 years for Flying (Pilot) branch and 24 years of service respectively. Grant of higher rank from Wing Commander and above is by selection, carried out by duly constituted promotion Boards. Promising Officers have good chances of higher promotions.

5. PAY AND ALLOWANCES

Substantive	R	ınk	+				Flying Branch
							Rs.
Plt Offr.					-		825-865
Flg. Offr.				•			910-1030
Fit Ltd.				-			1150-1550
Sqn, Ldr							1450-1800
Wg. Cdr			•				1550-1950
GP Capt							1950-2175
Air Comde.						-	2200-2400
Air Vice Ma	rsh	a1		•			2550-2750
Air Marshal							3000

Dearness and compensatory Allowances.—Officers are entitled to these allowance at the rates under condition applicable to civilian employees of Government of India.

Kit Maintenance Allowance.—Rs. 75/- p.m. Flying Pay; Officers of the Flying Branch are entitled to get Flying Pay at the following rates:—

W Cdr and below	R٩.	750.00	P.M.
Gp Capt, and Air Comde	Rs.	666,00	P.M.
Air Vice Marshal and above	Rs.	400 OO	PМ

Qualification Pay.—Officers of the rank of Wing Commander and below who have completed two or more years of commissioned service are eligible or qualification pay grant at prescribed rates in respect of certain specified qualifications. Rates of qualification pay Rs. 70 --, and 100/- and grants are Rs. 6,000/- Rs. 4,500/-, Rs. 2,400 -- and Rs. 1,600/-.

Expaniation Allowance.—Ranging from 25 per cent to 40 per cent (depending upon the rank held) of the Foreign Allowance admissible to a single Third Secretary/Second Secretary/First Secretary/Counseller, serving in the country where IAF Officers are required to move as body of troop.

Separation Allowance.—Married Officers posted to Units I ormations located at non-family stations/areas notified as such by Government for this purpose, where families are not permitted to accompany them will receive separation allowance of Rs. 140/- p.m.

Outfit Allowance.—Rs. 2,100/- initially (as modified from time to time) towards cost of uniform/equipment which an officer has to possess: Rs. 1,800/- for renewal after every seven years.

Camp Klt.—Free issue at the time of commissioning.

Free rations are provided upto the level of Air Commodore in the Air Force.

(6) Leave and leave fravel Concession:

1nnual Leave.-60 days a year.

Casual Leave. -20 days a year not more than 10 days at a time.

Officers and their families are entitled to free conveyance when proceeding on annual/casual leave irrespective of its duration one year after commissioning. Once in a block of two years, commencing from January, 1971 the conveyance is admissible from place of duty (unit) to home. The year in which this concession is not availed of free conveyance for a distance of 1450 kms each way is admissible for self and wife.

In addition officers of Hying Branch employed on regular flying duties in vacancies in authorised establishment are allowed, while proceeding on leave once every year on warrant a free rail journey in the appropriate class upto a total distance of 1450 Kms each way is admissible for self, wite and dependent Children.

Officers when travelling on leave at their own expense are entitled to first class travel on payment of 60 per cent of the fare for self, wife and children from unit to any place within India thrice in a calendar year. One of these may be availed of for the entire family In addition to wife and children family includes parents, sisters and minor brothers residing with and wholly dependent upon the officers.

7. Pensionary Binifits

Rotiring Rank substantive	Minimum Length of qualifying service	Standard rate of retiring Pension	Personal pension
(1)	(2)	(3)	(4)
Flt. Offr./Fg.			
Offir.	20 уелга	950 ·00 P.M.	100 ·00 P.M.
Plt. Lt.	20 years	1200 ·00 P.M.	75 ·00 P.M.
Sgn. Ldr.	22 years	1400 ·00 P.M.	-7.7
Wg. Cdr,			
(Time Scale)	26 years	1525 ·00 P.M.	
Wg. Cdr.	· 24 years	1575 ·00 P.M.	-
(Selective)			
Gp. Capt. · ·	26 years	1850 ·00 P.M.	
Air Comde.	28 years	2025 ·00 P.M.	_
Air Vice Marshal	30 years	2275 ·00 P.M.	

(1)	(2)	(3)	(4)
Air Marshal Air Marshal VCAS and AOSC-	30 years	2400 ·00 P.M.	,- 3
in-C · · · · · · · · · · · · · · · · · · ·	30 years 30 years	2500 ·00 P.M. 2825 ·00 P.M.	

8. Retiring Gratuity

Retiring gratuity at the discretion of the President is as under:—

- (a) For 10 years service—Rs. 12,000/- less 11 month's pay of rank last held.
- (b) for every additional year—Rs. 12000/- less 4 month's pay of rank last held.

In addition to pension or gratuity a death-cum-retirement gratuity, equal to 4th of emoluments for each completed six

monthly period of qualifying service subject to maximum of 16½ times of the emoluments not exceeding Rs. 50,000/- is admissible. In case of death while in service the amount of death-cum-retirement gratuity will be as follows:—

- (a) two months pay, if death occurs in the first year of service;
- (b) six months pay, if death occurs after the first year but before completion of five years;
- (c) minimum of 12 months pay, if death occurs after five years.

Disability pension and Special Family Pensionary award, incluing awards to children and dependents (parents, brothers and sisters), are also payable in accordance with the prescribed rules.

9. Other privileges

The Officers and their families are entitled to free medical aid, accommodation on concessional rent, group insurance scheme, group housing scheme, family assistance scheme, canteen facilities etc.